

1. τερῶσης ἃ ακούης· οὗτος δὲ γέρων, Εὐλόγιος λέ-
γεται· τῇ δὲ τέχνῃ λατόμος ἐστίν·
καταλύει οὖν ἐκ τοῦ ἐργοχείρου αὐτοῦ
ἡμερούσιον ἐν κεράτιον νομίω, ἕως ἐσπέρας μὴ γεν-
5. ὁμενός τινος· καὶ τῇ ἐσπέρᾳ ἐξέρχεται εἰς
τὸ κτῆμα, καὶ ὅσους εὖρη ξένους, λαμβά-
νει αὐτοὺς εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ καὶ τρέφει αὐτούς,
καὶ τὰ περισσεύματα τῶν κλασμάτων, παραβάλλει τοῖς κυναρίοις
καθὼς εἶδες· ἔχει δὲ τὸ ἐπιτήδευμα
10. τοῦ λατόμου, ἐκ νεότητος μέχρι τῆς σήμερον·
ἔστι δὲ σήμερον πλείω τῶν ἑκατὸν ἐτῶν καὶ χωρηγεῖ αὐτῷ ὁ Χριστὸς
δύναμιν, καὶ καταλύει ἡμερούσιον τὸ κεράτιον τῶν νομίω.
ὅτε δὲ ἤμην νεώτερος, ὥς πρὸ ἐτῶν τεσσαράκοντα, ἀνέ-
βην πωλῆσαι τὸ ἐργόχειρόν μου εἰς ἐκεῖνο τὸ
15. κτῆμα· καὶ τῆς ἐσπέρας ἦλθε καὶ ἐλὼν με με
καὶ ἄλλους σὺν ἐμοὶ ἀδελφοὺς κατὰ τὸ εἰωθὸς
καὶ ἐξενοδόχησέ με. ἐγὼ δὲ ἐλθὼν ἐνταῦθα,
καὶ ἰδὼν τὴν ἀρετὴν τοῦ ἀνδρός, ἠρξάμην
νηστεύειν ἑβδομάδας συναπτάς, καὶ παρακαλεῖν
20. τὸν θεὸν χωρηγῆσαι αὐτῷ περισσὸν ἀνάλωμα ἵνα ἔχη καὶ
εὐεργετῇ καὶ ἄλλους πλείονας· καὶ νηστεύ-
σας τρεῖς ἑβδομάδας, ἐκείμην ἀπὸ τῆς ἀσκήσεως ἡμι-
θανής· καὶ βλέπω τινὰ ἐλθόντα ἔγγιστά μου

14-15. C εἰς τὸ κτῆμα ἐκεῖνο

15-17. C ἦλθεν καὶ ἔλαβέν με καὶ ἄλλους σὺν ἐμοὶ ἀδελφοὺς κατὰ τὸ ἔθος,

καὶ ἐξενοδόχησεν ἡμᾶς, in cui: a) si elimina il costrutto Part. + καὶ + Vb. fin.

di M Pa, oltretutto assente nel testo slavo; b) ἔθος è più vicino a οἰκισμῶν; c) alla r. 17 si ha il pn. di 1^a pl. come in slavo.

1. сѣенноподѣнымъ образомъ. и гл҃а ми.
2. Даниїле, что ти іѣ. и рѣхъ іемоу. слово дѣ
3. хѣу не въкоусити хлѣба, дондѣже оуслыши-
4. т' ме ѿ Евлагїи каменосѣч'ци. даже дѣ іе-
5. моу бѣвение да и другые питати имѣ
6. и гл҃а ми. ни. добръ оубѣ іѣ. и рѣхъ іемоу.
7. паче гїи дажѣ іемоу, даже в'си ѿ томъ про-
8. славетъ име твое ст҃ое. и гл҃а ми. азъ гл҃ю
9. ти, ꙗко добръ іѣ тако. аще ли хоцеша да іе-
10. моу дамъ, испорочу си ѿ дѣи его, ꙗко
11. сѣсена боудеть имѣниемъ многымъ,
12. и азъ дамъ іемоу. азъ же рѣхъ къ нѣмоу. ѿ
13. роучъ мой истесаша дѣи его. и оузрѣ
14. ꙗко на стѣимъ въскр҃сени стоѣхомъ и
15. отроче сѣдѣше врѣхоу ст҃го камене. и Евла-
16. гиа ѿ десноу его стояща. и посла къ м'
17. нѣ единого ѿ прѣстоѣщихъ іемоу, и въ-
18. проси. сѣи ли іѣ испорочивыи Евлагїа
19. и рѣше в'си. еи вѣко. и пакы гл҃а. рыцѣте
20. іемоу. ꙗко испороченіе истесати има-
21. мъ. и гл҃ахъ іемоу. еи вѣко, ѿ мене. тѣ-
22. чию дажѣ іемоу. и видѣхъ ꙗко сыпадохѣ
23. въ нѣдра Евлагию злата многа бѣла.

1. ἱεροπρεπῇ τῷ σχήματι καὶ λέγει μοι·
Δανιήλ τί ἔχεις; καὶ λέγω αὐτῷ· λόγον δέδωκα
δέσποτα τῷ Χριστῷ μὴ γείσασθαι ἄρτου ἕως οὗ ἀκού-
σῃ μου περὶ Εὐλογίου τοῦ λατόμου, ἵνα ἐπιχωρηγήσῃ αὐ-
5. τῷ εὐλογίαν, ἵνα καὶ ἄλλους πλείονας εὐεργετήσῃ.
καὶ λέγει μοι· ουχί· καλὸς ἐστίν· λέγω αὐτῷ·
μᾶλλον κύριε δὸς αὐτῷ, ἵνα πάντες δι' αὐτοῦ δοξά-
σωσι τὸ ὄνομά σου τὸ ἅγιον· καὶ λέγει μοι· ἐγώ σοι
λέγω καλὸς ἐστίν οὕτως. εἰ δὲ θέλεις ἵνα χωρηγήσω αὐ-
10. τῷ, ἐγγύησαι περὶ τῆς ψυχῆς αὐτοῦ ὅτι
σώζεται ἐν τοῖς πλείοσι,
κἀγὼ παρέχω αὐτῷ· λέγω οὖν πρὸς αὐτόν· ἐκ
τῶν χειρῶν μου ἐκζήτησον τὴν ψυχὴν αὐτοῦ· καὶ βλέπω
ὥς ὅτι εἰς τὴν ἁγίαν ἀνάστασιν ἐστήκαμεν· καὶ
15. μεῖράκιον ἐκάθητο ἐπάνω τοῦ ἁγίου λίθου· καὶ τὸν Εὐλό-
γιον ἐκ δεξιῶν αὐτοῦ ἱστάμενον· καὶ πέμπει πρὸς
μέ τινα τῶν παρισταμένων αὐτῷ καὶ λέ-
γει μοι· οὗτός ἐστιν ὁ ἐγγυησάμενος Εὐλόγιον;
καὶ λέγουσι πάντες· ναὶ δέσποτα· καὶ πάλιν λέγει· εἴπατε
20. αὐτῷ ὅτι τὴν ἐγγύην ἀπαιτήσαι ἔ-
χω· καὶ λέγω αὐτῷ· ναὶ δέσποτα πρὸς ἐμέ· μό-
νον δὸς αὐτῷ· καὶ βλέπω ὅτι ἐκένουν
εἰς τὸν κόλπον Εὐλογίου χρήματα πολλὰ πάνυ·

6. C καλῶς ἐστίν

9. C λέγω ὅτι καλῶς ἐστίν οὕτως

1. и велико ѿни сыпадахоу, толико възимахѹ
2. нѣдра его. и възбоудив'шоу ми се, оувѣдѣ
3. тако слышано бѣ прошение мое. и просла-
4. вихъ бѣ. Евлагіе же изышѣ на роуководѣли-
5. е свое, оудари въ камень. и слыша . тако
6. доупна мѣста глѣ оудареніа и пакы оу-
7. дари. и ѿбрѣтаетъ доупиноу малоу. и па-
8. кы оударивъ, ѿврѣзе се пещера пльна зла-
9. томъ. оудивив' же се Евлагіе, глѣ въ себѣ
10. злата сита, ісрѣльска соуть, что оуже съ-
11. твороу. аще ѿнесоу сита въ вьсь, оувѣдѣ-
12. но боудеть кнезоу и възметъ е. и азъ постра-
13. дати имамъ. паче же идоу въ странѣ инѣ.
14. идеже никтоже познаваетъ ме. и искоу-
15. пивъ скотины, тако каменіе прѣнести.
16. въ ноци прѣнесе злато на рѣкоу. и расы-
17. павъ дѣло ѿно доброіе еже творѣаше. въ-
18. ложивъ злато въ корабъ, иде въ Визан'тію.
19. црѣтоваше же тогда Иоустины старыи.
20. и даде юмоу злато много. и сътвори его
21. ипар'ха. коупи же и храминоу велию. та-
22. же нарицаетъ се Егупт'ска и до днѣ и по
23. двой лѣтѣхъ, видѣхъ въ с'нѣ отроче ѿ-

1. καὶ ὅσον ἐκεῖνοι ἐκένουν, τοσοῦτον ἐπεδέχετο
ὁ κόλπος Εὐλόγιου· καὶ διυπνισθεὶς ἔγνων
ὅτι εἰσηκούσθην, καὶ ἐδόξα-
σα(ν) τὸν θεόν· Εὐλόγιος δὲ ἐλθὼν εἰς τὸ ἐργόχει-
ρον αὐτοῦ, κρούει εἰς πέτραν καὶ ἀκούει ὑπόκουφόν
τινα ψόφον. καὶ πάλιν κρού-
ει· καὶ εὑρίσκει
σπήλαιον μεστὸν χρημά-
των· ἔκθαμβος δὲ γενόμενος ὁ Εὐλόγιος, λέγει ἐν ἑαυτῷ·
10. τὰ χρήματα ταῦτα, τῶν Ἰσραηλιτῶν εἰσι· τί δὲ ποι-
ήσω; ἐὰν λάβω αὐτὰ εἰς τὸ κτῆμα ἀκούει
ὁ ἄρχων καὶ ἔρχεται καὶ λαμβάνει αὐτὰ καὶ γὰρ κιν-
δυνεύω· μᾶλλον οὖν εἰς τὴν ἔξω χώραν
ὅπου οἶδεῖς με γινώσκει ἀπέλθω· καὶ μισθω-
15. σάμενος ζῶα ὥς ἵνα κομίση λίθους,
νυκτὸς ἐκόμισεν τὰ χρήματα παρὰ τὸν ποταμόν· καὶ καταλύ-
σας τὸ καλὸν ἔργον ἐκεῖνο ὃ ἐποίει, βα-
λὼν αὐτὰ εἰς πλοῖον, κατέλαβε τὸ Βυζάντιον.
ἐβασίλευε δὲ τότε Ἰουστίνος ὁ γέρων,
20. καὶ δίδωσι αὐτῷ χρήματα πολλά, καὶ ποιεῖ αὐτὸν
ἑπαρχὸν τῶν ἱερῶν πραιτωρίων· ἠγόρασε δὲ καὶ οἰκίαν μεγάλην, ἣτις
λέγεται τὰ Αἰγύπτου μέχρι τῆς σήμερον· καὶ μετὰ
δύο ἔτη, βλέπω κατ' ὄναρ τὸ μεράκιον ἐκεῖ-

3-4. Emendiamo sec. C ἐδόξασα

4. Pa C ἐξελθὼν

12. C om. καὶ ἔρχεται

1. но на стѣимъ въскр̄сени, ꙗкоже и прѣже.
2. таже видѣхъ и Евлаѣиѣ вѣдима еѣдинѣ
3. нѣкимъ еѣиѣпомъ, прѣмо лицю о-
4. трочете. и възбоудившоу ми се, гл̄ахъ
5. въ себѣ оувы мнѣ окаян'номоу, погоубѣ
6. дшюу свою. и възъмъ кожоушьць свои, и-
7. дохъ въ вьсь ꙗко продаю роуководѣлие свое.
8. и чающюу ми видѣти Евлаѣиѣ вечероу
9. зѣло бывшоу, никтоже ме призва въ-
10. ставъ ѿтоудюу, молихъ еѣдиноу старицѣ
11. гл̄е. ты мѣти, принеси ми три пазима-
12. ды да ꙗмъ понеже не ꙗль ꙗсмъ днѣ о-
13. на же шѣши принесе ми мало варение.
14. и съд'ши оу мене, на чѣ гл̄ати пользна сло-
15. веса. и рѣ ми. господине авва. не вѣси ли
16. ꙗко юнь ꙗси и непѣбно ти ꙗе въ вьси ноше-
17. вати; или не вѣси ꙗко иноч'скыи чинъ
18. безмльвие трѣбоуеъ. гл̄ахъ ꙗи. что
19. оуже велиши сътворити ми, ꙗко роуко-
20. дѣлие свое приидохъ продати. ѿна же
21. рѣ ми. аще и роуководѣлие свое продавае-
22. ши, не омрыцаи тако въ вьси. аз' же рѣхъ ꙗи.
23. оуже ты, ѿстави ме бесѣдами сими.

1. νο εἰς τὴν ἁγίαν Ἀνάστασιν ὥσπερ πρότερον·
καὶ μετὰ μικρόν, βλέπω τὸν Εὐλόγιον συρόμενον ἀπὸ
προσώπου τοῦ μειρακίου ὑπὸ ἐνὸς Αἰθιώπης·
καὶ διυπνισθεὶς λέγω
5. ἐν ἑμαυτῷ· ἄβαλέ μοι τῷ ἁμαρτωλῷ ἀπώλεσά
μου τὴν ψυχὴν· καὶ λαβὼν τὴν μηλωτὴν μου ἀπῆλ-
θον εἰς τὸ κτῆμα ὡς πωλὼν τὸ ἐργόχειρόν μου·
καὶ προσδοκῶν εὑρεῖν τὸν Εὐλόγιον, ἐσπέρα
πάνυ ἐγένετο καὶ οἶδεις με προετρέψατο· ἐγεί-
10. ρομαι οὖν καὶ ἐπερωτῶ μίαν γραῦν,
καὶ λέγω αὐτῇ· ὄντως σὺ ἄμμᾶ, λάβε μοι τρία παξαμά-
τια ἵνα φάγω, ὅτι οὐκ ἔφαγον σήμερον. ἡ
δὲ ἀπελθοῦσα ἤνεγκέν μοι ὀλίγον ἐψητὸν
καὶ παρακαθίσασκά μοι ἤρξατο λαλεῖν ὠφελίας ῥή-
15. ματα λέγουσα· κύρι' ἄββᾶ, οὐκ οἶδας
ὅτι νεώτερος εἶ καὶ οὐκ ὀφείλεις εἰς κτῆμα ὀψί-
ζεσθαι; ἡ οὐκ οἶδας ὅτι τὸ μοναχικὸν σχῆμα
ἡσυχίαν θέλει; λέγω αὐτῇ· τί
οὖν κελεύεις ἵνα ποιήσω, ὅτι τὸ ἐργό-
20. χειρόν μου ἦλθον πωλῆσαι; ἡ δὲ
εἶπεν· κἂν τὸ ἐργόχειρόν σου πω-
λῇς, μὴ ὀψιζε οὕτως εἰς κτῆμα· καὶ λέγω αὐτῇ·
ὄντως σὺ ἄφες μοι τὰς ὁμιλίας ταύτας·
21. C εἶπέν μοι

1. нь повѣѣ ми. нѣ ли въ вѣси сѣи члѣкъ боіе-
2. и се бѣ, и приемиаи стран'ныи. и глѣ ми.
3. ѡле что ѿнѣ глѣ господне авва. имѣхом'
4. оубѣ зде каменосѣчца нѣкоего, и мно-
5. га добра творѣше въ странныхъ. и видѣ-
6. въ бѣ дѣла іего, даде іемоу даръ. и такоже
7. слышимъ, патрикии іе дѣнь. слышав' же
8. азъ¹ си, глѣхъ въ себѣ. тако азъ² оубиство
9. се сѣтворихъ. и вѣшѣ въ корабѣ, въ Визан'-
10. тию постигохъ. и испытавъ домъ Евла-
11. гиа египтѣнина и сѣдѣ при двѣрѣ дво-
12. ра іего, дондеже изыде. и видѣхъ іего мѣ-
13. гыимъ величіемъ исхоща. и вѣзвѣ
14. іего глѣ. помилоуи ме, нѣчто хоощу ти
15. на единѣ реши. и не вѣнет' ми. нь послѣ-
16. доущіи іемоу, бѣахоу ме. и прѣварае
17. пакы вѣпитахъ. и всегда бѣахоу ме.
18. и сѣтвори сице боуревае се, нѣли дѣ. и не мѣ-
19. гохъ іемоу глѣ реши. и тогда стоужив'шѣ
20. ми се, идохъ и повѣргохъ себе прѣ ѡбразѣ
21. прѣстѣиѣ бѣе плачемъ. и глѣхъ сѣсоу. гѣ.
22. или разрѣши пороучение мое ѡ члѣка сего,
23. или ѡхожѣу и азъ въ мирѣ. и се въ срѣци сѣ-

1. ἀλλ' εἶπέ μοι· οὐκ ἔστιν εἰς τὸ κτῆμα τοῦτο ἄνθρωπος φοβού-
μενος τὸν θεὸν καὶ ἐπισυνάγων τοὺς ξένους; καὶ λέγει μοι·
ὦ τὶ ἐλάλησας κύρι' ἄββᾶ. εἴχομεν
ὦδε λατόμον τινά, καὶ πολ-
5. λὰ καλὰ ἐποίει εἰς τοὺς ξένους· καὶ ἰδὼν
ὁ θεὸς τὰ ἔργα αὐτοῦ, ἔδωκεν αὐτῷ χάριν· καὶ ἔστιν ὡς ἀκού-
ομεν πατρίκιος σήμερον· ἀκούσας δὲ
ἐγὼ ταῦτα, λέγω ἐν ἑμαυτῷ· ἐγὼ τὸν φόνον
τοῦτον εἰργασάμην· καὶ ἐμβὰς εἰς πλοῖον καταλαμ-
10. βάνω τὸ Βυζάντιον· καὶ περιεργασάμενος τὴν οἰκίαν Εὐλο-
γίου τοῦ αἰγυπτίου, καθέζομαι ἔμπροσθεν τοῦ πυλῶ-
νος αὐτοῦ ἕως ὅτε προῆλθεν· καὶ θεωρῶ αὐτὸν ἐν φαντασίᾳ
πολλῇ. καὶ κράζω
αὐτῷ· ἐλέησόν μέ τί ποτε θέλω σοι
15. ἰδιᾶσαι. καὶ οὐ προσέσχε μοι, ἀλλὰ τὸ ὀψί-
κιον αὐτοῦ ἔτυπτέ με. καὶ προελάμβανον
καὶ πάλιν ἔκραζον· καὶ πάλιν καὶ πάλιν ἔτυπτόν με.
καὶ ἐποίησα οὕτως χειμαζόμενος τέσσαρας ἑβδομάδας, καὶ οὐκ ἠδυνή-
θην αὐτῷ συντυχεῖν. τότε ὀλιγωρήσας,
20. ἀπῆλθον καὶ ἔρριψα ἑμαυτὸν ἔμπροσθεν τῆς εἰκόνος
τῆς ὑπεραγίας θεοτόκου μετὰ κλαυθμοῦ, καὶ λέγω πρὸς τὸν σωτῆρα· κύρι-
ῃ λῦσον τὴν ἐγγύην τοῦ ἀνθρώπου τούτου ἀπ' ἐμοῦ,
ἢ κἀγὼ ὑπάγω εἰς τὸν κόσμον· καὶ ταῦτά μου ἐν τῇ διανοίᾳ

18. Nei lessici paleoslavi il verbo *бoгpиeдaти* (ce/cA) è documentato una sola volta, cf. LPGL: 48 ("fluctuare"). Quanto a *χειμάζεσθαι*, può significare "restare all'aperto, esposto alle intemperie", "agitarsi, essere turbato" (uno di questi due significati avrà avuto in mente il traduttore). Compare poi in altre accezioni: cf. GEL: 1982; PGL, II: 1520 "to be afflicted"; GSMIG: coll. 1741-43 (*χειμαζόμενοι* = "energumeni"?). Clugnet a nostro parere non raggiunge affatto un buon risultato emendando la lezione corrotta *σχειμαζόμενος* del suo ms. in *σχηματιζόμενος* ("fingendo, simulando"?; ma che cosa, in ultima analisi?).

1. иемь рекъ оүсноухъ. и видѣхъ како мль-
2. ва идѣше велиа. и гл҃аху. како цр҃ца мимѣ-
3. ходитъ. и идѣху прѣ нею тмы чиновъ.
4. и възвахъ азъ гл҃іе. помилоуи ме вл҃чце моа.
5. она же ста и¹ рѣ ми, что іе еже имаши. и²
6. рѣхъ ии. Евлѡгиа и пар'ха испороучихъ.
7. и повели иемоу да разрѣшитъ ме ѿ пороуч-
8. ченіа сего. она же рече ми. азъ вещь не
9. имамъ. како хоцеши, сътвори ѡ пороуч-
10. чени своемъ. и възбодив се, гл҃ахъ себѣ
11. аще ми іе оумрѣти, не ѡхожѡу ѿ вратъ
12. него дондеже гл҃ю иемоу. и идохъ пакы
13. съдѣти прѣ дверми. и такоже исхожда-
14. ше възопихъ. и притече на ме бивачъ.
15. и даде ми проутіе толико, дон'деже распа-
16. де се в'се тѣло мое. тогда же омалѣвшѣ
17. ми, гл҃ахъ себѣ поидѣмъ въ скитъ. и а-
18. ще хоцетъ бѣ сп҃саетъ и мене и Евлѡгиа.
19. и идохъ искати корабъ, и обрѣтохъ але-
20. зан'дрьскыи. и такоже тѣчию вьнидохъ
21. въ нь ѿ тоугы своее, вьсклонивъ себе
22. оүсноухъ. и видѣхъ себе пакы на сѣти-
23. мь вьскр҃сени. и отроче ѡно съдѣше

1. εἰπόντος, ἀπενύσταξα. καὶ θεωρῶ ὅτι θόρυ-
βος ἦρχετο μέγας· καὶ λέγουσιν· ἡ αὐγοῦστα προέρχε-
ται· καὶ προῆλθον ἔμπροσθεν αὐτῆς μυριάδες καὶ χιλιάδες ταγμάτων·
καὶ ἔκραξα ἔγώ· καὶ εἶπον· ἐλέησόν με δέσποινά μου·
5. ἡ δὲ ἔστη καὶ λέγει μοι· τί ἐστὶν ὃ ἔχεις; καὶ
λέγω αὐτῇ· Εὐλόγιον τὸν ὑπαρχον ἐγγυησάμην·
καὶ κέλευσον αὐτῷ ἐκλυτρώσαί με τῆς ἐγγύ-
της ταύτης. ἡ δὲ εἶπέν μοι· ἐγὼ πρᾶγμα οὐκ
ἔχω, ὥς θέλεις πλήρωσον τὴν ἐγγύ-
10. ην· καὶ διυπνισθεῖς, λέγω ἑμαυτῷ·
ἐὰν δεῖ με ἀποθανεῖν, οὐκ ἀναχωρῶ τοῦ πυλῶνος
αὐτοῦ ἐὰν μὴ συντύχω αὐτῷ· καὶ ἀπῆλθον πάλιν
ἔμπροσθεν τοῦ πυλῶνος, καὶ ὥς προέρχε-
ται, ἔκραξα. καὶ ἐπιτρέχει μοι ὁ ὀστιάριος,
15. καὶ δίδωσί μοι βέργας, ἕως οὗ κατέπε-
σεν ὅλον τὸ σῶμά μου. τότε ὀλιγω-
ρήσας, λέγω ἐν ἑαυτῷ· ἄγωμεν εἰς σκῆτιν, καὶ ἐ-
ὰν θέλῃ ὁ θεός, σῶζει καὶ ἐμὲ καὶ τὸν Εὐλόγιον.
καὶ ἀπῆλθον ἐρευνῆσαι πλοῖον. καὶ εὐρὼν ἄλε-
20. ξανδρινόν, καὶ ὥς μόνον εἰσῆλθον
εἰς αὐτό, ἀπὸ ὀλιγωρίας μου ἔθηκα ἑμαυτὸν
καὶ ἀφύπνωσα. καὶ βλέπω ἑμαυτὸν πάλιν εἰς τὴν ἀγί-
αν Ἀνάστασιν. καὶ τὸ μειράκιον ἐκεῖνο καθήμενον

2. C παρέρχεται

1. на стѣимъ камени, и зреще на ме прѣще-
2. ниємъ гл̃а ми. не идеши ли съврѣшити
3. пороучение свое; азъ же стоахъ трепеще.
4. и не могы ни мала ѿ страха гл̃ати. и по-
5. велѣ двѣма прѣстоещима кѣмоу. и повѣ-
6. сише ме опако роукамъ свезанѣмъ и
7. гл̃ахоу ми. вѣще силы своеѣе, не пороучаи
8. се. и не прѣрѣкаи боу. и висещоу ми, не
9. можахъ ѿврѣсти оуста своа. и се гл̃а гл̃а-
10. ше. цр̃ца мимоходитъ. и видѣвъ ю, при-
11. кехъ мало оутѣшеніе. и гл̃ахъ кѣи тѣн'цѣ-
12. мъ гл̃амъ. помилоуи ме вл̃чце мироу. и
13. гл̃а ми. что пакы хоуеши. и рѣхъ кѣи.
14. о пороучени Евлагиевъ вишоу. и гл̃а
15. ми. азъ о тебѣ молю се. и видѣхъ ꙗко иде,
16. и цѣловаше нозѣ отрочете ѿного. и гл̃а
17. ми стѣе отроче ѿно. поиди, и к томоу не
18. сътвори вещь сию. азъ же рѣхъ. съгрѣшѣ
19. вл̃ко прости ме. азъ оубѣ молихъ се да по-
20. трѣбънь боудеть, а не непотрѣбънь. и по-
21. велѣ и ѿвезаше ме. и гл̃а ми. поиди въ
22. келию свою. азъ же како имамъ привести
23. Евлагия на прѣвыи кѣго чинъ, не ищи.

1. ἐπὶ τοῦ ἁγίου λίθου, καὶ προσέχων μοι μετ' ἀπει-
λῆς, λέγει μοι· οὐχ ὑπάγεις πληροῖς
τὴν ἐγγύην; ἐγὼ δὲ ἰστάμην τρέμων
καὶ μὴ δυνάμενος ὅλως λαλῆσαι ἀπὸ τοῦ φόβου μου· καὶ κε-
5. λεύει δύο τῶν παρισταμένων αὐτῷ, καὶ κρε-
μῶσί με ὀπισθάγγονα, καὶ
λέγουσί μοι· μὴ ὑπὲρ τὴν δύναμιν σου ἐγγυ-
ῶ καὶ μὴ ἀντίλεγε θεῷ· καὶ οἶκ
ἡδυνάμην ἀνοίξαι τὸ στόμα μου κρεμάμενος. καὶ ἰδοὺ φωνὴ λέ-
10. γουσα· ἡ αὐγοῦστα προέρχεται· καὶ ἰδὼν αὐτὴν ἔλα-
βον μικρὰν παραμυθίαν· καὶ λέγω αὐτῇ λεπτ-
τῇ τῇ φωνῇ· ἐλέησόν με δέσποινα τοῦ κόσμου· καὶ
λέγει μοι· τί πάλιν θέλεις; λέγω αὐτῇ·
περὶ τῆς ἐγγύης Εὐλογίου κρέμαμαι. καὶ λέγει
15. μοι· ἐγὼ παρακαλῶ ὑπὲρ σοῦ. καὶ βλέπω ὅτι ἀπῆλθε
καὶ κατεφίλει τοὺς πόδας τοῦ μειρακίου· καὶ λέγει
μοι τὸ ἅγιον μειράκιον ἐκεῖνο· ὕπαγε μηκέτι
ποιήσης τὸ πρᾶγμα τοῦτο· καὶ λέγω· ἥμαρτον
δέσποτα συγχώρησόν μοι. ἐγὼ γὰρ παρεκάλεσα ἵνα χρήσι-
20. μος γένηται· οὐχὶ δὲ ἀχρήσιμος· καὶ κε-
λεύει καὶ λίουσί με καὶ λέγει μοι· ὕπαγε εἰς
τὸ κελλίον σου. καὶ πῶς φέρω
τὸν Εὐλόγιον εἰς τὴν προτέραν αὐτοῦ τάξιν μὴ ζήτηι.

13. C λέγω δὲ αὐτῇ

16. C τοῦ μειρακίου ἐκείνου

1. и възбодив се, радовах се радостию ве-
2. лиею, како избавих' се таковаго порочче-
3. нїа и бл҃годаре бѣ плавахъ, и идѡ въ кели-
4. ю свою. по трехъ же мѣцехъ, слышахъ како
5. кон'ча се Иоустинъ. и цѣлѡуеъ Иоустин-
6. нианъ въ мѣсто его. таже мало, навѣтъ
7. сѣтворише на нь. Ипатіе. и Деѡиократ'.
8. и Помбїе. и Евлогїе ипар'хъ. и они оубо
9. трие ѣти бывше, главы ихъ ѡсѣкоше.
10. и имѣнїа ихъ расхытише. такоже и имѣ-
11. нїе Евлогїево. Евлогїе же съкрыв' се,
12. въ ноци изъ Константинаграда оубѣже.
13. и повелѣ црѣ. идеже аще ѡбрѣсть се Евло-
14. гїе, смрътию оумреть. и тогда бѣжавъ,
15. прииде въ свою вьсь. и измѣни ризь свои
16. такоже и¹ прѣже носаше. и² събра се в'са въ-
17. сь видѣти его. и гл҃ахоу ѣмоу. добръ
18. ѣси пришель. мы слышахомъ како па-
19. трикие ѣси сѣтворенъ. и гл҃а имъ. еи.
20. аще патрикие бихъ былъ, лица ваша не
21. бихъ видѣлъ. нь имъ Евлогїе ѣсть. азъ бо
22. на сѣиихъ мѣстѣхъ ѣсмь былъ. и при-
23. шѣ въ себе, рѣхъ. ѡкладны Евлогїе, въ-

1. καὶ διυπνισθεὶς, ἐχάρην χαρὰν μεγάλην ἀπαλλαγὴς τῆς τοιαύτης ἐγγύης (ἐγγύης). καὶ εὐπλευσα εὐχαριστῶν τῷ θεῷ. μετὰ δὲ τρεῖς μῆνας, ἀκούω ὅτι
5. ἐτελεύτησεν Ἰουστίνος καὶ βασιλεύει Ἰουστινιανὸς ἀντ' αὐτοῦ· εἶτα μετ' ὀλίγον ἀνταίρουσιν αὐτῷ Ὑπάτιος καὶ Δεξιοκράτης καὶ Πομπείος καὶ Εὐλόγιος ὁ ὑπαρχος. καὶ οἱ μὲν τρεῖς κρατηθέντες, ἀπεκεφαλίσθησαν
10. καὶ διηρπάγησαν πάντα τὰ αὐτῶν, καὶ ἡ οὐσία Εὐλογίου· καὶ φεύγει νυκτὸς ἀπὸ Κωνσταντινουπόλεως ὁ Εὐλόγιος καὶ κελεύει ὁ βασιλεὺς ἵνα ὅπου εὑρεθῇ ὁ Εὐλόγιος, ἀποθάνῃ. τότε φεύγει
15. καὶ ἔρχεται εἰς τὸ χωρίον αὐτοῦ· καὶ ἀλλάσσει τὰ ἱμάτια αὐτοῦ ὡς τὰ τῶν χωρικῶν· καὶ συνήχθη ὅλον τὸ κτῆμα ἰδεῖν τὸν Εὐλόγιον· καὶ λέγουσιν αὐτῷ· καλῶς ἦλθες· ἠκούσαμεν ὅτι πατρίκιος ἐγένου· καὶ λέγει αὐτοῖς· ναί,
20. εἰ πατρίκιος ἐγενόμην τὴν ὄψιν ἱμῶν ἔβλεπον· οὐχί· ἀλλὰ ἄλλος Εὐλόγιος τῆς χώρας ταύτης ἐστίν· ἐγὼ γὰρ εἰς τοὺς ἁγίους τόπους ἤμην· καὶ ἔρχεται εἰς ἑαυτὸν καὶ λέγει· ταπεινὸν Εὐλόγιε· ἔ-
17. C ἰδεῖν αὐτόν·

1. стани и възми камен'ное съчиво, и иди дѣ-
2. лани. Зде оубѡ полата нѣ да не како и гла-
3. воу свою погѣбиши. и възьмь камен'но-
4. е съчиво, изыде на камень идеже злато ѡ-
5. брѣте. тако мнече ѡбрѣсти и дроугѡ.
6. и тлькъ до шестаго часа, ничтоже ѡбрѣте.
7. и начеть въспоминати съѡровы еже
8. немѡу послѣдовахоу и величиа. и мноѡ
9. различнаѡ брашна. и пакы глѡше въ се-
10. бѣ ѡкаан'ныи Евлѡгииѣ, вѣстани дѣлани.
11. зде Егупть ѿѣ и мало по малоу, поста-
12. ви его сѣое ѡтроче и влѣца наша бѣѡа, на
13. прьвыи его чинь. нѣ оубѡ неправеден'
14. бѣ забыти прьвыи его троуды по ма-
15. лоу же врѣмени, възьидѡ въ вѣсь ѡноу про-
16. дати роукѡдѣлиѣ свое. и се вечерѡу бы-
17. в'шоу, прииде по прьвоѡу ѡбычаю его,
18. и възѣ ме. и такоже видѣхъ его прахомъ
19. попала. въздѣхноухъ и прослѣзиви рѣхъ.
20. тако възвеличише се дѣла твоѡ гѣ. в'са прѣ-
21. моудрѡстию сътворишь еси. кто бѣ ве-
22. лии тако бѣ нашъ, ты еси бѣ твореи чюдеса е-
23. динь. гѣ оубѡжитъ и богатить. смѣ-

1. γειρε λάβε τὸ λατομικόν σου καὶ ὕπαγε κά-
με· ὦδε παλάτιον οὐκ ἔστιν, μήποτε καὶ τὴν κεφα-
λήν σου ἀπολέσης· καὶ λαβὼν τὸ λατομι-
κὸν ἐργαλείον, ἐξέβη εἰς τὴν πέτραν ὅπου τὰ χρήματα εὖ-
ρεν, ὡς νομίζων εὑρεῖν καὶ ἄλλα·
καὶ κρούσας ἕως ὥρας ἑκτῆς, οὐδὲν εὔρεν·
καὶ ἤρξατο μιμνήσκεισθαι τὰ ὀψίκια καὶ
τὴν φαντασίαν καὶ
τὰ ἐδέσματα· καὶ πάλιν ἔλεγεν ἐν ἑαυ-
τῷ· ταπεινὲ Εὐλόγιε ἔγειρε κάμε,
ὦδε Αἴγυπτός ἐστιν· καὶ κατὰ μικρὸν μικρὸν, κατέ-
στησεν αὐτὸν τὸ ἅγιον μεράκιον καὶ ἡ δέσποινα ἡμῶν ἡ θεοτόκος εἰς
τὴν προτέραν τάξιν· οὐ γὰρ ἄδικος
ὁ θεὸς ἐπιλαθέσθαι τῶν πρώτων αὐτοῦ καμάτων. μετὰ δὲ ὀλί-
γων χρόνον, ἀνέβην εἰς τὸ χωρίον ἐκεῖνο πωλῆ-
σαι τὸ ἐργόχειρόν μου. καὶ ἰδοὺ ἐσπέρας,
ἦλθε κατὰ τὸ πρῶτον ἔθος αὐτοῦ
καὶ ἔλαβέ με· καὶ ὡς εἶδον αὐτὸν ἐκ τοῦ κονιορ-
τοῦ, ἀνεστέναξα· καὶ δακρύσας εἶπον·
20. ὡς ἐμεγαλύνθη τὰ ἔργα σου κύριε. πάντα ἐν σο-
φίᾳ ἐποίησας· τίς θεὸς μέ-
γας ὡς ὁ θεὸς ἡμῶν; σὺ εἶ ὁ θεὸς ὁ ποιῶν θαυμάσια μό-
νος· κύριος πτωχίζει καὶ πλουτίζει, ταπει-

1. раеть и възвышдаеть. чюдеса твоа или сѣ-
2. дбы твоѣ, кто изъслѣдитъ г҃и. азъ оубѡ
3. грѣшныи начехъ, и въ малѣ не всели се
4. въ адъ дѣша моа. ты же възъм' ме и съ ины-
5. ми обрѣт'шими се, омы ноги наше по
6. ѡбываю. и прѣстави намъ трапезоу.
7. и вечеравшимъ намъ, г҃лахъ ѡмоу. ка-
8. ко ѡси авва Евлаѡгїе. ѡн' же рече. моли
9. се ѡ мнѣ господне авва, тако ниць ѡсм',
10. не имѣе въ роукахъ нич'тоже. азъ же рѣхъ
11. ѡмоу. хоощоу и еже имѣлъ ѡси, да не би и-
12. мѣлъ. и г҃ла ми. почто господне авва. е-
13. да что съблاذнил' те ѡсмь; г҃лахъ ѡмоу.
14. коѡ оубѡ иже еже не съблاذнил ме ѡси;
15. тогда повѣдахъ ѡмоу в'са быв'шаа и пла-
16. кав'шими нама ѡбѣма, рече ми. по-
17. моли се авва да послеть бѣ потрѣбоу, и ѡ
18. пнѣа да исправлю се. г҃лахъ ѡмоу. въ и-
19. стиноу брате, да не надѣеши се ѡ х҃а и-
20. но что данно ти быти въ мирѣ семь, ра-
21. звѣ пѣнеса сего еже иже ѡ троудѣ твоегѡ.
22. и се оуже толико лѣ даде ѡмоу силоу бѣ,
23. творити пѣнесъ сии роукама своимѣ

1. νοῖ καὶ ἀνυψοῖ· τὰ θαυμάσιά σου ἢ τὰ κρίμα-
τά σου τίς ἐξιχνιάσει κύριε; ἐγὼ δὲ
ἁμαρτωλὸς ἐπεχείρησα. καὶ παρὰ βραχὺ παρώκη-
σε τῷ ἄδῃ ἡ ψυχὴ μου· αὐτὸς δὲ λαβὼν με μετὰ καὶ ἄλ-
λων τῶν εὐρεθέντων, ἐνίψεν ἡμῶν τοὺς πόδας κατὰ
τὸ ἔθος· καὶ παρέθηκεν ἡμῖν τράπεζαν·
καὶ μετὰ τὸ γεύσασθαι ἡμᾶς, λέγω αὐτῷ· πῶς
ἔχεις ἁββᾶ Εὐλόγιε; ὁ δὲ λέγει μοι· εὖξαι
ὑπὲρ ἐμοῦ κύρι' ἁββᾶ, ὅτι ταπεινός εἰμι,
10. μὴ ἔχων μετὰ χειρὸς τί ποτε· λέγω
αὐτῷ· εἶθε καὶ ἃ εἶχες μὴ ἔ-
σχες· λέγει μοι· διὰ τί κύρι' ἁββᾶ, τί
ποτέ σε ἐσκανδάλισα; λέγω αὐτῷ·
τί γὰρ οἶκ ἐσκανδάλισάς με;
15. τότε ἀνεθέμην αὐτῷ ἅπαντα τὰ γενόμενα· καὶ κλαυ-
σάντων ἀμφοτέρων ἡμῶν, λέγει μοι· εὖ-
ξαι ἁββᾶ ἵνα πέμψῃ ὁ θεὸς τὴν χρεῖαν, καὶ ἀπὸ
τοῦ νῦν διορθοῦμαι· λέγω αὐτῷ· ὄν-
τως ἀδελφε μὴ προσδοκήσης ἔτι πιστευθῇ-
20. ναι παρὰ τοῦ Χριστοῦ ἄλλο τί ποτε ὅσον εἶ ἐν τῷ κόσμῳ τούτῳ, εἰ
μὴ τὸ κεράτιον τοῦτο τοῦ καμάτου σου.
καὶ ἰδοὺ τοσοῦτους χρόνους ἐχωρήγησεν αὐτῷ ὁ θεὸς τὴν δύναμιν,
καταλύειν τὸ κεράτιον τοῦ χειρουργίου αὐτοῦ·

10. C καγὼ εἶπον per λέγω

12. C καὶ λέγει μοι

1. Сига повѣда авва Даниль оученикоу свое-
2. моу. по ѡшьстви ихъ ѿ Фиваиды ѡуди-
3. вить же се ѿ бѣи бѣгостыни. како въ
4. малѣ възвыси Евлаѡгид, и пакы смѣри
5. и¹ толико на пол'зоу. молим' се оуже и² мы
6. смѣрити се ѿ хѣ. даже на страш'нѣмъ сѣ-
7. диши его, ѡбрещемъ мѣтъ въ славѣ его .
8. О Ан'дрѡниѣцѣ сребропродавци .
- 9 Бѣше нѣкто сребропродавецъ въ Антіѡхі-
10. и великои. именемъ Ан'дрѡникъ по-
11. ѿ оубѣ женоу нѣкоего сребропродавца Іѡ-
12. анна дѣщерь, именемъ Аѡанасію. въ и-
13. стиноу оубѣ Аѡанасіа гави се дѣлы и ѡм(омъ).
- 14 бѣше же и Ан'дрѡникъ бѣгоговинъ зѣло.
15. и добрыми дѣлы испльненъ. бѣхоу же бо-
16. гати зѣло. сицево же житіе ихъ бѣше.
17. сребропродание и богат'ство ихъ в'се, на
18. три чести разѣлахоу. єдиноу честь нищи-
19. имъ. и дроугоу инокыимъ. третію же,
20. на потрѣбоу себѣ в'сь же грѣ люблѣше
21. Ан'дрѡника добродѣтели ради его. роди
22. же се ємоу снѣ. и нарѣ име ємоу Іѡаннь.
23. потом' же родише и дѣщерь. и нарече име

43 R

74

13. Pe ѡмѣ, sintatticamente insostenibile. Cf. HB оумомъ

1. ταῦτα ἐθάρρησεν ὁ ἀββᾶς Δανιήλ τῷ μαθητῇ αὐ-
τοῦ μετὰ τὸ ἐπαναλῦσαι αὐτοὺς ἀπὸ Θηβαίδος. θαυμά-
σαι δέ ἐστιν τὴν τοῦ θεοῦ ἀγαθότητα, πῶς δι'
ὀλίγου ὑψωσε τὸν Εὐλόγιον, καὶ πάλιν ἐταπείνωσε
5. τοῦτον πρὸς τὸ συμφέρον. εὐζώμεθα δὲ καὶ ἡμεῖς
ταπεινωθῆναι ἐν Χριστῷ, ἵνα ἐν τῷ φοβερῷ αὐτοῦ βήμα-
τι εὐρωμεν ἔλεος ἐνώπιον τῆς δόξης αὐτοῦ.
Περὶ Ἀνδρονίκου ἀργυροκόπου καὶ τῆς γυναικὸς αὐτοῦ
Ἀθανασίας
Ἦν τις ἀργυροπράτης ἐν Ἀντιοχεί-
10. α τῇ μεγάλῃ, ὀνόματι Ἀνδρόνικος· ἔλα-
βε δὲ γυναῖκα θυγατέρα[ν] Ἰωάννου τινὸς ἀργυ-
ροπράτου, ὀνόματι Ἀθανασίαν· ὄν-
τως γὰρ ἀθανασία ἐφάνη τοῖς ἔργοις καὶ τῷ λογισμῷ·
ἦν δὲ καὶ ὁ Ἀνδρόνικος, εὐλαβὴς πάνυ.
15. καὶ καλῶν ἔργων μεμεστωμένος· ἦσαν δὲ πλού-
σιοι σφόδρα· οὕτως δὲ ἦν αὐτῶν ὁ βίος·
τὰ τοῦ ἀργυροπρατείου καὶ τῆς περιουσίας αὐτῶν, εἰς
τρία μέρη διεῖλον· ἓν μέρος εἰς λόγον τῶν πτω-
χῶν· καὶ τὸ ἄλλο εἰς λόγον τῶν μοναχῶν· τὸ δὲ τρίτον,
20. εἰς λόγον ἑαυτῶν· πᾶσα δὲ ἡ πόλις ἡγάπα
τὸν κύριον Ἀνδρόνικον διὰ τὴν ἐπιείκειαν αὐτοῦ· ἔτεκεν
δὲ υἱὸν καὶ ἐπωνόμασεν αὐτὸν Ἰωάννην·
ἔτι δὲ ἐν γαστρὶ λαβοῦσα, ἔτεκεν θυγατέρα· καὶ ἐπωνόμασεν

5. Pa C τοσοῦτον per τοῦτον.

8ss. Poiché Clugnet (1901: 47-64) dà il testo in tre redazioni, occorre precisare:

la red. C (pp. 57-61) diverge dal nostro testo; la red. A è la più vicina a M, Pa ed al testo slavo fino a p. 52, r. 9; da questo punto in poi il nostro testo (M-Pa-sl.) si accorda con la red. B (cf. p. 56, r. 27 ss.) che (a differenza di A; su questo punto c'è invece parziale accordo con C) ricorda la contesa sulla sepoltura di Andronico.

21. M P (non C) presentano dopo ἐπιείκειαν αὐτοῦ· le parole ἔγνω δὲ τὴν γυναῖκα αὐτοῦ, καὶ συλλαβοῦσα ἔτεκεν υἱόν· καὶ ἐπ. κτλ.

1. ии Мариа и к томоу не приложи косноу-
2. ти се къ ии Ан'дрѡникъ. на в'сакоу же не-
3. дѣлю и понѣлникъ. въ срѣдоу и петъкъ,
4. ѿ вечера до оутра оупражняше се. Ан'дро-
5. никъ оубѡ на оумывение моужемъ. Аѡа-
6. насиа же, на оумывеніе женамъ се же,
7. страннолюбига ради творяхоу. въ еди-
8. н' же днь, пришѣши Аѡанасиа оутроу, ѿ
9. оумытиа люботроуднаго, ѡбрѣте ѡбѣ
10. чедѣ свои стениціи. и възъшѣ на ѡдрѣ,
11. положи ѡтрочета на прѣси свое. блжены-
12. и же Ан'дрѡникъ възшѣ, начеть кричати на
13. ню тако много специ. ѡна же рече иемоу.
14. не гнѣвай се господине мои, отрочета оу-
15. бѡ болеть. ѡн' же осезавъ ихъ, ѡбрѣте
16. ѡгнемъ съдръжима и въздохнувъ рече.
17. вѡла г҃ѣ да боудеть. и иде вѣнь града
18. помолити се оу ст҃го Иоулиана. тамо бѡ
19. лежеть родители ихъ. прѣбѣ же тамо до
20. шестаго часа и възвратив се оуслыша
21. плачь и мльвоу въ домоу своемъ. и смѣ-
22. тив се, тече. и ѡбрѣте коупно въсь грѣ
23. въ домоу своемъ. ѡтрочета же оумьр'ш(а.)

15. HB aggiunge, dopo оубѡ, *наю* (soprascr.) che potrebbe anche appartenere al testo originale, ma non ha comunque riscontro in greco.

1. αὐτὴν Μαρίαν· καὶ οὐκέτι προσέθετο προσεγγί-
σαι αὐτῇ ὁ Ἀνδρόνικος· κατὰ κυριακὴν
δὲ καὶ δευτέραν καὶ τετράδα καὶ παρασκευὴν,
ἀπὸ ἑσπέρας ἕως πρωῒ ἐσχόλαζεν· ὁ μὲν Ἀνδρό-
5. νικος εἰς τὰ λούσματα τῶν ἀνδρῶν· ἡ δὲ γυνὴ αὐτοῦ
εἰς τὰ λούσματα τῶν γυναικῶν
τῆς φιλοπτωχίας ἕνεκα· ἐν μιᾷ
οἷν τῶν ἡμερῶν ἐλθοῦσα ἡ κυρία Ἀθανασία ἀπὸ
τοῦ λούματος τῆς φιλοπτωχίας ὄρθρου, εὗρίσκει τὰ δύο
10. αὐτῆς τέκνα στενάζοντα· καὶ ἀνελθοῦσα ἐπὶ τῆς κλίνης
ἔθηκεν αὐτὰ ἐπὶ τὸ στήθος αὐτῆς· ὁ δὲ μακά-
ριος Ἀνδρόνικος εἰσελθὼν, ἤρξατο κατακράζειν αὐ-
τῆς ὥς πολλὰ κοιμωμένης· ἡ δὲ εἶπεν αὐτῷ·
μὴ γογγύζης κύριέ μου, τὰ παιδία γὰρ
15. ἀσθενοῦσιν· καὶ ἀψ(άμενος) αὐτῶν εἶρεν
αὐτὰ πυρετῷ συνεχόμενα· καὶ στενάξας λέγει·
τὸ θέλημα τοῦ κυρίου γενέσθω· καὶ ἀπῆλθε ἔξω τῆς πόλεως
προσεύξασθαι εἰς τὸν ἅγιον Ἰουλιανόν· ἐκεῖ γὰρ
κεῖνται οἱ γονεῖς αὐτῶν· ἐποίησε δὲ ἐκεῖ ἕως
20. ὥρας ἑκτῆς· καὶ ὑποστρέψας, ἀκούει
ὀλολυγμοῦ καὶ θορύβου γινομένου εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ· ὁ δὲ ταραχ-
θεὶς, ἔδραμε καὶ εὗρίσκει σχεδὸν πᾶσαν τὴν πόλιν
ἐν τῇ οἰκίᾳ αὐτοῦ, καὶ τὰ παιδία ἀποθανόντα·

11. C ἐπὶ τὰ στήθη αὐτῆς

14. C Pa μὴ ὀργίζου

15. In M (ad opera di una mano più tarda intervenuta a sanare un piccolo guasto completando alcune righe) si ha ἀψαμένων αὐτῶν. La lezione corretta ἀψάμενος αὐτῶν è in C Pa.

21. C om. γινομένου C Pa ἐν τῇ οἰκίᾳ αὐτοῦ

22. C εἶρεν

1. и видѣвъ отрочета въкоупѣ лежаща на одрѣ
2. вѣниде въ мольбный храмъ свои, и поврѣ-
3. же себе прѣ жртѣвникомъ плаче и глѣе. а-
4. зъ нагъ¹ изыдѣ ис чрѣва матер'ниа. нагъ²
5. пакы идоу тамо. гѣ дѣ, гѣ възеть. тако
6. гѣ въсхотѣ, тако и бѣ боуди име гнѣ
7. бѣвено ѿ нѣа и до вѣка. жена же его иска-
8. ше оудавити се глѣи. тако съ чеды своими
9. оумроу. с'ниде же се въсь грѣ на изнесеніе
10. отрочетемъ. такоже и патриар'хоу съ въ-
11. сѣмъ съборомъ црковнымъ пришѣшѣ,
12. и положише га въ храмъ стго мѣка Иоули-
13. ана, врѣхоу дѣдѣ ихъ. възъм' же бѣжень-
14. наго Андрѣяника патриар'хъ, иде въ па-
15. триар'хию. жена же его не хотѣ въ домѣ
16. свои ити, нѣ тамо въ храмъ спа. въ прѣпо-
17. ловленіи же ноци, гави се еи мѣкъ Иоули-
18. анъ образомъ иноч'скимъ глѣе еи. что
19. не оставлѣаши почитити соущій зде; она
20. же рѣ. гѣ. не wskрьби се на ме, понеже бо-
21. лещѣа есмь. двѣ чедѣ тѣчию имѣахъ, и
22. дѣнь обѣ коупно изнесохъ. он же глѣ еи
23. коликомъ лѣтомъ бѣхоу чедѣ твоѣ. глѣ

1. καὶ ἰδὼν τὰ νήπια ὁμοῦ κείμενα εἰς τὴν κλίνην,
εἰσελθὼν ἐν τῷ εὐκτηρίῳ αὐτοῦ, ἔρριψεν
ἑαυτὸν ἔμπροσθεν τοῦ θυσιαστηρίου κλαίων καὶ λέγων· αὐ-
τὸς γυμνὸς ἐξῆλθον ἐκ κοιλίας μητρός μου, γυμνὸς
5. καὶ ἀπελεύσομαι ἐκεῖ· ὁ κύριος ἔδωκεν, ὁ κύριος ἀφείλατο· ὥς
τῷ κυρίῳ ἔδοξεν οὕτως καὶ ἐγένετο· εἴη τὸ ὄνομα κυρίου
εὐλογημένον, ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ ἕως τοῦ αἰῶνος· ἡ δὲ γυνὴ αὐτοῦ ἐζή-
τει πνίξαι ἑαυτὴν λέγουσα, ὅτι μετὰ τῶν τέκνων μου
ἀποθανοῦμαι· συνῆλθε δὲ πᾶσα ἡ πόλις εἰς τὸ ἐξόδιον
10. τῶν παιδίων ὥστε τὸν πατριάρχην σὺν ὅλῳ
τῷ κλήρῳ ἐλθεῖν,
καὶ κατέθηκαν αὐτὰ ἐν τῷ μαρτυρίῳ τοῦ ἁγίου Ἰουλι-
ανοῦ, ἐπάνω τῶν πάππων αὐτῶν· λαβὼν δὲ τὸν μακά-
ριον Ἀνδρόνικον ὁ πατριάρχης, εἰσῆλθεν εἰς τὸ ἐπι-
σκοπεῖον· ἡ δὲ γυνὴ αὐτοῦ οὐκ ἠθέλησεν εἰς τὸν οἶκον
αὐτῆς ἀπελθεῖν, ἀλλ' εἰς τὸ μαρτύριον ἐκοιμήθη· μεσοῦσης
δὲ τῆς νυκτὸς παραφαίνεται αὐτῇ ὁ μάρτυς,
ἐν σχήματι μοναχοῦ λέγων αὐτῇ· τί
οὐκ ἀφίεις ἀναπαῆναι τοὺς ὦδε; ἡ
20. δὲ εἶπεν· κύριέ μου μὴ λυπηθῆς κατ' ἐμοῦ ἐπειδὴ πο-
νοῦσά εἰμι. δύο γὰρ τέκνα ἔσχον μόνα, καὶ
σήμερον τὰ δύο ἐξεκόμισα ὁμοῦ· ὁ δὲ λέγει αὐτῇ·
πόσων χρόνων ἦσαν τὰ παιδιά σου; λέγει

10. Pa ὥστε καὶ τὸν πατριάρχην

12. C ἔθηκαν

21. C εἶχον καὶ

1. ѱемоу. ѱедино бѣ тимь лѣтомь. и дроу-
2. гое же десетимь. ѱн' же къ нѣи рѣ. что оу-
3. же тѣхъ ради плачеши; хотѣл' бѣхъ грѣ
4. своихъ да би плакала. глѣю бѣ тѣбѣ же-
5. но. ѱакоже просить ѱѣство члѣнское пищѣ,
6. и нѣ възможно ѱемоу не дати ѱасти. та-
7. ко и младен'ци встѣзаетъ ѱѣ ѣа въ днѣ
8. ѱмь боудѣша бѣга. глѣюще. правѣи
9. соудѣи. лишилъ ѱеси нѣ земныхъ, не ли-
10. шилъ нѣ и нѣныхъ. ѱна же слышавши, оу-
11. тѣши се. и прѣложи плачѣ на радѣ глѣши
12. гдѣ ѱѣ инокъ вышѣдѣи нѣна зде. глѣ ѱеи
13. ключарѣ. зриши затворѣны дѣври всѣ,
14. и глѣѣши гдѣ ѱѣ вышѣши инокъ нѣна зде.
15. и позна хранитель црковныхъ, ѱако видѣ-
16. нѣе видѣла ѱѣ. ѱна же страхомъ ѱѣта бѣ-
17. вѣши, моли се ити въ домъ свои. и повѣ-
18. да моужоу своѣмоу ѱаже видѣ. тогда
19. глѣ ѱемоу бѣженѣа Аѣанасѣа. въ исти-
20. ноу господинѣ мои и при животѣ чѣдѣ
21. нашихъ хотѣх' ти рѣши, нѣ срамѣахъ се.
22. се оуже и по смрѣти ѱхъ глѣю ти. аще
23. слышиши и въведѣши мѣ въ монасти(рѣ)

Dopo la r. 11 manca, evidentemente in seguito ad un saut du même au même (cf. Introduz., pp. 8-9) il passo corrispondente al greco riportato a piè della pagina a fronte, integrabile sulla base di Nikolova (1980: 155): аще ѣбѣ живѣтъ чѣда моѣ на нѣ(ѣ)бѣ(ѣ)си, что плача аzz? И обративъ сѣ, поиска мнѣхъ гл(агол)ѣщаго къ нѣи и не обрѣте. И обыскавши всѣа цр(з)к(о)вѣ, никогоже обрѣте. И оудари вратарѣ гл(агол)ѣши:

1. αὐτῷ· τὸ ἓν δώδεκα χρόνων καὶ τὸ ἄλ-
λο δέκα· ὁ δὲ πρὸς αὐτήν· τί οὖν
ὑπὲρ ἐκείνων κλαίεις; εἴθε ἔκλαιες τὰς ἁμαρτίας
σου· λέγω γάρ σοι γύ-
5. ναι, ὅτι ὃν τρόπον ἀπαιτεῖ ἡ φύσις τοῦ ἀνθρώπου τὴν βρώσιν,
καὶ οὐ δυνατὸν μὴ δοῦναι αὐτῇ φαγεῖν, οὐ-
τως καὶ τὰ νήπια απαιτοῦσι τὸν Χριστὸν ἐν τῇ ἡμέρᾳ
ἐκείνῃ τὰ μέλλοντα ἀγαθὰ, λέγοντα· δικαιο-
κρίτα, ἐστέρησας ἡμᾶς τῶν ἐπιγείων, μὴ στε-
10. ρήσης ἡμᾶς καὶ τῶν ἐπουρανίων· ἡ δὲ ἀκούσασα κα-
τενύγη· καὶ μετέβαλε τὸ πένθος εἰς χαρὰν λέγουσα·
ποῦ ἐστὶν ὁ ἀββᾶς ὁ εἰσελθὼν ἄρτι ὧδε; λέγει αὐτῇ
ὁ θυρωρός· βλέπεις τὰς θύρας ἡσφαλισμένας πάσας,
καὶ λέγεις ποῦ ἐστὶν ὁ εἰσελθὼν ὧδε ἀββᾶς ἄρτι;
15. καὶ ἔγνωσεν ὁ παραμονάριος, ὅτι ὅπτα-
σίαν εἶδεν· ἡ δὲ φόβῳ συσχεθεῖσα
παρεκάλεισεν ἀπελθεῖν εἰς τὸν οἶκον αὐτῆς· καὶ διηγῆ-
σατο τῷ ἀνδρὶ αὐτῆς, ἃ εἶδεν· τότε
λέγει πρὸς αὐτὸν ἡ μακαρία Ἀθανασία· ὃν-
20. τως κύριέ μου, καὶ ἐν τῇ ζωῇ τῶν νηπίων
ἠθέλησά σοι εἰπεῖν καὶ ἡρυθρίων·
ἰδοὺ οὖν καὶ μετὰ τὸν θάνατον αὐτῶν λέγω σοι· ἐὰν
ἀκούσης μου, βάλλε ἐμὲ εἰς μοναστήριον

2. C ὁ δὲ λέγει πρὸς αὐτήν

10. Il traduttore slavo doveva avere di fronte un ms. che presentava παρεμυθήθη, παρεκλήθη
in luogo di κατενύγη.

11. Ecco il testo greco (sec. M) corrispondente al passo omissso in slavo:

λέγουσα· εἰ ἄρα ζῶσι τὰ τέκνα μου ἐν οὐρανοῖς, τί κλαίω;

καὶ στραφείσα, ἐζήτησε τὸν λαλήσαντα (Pa τὸν λαλ. αὐτῇ) ἀββᾶν καὶ οὐχ
εὔρεν· καὶ κρούει τῷ θυρωρῷ λέγουσα· ποῦ ἐστὶν κτλ.

1. да, плачю грѣ свой и гл҃а иѣи. иди искоуѣси
2. помысль свои нѣлю ієдиноу. и аще прѣбѣ-
3. деши въ помысль семь, тогда гл҃іємь. о-
4. на же пакы пришѣши тоѣе слово рѣ. и при-
5. зва бл҃женни Ан'дрѣиць тѣста своего,
6. и прѣдаде ємоу в'се имѣниє свое. гл҃іє іє-
7. моу. іако на сѣга мѣста идемь, и моли
8. о нѣ и аще оубѣ слоучит' се намь чл҃чѣск-
9. є, имаши съ бѣмь како хоцєши исправи-
10. ти имѣниє се. молю же ти се, бол'ницоу
11. сътворити ѡе. и стран'ноприѣтилище
12. иночѣско. и свободивъ живѣт'нага своа,
13. раздаде имь. и възъмь мало бл҃веніє
14. и два конѣ, изыде въ ноши тѣ и жена іє-
15. го єдини. бл҃женаа же Аѳанасіа изда-
16. лече видѣвши домъ свои, възрѣвши на
17. нѣбо рѣ. бѣ рекыи Авраамѣу и Саррѣ. изы-
18. ди ѿ земли свое и ѿ рода своего, и прии-
19. ди въ землю юже ти покажѣ. ты и ни-
20. нѣ настави нѣ въ страхъ т'вои. се оубѣ
21. имени ради твоего ѡставихомъ домъ
22. нашъ ѡврьсть. да не заключиши прѣ
23. нами врата цр҃квиа твоего. и плака-

1. καὶ κλαίω τὰς ἁμαρτίας μου. καὶ λέγει αὐτῇ· ὑπάγε δοκίμασον
τὸν λογισμόν σου μίαν ἑβδομάδα. καὶ ἐὰν ἐπιμεί-
νῃς ἐν τῷ σκόπῳ τούτῳ, λαλοῦμεν. ἡ
δὲ πάλιν ἐλθοῦσα, τὸν αὐτὸν λόγον εἶπεν· καὶ μετα-
5. καλεῖται ὁ μακάριος Ἀνδρόνικος τὸν πενθερὸν αὐτοῦ
καὶ παραδίδει αὐτῷ πᾶσαν τὴν οὐσίαν αὐτοῦ, λέγων αὐ-
τῷ· ὅτι εἰς τοὺς ἁγίους τόπους ὑπάγομεν εὐξασθαι·
ἐὰν οὖν συμβῇ ἡμῖν τὸ ἀνθρώπι-
νον, ἔχεις πρὸς τὸν θεὸν ὡς ἔχεις ποιῆσαι
10. μετὰ τῆς οὐσίας ταύτης· παρακαλῶ δέ σε, καὶ νοσοκομεῖον
ποιῆσαι τὰ ὧδε, καὶ ξενοδοχεῖον
μοναχῶν· καὶ ἐλευθερώσας τὰ ἀνδράποδα αὐτοῦ,
ἔδωκεν αὐτοῖς λεγάτα· καὶ λαβὼν μικρὰν εὐλογίαν,
καὶ δύο ἄλογα, ἐξῆλθεν νυκτὸς ἐκ τῆς πόλεως αὐτὸς καὶ ἡ γυναὶ αὐ-
15. τοῦ μόνοι· ἡ δὲ μακαρία Ἀθανασία, μακρό-
θεν ἰδοῦσα τὸν οἶκον αὐτῆς, ἀναβλέψασα εἰς
τὸν οὐρανὸν εἶπεν· ὁ θεὸς ὁ εἰπὼν τῷ Ἀβραάμ καὶ τῇ Σάρρᾳ, ἔ-
ξελθε ἐκ τῆς γῆς σου καὶ ἐκ τῆς συγγενείας σου, καὶ δεῦ-
ρο εἰς γῆν ἣν ἄν σοι δείξω· αὐτὸς καὶ τὰ
20. νῦν ὁδήγησον ἡμᾶς εἰς τὸν φόβον σου· ἰδοὺ γὰρ
διὰ τὸ ὄνομά σου, εἰάσαμεν τὸν οἶκον
ἡμῶν ἀνεωγμένον. μὴ κλείσῃς ἔμπροσθεν
ἡμῶν τὴν θύραν τῆς βασιλείας σου· καὶ κλαῖ-

14. Qui il traduttore ha reso con sicurezza il gr. tardo ἄλογα (“cavalli”).

1. вша оба идоста и постиг'ше въ сѣла
2. мѣста, поклонише се. гл҃авше съ мно-
3. гыми ѿѣи идоше къ сѣмоу Минѣ
4. алеѣан'дрѣскомоу, и поклонише се ѿмѣ.
5. прѣвникѣв' же Ан'дрѣвникъ въ чѣѣ ѿ. и ви-
6. дѣ инѣа съ бѣлцемъ крамолоу творещѣ
7. и гл҃а бѣлѣ. почто досаждаеши инѣоу;
8. гл҃а емѣ. г҃и. живѣтноѣ мое до скита и-
9. скоупилъ ѿѣ ити. и гл҃ю ѿмоу поидѣмъ
10. ѿнѣа, да же в'соу ноцѣ идемъ, и оутрѣ прѣ-
11. же ѿ го часа постигнемъ прѣже зноѣа
12. и не хѣцетъ ѿнѣа поити. гл҃а ѿмоу Ан'др(ѿ-)
13. никъ. имаши ли и дрѣго живѣтно.
14. гл҃а ѿмоу. имамъ. и рѣѣ ѿмоу. иди и при-
15. веи ми ѿ. и възмоу азъ ѿдино, и авѣа
16. дрѣгоѣ. поне же и азъ въ скитѣ хѣцѣу
17. ити. гл҃а же Ан'дрѣвникъ жѣнѣ своѣи
18. прѣѣди зде оу сѣго Минѣ, дон'де же
19. възвращѣу се. гл҃а ѿмоу ѿна. възм(и)
20. ме съ собою. гл҃а ѿи. жѣна не възходи(тъ)
21. въ скитѣ. она же съ плачемъ рѣѣ ѿмо(у)
22. имаши съ сѣымъ Минѣоу, аще не пр(и-)
23. шѣ прѣдаси ме въ монастирь. и цѣл(ѿ-)

1. σαντες οἱ ἀμφότεροι, ἀπήλθον· καὶ φθάσαντες εἰς τοὺς ἁγίους
τόπους προσεκύνησαν· καὶ συντυχόντες πολ-
λοὺς πατέρας, καταλαμβάνουσιν τὸν ἅγιον Μηνᾶν
Ἀλεξανδρείας, καὶ ἀπολαύουσι τοῦ μάρτυρος·
5. παρακύπτει οὖν ὁ Ἀνδρόνικος περὶ ὥραν ἐνάτην, καὶ βλέ-
πει μοναχὸν μετὰ λαϊκοῦ μάχην ποιοῦντα,
καὶ λέγει τῷ λαϊκῷ· διατί ὑβρίζεις τὸν ἀββᾶν;
λέγει αὐτῷ· δέσποτα, ἐπὶ τὴν σκῆτιν ἐμισθώσατο
τὸ ζῶόν μου, καὶ λέγω αὐτῷ ἄγωμεν
10. ἄρτι ἵνα ὁδεύσωμεν ὅλην τὴν νύκτα καὶ αὐριον ἕως
ώρας ἑκτῆς ἵνα φθάσωμεν πρὸ τοῦ καύματος,
καὶ οὐ θέλει ἵνα ἄρτι ἀπέλθωμεν· λέγει αὐτῷ ὁ κύριος Ἀνδρό-
νικος· ἔχεις ἄλλο ἐν ζῶον;
λέγει αὐτῷ· ναί· εἶπεν δὲ αὐτῷ· ὑπαγε φέ-
ρε μοι αὐτὸ καὶ ἐλθέ· καὶ λαμβάνω ἐγὼ τὸ ἐν ζῶον, καὶ ὁ ἀββᾶς
τὸ ἐν, ὅτι κἀγὼ εἰς τὴν σκῆτιν θέλω
καθελθεῖν· ὁ δὲ Ἀνδρόνικος λέγει τῇ γυναικὶ αὐτοῦ·
μείνον ὧδε εἰς τὸν ἅγιον Μηνᾶν, ἕως οὗ
ἀνέρχομαι· λέγει αὐτῷ ἐκείνη· λάβε
20. με μετὰ σοῦ· λέγει αὐτῇ· γυνὴ οὐ κατέρχεται
εἰς σκῆτιν· ἡ δὲ λέγει αὐτῷ μετὰ κλαυθμοῦ·
ἔχεις πρὸς τὸν ἅγιον Μηνᾶν ἐὰν ἀπομείνης, καὶ μὴ ἐλ-
θὼν καταστήσης με εἰς μοναστήριον· καὶ ἀσπασά-

18. Il testo greco dopo ἕως οὗ prosegue così: κατέρχομαι εἰς τὴν σκῆτιν·
καὶ εὐλογοῦμαι παρὰ τῶν πατέρων καὶ ἀνέρχομαι (C ἐπανέρχομαι)·

1. вав'ше дроугъ дроуга, разѣлише се. ѿн' же
2. шѣ въ скитъ и поклонив се ѿѣмъ по в'сѣмъ
3. лаврахъ. слыша ѿ авва Даниилѣ. и иде
4. к' немюу троудомъ мнозѣмъ, едѣва мо-
5. же бѣсѣдовати немюу. и повѣда старцоу
6. в'са. глѣ немюу стар'ць. иди и приведи же-
7. ноу свою. и сѣворюу писание, и ѿведеша
8. ю въ Фиваидоу въ монастырь Тавениси-
9. ѿскыи. Андрѣник' же сѣтвори такоже
10. повелѣ немюу стар'ць. и шѣ приведе ю къ
11. старцоу. и глѣ има словеса сп'сенїа. и сѣ-
12. творивъ писание, ѿпоусти ихъ въ мо-
13. настирь тавенисиѿскыи възвратившѣ
14. же се Ан'дрѣникоу, даде немюу стар'ць ѿбра-
15. зъ иночьскыи и наоучи его иноч'скомоу
16. чиноу. и прѣбѣ оу него лѣтѣ ѿ. потом'
17. же моли стар'ца да оставитъ его ити на
18. сѣла мѣста. ѿн' же сѣтворивъ мѣтвюу
19. немюу, ѿпоусти и. авва же Ан'дрѣникъ
20. по Египтоу идоуше, сѣде пѣ тръницею
21. поїети дѣшоу ѿ зноа. и се оуже по оустрое-
22. нию бѣию, жена его исхоеши мюужь-
23. скыимъ ѿбразомъ. идоуши и ѿна на

1. μενοι ἀλλήλους ἐχωρίσθησαν· κατέβη δὲ αὐτὸς εἰς σκῆτιν, καὶ προσκυνήσας τοὺς πατέρας κατὰ λαύραν, ἤκουσε τὰ περὶ τοῦ ἀββᾶ Δανιήλ. καὶ ἀπελθὼν κόπῳ πολλῷ, ἠδυνή-
5. θη αὐτῷ συντυχεῖν· ἀνέθετο οὖν πάντα τῷ γέροντι, καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ἄπελθε φέρε τὴν γυναῖκά σου, καὶ ποιῶ σοι γράμματα καὶ ἀποφέρεις αὐτὴν εἰς Θηβαίδα εἰς μοναστήριον τῶν ταβενκνησιωτῶν. ὁ δὲ Ἀνδρόνικος ἐποίησε καθὼς
10. εἶπεν αὐτῷ ὁ γέρων· καὶ ἀπελθὼν ἤνεγκεν αὐτὴν πρὸς τὸν γέροντα· καὶ ἐλάλησεν αὐτοῖς τὸν λόγον τῆς σωτηρίας· καὶ ποιήσας γράμματα, ἀπέστειλεν αὐτοῖς εἰς τὸ μοναστήριον τῶν ταβενκνησιωτῶν· καὶ ἐπαναλίσσαντι τῷ Ἀνδρονίκῳ, ἔδωκεν αὐτῷ ὁ γέρων τὸ σχῆ-
15. μα· καὶ ἐδίδαξεν αὐτὸν τὰ τῶν μοναχῶν· καὶ ἔμεινε παρ' αὐτῷ ἔτη δώδεκα· μετὰ δὲ ταῦτα παρεκάλεσε τὸν γέροντα ἀπολῦσαι αὐτὸν ἐπὶ τοὺς ἀγίους τόπους· ὁ δὲ ποιήσας αὐτῷ εὐχὴν, ἀπέλυσεν· ὁ δὲ ἀββᾶς Ἀνδρόνικος
20. κατὰ τὴν Αἴγυπτον ὁδεύων ἐκάθισεν ὑποκάτω ἀκανθέας, ἵνα λάβῃ ψυχὴν ἐκ τοῦ καύματος· καὶ ἰδοὺ κατ' οἶκον μίαν θεοῦ, ἥ γυνὴ αὐτοῦ ἐρχομένη ἐν ἀνδρικῷ σχήματι, ἀπιοῦσα καὶ αὐτὴ ἐπὶ

5. C συντυχεῖν αὐτῷ

1. сѣага мѣста и цѣловав'ше дроугъ дроуга,
2. позна грѣлица дроуга своего. тѣ же, не по-
3. зна юе. како оубѣ можаше познати, та-
4. ковоюю добротоу оубед'шоу, и тако еѣиѣ-
5. пѣ видима. гл҃а же юмоу. камо идеши
6. господне авва. гл҃а юи. на сѣага мѣста.
7. гл҃а юмоу. и азѣ тамо хоощоу ити. [гл҃а же
8. юмоу.] аще хоощеши, идѣмъ ѡба коуп'но.
9. нѣ не тако коупно соущѣ, тако идѣмъ мль-
10. чаниемъ. Ан'дрѡникъ же гл҃а. тако пове-
11. лѣваеши. и гл҃а юмоу. въ истиноу нѣси
12. ли ты оученикъ авва Данїила. гл҃а юи, юи.
13. и рѣ юмоу. мѣтвы старчевы с нами да шѣ-
14. ствоуютъ. и ѡвѣща Ан'дрѡникъ, амин
15. шѣшимъ же и поклонившимъ се сѣимъ
16. мѣстомъ, възвратише се въ Алѣзан'дрию
17. и гл҃а авва Аѳанасіе авва Ан'дрѡникѣ.
18. хоощеши ли да прѣбоудемъ коупно въ ю-
19. динои кѣліи. гл҃а Ан'дрѡникъ. нѣ, тако
20. повелиши. хоощоу же прѣже ити и при-
21. юти бѣвение ѡ старца. гл҃а юмоу авва
22. Аѳанасіе. поиди. азѣ бѣ чѣкаю те въ
23. ѡсмондесетимъ. и аще прїидеши

1. τοὺς ἁγίους τόπους· καὶ ἀσπασάμενοι ἀλλήλους,
ἐγνώρισεν ἡ περιστέρα τὸν ὁμόζυγον·
αὐτὸς δὲ πῶς εἶχε γνωρίσαι τοιοῦ-
τον κάλλος μαραινθὲν καὶ ὡς αἰθλο-
5. πα φαινομένην; λέγει οὖν αὐτῷ· ποῦ ἀπέρχεις
κύριε ἄββᾶ; λέγει αὐτῇ· ἐπὶ τοὺς ἁγίους τόπους.
λέγει αὐτῷ· κἀγὼ ἐκεῖ θέλω ἀπελθεῖν· [λέγει οὖν
αὐτῇ·] καὶ εἰ θέλεις ὁδεύσωμεν ὁμοῦ ἀμφότεροι·
ἀλλὰ ὥς μὴ ὄντες ὁμοῦ, οὕτως ὁδεύσωμεν τῇ σιω-
10. πῇ· ὁ δὲ Ἀνδρόνικος λέγει· ὥς κελεύ-
εις· λέγει αὐτῷ· ὄντως σὺ οὐκ εἶ
ὁ μαθητὴς τοῦ ἄββᾶ Δανιήλ; λέγει αὐτῇ· ναί·
καὶ λέγει αὐτῷ· αἱ εὐχαὶ τοῦ γέροντος συνοδεύ-
σουσιν ἡμῖν· λέγει ὁ Ἀνδρόνικος· ἀμήν·
15. συνοδεύσαντες οὖν καὶ προσκυνήσαντες τοὺς ἁγίους
τόπους, ἐπανέλυσαν εἰς Ἀλεξάνδρειαν·
καὶ λέγει ὁ ἄββᾶς Ἀθανάσιος τῷ ἄββᾳ Ἀνδρονίκῳ·
θέλεις μείνωμεν ὁμοῦ εἰς
κελλίον; λέγει ὁ Ἀνδρόνικος· ναὶ ὥς
20. κελεύεις· θέλω δὲ πρῶτον ἀπελθεῖν καὶ λα-
βεῖν τὴν εὐχὴν τοῦ γέροντος· λέγει αὐτῷ ὁ ἄββᾶς
Ἀθανάσιος· ὕπαγε καὶ μένω σε εἰς
τὸ ὀκτωκαιδέκατον. καὶ ἔαν ἔρχῃ,

7-8. La successione delle battute nel dialogo ridiventa logica solo, se si sopprime quanto indicato sia nel testo greco (sulla base di C: κἀγὼ ἐκεῖ θέλω ἀπελθεῖν· ὁδεύσωμεν ὁμοῦ ἀμφότεροι, ὥς μὴ ὄντες ὁμοῦ οὕτως ὁδεύσωμεν τῇ σιωπῇ) sia nel testo slavo (sulla base di Nikolova 1980: 157). Nel testo sl. da sopprimere a ιεμοῦ di Pe, HB corrisponde ιει di HA.

1. ꙗкоже ходихомъ мльчаниемъ, тако и
2. прѣбываемъ. аще ли тако не хоцеша,
3. не приходи. азъ оубо тамо хоцю прѣбы-
4. вати. ѿнѣ же шѣ цѣлова стар'ца и възвѣ-
5. сти ѿмоу ꙗже ѿ братѣ и рече ѿмоу. иди.
6. и любя мльчание и прѣбоуди съ братомъ
7. ꙗко добръ ѿе. възвратившюу же се ѿмоу
8. и обрѣтшюу авва Аѳанасиѣ. прѣбывше
9. въкоупѣ страхомъ бж҃имъ, дроугѣи ѿ
10. лѣ и не повѣда авва Ан'дрѣишюу, ꙗко
11. жена ѿго ѿе. многаци же възсходаше
12. старецъ на постыщение ихъ. гл҃е имъ ꙗже
13. на пол'зоу. единою же шѣ старецъ, и видѣвъ
14. ихъ възврати се. и прѣже дошѣшюу ѿмѣ
15. до ст҃го Миѣны, постиже ѿго авва Андрѣ-
16. никъ гл҃е ѿмоу. авва Аѳанасиѣ, къ гоу
17. ѡходить. и възвративъ се стар'ецъ, ѿ-
18. брѣте ѿго на исходѣ и начеть плакати
19. авва Аѳанасиѣ. гл҃а ѿмоу стар'ецъ, въ мѣ-
20. сто радовати ти се зане идеша срѣсти х҃а,
21. плачеша; гл҃а ѿмоу авва Аѳанасиѣ. не
22. плачю ино, тѣчию за авва Ан'дрѣишюу.
23. нь сътвори любовь. и по погребени моѣ,

1. ὥς ὠδεύσαμεν τῇ σιωπῇ μένωμεν·
ἐπεὶ ἐὰν μὴ θέλῃς οὕτως,
μὴ ἔλθῃς· ἐγὼ γὰρ ἐκεῖ ἔχω μεῖ-
ναι· ὁ δὲ ἀπελθὼν ἡσπάσατο τὸν γέροντα καὶ ἀνῆγγει-
λεν αὐτῷ τὰ περὶ τοῦ ἀδελφοῦ· ὁ δὲ γέρων λέγει αὐτῷ· ὕπαγε
ἀγάπα τὴν σιωπὴν καὶ μείνον μετὰ τοῦ ἀδελφοῦ
ὅτι καλὸς ἐστίν· ἐπαναλύσαντος δὲ αὐτοῦ
καὶ εὐρόντος τὸν ἀββᾶν Ἀθανάσιον, ἔμειναν
οἱ μὲν ἐν φόβῳ θεοῦ ἄλλα δώδεκα
10. ἔτη· καὶ οὐκ ἐγνωρίσθη τῷ ἀββᾷ Ἀνδρονίκῳ ὅτι
ἡ γυνὴ αὐτοῦ ἐστίν· πολλάκις οὖν ἀνέβαινεν
ὁ γέρων εἰς ἐπίσκεψιν αὐτῶν διαλεγόμενος αὐτοῖς τὰ
πρὸς ὠφέλειαν· ἅπαξ οὖν ἀπελθὼν ὁ γέρων καὶ συνταξάμενος
αὐτοῖς, πρὸ τοῦ φθάσαι αὐτὸν
15. τὸν ἅγιον Μηνᾶν, κατέλαβεν αὐτὸν ὁ ἀββᾶς Ἀνδρό-
νικος, καὶ λέγει αὐτῷ· ὁ ἀββᾶς Ἀθανάσιος πρὸς κύριον
ὑπάγει· καὶ στραφείς ὁ γέρων εὗ-
ρεν αὐτὸν συνεχόμενον· καὶ ἤρξατο κλαίειν
ὁ ἀββᾶς Ἀθανάσιος· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ἀντὶ
20. τοῦ χαρῆναί σε ὅτι ἀπέρχῃ ἀπαντῆσαι τῷ Χριστῷ
κλαίεις; λέγει αὐτῷ ὁ ἀββᾶς Ἀθανάσιος· οὐ
κλαίω εἰ μὴ διὰ τὸν ἀββᾶν Ἀνδρόνικον·
ἀλλὰ ποιήσον ἀγάπην, καὶ μετὰ τὸ θάψαι με,

1. C μένωμεν οὕτως·

1. ѡбрѣсти имаши писаниѣ по̑ възгла-
2. виѣмь моимь. прочѣти ѣ, и тако даи а-
3. вва Ан'дрѡникоу. и сътвор'шимь мѣтѣѡ
4. причести се, и оуспе о г҃ѣ. приидоше же погре-
5. сти ѣго. и се оубѡ ѣствомь ѡбрѣте се жена
6. и слышано бѣ въ всѣхъ лаврахъ. и пославъ
7. стар'ца, възведе въсь скить. и въноубрь-
8. нѣшоу поустыню. и в'се лавры приидо-
9. ше алеѡан'дрѣскыѣ. и въсь грѣ събра се. и
10. скитиѡте бѣла носеще. тако оубѡ ѣ о-
11. бычаи въ скить. и съ ваниѣмь и вѣтиѣмь,
12. изнесоше чѣтное тѣло Аѡанасіѣ. славецѣ
13. бѣ толикое трыпѣниѣ жѣтѣ подав'шоу.
14. прѣбѣ же стар'ца, до сѣминь Аѡанасіѣ.
15. потомъ же въсхотѣ стар'ца възети съ собою
16. авва Ан'дрѡника. и не въсхотѣ г҃іѣ. та-
17. ко съ госпожѣю своею оумроу. и пакы въ-
18. звратив'шоу се старцоу. и прѣже ити до
19. ст҃го Мины, постиже ѣго братъ г҃іѣ. а-
20. вва Ан'дрѡникъ, ѡходитъ по авва Аѡана-
21. сию. ѡнъ же слышавъ, посла въ скить г҃іѣ.
22. тако авва Ан'дрѡникъ, послѣдоуѣтъ авва
23. Аѡанасію. они же слышавше, възыдо-

1. εὐρήσεις πιττάκιον κείμενον πρὸς κεφαλῆς μου· ἀνάγνωθι αὐτὸ καὶ δὸς τῷ Ἀββᾷ Ἀνδρονίκῳ· καὶ ποιησάντων εὐχήν, ἐκοινώνησε καὶ ἐκοιμήθη ἐν κυρίῳ· ἦλθον δὲ κηδεῖν·
5. σαι αὐτόν· καὶ ἰδοὺ τῇ φύσει εὐρέθη γυνή· καὶ ἠκούσθη εἰς ὅλην τὴν λαύραν· καὶ πέμψας ὁ γέρων, ἀνήνεγκε ὅλην τὴν σκήτιν καὶ τὴν ἐσωτέραν ἔρημον· καὶ ἀνήλθον πᾶσαι αἱ λαῦραι Ἀλεξανδρείας· καὶ πᾶσα ἡ πόλις συνήλθε· καὶ
10. οἱ σκητιῶται ἀσπροφοροῦντες· οὕτως γὰρ ἔστι τὸ ἔθος ἐν τῇ σκίτῃ· καὶ μετὰ κλάδων καὶ βαίτων ἐξεκόμισαν τὸ τίμιον λείψανον Ἀθανασίας· δοξάζοντες τὸν θεὸν τὸν τοσαύτην ὑπομονὴν παρασχόντι τῇ γυναικί· καὶ ἔμεινεν ὁ γέρων τὰ ἑβδομα τῆς Ἀθανασίας·
15. καὶ μετὰ ταῦτα ἠθέλησεν ὁ γέρων λαβεῖν μεθ' ἑαυτοῦ τὸν Ἀββᾶν Ἀνδρόνικον· καὶ οὐκ ἠνέσχετο λέγων· ὅτι μετὰ τῆς κυρίας μου τελευτήσω· καὶ πάλιν συνταξαμένου τοῦ γέροντος, πρὸ τοῦ φθάσαι αὐτὸν τὸν ἅγιον Μηνᾶν· φθάνει αὐτὸν ἀδελφὸς λέγων· ὁ Ἀββᾶς Ἀνδρόνικος, ἀκολουθεῖ τὸν Ἀββᾶν Ἀθανάσιον· ὁ δὲ ἀκούσας, ἔπεμψεν ἐν τῇ σκίτῃ· λέγων· ὅτι ὁ Ἀββᾶς Ἀνδρόνικος ἀκολουθεῖ τὸν ἀδελφὸν Ἀθανάσιον· οἱ δὲ ἀκούσαντες ἀνήλ-
- 20.

1. ше и постигоше него жива. и бѣвѣвшимъ ѿ
2. имъ ѿ него, оуспе о гѣ. бранъ же сътвори
3. се межоу ѿцы ѿсмондесетаго, съ скити-
4. ѿты глѣшемъ тако нашъ ѿ братъ, и възе-
5. ти него имамы въ скить, да помагають
6. намъ мѣтвы него. осмондесетаго же
7. глѣхоу. тако съ сестрою него положимъ не-
8. го. такоже и авва Данииль глѣше, тамо не-
9. го положити. скитиѿте же, не послоуша-
10. ахоу него глѣше. тако старъць высоче ѿ и не бо-
11. итъ се брани тѣлесныѣ. мы же млади ѣсмы
12. и трѣбоуемъ брата своего да помагають
13. намъ мѣтвы него; видѣвъ же старъць тако
14. мѣва велѣа творитъ се, глѣ братѣи. въ и-
15. стиноу аще не послоушаете ме, и азъ zde
16. прѣбоудоу; и съ чеды своими погребоу се.
17. тогда оумькоше и изнесоше тѣло авва
18. Ан'дрѣяника и рекоше старцоу. поидѣмъ
19. въ скить. и глѣ имъ ѿставите ме сътво-
20. рити сѣмины братоу. и не ѿставише неѣ
21. прѣбыти. молимъ же се братиѣ. даже
22. и мы постигнемъ до мѣры авва Ан'дрѣ-
23. ника и авва Афанасиѣ. мѣтвами всѣхъ стѣхъ, аминь.

1. Ѡ Анастасіи патрикии ·
2. Евнухъ нѣкъи прѣбываше въ внѣтрѣ-
3. нѣишей поустыни скит'скои. ꙗдино-
4. ю же въ нѣли прихѣждше къ авва Дані-
5. илоу въ нощи никоу же не вѣдещъ,
6. тѣчию оученикоу его. порочи же оуче-
7. никоу своему стар'ца, наливати скоу-
8. делникъ водою ꙗдиною въ нѣли, и пола-
9. гати прѣ евноуховоу келию. и до мала
10. не глати с' нимъ. тѣчию въ двѣри тѣхнѣ-
11. вше, тако възвращати се. нь аще когда
12. рѣ вбращеши керамидоу написану прѣ
13. пещерою его, възъмъ принеси ю. и тако
14. твораше оученикъ авва Даніила въ
15. ꙗдин' же днь вбрътаеть керамидоу на-
16. писан'ноу сице. принеси вѣрудиѣ. и при-
17. иди ꙗдинъ тѣчию съ братомъ. и прочть
18. стар'ца писаніе, плака плачь веліи, и рѣ.
19. горе вънутрѣнией поустыни, каковы
20. стѣпь испущаетъ днь. и глѣ оучени-
21. коу своему. възми потрѣбаа и пои-
22. дѣмъ скоро, тако да постигнемъ еше жи-
23. ва стар'ца къ гоу бѣ ѡходитъ. и пла-

1. Περὶ τῆς πατρικίας Ἀναστασίας *
Εὐνοῦχος τις ἔμενεν εἰς τὴν ἑσω-
τέραν ἔρημον τῆς σκήτεως· ἅπαξ οὖν
τῆς ἑβδομάδος, παρέβαλλεν τῷ Ἀββᾷ Δανι-
5. ἢλ νυκτός· μηδενὸς γινώσκοντος,
εἰ μὴ αὐτοῦ καὶ τοῦ μαθητοῦ αὐτοῦ· παρήγγειλε δὲ τῷ μαθη-
τῇ αὐτοῦ ὁ γέρων, ἵνα γεμίζη κεράμ-
μιον ὕδατος τῷ αὐτῷ εὐνούχῳ ἅπαξ τῆς ἑβδομάδος· καὶ τί-
θων τὸ κεράμιον εἰς τὴν θύραν καὶ κρούων, ἀναχωρεῖν καὶ μηδὲν ὅλως
10. ὀμιλεῖν μετ' αὐτοῦ·
ἀλλ' ἐάν ποτέ
φθῇ εὐρῆς ὄστρακον ἐπιγεγραμμένον εἰς
τὴν θύραν τοῦ σπηλαίου, φέρε αὐτό· οὕτως οὖν
ἐποίησε ὁ μαθητὴς τοῦ Ἀββᾶ Δανιήλ· ἐν
15. μιᾷ δὲ τῶν ἡμερῶν εὗρίσκει ὄστρακον ἐπι-
γεγραμμένον οὕτως· φέρε τὰ ἔργαλεία καὶ δεῦ-
ρο μόνος μετὰ τοῦ ἀδελφοῦ· καὶ ἀναγνοὺς
ὁ γέρων τὴν ἐπιγραφὴν, ἔκλαυσεν κλαυθμὸν μέγαν καὶ εἶπεν·
ἀβάλλῃς τῇ ἑσωτέρᾳ ἐρήμῳ· ποῖον
20. στῦλον ἑξαφεί σήμερον· καὶ λέγει τῷ μαθη-
τῇ αὐτοῦ· βάσταξον τὰ σκεύη καὶ ἄγω-
μεν συντόμως ὅπως φθάσωμεν ἔτι ζών-
τα τὸν γέροντα, πρὸς κύριον γὰρ ὑπάγει· καὶ κλαύ-

1. Anche qui sarà utile notare che il nostro testo concorda prima con la redaz. A di Clugnet (fino a Clugnet 1901: 4, r. 4 - σύνεσιν αὐτῆς), poi con la B (cf. p. 7, r. 5 ss.).

1. кавша ѡба, отидоста и обрѣтоста него
2. ѡгнемь съдръжима и поврьгноу себе
3. стар'ць на прьси него, и плакавъ рѣ бла-
4. жень иеси ты, іако чѣ съ поминане прѣзрѣ
5. црѣвие земельное и¹ члѣкы и² глѣ немочу ие-
6. вноухъ блженъ иеси ты новыи Аврааме.
7. зане плоды многы приѣмлетъ бѣ ѡ рѣ-
8. къ твоѣ и глѣ немочу стар'ць. сътвори на-
9. мь мѣтвоу. и ѡвѣща емоу ев'ноухъ
10. глѣ. азъ потрѣбоу многымъ мѣтвамъ
11. имамъ въ чѣ сыи. и глѣ немочу стар'ць. а-
12. ще азъ прѣварити хѡтѣхъ, имѣхъ по-
13. молити се и мѣтвоу сътворити. и съдѣ
14. на рогозинѣ ев'ноу. приѣ главоу стар'че-
15. воу, и цѣлова ю глѣ. бѣ наставивыи ме
16. въ мѣсто се, тѣ сътворитъ съ старости-
17. ю твоею іакоже съ Авраамомъ. и приѣ-
18. мь стар'ць оученика своего, поврьже ие-
19. гѡ на ногы иев'ноуха глѣ. блви чедо мо-
20. ие ѡчѣ. и лобизавъ него, глѣ немочу. бже
21. прѣстои ми въ чѣ сыи, раздѣлити ме
22. ѡ пльти сиѣ. вѣдеи колико стопъ съ-
23. твориль иѣ въ келию сию имени ради

1. σαντες ἀμφότεροι ἀπῆλθον, καὶ εὐρίσκουσιν αὐτὸν
πυρετῷ συνεχόμενον· καὶ ῥίπτει ἑαυτὸν
ὁ γέρων εἰς τὸ στῆθος αὐτοῦ, καὶ κλαίσας εἶπεν·
μακάριος εἶ ὅτι τῆς ὥρας φροντίζων ταύτης, κατεφρόνησας
5. βασιλείας ἐπιγείου ἀνθρώπων· καὶ εἶπεν ὁ εὐ-
νοῦχος· μακάριος εἶ σὺ νέε Ἀβραάμ,
ὅτι πολλοὺς καρποὺς δέχεται ὁ θεὸς διὰ τῶν χει-
ρῶν σου τούτων· καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ποίησον ἡμῖν
εὐχὴν· ἀπεκρίθη ὁ εὐνοῦχος·
10. ἐγὼ χρεῖαν ἔχω πολλῶν εὐχῶν
ἐν τῇ ὥρᾳ ταύτῃ· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· εἰ
προελάμβανον ἐγώ, εἶχον ἂν προ-
σεύξασθαι καὶ παρακαλέσαι· καὶ ἀνακαθίσας
ἐκ τοῦ ψιαθίου ὁ εὐνοῦχος περιλαμβάνει τὴν κεφαλὴν τοῦ γέρον-
15. τος καὶ καταφιλεῖ αὐτὴν λέγων· ὁ θεὸς ὁ ὀδηγήσας με
εἰς τὸν τόπον τοῦτον· οὗτος πληρώσει μετὰ τοῦ γήρως
σου ὥς μετὰ Ἀβραάμ· καὶ λα-
βὼν ὁ γέρων τὸν μαθητὴν αὐτοῦ ἔρριψεν αὐ-
τὸν εἰς τοὺς πόδας τοῦ εὐνούχου λέγων· εὐλόγησον τὸ τέκνον μου
20. πάτερ· καὶ καταφιλήσας αὐτόν, εἶπεν αὐτῷ· ὁ θεὸς
ὁ παρεστηκώς μοι ἐν τῇ ὥρᾳ ταύτῃ τοῦ χωρίσαι με
ἀπὸ τοῦ σκηνώματος τούτου· ὁ εἰδὼς πόσα βήματα ἔ-
βαλεν εἰς τὸ κελλίον τοῦτο διὰ τὸ ὄνομά

1. твоего. ты покои дхъ ѿць его на нѣ,
2. такоже покоишь еси дхъ Илие на Елисеи.
3. и нарѣнно боудѣ име ѿць его на немъ.
4. и глѧ старцю. гдѧ ради, не съвѣстите ѿ
5. мене имъ же ѡдѣанъ есмь нъ такоже
6. есмь, тако ѿпоустите ме къ гоу. и да
7. не оувѣсть имъ никтоже о мнѣ, кро-
8. мѣ ваю. и глѧ старцю. дажь ми причести-
9. ти се. и причестив се рѣ. дадите ми еже
10. о хъ любовь, и помолите се о мнѣ и въ-
11. зрѣвъ ѡ десноую на вѣстокъ, глѧ до-
12. брѣ есте пришли, поидѣмъ и просвѣтъ
13. се лице его тако ѡгнь. и сътворишь на ѡ-
14. стѣ свой крѣтъ, и рѣ. въ роуцѣ твои бѣ прѣ-
15. даю дхъ мои. и тако прѣдаде дшю свою
16. гѣи. и плакавши ѡба, ископаше извънь
17. прѣ пещерою грѡбъ. и съвѣкъ съ себе ста-
18. рѣць таже ношаше. и глѧ оученикъ своемъ
19. облаци его врѣхоу ѡдѣаніа еже носѣ
20. облаче же его братъ видѣ и позна тако
21. жена іѣ. нъ ничто глѧ. погребѣше же его
22. и сътворѣше мѣтвоу. глѧ старѣць оуче-
23. никоу своему. да разрѣшимъ днѣ по

1. σου· αὐτὸς ἀνάπαισον τὸ πνεῦμα τῶν πατέρων αὐτοῦ ἐπ' αὐτῷ,
ὥς ἀνέπαισας τὸ πνεῦμα Ἰησοῦ ἐπὶ Ἑλισσαιέ·
καὶ (κ)ληθήσεται τὸ ὄνομα τῶν πατέρων αὐτοῦ ἐπ' αὐτόν·
καὶ λέγει τῷ γέροντι· διὰ τὸν κύριον μὴ ἀποδύσετέ
5. με ἃ φορῶ· ἀλλ' ὥς
εἰμί, οὕτως πέμψατέ με πρὸς κύριον· καὶ μὴ
μάθη ἄλλος τις τὰ περὶ ἐμοῦ εἰ μὴ
ἡμεῖς μόνοι· καὶ [κοινωνήσας] λέγει τῷ γέροντι· δός μοι κοινωνή-
σαι· καὶ κοινωνήσας λέγει· δότε μοι
10. ἀγάπην τὴν ἐν Χριστῷ καὶ εὐξασθε ὑπὲρ ἐμοῦ· καὶ ἀνα-
βλέψας εἰς τὰ δεξιὰ καὶ κατὰ ἀνατολὰς λέγει· κα-
λῶς ἦλθες ἄγωμεν· καὶ ἔλαμψεν
τὸ πρόσωπον αὐτοῦ ὥς πῦρ· καὶ ποιεῖ εἰς τὸ
στόμα αὐτοῦ σταυρόν, καὶ λέγει· εἰς χεῖράς σου ὁ θεὸς παραθήσομαι
15. τὸ πνεῦμά μου, καὶ οὕτως παρέδωκε τὴν ψυχὴν αὐτοῦ
τῷ κυρίῳ· καὶ κλαύσαντες ἀμφότεροι, ὥρυξαν
ἔμπροσθεν τοῦ σπηλαίου, καὶ ἀποδυσάμενος ὁ γέ-
ρων ἃ ἐφόρει, λέγει τῷ μαθητῇ αὐτοῦ·
ἔνδυσον αὐτὸν ἐπάνω ὧν φορεῖ·
20. ἐνδύων δὲ αὐτὸν ὁ ἀδελφός, προσέσχε καὶ ἐπέγνω ὅτι
γυνὴ ἦν, ἀλλ' οὐδὲν ἐλάλησεν· θάψαντες δὲ αὐτὸν
καὶ ποιήσαντες εὐχὴν, λέγει ὁ γέρων τῷ μαθη-
τῇ αὐτοῦ· καταλύσωμεν σήμερον τὴν νηστείαν,

3. M βληθήσεται; P, C κληθήσεται

19. Il testo greco descrive questo abbigliamento; in M si ha:

ἐφόρει δὲ φασκίαν σίβινον ἔσωθεν καὶ κεντόνιον·

1. и сътворимъ любовь врѣхѣ гроба ста-
2. р'чева и причестивша се, ѡбрѣтоста въ
3. келіи ѿго мало пазимадѣ и свѣчиво ква-
4. шено. и сътвор'ша любовь на гробѣ ѿго.
5. и възм'ша пленницѣ юже дѣлааше,
6. идоше бл҃годареще бл҃ идоущим' же и-
7. мѣ поутемъ, г҃ла братъ старцѣ. вѣси
8. ли ѡчѣ. ꙗко евноухѣ ѡнѣ, жена бѣше.
9. г҃ла стар'ецъ. вѣдѣ чедо ꙗко жена іѣ. хѡ-
10. щещи ли повѣм' ти ꙗже ѡ неѣ. слыши.
11. Сига оубѡ, прѣва патрикиа бѣше въ по-
12. латѣ и црѣ Иѡустиніанѣ, възхотѣ ю въ-
13. зети въ полатѣ, многы ради моуѣр-
14. сти еѣ. оувѣдѣвши же Ѳеодора црѣа
15. и прогнѣвав'ши се, възхотѣ ю прогнати.
16. ѡна же оувѣдѣвши и искоупивши ко-
17. рабѣ, и възм'ши нѣкоѣ ѡ имѣніа сво-
18. ѿго, постизаетъ въ Алѣксан'дрию. и прѣ-
19. бѣ въ петымѣ, идеже и монастырь съ-
20. зда и нарицает' се патрикиинѣ до днѣ.
21. по смърти же Ѳеодоры, пакы оувѣдѣ
22. ꙗко хощетъ црѣ възети ю. въ ноци въ-
23. ставши изыде изъ Алѣксан'дріе, и при-

1. καὶ ποιήσωμεν ἀγάπην ἐπάνω τοῦ γέρον-
τος· καὶ κοινωνήσαντες, εὖρον αὐτὸν ἔχοντα
ὀλίγους παξαμάδας καὶ βρεκτά·
καὶ ποιήσαντες ἀγάπην ἐπάνω αὐτοῦ·
5. καὶ βαστάξαντες τὴν σειρὰν ἦν ἔκαμνεν,
ἀπῆλθον εὐχαριστοῦντες τῷ θεῷ· ὁδυνόντων δὲ αὐ-
τῶν κατὰ τὴν ὁδόν, λέγει ὁ ἀδελφὸς τῷ γέροντι· οἶδας
πάτερ ὅτι ὁ εὐνοῦχος ἐκεῖνος γυνὴ ἦν;
λέγει ὁ γέρων· οἶδα τέκνον ὅτι γυνὴ ἐστίν· θέ-
10. λεις ἐξηγήσωμαί σοι τὰ περὶ αὐτῆς; ἀκουσον·
αὕτη πρώτη πατρικία ἦν τοῦ πα-
λατίου· καὶ ὁ βασιλεὺς Ἰουστινιάνος ἠθέλησε λα-
βεῖν αὐτὴν εἰς τὸ παλάτιον διὰ τὴν πολλὴν σύνε-
σιν αὐτῆς· μανθάνει οὖν ἡ Θεοδώρα
15. καὶ ἀγανακτεῖ, καὶ ἐβουλεύσατο ἐξορίσαι αὐτήν·
γνωστὸν δὲ αὐτῇ γέγονεν τὸ πρᾶγμα· καὶ νυκτὸς μισθοσαμένη πλοῖ-
ον, ἐπάρασά τινα τῶν πραγμάτων αὐ-
τῆς, καταλαμβάνει τὴν Ἀλεξανδρείαν καὶ κατοι-
κεῖ εἰς τὸ πέμπτον, ἐν οἷς καὶ μοναστήριον συνε-
20. στήσατο. καὶ λέγεται τῆς πατρικίας ἕως τῆς σήμερον·
μετὰ δὲ τὸ ἀποθανεῖν τὴν Θεοδώραν, πάλιν μανθάνει
ὅτι βουλεύεται ὁ βασιλεὺς μεταστείλασθαι αὐτήν· αὕτη δὲ ἔφυγεν
νυκτὸς ἀπὸ Ἀλεξανδρείας καὶ ἦλ-

1. иде зде къ мнѣ, и повѣда ми в'са. и мо-
2. ли се дати ꙗки келию извѣнѣ скита. и
3. дахъ ꙗки пещероу сию. и прѣличи се въ
4. моужьскыи ѡбразъ. ꙗкоже же иматъ
5. зде въ скитѣ, кѣмъ лѣтъ. и никтоже не
6. оувѣдѣ ꙗже ѡ немъ, тѣчию ты и дроу-
7. гыи ꙗединъ. коликий оуѡ властель
8. посла црѣ ище ꙗе. не тѣчию ты, нъ и
9. папа. и в'са Алезан'дриа. и никтоже
10. оувѣдѣ въ коемъ мѣстѣ ꙗе до днѣшняго дне
11. и виждь чедо. ꙗко иже црѣ възрастоше, ка-
12. ко повѣсѣютъ се на дѣвола и сѣкроушають тѣ-
13. леса своѣ. мы же въ мирѣ бывающе. хлѣ-
14. ба не можахомъ насытити се. въ иноч'скы-
15. и же ѡбразъ пришѣше, питаемъ се. и добро-
16. дѣтель не можемъ стежати. молимъ се
17. оуже, ꙗко да и нѣмъ гѣ достоинѣ сѣтворить
18. течению стѣхъ. и ѡбрѣсти мѣтъ сѣ ѡцы
19. нашими. и сѣ авва Анастасіемъ евноу-
20. хѣ. Анастасіа бѣ нарицаше се. О авва Дѣл(ѣ .)
21. Глѣше авва Даниїль скитиѡскыи. ꙗко
22. азъ и въ киновіи сѣдѣхъ, и на ꙗединѣ. и в'са
23. искоушивъ, обрѣтохъ. ꙗко въ киновіахъ

50 V

76

1. θεν ἐνταῦθα πρὸς με καὶ ἀνέθετό μοι πάντα· καὶ παρε-
κάλεσεν δοῦναι αὐτῇ κελλίον ἔξω τῆς σκῆτεως· καὶ
ἔδωκα αὐτὴν τὸ σπήλαιον τοῦτο· καὶ μετεμφιάσατο τὸ
ἀνδρικὸν σχῆμα· ἴδε οὖν ἔχει σήμερον
5. εἰκοσιοκτῶ ἔτη ἐν τῇ σκῆτει, καὶ οἶδεις
ἔγνω τὰ εἰς αὐτήν, εἰ μὴ σὺ καὶ ἄλ-
λος εἷς· πόσους οὖν μαγιστριανοὺς
ἔπεμψεν ὁ βασιλεὺς ἀναζητῶν αὐτήν· οὐ μόνον δὲ ἀλλὰ καὶ
ὁ πάπας, καὶ πᾶσα ἡ Ἀλεξάνδρεια. καὶ οἶδεις
10. ἔμαθεν ἐν ποίῳ τόπῳ ἐστὶν ἕως τῆς σήμερον ἡμέρας·
καὶ οἱ μὲν βασιλικῶς ἀνατραφέντες,
ἀγωνίζονται κατὰ τοῦ διαβόλου καὶ συντρίβουσιν αὐτῶν τὸ σῶ-
μα· ἡμεῖς δὲ ἐν τῷ κόσμῳ γενόμενοι, ἄρ-
του οὐκ εὐποροῦμεν χορτασθῆναι. καὶ εἰς τὸ μοναχι-
15. κὸν ἐλθόντες σπαταλοῦμεν, καὶ ἄρε-
τήν οὐ δυνάμεθα κτήσασθαι· εὐξώμεθα
οὖν ὅπως καὶ ἡμᾶς ὁ κύριος ἀξιόους ποιήσῃ
τοῦ δρόμου τῶν ἀγίων,
καὶ εὐρεῖν ἔλεος μετὰ τῶν πατέρων
ἡμῶν καὶ μετὰ τοῦ ἀββᾶ Ἀναστασίου τοῦ εἰνού-
20. χου. Ἀναστασία γὰρ ἐκαλεῖτο.
Ἔλεγεν ὁ ἀββᾶς Δανιὴλ ὁ σκητιώτης ὅτι
ἐγὼ καὶ ἐν κοινοβίῳ ἐκάθισα καὶ κατὰ μόνας καὶ πάντα
δοκιμάσας εὗρον ὅτι ἐν τοῖς κοινοβίοις

21. Il n° 76 manca in M.

1. паче множае и скоро оуспѣвають на дѣла до-
2. бродѣтѣл'на, аще истинно прѣбываютъ въ
3. мѣстѣ. Бѣ оуѣвъ нѣкто братъ въ кинѣви
4. именемъ Доула ѡбразомъ оуѣвъ смѣренъ
5. и оуничиженъ, оумомъ же велїи и чѣстнъ.
6. таѣ оуѣвъ в'сѣмъ оуничижающимъ него и
7. досаждающимъ, радоваше се и веселаше се.
8. по навѣстоу бѣсов'скомоу братїа скръбѣше
9. се на нь, и оуничижен'ми измываахоу него.
10. ѡви оуѣвъ бѣахоу него, ѡви же заплываахѹ.
11. и се творѣахоу, до ѣ лѣ въ нихъ же не трѣ-
12. пе врагъ крѣпкое него трыпѣние. нане-
13. се нѣкоемоу братоу в'сѣмъ мльчещимъ въ
14. келїѣ свой вѣшѣ въ цркви в'се сщєнные съ-
15. соуды оукрадь, изыде изъ монастыра ни-
16. комѹ же оувѣдѣвшоу. и такоже бѣ врѣме
17. събранию, вѣниде канонарьхъ възети ка-
18. дило, и ѡбрѣте в'са възета. и шѣ възвѣсти
19. игоуменоу. и оудари въ било, и събраше
20. се в'са братїа. и начеше съмоушати се
21. глїюще. никтоже възель ѣ си, тѣчию брѣ
22. Доула. сего ради ни въ съборъ прииде. а-
23. ще не би се сътворишь, такоже в'сег'да и ннѣ

1. μάλλον πλείω καὶ ταχύτερον προκόπτουσιν εἰς ἐργασίαν ἀρετῶν, ἐὰν ἐξ ἀληθινῆς καρδίας ὧσιν ἐν τῷ τόπῳ· ἐγένετο γὰρ ἀδελφός τις Δούλας ὀνόματι ἐν κοινοβίῳ τὸ μὲν σχῆμα ταπεινὸς καὶ
5. ἐξουθενούμενος, τῇ δὲ διανοίᾳ, μέγας καὶ ἐπίτιμος· οὕτως οὖν πάντων ms οὕτως καὶ ἐξουθενούντων αὐτὸν καὶ ἀτοιμαζόντων, ἔχαιρε καὶ ἡγαλλιάτο τῶν ἀδελφῶν ἐξ ἐπιβουλῆς τοῦ ἀλλοτρίου, πικραينوμένων πρὸς αὐτόν, καὶ ἄλλων λοιδορίαις πλυνόντων αὐτόν,
10. καὶ τῶν μὲν τυπτόντων αὐτόν, τῶν δὲ ἐμπτυόντων· καὶ ταῦτα ἐπὶ εἰκοστὸν ἔτος· ἐν οἷς μὴ φέρον ὁ ἐχθρὸς τὸ ἔμψυχον τῆς ὑπομονῆς αὐτοῦ, ὑποτίθεται τινὶ ἀδελφῷ καὶ τῶν ἀδελφῶν ἡσυχάζόντων εἰσελθὼν ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ πάντα τὰ ἱερατικὰ σκεύ-
15. ἡ ἀποσυλήσας λαθῶν ἐξῆλθε τοῦ κοινοβίου· ὥς δὲ ἐγένετο ὁ καιρὸς τῆς συνάξεως * εἰσελθὼν ὁ κ(α)νονάρχης (ms κονον) βαλεῖν τὸ θυμίαμα, εἶρε πάντα ἀφερεθέντα· καὶ ἀπελθὼν, ἀπήγγειλε τῷ ἀββᾶ· καὶ κρούει τὸ ξύλον καὶ συνάγονται
20. πάντες οἱ ἀδελφοὶ καὶ ἤρξαντο ταραττεσθαι· καὶ λέγουσιν· οὐδεὶς ἐλάμβανεν αὐτὰ εἰ μὴ ὁ ἀδελφὸς Δουλᾶς· καὶ διὰ τοῦτο οὐδὲ εἰς τὴν σύναξιν ἦλθεν· εἰ μὴ γὰρ τοῦτο ἐποίησεν, ὥς πάντοτε καὶ νῦν

1. пришьл' би пръвы и послав'ше ѡбрѣтоше
2. его на мѣтвѣ стояща и ѿм'ше, вѣчахоу ѿ-
3. го ноужено. ѡн' же молише се гл҃іе, какова
4. вина іѣ ѡцѣ. ѡни же оуничиженми и доса-
5. женми биюще его гл҃ахоу. сѣеннокрад'че,
6. еже жити недѣишь іеси; не дозаетъ тебѣ га-
7. ко толико лѣ̑ сѣмоуцаеши нѣ̑, нѣ̑а же и дѣ̑шъ
8. нашѣ̑ поврѣди. ѡн' же гл҃аше. простите
9. ме, ꙗко сѣгрѣшѣ̑ и привед'ше его къ игѣменѣ̑
10. гл҃ахѣ̑. авва сѣ̑ іѣ̑ в'сегда сѣмоуцаеи в'соу
11. братио. и начеше іединъ по единомуу гл҃а-
12. ти, ꙗко азъ видѣхъ его, зелие скрыв се га-
13. доуца дроугы же. азъ видѣхъ его хлѣбъ
14. крадоуца и вѣнь даюца дроуги пакы
15. ꙗко азъ постигѣ̑ его доброе вино пиюца
16. и в'сѣмъ ѡгающе̑, вѣроваахоу. томѣ̑
17. же истиноу гл҃шоу, не послоушахоу. възе
18. же ѡ̑ него игоумень ѡбразъ чрьньчьскыи
19. гл҃іе. ꙗко дѣла сѣ̑, нѣ̑соу̑ хр҃тиан'ска и ж(е-
20. лѣ̑зы ѡковав'ше, прѣдаше его икономѣ̑.
21. ѡн' же сѣвальсѣ̑ его. и волоуими жилами
22. бие̑ выпрашадше его гл҃іе. аще истинѣ̑ сѣ̑тъ
23. ꙗже о тебѣ гл҃іють. ѡн' же оу'склабѣае се

1. ἤρχετο πρῶτος· καὶ πέμπουσι καὶ εὐρίσκουσιν αὐτόν, εἰς προσευχὴν ἱστάμενον· καὶ σύρουσιν αὐτόν μετὰ βίας· ὁ δὲ παρεκάλει λέγων· τί ἐστὶ τὸ πρᾶγμα πατέρες; οἱ δὲ λοιδορίαις καὶ ἀτί-
5. μίαις βάλλοντες αὐτόν ἔλεγον· ἱερόσυλε ἀνάξιε καὶ τοῦ ζῆν· οὐκ ἀρκεῖ σοι ὅτι τοσαῦτα ἔτη ἐτάραξας ἡμᾶς ἀλλὰ καὶ νῦν εἰς τὰς ψυχὰς ἡμῶν ἔπληξας; ὁ δὲ ἔλεγεν· συγχωρήσατέ μοι ὅτι ἐσφάλην· καὶ φέρουσιν αὐτόν πρὸς τὸν ἄββᾶν·
10. καὶ λέγουσιν αὐτῷ· ἄββᾶ· οὗτός ἐστιν ὁ ἀπ' ἀρχῆς στρέφων τὸ κοινόβιον· καὶ ἤρξαντο εἰς καθεῖς λέγειν· ὅτι ἐγὼ οἶδα αὐτόν λάθρα τὰ λάχανα φάγοντα· ἄλλος ὅτι τὰ ψωμῖα κλέπτων ἐδίδου ἔξω· καὶ ἄλλος·
15. ὅτι τὸν κάλλιστον οἶνον ἔφθασα αὐτόν πίνοντα· καὶ πάντες ψευδόμενοι ἐπιστεύοντο· κακείνος ἀληθείων οὐκ ἠκούετο· ἐπαίρει αὐτῷ ὁ ἄββᾶς τὸ σχῆμα ἀπ' αὐτοῦ λέγων· ὅτι ταῦτα, οὐκ εἰσὶ χριστιανοῦ· καὶ σι-
20. δηρώσαντες αὐτόν, παρέδωκαν τῷ οἰκονόμῳ τῆς λαύρας· κακείνος γυμνώσας καὶ βουνεύροις τυπτήσας, ἐπύνθανετο εἰ ἀληθὴ εἰσι τὰ περὶ αὐτοῦ λεγόμενα· ὁ δὲ μηδιῶν

1. гл̑аше. простите ме ꙗко сѣгрѣшѣ. възвѣри-
2. в' же се ты о словеси, повелѣ ꙗго въ тѣмницѣ
3. възвѣщи. и носѣ ꙗго въ дръво мѣчител'ное
4. забити. таже писаниемъ възвѣщаетъ к'не-
5. зѣ ѡ вещи. и дѣиѣ приидоше възети ꙗго.
6. и вьсадив'ше ꙗго на непоседлан'на конѣ.
7. имоуца и теж'ка желѣза на выи, ведѣхоу ꙗ-
8. го посрѣдѣ града и привел'ше ꙗго къ соудѣи,
9. выпрашаше и гл̑е. како зовещи се, и ѡкѣдоу
10. ꙗси, и чесо ради инокъ былъ ꙗси. ѡн' же ино
11. не гл̑аше. развѣ, сѣгрѣшѣ прости ме. развѣ-
12. ѣрив' же се соудитѣ, повелѣ ꙗго прострѣти
13. и жилами соузовѣми бити ꙗго, дондеже пле-
14. щи ꙗго распадоут' се. растегнутоу же быв'шѣ
15. чѣтыр'ми, и волоуцими жилами немл̑тивно
16. биемъ. оусклабляемымъ ѡбразомъ кне-
17. соу гл̑аше. би ме би. и сребро мое свѣтлѣише
18. твориши. ѡн' же гл̑аше ꙗмоу. азъ боуист'во
19. твое, паче снѣга оубѣлю. и повелѣ ѡгнь по-
20. стлати по чрѣво ꙗго. и сѡль съ ѡц'томъ ра-
21. створивъ, поливати на раны ꙗго. прѣ-
22. стоещѣи же дивлѣхоу се толикомоу трѣ-
23. пѣнию. и гл̑ахоу ꙗмоу. скажи намъ ка-

→ d. B. 51(50), 3.
 Chivich &
 Commanche

1. ἔλεγεν· συγχωρήσατέ μοι ὅτι ἐσφάλην· ἀγριω-
θεις δὲ ἐπὶ τῷ λόγῳ, κελεύει αὐτὸν βληθῆναι
εἰς τὸ κολαστήριον ξύλον τοῖς πόδας αὐτοῦ· καὶ
ἐν τῇ φύλακῇ ἀσφαλισθῆναι· καὶ γράφει τῷ δου-
5. κλ τὰ τοῦ πράγματος· καὶ παρ' αὐτὰ ἔρχονται προάξινοι καὶ λάμβανουσιν
καὶ ἐπιβιάσαντες αὐτὸν ἐπὶ ἀστρώτου ζώου
ἔχοντα καὶ βαρὶκν σίδηρον κατὰ τοῦ τραχήλου, εἰλκον αὐ-
τὸν μέσον τῆς πόλεως· καὶ προσαχθεις τῷ δικάζοντι
ἠρώτατο τίς ἂν λέγοιτο καὶ πόθεν
10. εἶη· ὁ δὲ πλέον οὐδὲν
ἔλεγεν ἢ ὅτι ἥμαρτον συγχώρησόν μοι· ἐκ-
μανεις οὖν ὁ δοῦξ κελεύει αὐτὸν ταθῆναι·
καὶ βουνεύροις ὡμοῖς διαρραγῆναι αὐτοῦ
τὸν νῶτον· ταθεις οὖν
15. ἐκ τεσσάρων καὶ τοῖς βουνεύροις ἀνελέως
τύπτόμενος, μειδιῶν τῷ προσώπῳ, λέγει
πρὸς τὸν δοῦκα· τύπτε με τύπτε, τὸ ἀργύριόν μου λαμπρότερον
ἀπεργάζη. καὶ λέγει αὐτῷ· ἐγὼ σου τὴν μω-
ρίαν ὑπὲρ χιόνα ἀναδείξω· καὶ κελεύει πῦρ ὑπο-
20. στρωθῆναι τῇ κοιλίσσῃ αὐτοῦ· καὶ ἄλλας ὄξει συμ-
φυράσαντες, ἐπιχύσαι τοῖς μώλωψιν αὐτοῦ· οἱ δὲ πα-
ρεστῶτες ἐθαύμαζον ἐπὶ τῇ τοσαύτῃ καρ-
τερίᾳ· καὶ ἔλεγον αὐτῷ· εἰπέ ἡμῖν ποῦ

18-19. Se ὑπὲρ χιόνα / паче снега è nei rispettivi testi genuini (del che non dubi-
teremmo, anche per la citazione di Ps 50,9 per il cui testo psl. sec. il Sinaitico cf. SJS, III: 24),
si deve ammettere che ἀναδείκνυμι sia in qualche modo sinonimo di λευκαίνω, la cui
equivalenza con οὐβελιτι è pacifica. Qualche problema semantico rimane.

1. мо кси дѣль съсоуды сѣенныѣ, и оставленъ
2. боудеши. ѡнѣ же глѣше, ꙗко не имамъ вещь.
3. ꙗѣва же оставити ꙗго ѿ мочкѣ повелѣ, въ
4. тѣмѣницю ꙗго въсадити рѣ. въ оутрѣи же
5. посла въ лавѣроу, и повелѣ привести иноки и
6. игѣмена. пришѣшимѣ же имъ, глѣ имъ кне-
7. сѣ. зѣло многа сътвори ѡмоу. и многы мѣ-
8. кы приложѣ ѡмоу, и ничтоже обрѣсти възмѣ-
9. гоу. и рѣше ѡмоу братѣа. влѣко. и инаа мно-
10. га зла сътвори ѡ. мы же бѣ ради трѣпѣхѣ
11. ꙗго, чающе исправити се ѡмоу. и се оуже въ
12. гѡрѣша прѣиде. глѣ же имъ кнесѣ. что оубѡ
13. сътвори ѡмоу. ѡни же рѣше, ꙗже закони
14. повелѣвають. глѣ имъ. законъ сѣенѣна-
15. ꙗ крадоушѣ, оубивати повелѣваетъ. и
16. рѣше ѡмоу. и тѣ, оубиенъ боудеть. и по-
17. славъ ѣ, приведоше ꙗго. и сѣдѣ на соуди-
18. ци, глѣ ѡмоу. повѣжѣ окданѣне, и избави
19. се смърти и ѡвѣщавъ брѣ рече. пове-
20. лѣваеши ли ми рещи ꙗже нѣ; ѡнѣ же рече.
21. не хоуоу да себе ѡблѣгаеши. братѣ же рѣ.
22. ничтоже не възмѣ сътворити о нихѣже въ-
23. прадаете ме николиже. видѣвѣ же кне-

1. ἔβαλες τὰ ἱερατικὰ σκεύη καὶ ἀπο-
λύη· ὁ δὲ ἔλεγεν· ὅτι οὐκ ἔχω πρᾶγμα·
μόλις δὲ ἀναθεῖναι αὐτὸν τῆς βασάνου κελεύσας, εἰς
τὸ δεσμωτήριον προστάττει ἀπαχθῆναι· καὶ τῇ ἐξῆς
5. πέμψας ἐν τῇ λαύρᾳ, κελεύει ἀχθῆναι τοὺς τοῦ κοινοβίου καὶ
τὸν ἀββᾶν, καὶ ἐλθόντων αὐτῶν, λέγει πρὸς αὐτοὺς ὁ δοῦξ·
πάνυ πολλὰ ποιήσας καὶ πολλαῖς τίμω-
ρίαις αὐτὸν ὑποβάλλων, οὐδὲν πλέον ἡδυνή-
θην εὑρεῖν· καὶ λέγουσιν αὐτῷ οἱ ἀδελφοί· δέσποτα· καὶ ἄλλα κακὰ
10. ἐποίησεν· καὶ διὰ τὸν θεόν, ἐβαστάσαμεν
αὐτὸν προσδοκῶντες (δοκόντες) αὐτὸν ἐπιστρέφειν· καὶ ἰδοὺ εἰς
χείρωνα μᾶλλον ἦλθε· λέγει αὐτοῖς ὁ ἄρχων· τί οὖν
ποιήσω αὐτόν· λέγουσι· τὰ δοκοῦντα τοῖς
νόμοις· καὶ λέγει αὐτοῖς· ὁ νόμος τοῖς ἱε-
15. ροσύλους φονεύει·
λέγουσιν αὐτῷ· καὶ φονευθήτω· καὶ ἀπο-
λύει αὐτοῖς καὶ φέρουσι τὸν μοναχόν· καὶ καθίσας ἐπὶ τοῦ κριτη-
ρίου λέγει αὐτῷ· ὁμολόγησον ἄθλιε καὶ ῥύσθητι
τοῦ θανάτου· λέγει ὁ ἀδελφός· κε-
- 20.λεύεις ἵνα εἴπω τὸ μὴ ὄν· ὁ δὲ λέγει·
οὐ θέλω καταψεύσασθαι σεαυτοῦ· ὁ δὲ ἀδελφός εἶπεν·
οὐδὲν ὧν ἐρωτοῦμαι οἶδα ποιήσας
ποτέ· ἰδὼν δὲ ὁ δοῦξ

1. съ ꙗко ничтоже повѣдаеть, повелѣ ѿстыши
2. ѿмоу главѣ. и възъм'ше ѿго мѣтелиѣ, ѿве-
3. доше ѿстыши главоу ѿго. въ раскарѣние при-
4. иде оукрадыи сѣен'ныѣ съсоуды и глѣ въ
5. себѣ или ꙗко или когдалибо, невъзможно
6. ѿ оукрадыи се вещи еже сътвори хъ. аще ли
7. же и зде оутѣит' се, что сътвори хъ въ днь сѣда
8. страшнаго. каковыи ѿвѣтъ дамъ ѿ дѣлѣ
9. семь и пришѣ къ игоуменовъ глѣ ѿмоу.
10. скоро послѣ не оумрѣти братоу, ѿбрѣто-
11. ше бѣ се сѣен'ныи съсоуди. посла же ѿнь
12. и възвѣстише кнезюу. и ѿставленъ бѣ брѣ
13. и приведоше ѿго въ киновіѣ. и начеше
14. припадати ѿмоу и глѣти. ꙗко съгрѣши-
15. хомъ на те, прости нѣ. ѿн' же плаче глѣ-
16. ше имъ. простите ме ѿци, ꙗко велика бла-
17. годарениѣ въздаю вамъ понеже малы-
18. ихъ сихъ ради болѣзней, великимъ бла-
19. гымъ спѣблѣю се. и в'са ꙗже вами глѣ-
20. маѣ непѣблѣа слыше, вел'ми радовах' се.
21. зане малыи сихъ оуничиженіи ради, боу-
22. доущаго постыженіѣ избавих' се. наи-
23. много же ꙗко радоу се ѿ сихъ. тѣчию скрѣ-

1. ὅτι οὐδὲν λέγει· κελεύει αὐτὸν
ἀποκεφαλισθῆναι· καὶ λαβόντες αὐτὸν οἱ δῆμιοι ἀπήγα-
γον ἀποκεφαλισθῆναι· ἐλ-
θὼν ὁ ἐπάρας τὰ κειμήλια, λέγει πρὸς
5. ἑαυτὸν· κἂν τε ἄρτι κἂν τε ὅτε δήποτε, γνωσθῆναι
ἔχει τὸ πρᾶγμα· εἰ
δὲ καὶ ὧδε λάθῃς, τί ποιήσεις ἐν τῇ ἡμέρᾳ
ἐκείνῃ; πῶς ἀπολογήσῃ περὶ τοιούτων
πράξεων; καὶ ἔρχεται πρὸς τὸν ἄββᾶν καὶ λέγει αὐτῷ·
10. ταχὺ πέμψον ἵνα μὴ ἀποθάνῃ ὁ ἀδελφός· εὐρέθη-
σαν γὰρ τὰ ἱερὰ σκεύη· πέμπει οὖν
καὶ ἀναφέρει τῷ δουκὶ καὶ ἀπολύεται ὁ ἀδελφός·
καὶ φέρουσιν αὐτὸν εἰς τὸ κοινόβιον· καὶ ἤρξαντο
προσπίπτειν αὐτῷ καὶ λέγειν· ὅτι ἡμάρ-
15. τομεν εἰς σὲ συγχώρησον ἡμῖν· ὁ δὲ ἔλεγεν αὐτοῖς
κλαίων· συγχωρήσατέ μοι πατέρες· ὅτι μεγάλας ἡμῖν
χάριτας ὁμολογῶ· διὰ γὰρ τῶν μικρῶν
τούτων πόνων, μεγάλων ἄξι-
οῦμαι αγαθῶν· ἀλλὰ καὶ τὰ ὑφ' ὑμῶν λεγό-
20. μενα πάντοτε ἅτοπα ἀκούων, μεγάλα ἔχαιρον·
ὅτι διὰ τῶν μικρῶν τούτων ἐξουδενώσεων, τῆς μελ-
λούσης ἀπηλλάγην αἰσχύνῃς· πλείω
δὲ νῦν χαίρω ἐπὶ τοῦτο· εἰ μὴ ὅτι θλί-

3. Dopo ἀποκεφαλισθῆναι e prima di ἐλθὼν il greco aggiunge ἀπαγομένου δὲ αὐτοῦ, εἰς κατάνυξιν.

1. бѣ ми в'са, ѿ вѣ бѣше. вѣмъ ѿбѣ какова
2. бѣга оуготовалъ ѿ бѣ, иже того ради трѣпе-
3. щимъ скръби. жив' же бѣ бѣ дѣни, и о-
4. тиде къ гѣ. и пришѣ ѿединъ ѿ братіи ви-
5. дѣти ѿго како ѿ, обрѣте ѿго на колѣноу
6. лежаща бѣ бѣ моле се метание творилъ
7. и тако дѣоу прѣдалъ. прѣбѣ же тако леже-
8. ще тѣло на поклоніи. и шѣ братъ, възвѣ-
9. сти стар'цоу. и повелѣ принести тѣло ѿ-
10. го въ црѣвь, ѿко тамо погresti се. и ѿко-
11. же положише прѣ жрътвѣникомъ, повелѣ
12. оударити било. да же в'са лавра съберет' се
13. и съ славою тѣло ѿго положетъ. и ѿкоже съ-
14. бирахоу се, хотѣше къжо ѿхъ бѣвение въ-
15. зимати ѿ него. видѣв' же авва, положи
16. тѣло ѿго въ сѣен'ницѣ. и ключемъ за-
17. ключивъ ждаше старца лаврѣскаго, да-
18. же кѣпно погребоутъ ѿго. ѿкоже пріи-
19. де ѿцѣ лаврѣскыи съ црѣвникии и съ-
20. творше мѣтвѣ, глѣше старцоу. ѿвѣрзи
21. и принеси тѣло да погребет' се. понеже ѿ-
22. селъ, вѣме ѿ деветомѣ. ѿн' же ѿвѣрзѣ
23. ничтоже обрѣте, тѣчию ризы ѿго и сандалие

1. ψίς μοι ἦν δι' ἡμᾶς· οἶδα γὰρ οἷα ὁ
θεὸς ἡτοίμασεν ἀγαθὰ τοῖς δι' αὐτὸν ὑπομέ-
νουσι θλίψεις· ἐπιζήσας δὲ ὁ ἀδελφὸς τρεῖς ἡμέρας ἀπῆλ-
θε πρὸς κύριον· καὶ ἐλθὼν εἰς τῶν ἀδελφῶν ἰ-
5. δεῖν πῶς ἔχει, εὐρίσκει αὐτὸν ἐπὶ γόνατα
κείμενον· ἦν γὰρ μετάνοιαν ποιῶν καὶ προσευχόμενος·
καὶ οὕτως παρέδωκε τὴν ψυχὴν· ἔμεινεν οὖν τὸ
σῶμα κείμενον εἰς μετάνοιαν· καὶ ἔρχεται ὁ ἀδελφὸς καὶ λέ-
γει τῷ ἀββᾶ· καὶ κελεύει ἐνεχθῆναι τὸ σῶμα αὐ-
10. τοῦ ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ ἵνα ἐκεῖ ἐνταφιασθῇ· ὥς οὖν
ἔθηκαν αὐτὸν ἔμπροσθεν τοῦ θυσιαστηρίου, κελεύει
κροῦσαι τὸ ξύλον· ἵνα καὶ πᾶσα ἡ λαύρα συναχθῇ
καὶ μετὰ δόξης τὸ σῶμα αὐτοῦ κατατεθῇ· ὥς δὲ συ-
νήγοντο, ἤθελον ἕκαστος εὐλογίαν
15. ἀπ' αὐτοῦ ἐπάραι· ἰδὼν οὖν ὁ ἀββᾶς τίθησι
τὸ σῶμα αὐτοῦ εἰς τὸ ἱερατεῖον· καὶ ἀσφαλίσάμενος
κλειδίῳ, ἐξεδέχετο τὸν ἀββᾶν τῆς λαύρας· ἵνα
κοινῇ ἐνταφιάσωσιν αὐτόν· ὥς οὖν ἦλ-
θεν ὁ πατὴρ τῆς λαύρας μετὰ τῶν κληρικῶν, καὶ ἐ-
20. πόλησαν τὴν εὐχὴν, λέγουσι τῷ ἀββᾶ· ἀνοιξον
φέρε τὸ σῶμα ἵνα ἐνταφιασθῇ· ὅτι καιρὸς
ἐστὶ λοιπὸν τῆς ἐννάτης· ὁ δὲ ἀνοίξας
οὐδὲν εὗρεν εἰ μὴ μόνον τὰ ἱμάτια αὐτοῦ καὶ τὰ σανδάλια·

1. и в'си оудивѣше се, начеше славити бѣ съ сль-
2. зами глѣше. видите братие какова бѣга хо-
3. датаить намъ трыпѣние и смѣрение.
4. видите како мы малодѣльствовахомъ,
5. онъ же крѣпко трыпѣ и мы посрамихѣ се,
6. онъ же вѣнчанъ бѣ тако Ѹбо и мы под'ви-
7. жимъ се трыпѣти бесчестие и оумниженіе
8. и напасти понеже многими скръб'ми
9. побѣдетъ намъ вѣнчитъ въ цѣлѣннѣе.
10. ѡ хѣ ісѣ гѣ нашемъ, аминь .
11. Знамение іестъ Авва Епифанія .
12. Глѣше бѣженныи Епифаніе. тако ѡбразъ 77
13. хѣвъ, Мел'хиседекъ іе. иже корень иуде-
14. иски бѣви, Авраама. множае паче бѣви-
15. ть и оспѣдетъ истина хс, всѣ вѣроующіи
16. въ нь. Рѣ пакы поужно іе хрѣтианъ- 78
17. скыимъ книгамъ стежание имѣти. по-
18. неже тѣчию и погледание книжное лѣ-
19. ностнѣ на къ грѣхоу творить и на пра-
20. вды паче подвижаетъ присно .
21. Рѣ пакы велие оутврѣждение іеже не 79
22. сьгрѣшати, писмен'наго прочитанія.
23. Тѣже рѣ. тако правѣныхъ сьгрѣшенія, 80

54R

77

78

79

80

1. καὶ πάντες θαμβηθέντες, ἤρξαντο δοξάζειν τὸν θεὸν μετὰ δακρύων καὶ λέγειν· βλέπετε ἀδελφοὶ οἷα προξενεῖ ἡμῖν ἡ μακροθυμία καὶ ἡ ταπείνωσις· ἴδετε πῶς ἡμεῖς ὠλιγωρήσαμεν,
5. αὐτὸς δὲ ἐμακροθύμησεν, καὶ ἡμεῖς κατησχύνθημεν· αὐτὸς δὲ ἐστεφανώθη· οὕτως οὖν καὶ ἡμεῖς ἀγωνισώμεθα ὑπομένειν ἀτιμίαν καὶ ἐξουδένωσιν καὶ πειρασμόν· διὰ πολλῶν γὰρ θλίψεων δεῖ ἡμᾶς εἰς τὴν βασιλείαν εἰσελθεῖν
10. ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ τῷ κυρίῳ ἡμῶν.
Στοιχεῖον τοῦ ε
Ἐλεγεν ὁ μακάριος Ἐπιφάνιος· ὅτι ἡ εἰκὼν τοῦ Χριστοῦ ὁ Μελχισεδέκ. τὴν ῥίζαν τῶν Ἰουδαίων εὐλόγησε τὸν Ἀβραάμ. πολλῷ πλέον αὐτοῦ ἡ ἀλήθεια ὁ Χριστὸς εὐλόγει
15. γεῖ καὶ ἀγιάζει πάντας τοὺς πιστεύοντας εἰς αὐτόν. Εἶπε πάλιν· ὅτι ἀναγκαῖα τῶν χριστιανικῶν βιβλίων ἡ κτήσις τοῖς ἔχουσιν· καὶ αὐτὴ γὰρ τῶν βιβλίων ἡ ὄψις, ὁ κνηροτέρους ἡμᾶς πρὸς τὴν ἁμαρτίαν ἐργάζεται· καὶ πρὸς δικαιοσύνην μᾶλλον διανίστασθαι προτρέπεται.
Εἶπε πάλιν· μεγάλη ἀσφάλεια πρὸς τὸ μὴ ἁμάρτάνειν, ἡ τῶν γραφῶν ἀνάγνωσις.
Ὁ αὐτὸς ἔλεγεν· ὅτι τὰ τῶν δικαίων ἁμαρτήματα

1. ѿ оустнахъ соуть нечѣстивихъ же, изъ в'се-
2. го тѣла тем'же бжтв'ныи пѣвцы Дѣды
3. глїеть. положи ги храниение оустомъ
4. моимъ, и д'вьрь ѿгражениа ѿ оустна^{хъ} мй^{хъ}.
5. Тѣже рече. како бѣ, грѣшнымъ оубѡ по- 81
6. кающимъ се, оставляетъ дѣлы коу-
7. пно съ лихвою. какоже блѡѣници и мы-
8. тароу. ѿ правед'ныхъ же, истезаетъ и
9. лихвы и се оубѡ ѿ еже аплмъ глѣше.
10. како аще излиха не боудѣ правда ваша
11. паче фарисеи и книжники, не имате
12. вѣннати въ црѣтво небесное.
13. Рѣ авва Ев'препиѣ. како плѣт'скага в'са 82
14. вещи соуть. и любей вещи, любить съ-
15. блаженїѣа и скръби аще ли же сълоу-
16. чит' се погыбноути нѣкое, съ радости-
17. ю и исповѣданїемъ пѡбадетъ прие-
18. мати, како ѿ печали избавльше се.
19. Братъ выпроси авва Ев'препиѣ о жизни. 83
20. и рѣ стар'ць. травоу гѣжь. въ травоу ѿ-
21. блѣци се. на травѣ лежи тѣчию срѣце
22. свое желѣзно стежи.
23. Тѣже рѣ. како ѿскоудѣниѣ брашномъ. 84

1. περὶ τὰ χεῖλη ἐστίν, τὰ δὲ τῶν ἀσεβῶν ἐξ ὅ-
λου τοῦ σώματος· ὅθεν ὁ θεῖος ψάλλει Δαυίδ·
θεοῦ κύριε φυλακὴν τῷ στόματί
μου καὶ θύραν περιοχῆς περὶ τὰ χεῖλη μου.
5. Ὁ αὐτὸς εἶπεν· ὅτι ὁ θεὸς τοῖς μὲν ἁμαρτωλοῖς
καὶ τὸ κεφάλαιον παραχωρεῖ μετανοοῦσιν
ὥς τῇ πόρῃ καὶ τῷ τελώ-
νῃ· τοῖς δὲ δικαίους ἀπαιτεῖ καὶ
τόκους· καὶ τοῦτό ἐστίν ὃ τοῖς ἀποστόλοις ἔλεγεν·
10. ὅτι ἐὰν μὴ περισσεύσῃ ἡ δικαιοσύνη ὑμῶν
πλέον τῶν γραμματέων καὶ φαρισαίων οὐ μὴ
εἰσέλθῃτε εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν·
Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Εὐπρέπιος· ὅτι τὰ σωματικά
ὑλὴ εἰσὶν· ὁ ἀγαπῶν τὴν ὑλὴν, ἀγαπᾷ προ-
σκόμματα· εἶπερ οἷον συμβῇ
τί ποτε ἀπολέσθαι, τοῦτο μετὰ χαρᾶς
καὶ ἐξομολογήσεως χρή δέχε-
σθαι. ὥς φροντίδος ἀπαλλαγέντες.
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἄββᾶν Εὐπρέπιον περὶ ζωῆς·
20. καὶ εἶπεν αὐτῷ ὁ γέρων· χόρτον φάγε· χόρτον φό-
ρεσον· εἰς χόρτον κοιμῶ· μόνον τὴν καρδίαν
σου κέκτησο σιδηρᾶν.
Ὁ αὐτὸς εἶπεν· πένθος καὶ ταπείνωσις καὶ ἔνδεια τροφῶν

10. G conferma ἐὰν μὴ leggibile in M con difficoltà; Pa εἰ μὴ.

20. G Pa omettono αὐτῷ.

1. и страхъ бжїи. и плачь и смѣрение, да
2. прѣбываетъ с тобою ·
3. Иде къ старцю инѡгда братъ и глѣ немощи. 85
4. авва рыци ми како спсоу се. ѡнъ же рече ѡ немощи.
5. аще хощеши спсти се. идеже аще идеша,
6. не прѣвдари глѣти прѣже истезати те. ѡ-
7. нъ же о словеси оумилив се, сътвори мета-
8. ние глѣе. въ истинноу многа книжиа про-
9. чьтѡ, и таковоу ползочу, николиже не ѡбръ-
10. тѡ. и мнѡго полъзевав се, изыде ·
11. Тѣже глѣаше. тако прркъ Дѣвъ, въ безгодие 86
12. моляше се. въ полоу ноши встанаше. прѣ-
13. же оутра прѣстоиаше. въ оутро моляше
14. се. вечеръ и полоу днѣ мѣтвочу твораше.
15. и сего ради глѣеть. седморицею днѣмъ
16. всхвалихъ те ·
17. Авва Евпрепїе крадомъ. помагаше 87
18. имъ. и какоже възеше они соущаа въ нѣ-
19. тръ, ѡставише жьзль него. и видѣвъ и
20. старъць. ѡскрѣби се. и възьмь него, те-
21. чаше дати и. ѡни же не хотѣхочу възе-
22. ти него. ѡбрътъ же старць нѣкихъ тѣ-
23. мѣже поутемъ идущемъ, моляше ѿ

55R

1. καὶ φόβος θεοῦ,
παραμενέτω σοι.
Παρέβαλέ ποτε γέροντι καὶ λέγει αὐτῷ·
ἄββᾶ· εἶπέ μοι πῶς σωθῶ· ὁ δὲ εἶπεν αὐτῷ·
5. ἐὰν θέλῃς σωθῆναι, ὅπου ἐὰν ἀπέλθῃς
μὴ προλάβῃς λαλῆσαι πρὶν ἐξετάσῃ σε· ὁ
δὲ ἐπὶ τῷ λόγῳ κατανυγείς, ἔβαλε μετά-
νοιαν λέγων· ὄντως πολλὰ βιβλία ἀνέ-
γνων, καὶ τοιαύτην ὠφέλειαν, οὐδέποτε ἔγνω·
10. καὶ πολλὰ ὠφελῆθεις ἐξηλθεν.
Ὁ αὐτὸς ἔλεγεν· ὅτι ὁ προφήτης Δαυίδ. ἐν ἀωρία
ἠΰχετο· μεσονύκτιον ἐξηγείρετο· πρὸ
τοῦ ὄρθρου παρίστατο· πρωίας ἐδέετο·
ἐσπέρας καὶ μεσημβρίας ἰκέτευεν·
15. καὶ διὰ τοῦτο ἔλεγεν· ἐπτάκις τῆς ἡμέρας
ἦνεσά σε.
Ὁ ἄββᾶς Εὐπρέπιος συλούμενος συνείργει
αὐτοῖς· μετὰ δὲ τὸ ἐπᾶραι αὐτοὺς τὰ ἔνδον
κείμενα, καταλειψάντων τὴν ῥάβδον αὐτοῦ, ἰδὼν αὐτὴν
20. ὁ γέρων ἠχθέσθη· καὶ λαβὼν ἀπέτρε-
χε βουλόμενος δοῦναι· οἱ δὲ μὴ θέλον-
τες δέξασθαι, ἐντυχῶν τισιν,
ἡξίου ἀποδοῦναι

2. Pa G διαμενέτω σοι

18. Pa G αὐτοῖς M αὐτοῦς

1. вѣзети жьзль и дати ѡнѣмь ·
2. Гл҃ахоу ѡ авва Еладїи. тако хлѣбъ и сѡль га- 88
3. дѣше. егда же прииде пасха, гл҃аше. гаѣ
4. братиа хлѣбъ и сѡль гадеть. азъ же дльжнъ
5. јесмь малъ троудъ сѣтворити пасхы ради.
6. понеже въ дроугыѣ дни сѣдеше гамь ни-
7. нѣ же зане пасха ѣѣ, сѣворю троудъ, даже
8. стоеше гамь · О трѣпѣни авва Иринеа ·
9. Рѣ авва Иринеи братїи. пѣвигнѣмъ се трѣ- 89
10. пѣти брани. воини бѣ јесмы хѣ цѣра не-
11. беснаго. и такоже воини цѣра земьна-
12. го имають шѣмь мѣдны тако и на-
13. ше воинство имать шѣмь добрага дѣ-
14. ла ѡни имають брѣне желѣзны мы
15. же имамы брѣне дѣховны вѣрою ковае-
16. мы ѡни имають копиа, мы же мо-
17. литвоу. они щиты, мы же на бѣ оуп'ва-
18. ние. они имають мѣчь, мы же бѣ
19. они въ бранехъ крѣви изливають, мы
20. же оусрьдие принесѣмь. Сего ради бо
21. нѣныи цѣрь попоустилъ ѣѣ вѣсомъ бо-
22. рити нѣ, даже не забываемъ бѣгода-
23. ниа јего. въ покои бѣ множицею

55 V

1. τὴν αὐτὴν ὁδὸν ὁδεύοντων.
Ἐλεγον περὶ αὐτοῦ· ὅτι ἄρτον καὶ ἄλας ἤ-
σθιεν· ὅτε οὖν ἦλθεν τὸ πάσχα ἔλεγεν ὅτι
οἱ ἀδελφοὶ ἄρτον καὶ ἄλας ἐσθίουσιν, ἐγὼ δὲ ὀφείλω
5. μικρὸν κόπον ποιῆσαι διὰ τὸ πάσχα·
ἐπεὶ δὲ τὰς ἄλλας ἡμέρας καθήμενος ἐσθίω, νῦν
ὅτι πάσχα ἐστὶν ποιήσω τὸν κόπον ἵνα
ἰστάμενος ἐσθίω.
Εἶπεν ὁ Ἀββᾶς Εἰρηναῖος πρὸς τοὺς ἀδελφούς· ἀγωνισώμεθα καὶ
10. ὑπομείνωμεν πολεμούμενοι· στρατιῶται γὰρ ἐσμεν Χριστοῦ
τοῦ ἐπουρανίου βασιλέως· καὶ ὥσπερ οἱ στρατιῶται τοῦ ἐπιγείου
βασιλέως ἔχουσι περικεφαλαίαν χαλκὴν, οὕτως ἡμετέ-
ρα στρατεία ἔχει περικεφαλαίαν τὰς καλὰς ἀρε-
τάς· ἐκεῖνοι ἔχουσι θώρακα ἀλυσίδοτον, καὶ ἡμεῖς
15. ἔχομεν θώρακα πνευματικὸν πίστει χαλκευό-
μενον· ἐκεῖνοι ἔχουσι λόγχην, ἡμεῖς δὲ τὴν προ-
σευχήν· ἐκεῖνοι ἀσπίδα, ἡμεῖς δὲ τὴν εἰς θεὸν ἐλπί-
δα· ἐκεῖνοι ἔχουσι θυρεόν, ἡμεῖς τὸν θεόν·
ἐκεῖνοι ἐν τῷ πολέμῳ αἵματα ἐκχέουσιν, ἡμεῖς
20. δὲ τὴν προαίρεσιν προσενέγκωμεν· διὰ τοῦτο γὰρ
καὶ ὁ ἐπουράνιος βασιλεὺς παρεχώρησεν τοὺς δαίμονας πο-
λεμεῖν ἡμᾶς, ἵνα μὴ ἐπιλανθανώμεθα τῶν εὐεργε-
σιῶν αὐτοῦ· ἐν γὰρ τῇ ἀνέσει πολλάκις

12. Pa καὶ ἡ ἡμετέρα

1. мнози члвци, ни мало не молет' се. или
2. несъблѣно молет' се. иже бѣ оустнами
3. глѣють, срѣцем' же въ мирѣ соѣ, како слыша-
4. ни боудѣють. игдаже скръбимъ, тогда
5. трѣзвынѣ молим' се. тѣм'же и мы бра-
6. тие, оупѣбим' се воинѣмъ тлѣн'наго црѣ,
7. и оусрѣно борим' се. паче же тремъ отро-
8. комъ оупѣбим' се. и печь ѡгнестрѣть-
9. нѣю, чистотою поперѣмъ и оуглине и-
10. скоушеніа, мѣтвоею погасимъ .
11. Рече амѣма Евгеніа. искати намъ поль-
12. зно іе, тѣчию съ ісомъ быти. богатъ оу-
13. бѣ іе в'сакъ иже съ ісомъ іе, аще и плѣть-
14. скыми нищъ іе. иже оубѣ земельнага
15. паче нѣнѣй любить, ѡ обоихъ ѡпадѣ.
16. желаніи же нѣнага, гнѣ іе всемоу мироу .
17. Рече пакы аще сътворимъ чрѣво свое мало.
18. и роукодѣліе свое мало. безмльв'но
19. можем' се сѣсти .
20. Знаменіе землиа. Авва Зинона .
21. Рече авва Зинонъ. не въсели се прѣбыва-
22. ти въ мѣстѣ именитѣ. ниже седи съ
23. члкомъ имоушимъ име велико. ни-

56R

90

91

92

1. οἱ πολλοὶ τῶν ἀνθρώπων οὐδὲ ὅλως προσεύχονται· ἢ οὐ προσεύχονται συνεχόμενοι· οἱ γὰρ θεῷ λαλοῦντες τοῖς χείλεσι, τῷ δὲ κόσμῳ τῇ καρδίᾳ διαλεγόμενοι, πῶς εἰσακουσθήσονται; ὅταν δὲ θλιβώμεθα, τότε
5. νηφόντως προσευχώμεθα· τοίνυν ἀδελφοὶ καὶ ἡμεῖς μιμησώμεθα τοὺς τοῦ φθαρτοῦ βασιλέως στρατιώτας, καὶ προθύμως πολεμήσωμεν· μᾶλλον δὲ τοὺς τρεῖς παῖδας μιμησώμεθα, καὶ τὴν κάμινον τῶν παθῶν ἀγνεία πατήσωμεν· καὶ τοὺς ἄνθρακας τῶν πειρασμῶν τῇ προσευχῇ σβέσωμεν, καὶ τὸν διάβολον αἰσχύνωμεν.
10. Εἶπεν ἡ ἀμμὰς Εὐγένεια· ἐπαιτεῖν ἡμῖν συμφέρει, καὶ μόνον μετὰ Ἰησοῦ εἶναι· πλούσιος γὰρ ἐστίν· πᾶς ὁ μετὰ Ἰησοῦ ὢν· κἄν σωματικῶς ᾖ πένης· ὁ μὲν γὰρ τὰ ἐν τῇ γῇ
15. προτιμῶν τῶν οὐρανίων, ἐκπεσεῖται ἀμφοτέρων· ὁ δὲ τῶν οὐρανίων ἐπιθυμῶν, κύριός ἐστιν παντὸς τοῦ κόσμου. Εἶπεν πάλιν· ἐὰν ποιήσωμεν τὴν κοιλίαν μικράν, καὶ τὸ ἐργόχειρον μικρόν, ἀταράχως δυνάμεθα σωθῆναι·
20. ΣΤΟΙΧΕΪΟΝ Ζ
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ζήνων· μὴ οἰκήσης· ἐν τόπῳ ὀνομαστῷ, μηδὲ καθίσσης μετὰ ἀνθρώπου ἔχοντος μέγα ὄνομα· μη-

- | | | |
|-----|--|------|
| 1. | же положи ѿснование създати келию | 56 V |
| 2. | себѣ николиже · | |
| 3. | Рѣ пакы хоти въскорѣ слышати егѡ | 93 |
| 4. | бѣ. егда встанеть и простреть роуцѣ | |
| 5. | свои къ бѡу, прѣже в'сего и прѣже свое дѣше, | |
| 6. | о вразѣ своихъ изъ в'се дѣше да помолит' се. | |
| 7. | и сего ради исправления. еже аще помо- | |
| 8. | лит' се бѡу, оуслышитъ его · | |
| 9. | Гл҃ахоу ѡ авва Зинонѣ. како малъ растомъ | 94 |
| 10. | бѣше. и ѡкоцѣ тѣломъ. смыслѣнъ же | |
| 11. | въсь и оусрѣдиѣмъ и теплотою къ бѡу и- | |
| 12. | спльнѣ. имаше же и милование много | |
| 13. | къ чл҃комъ. къ семоу ѡ в'сѣхъ странъ при- | |
| 14. | хождахоу мир҃ане мнози и иноци. и по- | |
| 15. | вѣдаахоу помысль свой немому, и покои | |
| 16. | ѡбрѣтаахоу · | |
| 17. | Нѣкому же ѡ стар'цѣ прѣбывающоу при | 95 |
| 18. | авва Зинонѣ бесѣдовахомъ. и въпро- | |
| 19. | сихомъ егѡ гл҃юще. аще к'то иматъ по- | |
| 20. | мысль. и множицею прочитаетъ къ себѣ | |
| 21. | и слышитъ како рекли соутъ ѡцѣи о чисто- | |
| 22. | тѣ. и хоцетъ исправити, и не можетъ. | |
| 23. | добро ли ѣ възвѣстити нѣкому ѡ ѡцѣ, | |

1. δὲ βάλης θεμέλιον τοῦ οἰκοδομήσαι
σεαυτῷ κελλίον πώποτε.
Εἶπε πάλιν· ὁ θέλων ἵνα ταχὺ εἰσακούῃ αὐτοῦ
ὁ θεὸς ἡνίκα ἀναστῇ καὶ ἐκτείνῃ τὰς χεῖρας
5. αὐτοῦ πρὸς τὸν θεὸν πρὸ πάντων καὶ πρὸ τῆς ἰδίας ψυχῆς
ὑπὲρ τῶν ἐχθρῶν αὐτοῦ ἀπὸ ψυχῆς εὐξάσθω·
καὶ διὰ τοιούτου κατορθώματος εἴ τι παρα-
καλέσῃ τὸν θεὸν ὑπακούει αὐτοῦ.
Ἔλεγον περὶ τοῦ ἁββᾶ Ζήνονος ὅτι μικροφυῆς
10. μὲν ἦν καὶ ἰσχνὸς τῷ σώματι· σύννους δὲ
ὅλος καὶ προθυμίας καὶ θερμῆς πρὸς τὸν θεὸν πε-
πληρωμένος· εἶχεν δὲ καὶ συμπάθειαν πολλήν
πρὸς τοὺς ἀνθρώπους· τοῦτῳ πανταχόθεν προ-
σῆρχοντο πολλοὶ κοσμικοὶ καὶ μοναχοί· καὶ ἁ-
15. νετίθεντο τοῖς λογισμοῖς αὐτῶν καὶ
ἀνεπαύοντο.
Τινὲ γοῦν τῶν πατέρων πλησίον μείναντος
τοῦ ἁββᾶ Ζήνονος συνετύχομεν· καὶ ἡρωτή-
σαμεν αὐτὸν λέγοντες· ἂν τις ἔχῃ λο-
20. γισμὸν καὶ πολλάκις ἀναγινώσκῃ εἰς ἑαυτὸν
καὶ ἀκούῃ πῶς εἶπαν οἱ πατέρες περὶ καθαρό-
τητος καὶ θέλῃ κατορθῶσαι καὶ οὐ δύναται,
καλὸν ἔστιν ἀπαγγεῖλαί τινι τῶν πατέρων;

3. G εἰσακούση non sembra da preferire né sul piano della congruenza con lo slavo né, probabilmente, in assoluto.

1. ἢ σπουδάσαι ὀφείλει χρήσασθαι ὥς
ἀνέγνω, καὶ ἀρκεσθῆναι τῇ ἑαυτοῦ συνειδή-
σει; καὶ εἶπεν ἡμῖν ὁ γέρων· ὅτι ὀφείλει ἐ-
ξαγγεῖλαι, ἀλλὰ δυναμένῳ ὠφελῆσαι αὐ-
5. τόν, καὶ μὴ πεποιθέναι ἐφ' ἑαυτῷ. οὐ γὰρ δύναται
τις ἑαυτὸν ὠφελῆσαι, ἢ ἑαυτῷ βοηθῆσαι·
καὶ μάλιστα ἐὰν φθάσῃ καταπονηθῆναι
ὑπὸ τοῦ πάθους· ἐμοὶ γὰρ φησι ἐν τῇ νεότητί μου συ-
νέβη τι τοιοῦτον· εἶχον γὰρ πάθος
10. ψυχικὸν καὶ ἡττώμην εἰς αὐτό· καὶ ἀκού-
ων περὶ τοῦ ἀββᾶ Ζήνωνος ὅτι πολλοὺς ἐθερά-
πειυσεν, ἡβουλήθη ἀπελθεῖν καὶ ἀναγγεῖλαι αὐτῷ· καὶ
ἐμπόδιζέ με ὁ διάβολος λέγων· ὅτι ἐπὶ ὅλ-
δας τί ὀφείλεις ποιῆσαι χρήσαι ὥς
15. ἀναγινώσκεις καὶ τί ὑπάγεις καὶ σκανδαλίζεις τὸν γέροντα; καὶ
ὅτε ἐπηγόμην τοῦ ἀπελθεῖν, μικρὸν ὁ πόλεμος
ἐκουφίζετο ἀπ' ἐμοῦ ἵνα μὴ ἀπέλθω· ὅτε
δὲ ἔπειθόν με τοῦ μὴ ἐπελθεῖν πρὸς τὸν γέροντα πάλιν
κατεπόντιζέ με τὸ πάθος· καὶ πάλιν ἐπίκτευνον
20. ἀπελθεῖν, καὶ τὸ αὐτό μοι ἐδολιεύετο ὁ ἐχθρὸς
μὴ συγχωρῶν (μοι) ἐξαγγεῖλαι τῷ γέροντι.
καὶ πολλάκις ἀπῆλθον εἰς τὸν γέροντα εἰπεῖν αὐ-
τῷ· καὶ οὐκ ἤφιέ με ὁ ἐχθρὸς αἰσχύνῃν φέ-

13. Pa (che omette με) ha la forma “classica” ἐνεπόδιζεν.

21. M e Pa hanno entrambi με. Occorre emendare in μοι a meno di non ammettere una costruzione tarda con accusativo del tipo già discusso in precedenza (cf. Browning 1983: 37).

1. нашае сѣ́цоу моемоу глїе. ꙗко ꙗгда въ-
2. си како исцѣлѣти се, ко҃гда потреба ѿ възвѣ-
3. щати комоу. и си рече принашааше ми соу-
4. постаты, да же не ꙗвлю стѣ́тъ свою, и
5. приимоу цѣлѣбоу. старѣ́ць оубо познава-
6. аше ме ꙗко помысль имаю, нѣ не ѡбли-
7. чааше ме. нѣ ꙗдаше да самъ исповѣ́мъ
8. ѣмоу. оучаше же ме о правыимъ жити,
9. и ѡпоуцааше. послѣди же скръбе и пла-
10. че рѣхъ дѣ́ши свои. доколѣ́ окаянаго дѣ-
11. ше не хоцѣши исцѣлѣти се. издалече при-
12. ходѣ́ши къ старцоу и цѣлѣбоу прие́млю,
13. ты же не срамаѣаеши се близоу себе врача
14. имоу́щи и не хоцѣши исцѣлѣти се; и ра-
15. ꙗе҃с се рече сѣ́цемъ встѣ́, и въ себѣ́ рѣхъ. ꙗ-
16. ко аще идоу къ старцоу и не обрѣ́цоу нико-
17. го же тамо, оувѣ́мъ ꙗко вола бѣ́жа ѿ и-
18. сповѣ́дати помысль своѣ́. и тако шѣ́шѣ
19. ми, никого же ѡбрѣ́то. старѣ́ць же по ѡ-
20. бычаю оучаше ме о сѣ́сени дѣ́ши. и како
21. кто ѡчистити се можетъ ѡ сквернѣ́ннѣ́
22. помысль. мнѣ́ же пакы срамаѣаю́щ се
23. и не исповѣ́дающеу, молахъ ꙗго ѡпоу-

1. ρων τῇ καρδίᾳ μου καὶ λέγων ὅτι ἐπεὶ οἷ-
δας πῶς ὀφείλεις σεαυτὸν θεραπεῦσαι, τίς χρεια λέ-
γειν τινί; καὶ ταῦτά φησι ὑπέβαλέν μοι ὁ ἀν-
τίδικος ἵνα μὴ φανηρώσω τὸ πάθος καὶ
5. θεραπευθῶ· καὶ ὁ μὲν γέρων ἐνό-
ει μοι ὅτι ἔχω λογισμούς, οὐκ ἤλεγ-
χε δέ με, ἀλλ' ἀνέμενεν, ἕως ἐγὼ ἀναγγείλω
αὐτοῦς· ἐδίδασκέ με δὲ περὶ ὀρθοῦ βίου,
καὶ ἀπέλυεν· ὕστερον θλιβόμενος καὶ κλαί-
ων, εἶπον τῇ ψυχῇ μου. ἕως πότε ἀθλία ψυ-
χή, οὐ θέλεις θεραπευθῆναι; οἱ ἀπὸ μήκοθεν ἔρχον-
ται πρὸς τὸν γέροντα καὶ θεραπεύονται·
καὶ σὺ οὐκ αἰσχύνη ἐγγὺς ἔχουσα
τὸν ἱατρὸν καὶ οὐ θεραπευομένη; καὶ πυ-
ρωθεὶς τῇ καρδίᾳ ἀνέστην καὶ εἶπον ἐν ἑαυτῷ· ὅ-
τι ἐὰν ἀπέλθω πρὸς τὸν γέροντα καὶ μὴ εὕρω
ἐκεῖ τινα, οἶδα ὅτι θέλημα θεοῦ ἐστὶν ἀ-
ναγγεῖλαι τοῖς λογισμοῖς μου· καὶ δὴ ἀπελθὼν,
οἰδένα εἶρον· ὁ δὲ γέρων κατὰ συ-
νήθειαν ἐδίδασκέ με περὶ σωτηρίας ψυχῆς· καὶ ὅπως
τις καταρθῇ ἀπὸ ρυπαρῶν
λογισμῶν· ἐμοῦ δὲ πάλιν αἰσχυνομένου
καὶ μὴ ἐξαγγέλλοντος, παρεκάλουν αὐτὸν ἀπολυ-

3. Correggendo in ὑπέβαλλον (e postulando quindi un tipo di errore assai frequente) si avrebbe un testo in accordo con lo slavo.

7. Pa ἕως οὔ

15. Attenderemmo ἐμαυτῷ.

1. стити ме. и въставъ стар'ць сътвори мо-
2. литвоу и проваждаше ме. прѣ м'ною идѣ-
3. щоу до вѣншнихъ дв'ри. аз' же помысль-
4. ми томѣ. да рекоу старцоу, или не рекоу.
5. и по малоу стоупаю, по немъ идѣхъ. ста-
6. р'ць же не видѣше ме. нь оудръжа врата о-
7. творити ми. и какоже видѣ ме помы-
8. слы много томима. обрати се къ мнѣ, и тѣмъ
9. въ прѣси мои гл҃а ми. что имаши, чл҃къ е-
10. смь и азъ. и какоже рѣ ми стар'ць слово се,
11. гави ми се како ср҃це мое ѿверъзе. и падѣ
12. лицемъ на носѣ его. моле его съ слъзамѣ
13. и гл҃аю. помилоуи ме. ѡн' же гл҃а ми. что
14. имаши. и рѣхъ емоу. вѣси что имамъ.
15. и гл҃а ми. тебѣ ѣ потреба рещи что има-
16. ши. аз' же съ сточдомъ исповѣдавъ стра-
17. сть свою. рѣ ми. почто оусрами се р'ци ми.
18. не чл҃къ ли есмь и азъ; хоцещи ли повѣ-
19. м' ти азъ. не имаши ли ꙗко лѣта имѣе сѣ
20. помысль, и приходе здѣ не исповѣдаеши;
21. мнѣ же припад'шоу и молющю се и гл҃ахъ
22. емоу. помилоуи ме бѣ ради, и рыци ми
23. что сътворю. иди рѣ ми не прѣзираи мо-

1. σαί με· καὶ ἀναστὰς ὁ γέρων, ἐποίησεν εὐ-
χὴν καὶ προέπεμπε με περιπατῶν ἔμπροσθέν μου,
ἕως τῆς ἔξω θύρας· ἐγὼ δὲ βασανι-
ζόμενος ὑπὸ τῶν λογισμῶν εἰπεῖν ἢ μὴ εἰπεῖν τῷ Ἀββᾶ,
5. ὀλίγον ὀλίγον περιεπάτουν ὀπίσω· ὁ δὲ γέ-
ρων οὐ προσέσχε μοι, ἀλλ' ἐκράτησεν τὴν θύραν πρὸς
τὸ ἀνοῖξαί μοι. ὥς δὲ ἐπὶ πολὺ εἶδέν με
βασανιζόμενον ὑπὸ τῶν λογισμῶν, στρέφεται πρὸς με καὶ κρούων
τὸ στήθος μου, λέγει μοι· τί ἔχεις; ἄνθρωπός εἰ-
10. μι κάγώ· ὥς δὲ εἶπέ μοι ὁ γέρων τὸν λόγον τοῦτον,
ἐνόμισα ὅτι τὴν καρδίαν μου ἤνοιξεν· καὶ πίπτω
ἐπὶ τοὺς πόδας αὐτοῦ προσώπῳ παρακαλῶν αὐτὸν μετὰ δακρύων
καὶ λέγων· ἐλέησόν με· ὁ δὲ λέγει μοι· τί
ἔχεις; ἐγὼ δὲ εἶπον· οἶδας τί ἔχω·
15. καὶ λέγει μοι· σοῦ χρεῖα εἰπεῖν τί ἔ-
χεις· ἐμοῦ δὲ μετ' αἰσχύνῃς ἀναγγείλαντος τὸ πά-
θος μου, λέγει μοι· καὶ διὰ τί ἡσχύνθης εἶπέ μοι·
οὐκ εἰμὶ κάγώ ἄνθρωπος; θέλεις εἰ-
πω σοι τὰ ἐμά; οὐκ ἔχεις τρία ἔτη ἔχων τούτους
20. τοὺς λογισμοὺς ἐρχόμενος ὧδε καὶ μὴ ἐξαγγέλλων αὐτοῦς;
ἐμοῦ δὲ προσπεσόντος καὶ παρακαλοῦντος καὶ λέγοντος
αὐτῷ ἐλέησόν με διὰ τὸν θεόν.
εἶπέν μοι· ὕπαγε μὴ ἀνέλη τῆς εὐ-

4. Pa τῷ γέροντι invece di τῷ Ἀββᾶ.

5. Ritengo la lezione di M preferibile a quella di Pa ὀλίγον (una sola volta).

12. Pa ἐπὶ πρόσωπον εἰς τοὺς πόδας αὐτοῦ.

1. литвою свою, и никогоже оклеветати.
2. аз' же въ келию свою шѣ, и мѣтвою свою не
3. прѣзрѣвъ. блѣтию хѣвою и мѣтвами ста-
4. рца, к томоу не сѣмоуцень бѣ стѣтию о-
5. ною. мимошѣшоу же рѣ потомъ лѣтоу ие-
6. диномоу, прииде ми помысль сицевы-
7. и. еда како бѣ по мѣти своени помилова
8. те, а не старца ради. и идѣ къ нѣмоу хо-
9. те искоуцити его. и поемъ его ѡсобъ,
10. сътвори хъ нѣмоу метание глѣе. помо-
11. ли се о мнѣ ѡче о помыслѣ ѡномъ еже
12. иногда исповѣдах' ти. и остави ме леже-
13. ща на ногѣ его. и оумльчавъ мало, глѣ мѣ
14. встани и имѣи вѣроу. аз' же се слышав'
15. хѡтѣ даже земля ме би ѡ срама погль-
16. тила. и вставъ, не можѣ на старца възрѣти
17. и диве се идѣ въ келию свою. стар'ецъ же
18. на оувѣреніе своимъ добродѣтелемъ
19. и нашеи ради пол'зы, повѣда намъ и се .
20. ꙗко иногда ѣ брата идоста къ авва Зино-
21. моу. и поемъ его къжо ѡсобъ. повѣда ие-
22. моу помысль свой по врѣмени же нѣкы-
23. имъ, с'лоучи се имъ събрати се другъ съ

1. χῆς σου. καὶ μηδενὸς καταλαλήσης·
ἀπῆλθον οὖν εἰς τὸ κελλίον μου, καὶ μὴ ἀνελήσας
τῆς εὐχῆς μου, χάριτι τοῦ Χριστοῦ καὶ εὐχαίς τοῦ γέ-
ροντος, οὐκέτι ὠχλήθην ὑπὸ τοῦ πάθους ἐκεί-
νου· μετὰ δὲ ἐνιαυτὸν φησι
ἐπῆλθέν μοι λογισμὸς τοιοῦ-
τος· ὅτι μήποτε ὁ θεὸς κατὰ τὸ ἔλεος αὐτοῦ ἐποί-
ησεν μετὰ σοῦ, καὶ οὐχὶ ἔνεκεν τοῦ γέροντος· καὶ ἀπέρχομαι πρὸς αὐτὸν θέ-
λων πειράσαι αὐτόν· καὶ λαβὼν αὐτὸν κατ' ἰδίαν,
10. ἔβαλον αὐτῷ μετάνοιαν λέγων· εἴξαι
ὑπὲρ ἐμοῦ περὶ τοῦ λογισμοῦ ἐκείνου, οὐ
ποτε ἐξήγγειλά σοι· καὶ ἀφῆκέ με κείμε-
νον εἰς τοὺς πόδας αὐτοῦ· καὶ σιωπήσας μικρὸν λέγει μοι·
ἀνάστα ἔχε ἐπιστήμην· ἐγὼ δὲ τοῦτο ἀκούσας
15. ἐβουλόμην ἵνα κατέπιέν με ἡ γῆ ἀπὸ αἰσχύνης·
καὶ ἀναστὰς οὐκ ἠδυνάμην ἀτενίζειν τῷ γέροντι·
καὶ ἀπῆλθον θαυμάζων εἰς τὸ κελλίον μου. Ὁ δὲ γέρων
πρὸς βεβαίωσιν τῶν αὐτοῦ ἀρετῶν
καὶ ἡμῶν ὠφέλειαν, διηγήσατο ἡμῖν καὶ τοῦτο·
20. ὅτι ποτὲ δύο ἀδελφοὶ ἀπῆλθον ὁμοῦ πρὸς τὸν ἀββᾶν Ζήνο-
να καὶ λαβὼν αὐτὸν ἕκαστος κατ' ἰδίαν ἐξήγγειλεν αὐ-
τῷ τοὺς λογισμοὺς αὐτοῦ· μετὰ δὲ χρόνον τι-
νὰ συνέβη αὐτοῖς παραβαλεῖν ἀλλή-

14. Lo slavo presuppone ἔχε πίστιν, del resto più logico.

17. Pa non divide N510^a da N510^b, M pone la divisione verso la fine della riga 17, come qui indicato, con una soluzione logicamente migliore di quella offerta dal testo slavo.

1. дрѣгымь. и гл̃а єдинь дроугомѣ. ꙗко е-
2. гда идохомь къ стар'цоу и повѣда ємоу по-
3. мыслѣ свои, ѡбрѣте ли ползочу повѣдавѣ
4. ємоу. ѡн' же рече ми. єи. мѣтвами єго,
5. исцѣли ме бѣ. и гл̃а ємоу. азъ аще и исповѣ-
6. дахъ, не оучю исцѣлєнїе. и гл̃а ємоу по-
7. лзевавѣи се. ꙗко молил' се єси стар'цоу.
8. ѡн' же гл̃а рече ємоу помоли се о мнѣ,
9. ꙗко помыслѣ имамь єтокаковѣ. дроу-
10. ги же рече. азъ оучю исповѣданїе ємоу, по-
11. лигахъ нозѣ єго слѣзѣми моими. моле
12. се ємоу сътворити мѣтвочу ѡ мнѣ и мо-
13. литвѣми єго, исцѣли ме бѣ. си же гл̃а-
14. ше намь стар'ць. ꙗко пѣбаєть молещо-
15. му ꙗко ѡ ѡцѣ о помыслѣхъ, троудом'
16. и болѣзнию изъ в'сєго ср̃ца ꙗко бѣу молити
17. се, и полочитѣ. исповѣданїи же не раже-
18. нїемь. или искоушанїе. не тѣчию пол'сѣ
19. не полочитѣ, нѣ и ѡсоужєнѣ боудеть.
20. Знаменїе и. Ѡ авва Исиди .
21. Рече авва Исиди. ѡ люб'ве славы члѣчскыє,
22. раждает' се лѣжа ѡвративѣи же се лѣже
23. смѣренїемь, възростаєть стрѣ бжїи.

59 R

1. λοις· καὶ εἶπεν εἰς τῷ ἐτέρῳ·
 ὅτε παρεβάλομεν τῷ γέροντι καὶ εἶπες αὐτῷ τὸν λο-
 γισμόν σου, ἄρα ὠφελήθης ἀναγγείλας
 αὐτῷ; ὁ δὲ εἶπεν· ναὶ εὐχαῖς τοῦ γέροντος
5. ἐθεράπευσέν με ὁ θεός· καὶ λέγει αὐτῷ· ἐγὼ καὶ ἐξήγ-
 γείλα, οὐκ ἠσθάνθην θεραπείας· καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ὦ-
 φεληθεῖς· καὶ πῶς παρεκάλεσας τὸν γέροντα;
 ὁ δὲ λέγει· εἶπον αὐτῷ εὖξαι ὑπὲρ ἐμοῦ
 ὅτι τόνδε τὸν λογισμόν ἔχω· ὁ δὲ ἄλ-
 λος εἶπεν· ἐγὼ τέως ἐξαγγέλλων αὐτῷ, ἔ-
 βρεξα τοὺς πόδας αὐτοῦ ἐκ τῶν δακρύων, παρακαλῶν
 αὐτὸν εὖξασθαι ὑπὲρ ἐμοῦ· καὶ διὰ τῶν εὖ-
 χῶν αὐτοῦ, ἴασατό με ὁ θεός· ταῦτα δὲ ἔλε-
 γεν ἡμῖν ὁ γέρων· ὅτι ὀφείλει ὁ παρακα-
 λῶν τινα τῶν πατέρων περὶ λογισμῶν μετὰ πόνου
 καὶ ἐξ ὅλης καρδίας ὡς τὸν θεὸν αἰτεῖν,
 καὶ ἐπιτυγχάνει· ὁ δὲ ἀμελῶς ἐξαγγέλλων,
 ἢ πειράζων, οὐ μόνον οὐκ ὠφε-
 λεῖται, ἀλλὰ καὶ κατακρίνεται.
20. ΣΤΟΙΧΕΪΟΝ Η ΠΕΡΙ ΤΟΥ ἸΑΒΒΑ ἩΣΑΪΟΥ
 Εἶπεν ὁ ἰαββᾶς Ἡσαΐας· τὸ ἀγαπᾶν τὴν δόξαν τῶν ἀνθρώπων,
 τίκτει τὸ ψεῦδος· τὸ δὲ ἀνατρέψαι αὐτῷ
 ἐν ταπεινώσει ποιεῖ τὸν φόβον τοῦ θεοῦ μείζονα

11. Pa ἐκ τῶν δακρύων μου

12. Pa περὶ ἐμοῦ

22. Pa ἀνατρέψαι αὐτὸ ἐστὶν probabilmente migliore dal punto di vista sintattico.

1. въ срѣци его. не въсхоши оуже възлюбити
2. славнаго мира, даже слава бѣига не оуда-
3. лит' се ѿ тебе . Рѣ пакы егда твори- 98
4. ши слоужбѣ свою. аще твориши смѣрено-
5. моуѣрно како неѣдинъ сын, приета іе ѿ бѣ.
6. аще ли възыдѣ мысль грьдостна на срѣце
7. твое и приимеши. и възпомѣнеши ино-
8. го спеша или не радеща. и осоудиши ко-
9. го мыслию. възѣ како тыщѣ іе трѣдь твои .
10. Рѣ пакы. како іе смѣреномоуѣ кто. по- 99
11. неже языка не имать речи комоу како
12. не радивъ іе. или ѿвѣщати ѿбидещю.
13. ниже очеса имать иного прѣгрѣшениа
14. видѣти. ниже слоухы имать слышати
15. непользнаа дѣши его. ниже роуцѣ имѣ
16. оделѣти комоу. ниже виноу имать на
17. кого, кромѣ своихъ грѣхъ .
18. Глѣхоу ѿ авва Исани. како иногда възъм' 100
19. проутъ иде на гоумно. и глѣ дѣлателью,
20. даѣ ми пшеницоу. и рѣ іемоу. ты ли е-
21. си жель авва. и глѣ емоу. ни. и рѣ іемоу
22. дѣлатель. како оуже хоцещи възети пше-
23. ницоу не жевь; и глѣ іемоу стар'иць. про-

1. ἐν τῇ καρδίᾳ αὐτοῦ· μὴ οἶν θελήσης φίλος γενέσθαι
τῶν ἐνδόξων τοῦ κόσμου, ἵνα μὴ ἡ δόξα τοῦ θεοῦ ἀπέλ-
θῃ ἀπὸ σοῦ. Εἶπε πάλιν· ποιῶν
τὴν λειτουργίαν σου, ἐὰν ποιήσης ἐν ταπεινοφρο-
5. σύνη ὡς ἀνάξιος ὢν, δεκταί εἰσι παρὰ τῷ θεῷ·
εἰ δὲ ἀναβῇ λογισμὸς ὑπερηφανίας ἐν τῇ καρδίᾳ
σου καὶ συγκαταθῇ, καὶ μνησθῆς ἐτέ-
ρου κοιμωμένου ἢ ἀμελοῦντος καὶ κατακρίνης τι-
νά, γινώθι ὅτι ἄργός ἐστιν ὁ κόπος σου.
10. Εἶπε πάλιν· διὰ τί ταπεινόφρων; ὅ-
τι γλώσσαν οὐκ ἔχει πρὸς τινα φθέγγασθαι ὡς
ἀμελοῦντα ἢ ἀντιλέξει τῷ καταπονοῦντι αὐτόν·
οὐδὲ ὀφθαλμοὺς ἔχει, ἄλλου ἐλαττώματα
κατανοῆσαι· οὔτε ὦτα ἔχει ἀκοῦσαι
15. τὰ μὴ ὠφελοῦντα τὴν αὐτοῦ ψυχὴν· οὔτε χεῖρας ἔχει
καταπονήσαι τινα· οὔτε πρᾶγμα ἔχει μετὰ
τινος, πλὴν τῶν ἰδίων ἀμαρτημάτων.
Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Ἰσαΐου· ὅτι ποτὲ ἔλαβε
θαλλόν, καὶ ἀπῆλθεν εἰς τὴν ἄλωνα. καὶ λέγει τῷ γεούχῳ·
20. δός μοι σίτον· καὶ λέγει αὐτῷ· καὶ σὺ ἐθέ-
ρισας ἀββᾶ; λέγει, οὐχί· καὶ λέγει αὐτῷ
ὁ γεούχος· πῶς οἶν θέλεις σίτον
λαβεῖν μὴ θερίσας; καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· οὐ-

5. δεκταί εἰσι è poco o per nulla comprensibile quanto alla concordanza. In M inoltre le prime lettere si leggono con difficoltà.

14. Pa τοῦ ἀκοῦσαι.

1. чѣе оубѣ аще кто не ж'нѣтъ, не възима- 60 R
2. ет ли мѣдоу. и рѣ ѿмоу дѣлатель, тако ѿ.
3. и тако ѿидѣ стар'ць. братиѣ же видѣ-
4. в'ше ѿже сътвори, метаніе сътворише ѿ-
5. моу. молеше и оубѣдѣти ѿже сътвори
6. и глѣ имъ стар'ць. показаніе ѿмоу сътво-
7. рихъ. ꙗко аще кто не дѣлаетъ, не възи-
8. млетъ мѣдоу ѿ бѣ.
9. Рѣ авва Исидѣ. ꙗко длѣжнь ѿ члѣкъ сте- 101
10. жати прѣѣ всего, вѣроу къ бѣ. и ѿже лю-
11. бити ѿго непрѣстанно. и незлобіе. и
12. ѿже не въздати зло въз' зло. и злострада-
13. ніе. и смѣреномѣръство. и чистотоу.
14. и члѣколюбіе. и къ в'сѣмъ любовь и повин-
15. веніе. Рѣ пакы. възненавиѣ въса 102
16. ꙗже соу въ мирѣ и покои тѣлесны. ꙗко
17. си сътворише те врага бѣ. ꙗкоже бѣ чло-
18. вѣкъ врага имѣе. брань творить съ ним',
19. тако хощемъ и мы съ тѣломъ борити се,
20. ꙗко не покоити ѿ.
21. Брѣ въпроси авва Исидію глѣ. что ѿ да сѣти- 103
22. т' се имѣ твое. и ѿвѣщавъ рѣ. си съврѣ-
23. шен'ный ѿ. невозможно оубѣ ѿ сѣти-

1. κοῦν ἐὰν μή τις θερίσῃ οὐ λαμβάνει μισθόν; λέγει αὐτῷ ὁ γεοῦχος· οὐχί· καὶ οὕτως ἀνεχώρησεν ὁ γέρων· οἱ δὲ ἀδελφοὶ ἰδόντες ὃ ἐποίησεν ἔβαλον αὐτῷ μετάνοιαν
5. παρακαλοῦντες μαθεῖν ὃ ἐποίησεν· λέγει αὐτοῖς ὁ γέρων· ὑπόδειγμα αὐτῷ ἐποίησα· ὅτι ἐὰν μή τις ἐργάσῃται, οὐ λαμβάνει μισθὸν παρὰ τῷ θεῷ.
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ἡσαΐας· ὅτι ὀφείλει ἄνθρωπος κτῆσασθαι πρὸ πάντων τὸ εἰς θεὸν πιστεῦειν· καὶ τὸ ἐπιποθεῖν τὸν θεὸν ἀδιαλείπτως· καὶ τὴν ἀκακίαν· καὶ τὸ μὴ ἀποδιδόναι κακὸν ἀντὶ κακοῦ· καὶ τὴν κακοπάθειαν· καὶ τὴν ταπεινοφροσύνην· καὶ τὴν ἀγνείαν· καὶ τὴν φιλανθρωπίαν· καὶ τὴν ἀγάπην εἰς πάντας· καὶ τὴν ὑποταγήν. Εἶπε πάλιν· μίσησον πάντα τὰ ἐν τῷ κόσμῳ, καὶ τὴν ἀνάπανσιν τοῦ σώματος, ὅτι ταῦτά σε ἐποίησαν ἐχθρὸν τοῦ θεοῦ· ὥσπερ γὰρ ἄνθρωπος ἐχθρὸν ἔχων πολεμεῖ μετ' αὐτοῦ, οὕτως ὀφείλομεν καὶ τῷ σώματι πολεμῆσαι.
20. εἰς τὸ μὴ ἀναπαῦσαι αὐτό.
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ἡσαΐαν, τί ἐστι τὸ ἀγιασθῆναι τὸ ὄνομά σου; καὶ ἀποκριθεὶς εἶπεν· τοῦτο τῶν τελείων ἐστίν· ἀδύνατον γὰρ ἀγιασθῆναι

1.	ти се имени бѣио въ нѣ, стѣтемъ въ нѣ	60 V
2.	владѹщемъ . Рѣ пакы възлюбѣ мль-	104
3.	чати, нежели глѣти. мльчание оуѣ	
4.	сѣбираеть. а еже глѣти много, растачаѣ .	
5.	Призва иногда нѣкоего брата авва Исана	105
6.	и ѡмы немѹ носѣ. и всыпа грѣсть ле-	
7.	ще въ грѣньцѣ. и такоже поврѣ мало, изъ-	
8.	не ю. и глѣ немѹ братъ. иеще нѣ оуѣрѣ-	
9.	ла авѣ. и глѣ немѹ. не дозлетъ ли ти та-	
10.	ко всма видѣ ѡгнь. и се велие оутѣ-	
11.	шение иѣ . Тѣже рѣ. велие иѣ мно	106
12.	еже тѣшеславие побѣдити, и оуспѣти	
13.	въ разоумѣ бѣи. и бѣ въпадѣи въ рѣкы	
14.	лоукавыѣ сѣ стѣти, тоуѣ иѣ ѡ оуми-	
15.	рениа. и жестоко иѣ срѣтемъ къ вѣсѣмъ.	
16.	и на коньцѣ зѣль него, въпадаеть въ вы-	
17.	сокооумиѣ. еже иѣ грѣдына, мѣти по-	
18.	гоуѣленію. ты же вѣрныи рабе хѣвъ, и-	
19.	мѣи въ таинѣ дѣло свое. и болестию	
20.	срѣчною попѣци сѣ. даже не члѣкоугодѣа	
21.	ради, погоуѣиши мѣзоу въѣръжаниа.	
22.	творѣи оуѣ что на явлѣниѣ члѣкомъ,	
23.	лихъ иѣ мѣзды своеѣ такоже рече гѣ .	

1. ναι τὸ ὄνομα τοῦ θεοῦ ἐν ἡμῖν, κατακυριευομένων
ἡμῶν ὑπὸ τῶν παθῶν. Εἶπε πάλιν· ἀγάπα τὸ σι-
γᾶν ὑπὲρ τὸ λαλεῖν· ἡ σιωπὴ γὰρ
θησαυρίζει· τὸ δὲ λαλεῖν πολλὰ σκορπίζει.
5. Ἐκάλεσέ ποτέ τινα τῶν ἀδελφῶν ὁ ἀββᾶς Ἡσαΐας.
καὶ ἔνιψεν αὐτοῦ τοὺς πόδας· καὶ ἔβαλε δράκα φα-
κοῦ εἰς τὴν χύτραν· καὶ ὥς ἔβρασε μικρόν, κατή-
νεγκεν αὐτήν· λέγει αὐτῷ ὁ ἀδελφός· οὕτω ἐψή-
θη ἀββᾶ· καὶ λέγει αὐτῷ· οὐκ ἀρκεῖ σοι ὁ-
τι ὅλως εἶδε λαμπρόν; καὶ αὕτη μεγάλη παρά-
κλησις. Ὁ αὐτὸς εἶπεν· μέγα ἐστὶν νομίζω
τὸ τὴν κενοδοξίαν νικῆσαι· καὶ τὸ προκόψαι
εἰς γνώσιν θεοῦ· ὁ γὰρ ἐμπεσὼν εἰς χεῖρας
τοῦ ποιηροῦ τούτου πάθους τῆς εἰρήνης
15. ἀλλότριός ἐσται· καὶ σκληρύνεται τὴν καρδίαν αὐτοῦ πρὸς πάντας·
καὶ ἐν τῷ τέλει τῶν κακῶν αὐτοῦ, ἐμπίπτει εἰς ἕψη-
λοφροσύνην, ἥτις ἐστὶν ὑπερηφανία· ἡ μήτηρ τῆς ἀπω-
λείας· σὺ δὲ ὦ πιστὲ δοῦλε Χριστοῦ, ἔ-
χε κρυπτὴν τὴν ἐργασίαν σου· καὶ ἐν πόνῳ
20. καρδίας φρόντισον· ἵνα μὴ διὰ τῆς ἀνθρωπαρεσ-
κείας σου, ἀπολέσης τὸν μισθὸν τῆς ἐγκρατείας·
ὁ γὰρ πρὸς ἐπίδειξιν ἀνθρώπων τι ποιῶν,
ἀπέχει τὸν μισθὸν αὐτοῦ καθὼς εἶπεν ὁ κύριος.

- | | | | |
|-----|---|-----|-----|
| 1. | Рѣ пакы хоти славы быти ѿ члкъ, бе- | 107 | 61R |
| 2. | зъ зависти быти невъзможно іе. имѣ- | | |
| 3. | и же завистъ, не можетъ ѡбрѣсти смѣ- | | |
| 4. | реномоудръство. сицевыи же, прѣдаль | | |
| 5. | иеть дшюу свою врагомъ своимъ. и ти | | |
| 6. | ю влѣкоу на многая злага, и оубиваю | | |
| 7. | ю. бѣгаи оуже тыцеславина, и спѣби- | | |
| 8. | ши се славу бжїи въ боудущїи вѣцѣ . | | |
| 9. | Глаше пакы іако аще приидетъ ти ѡсѣ- | 108 | |
| 10. | дити ближняго ѡ нѣкимъ прѣгрѣ- | | |
| 11. | шени. прѣже помышляи въ себѣ. іако | | |
| 12. | веще іего съгрѣшилъ еси. и іаже мниши | | |
| 13. | іако добръ твориши, не вѣроуи іако при- | | |
| 14. | иетна соутъ бѣу. и не осудиши искръ- | | |
| 15. | няго своего. и еже оуничижати себе, | | |
| 16. | мѣсто покоя есть . | | |
| 17. | Приде иногда отроче исцѣлити се ѿ бѣса. | 109 | |
| 18. | и изышѣ старѣцъ, видѣ брата грѣхоуша | | |
| 19. | съ отрочетемъ и не ѡбличи іего глїе. | | |
| 20. | аще бѣ създавыи зрѣ не пожисаѣ іегоу, | | |
| 21. | азъ кто есмь да ѡбличю іегоу . | | |
| 22. | Рѣ авва Исидора къ приходящїимъ на по- | 110 | |
| 23. | слѣшание къ дхѡвнымъ ѡцѣмъ. | | |

1. Εἶπε πάλιν· ὁ φιλῶν δοξάζεσθαι ὑπὸ τῶν ἀνθρώπων, ἐκ-
τὸς φθόνου εἶναι οὐ δύναται· ὁ δὲ ἔ-
χων φθόνον, οὐ δύναται εὐρεῖν τὴν ταπει-
νοφροσύνην· ὁ δὲ τοιοῦτος παρέδω-
5. κε τὴν ἰδίαν ψυχὴν τοῖς ἐχθροῖς αὐτοῦ· καὶ αὐτοὶ
περιέλκουσιν εἰς πολλὰ κακὰ καὶ ἀναιροῦσιν
αὐτήν· φεῦγε οὖν τὴν κενοδοξίαν. καὶ ἀξιοῦ-
σαι τῆς δόξης τοῦ θεοῦ ἐν τῷ μέλλοντι αἰῶνι.
Ἐλεγε δὲ ὅτι ἐὰν ἔλθῃ σοι λογισμὸς τοῦ κρι-
10. ναι τὸν πλησίον ἐπὶ τινὶ ἁμαρτή-
ματι, πρῶτον λογίζου καθ' ἑαυτὸν ὅτι
πλείον αὐτοῦ ἡμαρτες· καὶ ἂν νομίζεις
πράττειν καλῶς, μὴ πιστεύῃς ὅτι ἤρε-
σαν τῷ θεῷ, καὶ οὐ τολμήσεις κρίναι τὸν πλη-
15. σίον· καὶ τὸ ἐξουθενεῖν ἑαυτόν,
τόπος ἀναπαύσεώς ἐστιν.
Ἦλθέ ποτε παιδίον θεραπευθῆναι ἀπὸ δαίμονος,
καὶ ἐξελθὼν ὁ γέρων εἶδεν ἀδελφὸν ἁμαρτάνοντα
μετὰ τοῦ παιδίου· καὶ οὐκ ἤλεγξεν αὐτὸν λέγων·
20. εἰ ὁ θεὸς ὁ πλάσας αὐτὸν βλέπων οὐ καίει αὐτόν,
ἐγὼ τίς εἰμι ἵνα ἐλέγξω αὐτόν;
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ἡσαΐας πρὸς τοὺς ἐρχομένους καὶ ὑπο-
τασσομένους πνευματικοῖς πατράσιν·

1. Pa ὁ θέλων

8. M τῷ μέλλοντι Pa ἐν τῷ μέλλοντι

1. ꙗко прѣвое ѡбагрениѣ на порфирѣ, не 61 V
2. ѡмываетъ се. и ꙗкоже лѣтораслиѣ ме-
3. к'ко соущѣ, оудобѣ наводитъ се и сыгрѣчае-
4. тъ се, тако и новоначелнѣи послушници ·
5. Ѡ нестежани ·
6. Рѣ пакы. воспоминаимъ не имоущаго 111
7. гдѣ главѣ поклонити. разѣмѣи члѣвчѣ,
8. и не велемоудрѣствоуи. кто сын, кто
9. ли тебе ради бѣ вѣла твои. страннь, и
10. дома не имѣе. ѡле неизрѣнное ти члѣко-
11. любие гдѣ. како толико мене ради, себе
12. смѣриль еси. аще в'са сътворивши сло-
13. воми не имать гдѣ главоу поклонити
14. что мѣвиши ѡкаан'ныи члѣвчѣ ѡ соуе-
15. тнѣи. что несытостѣи ѡспѣаеши;
16. в'са оувѣдѣвъ, доброе съдрѣжи ·
17. Рѣ пакы. стежавши смѣреномоудриѣ, 112
18. на се полагаетъ виноу брата своего глѣе,
19. ꙗко азъ сыгрѣшѣи. прѣзираѣи же брата
20. своего, имать себе ꙗко моудрѣиѣ. и ко-
21. ритъ и досаждаетъ братоу своему. за-
22. зираѣи же себѣ, николиже не ѡкоритъ когѣ ·
23. Рѣ пакы. нѣ моудрѣсть еже глѣти, нь 113

1. ὅτι ἡ πρώτη βαφή οὐκ ἀποβάλλει ὥς
ἐπὶ πορφύρας· καὶ ὅτι ὥσπερ οἱ κλάδοι οἱ ἀπα-
λοι εὐχερῶς λυγίζονται καὶ κάμ-
πτονται, οὕτως καὶ οἱ ἀρχάριοι ὄντες ἐν ὑποταγῇ.
5.
Εἶπεν πάλιν· μνημονεύσωμεν τοῦ μὴ ἔχοντος
ποῦ τὴν κεφαλὴν κλίνει· νόησον ὦ ἄνθρωπε
καὶ μὴ μεγάλα φρόνει. τίς ὢν, τί
γέγονε διὰ σέ ὁ δεσπότης σου· ξένος καὶ
10. οἶκον οὐκ ἔχων· ὦ τῆς ἀφάτου σου φιλαν-
θρωπίας κύριε· τί τοσοῦτον δι' ἐμέ σαυτὸν
ἐταπείνωσας· εἰ ὁ τὰ πάντα λόγῳ ποι-
ήσας οὐκ ἔχει ποῦ τὴν κεφαλὴν κλίνει,
τί περισπᾶσαι ταπεινὸν ἄνθρωπε περὶ τὰ μάτα·
15. ια· τί τυφλοῦσαι τῇ ἀπληστείᾳ;
τὰ πάντα γινώσκων, τὸ καλὸν κάτεχε.
Εἶπε πάλιν· ὁ κτώμενος τὴν ταπεινοφροσύνην,
ἐαυτῷ ἐπιφέρει τὴν μέμψιν τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ λέγων·
ὅτι ἐγὼ ἐσφάλην· ὁ δὲ τοῦ ἀδελφοῦ καταφρονῶν,
20. ἔχει ἐαυτὸν ὅτι σοφός ἐστιν· καὶ μέμ-
φεται καὶ ἐπιπλήττει τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ· ὁ δὲ ἐαν-
τὸν μεμφόμενος, οὐδέποτε ἔπληξέ τινα.
Εἶπε πάλιν· οὐκ ἔστι σοφία τὸ λαλῆσαι, ἀλλὰ

1-2. Mentre il riflessivo dello sl. è perfettamente comprensibile, non troviamo documentato, neppure in epoca molto tarda (cf. LMG), un uso assoluto di ἀποβάλλω attivo. Si sarebbe tentati dalla possibilità di una correzione in ἀποβάφει (cf. LMG, III: 9 ἀποβάφω “χάνω τὸ χρῶμα μου”).

8. Lo slavo presupporrebbe τίς ... τίς.

12. Pa ποιήσας λόγῳ

20. Lo slavo presuppone ἐαυτὸν che restituiamo al posto dell'erroneo ἐαυτῷ di M Pa.

1. иже разоумѣти време югда пѣбаеть
2. глѣти. разоумомь мльчи. разоумомь
3. глѣи. вѣнимаи прѣже глѣниа, и ѿвѣщани
4. пѣбанага. не хвали се разоумомь своимь.
5. никтоже ничто не вѣсть. коньцѣ же в'семѣ
6. еже себе корити и имѣти себе пѣ в'сѣми ·
7. Рѣ авва Исаниа. нѣ тако ничтоже пользно 114
8. новоначелникоу, такоже досаждение. га-
9. коже садъ на в'сакъ дѣнь нападемы, тако
10. новоначелникоу досаждение ·
11. О расѣжени. Рѣ пакы блжени соу, им'же трѣ- 115
12. ди разоумомь быше. покоише бѣ себе
13. ѿ в'сакыне теготы и мимоидоше кова-
14. р'ства бѣсѡв'скага ·
15. Рѣ пакы иже ходитъ съ братомь своимь 116
16. лѣсав'ствѣ, не мимоидѣ него скръбь срѣчнаа ·
17. О авва Илиа. Рѣ авва Илиа. аще оумь съ тѣ- 117
18. ломь не поеть, въ соуе троудъ бываеть ·
19. Рѣ пакы аще кто любить скръбь, послѣ- 118
20. дѣ бываеть немочу въ радѣ и оутѣшение ·
21. Рѣ авва Илиа. тако видѣхъ нѣкогого възъ- 119
22. м'ша тикѣвъ с виномь пѣ мышцоу свою.
23. и поніеже да посрамлю бѣсовы зане мь-

1. τὸ γινῶναι τὸν καιρὸν ὅτε δεῖ
λαλήσαι· ἐν γνώσει, σιώπα· ἐν γνώσει
λάλει· πρόσεχε πρὸ τοῦ λαλήσαι. καὶ ἀποκρίνου
τὰ δέοντα· μὴ καυχῇ ἐν γνώσει σου·
5. οὐδεὶς γὰρ οὐδὲν οἶδεν· τέλος δὲ πάντων
τὸ μέμφεσθαι ἑαυτὸν καὶ εἶναι ὑποκάτω τοῦ πλησίον.
Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Ἡσαΐας ὅτι οὐδὲν οὕτως λυσιτελεῖ
τῷ ἀρχαρίῳ, ὥς ἡ ὕβρις· ὥς-
περ γὰρ δένδρον καθ' ἑκάστην ποτιζόμενον, οὕτως
10. ἀρχάριος ὑβριζόμενος καὶ ὑπομένων.
Εἶπε πάλιν· μακάριοί εἰσιν ὧν οἱ κό-
ποι ἐν γνώσει ἐγένοντο· ἀνέπαυσαν γὰρ ἑαυτοὺς
ἀπὸ παντὸς βάρους, καὶ παρήλθον τὴν πανουρ-
γίαν τῶν δαιμόνων.
15. Εἶπε πάλιν· ὅστις περιπατεῖ μετὰ τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ
ἐν πανουργίᾳ, μὴ παρέλθῃ αὐτῷ λύπη καρδίας.
Περὶ τοῦ ἄββᾶ Ἡλία Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Ἡλίας· ἐὰν μὴ ὁ νοῦς
ψάλλῃ μετὰ σώματος, εἰς μάτην ὁ κόπος.
Εἶπε πάλιν· ἐὰν τις ἀγαπᾷ τὴν θλίψιν, ὥστε-
20. ρον γίνεται αὐτῷ εἰς χαρὰν καὶ ἀπόλαυσιν.
Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Ἡλίας, ὅτι εἶδόν τινα λαβόν-
τα κολοκύνθιον οἴνου εἰς τὴν μάλην αὐτοῦ·
καὶ ἵνα αἰσχύνω τοὺς δαίμονας ὅτι φαν-

7. La lezione di Pa ἐν τῷ λυσιτελεῖ non sembra in nessun senso da preferire all'altra.

1. ЧТАНИЕ БѢШЕ. ГЛАХЪ БРАТѸ. СЪТВОРИ ЛЮ-
 2. БОВЪ, И ДВИГНИ МИ КАМЕНЬ СЪ. И ОБРѢТЕ
 3. СЕ, НИЧТОЖЕ НЕ ИМѢЕ. И ВЫ ОУБѢ АЩЕ ОЧИ-
 4. МА ВИДИТЕ ИЛИ СЛЫШИТЕ, НЕ ВѢРОУИТЕ.
 5. ПАЧЕ ЖЕ СЪБЛЮДАТЕ ПОМЫШЛЕНІА И
 6. МНѢНІА. ВѢДУЩЕ, ЯКО БѢСОВЕ ПРИНА-
 7. ШАЮТЪ СЕ ДАЖЕ ОУПРАЗНЕТЬ ОУМЪ, НЕ ЗРѢ-
 8. ТИ СВОА ПРѢГРѢШЕНІА И ВЪНИМАТИ БОУ ·
 9. БРАТОУ НѢКОЕМОУ ПРИИДЕ БРАНЬ. И ВЪЗВѢ-
 10. СТИ АВВА ИРАКЛИЮ. И ГЛА ЯЕМОУ ѠНЬ ОУКРѢ-
 11. ПАДЕ ЯЕГО. ЯКО НѢКТО СТАРЦЬ ИМѢАШЕ
 12. ОУЧЕНИКА ПОСЛОУШАИВА СѢЛѠ НА МНОГА
 13. ЛѢТА. ЕДИНОЮ ЖЕ БРАНЬ БѢ ЯЕМОУ. И СЪ-
 14. ТВОРИ МЕТАНИЕ СТАРЦОУ ГЛІЕ, СЪТВОРИ
 15. МЕ ЕДИНОУ БЫТИ. ГЛА ЯЕМОУ СТАРЦЬ. ВИ-
 16. ЖЬ МѢСТО, И СЪТВОРИМЪ КЕЛИЮ. И ШѢШЕ
 17. ЯКО ЗНАМЕНИЕ ЕДИНО ѠБРѢТЕ. И ПРИ-
 18. ШѢШЕ СЪТВОРИШЕ КЕЛИЮ. И ГЛА БРАТОУ.
 19. ЕЖЕ ГЛІЮ ТИ СЪТВОРИ. ЯГДА ВЪЗДЛКАЕШ^Ѡ
 20. СЕ, ЯЖЬ. И ЯГДА ВЪЖЕДАЕШИ, ПИИ. И ЯГДА
 21. ВЪЗРѢМЛЕШИ, СПИ. ТЪЧИЮ ИС КЕЛИЕ НЕ
 22. ИЗЫДИ ДО СОУБѠТЫ, И ТОГДА ПРИХОДИ КЪ
 23. МНѢ. БРАТ' ЖЕ СЪТВОРИ ДВА ДНИ ПО ЗАПО-

62 V

120

1. τασία ἦν, λέγω τῷ ἀδελφῷ· ποιήσον ἀγά-
πην καὶ ἄρόν μοι τὸν λίθον τοῦτον· καὶ εὐρέθη
μηδὲν ἔχων· καὶ ὑμεῖς οὖν «καν» τοῖς ὀφθαλ-
μοῖς ἴδητέ τι ἢ ἀκούσητε, μὴ πιστεύσητε·
5. μᾶλλον δὲ τηρεῖτε τοὺς διαλογισμοὺς καὶ
τὰς ὑπονοίας· εἰδότες ὅτι αὐτοὶ ἐμβάλ-
λουσιν αὐτὰ ἵνα ἀπασχολήσωσι τὸν νοῦν ἀπὸ τοῦ βλέ-
πειν τὰς ἰδίας ἁμαρτίας καὶ προσέχειν θεῷ.
Ἀδελφὸς πολεμηθεὶς ἀπήγ-
10. γειλε τῷ Ἀββᾶ Ἡρακλείῳ· καὶ λέγει αὐτῷ ἐκεῖνος ἐπιστη-
ρίζων αὐτόν· ὅτι τις γέρων ἔσχε
μαθητὴν ὑπήκοον πάνυ ἐπὶ πολλὰ
ἔτη· μιᾷ οὖν πολεμηθεὶς ἔ-
βαλε μετάνοιαν τῷ γέροντι λέγων· ποιήσόν
15. με γενέσθαι μοναχόν· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· βλέ-
πε τόπον καὶ ποιοῦμεν κελλίον· καὶ ἀπελθὼν
ἀπὸ σημείου ἑνὸς εὗρε· καὶ ἐλ-
θόντες ἐποίησαν κελλίον· καὶ λέγει τῷ ἀδελφῷ·
εἰ τί σοι λέγω ποιήσον· ὅταν πεινῶς,
20. φάγε πίε·
κοιμῶ· μόνον τοῦ κελλίου σου μὴ
ἐξέλθης ἕως τοῦ σαββάτου· καὶ τότε ἔρχου ἐγγύς
μου· ὁ δὲ ἀδελφὸς ἐποίησε τὰς δύο ἡμέρας κατὰ τὴν ἐντο-

2. Il greco (M Pa G) ha: καὶ ἄρας τὸ πάλιον (G πάλλιον) αὐτοῦ, εὐρέθη κτλ.

3. Emendiamo sulla base di Pa καὶ ὑμεῖς κᾶν. G ha un testo leggermente diverso: μηδὲν ἔχων· τοῦτο δὲ εἶπον, ὅτι κᾶν τοῖς ὀφθαλμοῖς κτλ.

16. Pa ἀπελθόντες

23. Pa om. τὰς

1. вѣди. въ третїи же днь оунывъ гл̃а что
2. се сътвори ми стар'ць. и въставъ пѣ мно-
3. ги ѡал'мы, и по захоуоу с̃лнца гаде. и въ-
4. ставъ иде спати на рогоуъ своемъ. и ви-
5. дѣ еѳиѡпа лежеша и скръжыщюуща зоубы
6. свое на нь. и страхомъ многымъ теку-
7. и прииде къ старцоу. и тькноу въ вра-
8. та гл̃е. авва, помилоуи ме и ѡврьзи.
9. стар'ць же познавъ гако не съхранилъ ѱ̃
10. слово его, не ѡврьзе иемоу до заоутра. въ
11. оутро же ѡврьзъ, ѡврьте его молеша се.
12. и оушедривъ его, въведе и. тогда гл̃а иѣм̃
13. молю ти се ѡче, еѳиѡпа чрьна видѣхъ
14. на рогоуъ своемъ гакоже идѡ спати. ѡ-
15. н' же рѣ иемоу. се пострадалъ ѱ̃си, понеже
16. не съхранилъ ѱ̃си слово мое. тогда даде
17. иемоу чинъ противоу силъ его. и по ма-
18. лоу мало, бѣ искоушенъ инокъ .
19. Рѣ пакы гако нѣкто стар'ць, прѣбѣ въ црь-
20. квиши. и приидоше бѣси гл̃ше иемоу, и-
21. зыди ѡ мѣста нашего. стар'ць же гл̃а и-
22. мь, вы не имате мѣста. и начеше размѣ-
23. тати проутие его. стар'ць же прѣбываа-

63R

121

6-7. Possibile anche intendere теку и прииде, comunque non confermato da НВ: тежше приде.

1. λήν. καὶ τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ ἀκηδιάσας λέγει· τί
τοῦτο ἐποίησέ μοι ὁ γέρων; καὶ ἀναστὰς ἔψαλλε πλεί-
στους ψαλμούς· καὶ μετὰ τὸ δῦναι τὸν ἥλιον, ἔφαγε· καὶ ἀνα-
στὰς ἀπῆλθε κοιμηθῆναι εἰς τὸ ψιάθιον αὐτοῦ· καὶ θεω-
5. ρεῖ αἰθίοπα κείμενον τρίζοντα τοὺς ὀδόντας
αὐτοῦ κατ' αὐτοῦ· καὶ δρομαίως φόβῳ πολλῷ,
ἦλθε πρὸς τὸν γέροντα. καὶ κρούσας τὴν θύ-
ραν, εἶπεν· ἄββᾶ, ἐλέησόν με· καὶ ἄνοιξον·
ὁ δὲ γέρων γνοὺς ὅτι οὐκ ἐφύλαξε
10. τὸν λόγον αὐτοῦ, οὐκ ἤνοιξεν αὐτῷ ἕως πρωῒ· καὶ τὸ
πρωῒ ἀνοίξας, εἶρεν αὐτὸν ἔξω παρακαλοῦντα·
καὶ οἰκτείρας, εἰσήνεγκεν αὐτόν· τότε λέγει αὐτῷ·
δέομαί σου πάτερ· αἰθίοπα μέλανα εἶδον
ἐπὶ τὸ ψιάθιον μου, ὥς ἀπῆλθον κοιμηθῆναι· ὁ
15. δὲ εἶπεν· τοῦτο ἔπαθες, ὅτι
οὐκ ἐφύλαξας τὸν λόγον μου· τότε τυπώσας
αὐτὸν πρὸς τὴν δύναμιν, κατὰ μι-
κρὸν γέγονε μοναχὸς δόκιμος.
Εἶπε πάλιν· ὅτι τις γέρων, ἔμεινεν εἰς ἱε-
20. ρόν· καὶ ἦλθον οἱ δαίμονες λέγοντες αὐτῷ· ἄ-
πελθε ἐκ τοῦ τόπου ἡμῶν· καὶ ὁ γέρων ἔφη·
ἡμεῖς οὐκ ἔχετε τόπον· καὶ ἤρξαντο σκορ-
πίζειν αὐτοῦ τὰ βάτῃα· ὁ δὲ γέρων ἐπέμε-

2. Si noti l'imperfetto ἔψαλλε del greco in corrispondenza dell'aoristo slavo.

1. ше събираіе. послѣд' же бѣсь іемь іего за
2. роукоу, влѣчаше вѣнь. іакоже достиже
3. стар'ць врата другою роукою, оудръжа
4. врата выпііе. ісе помози ми и дѣііе
5. бѣжа бѣсь. стар'ць же на^ѣ плакати
6. гѣ же глѣ іемоу, что плачеш и р^ѣ іемоу
7. стар'ць. плачу, понеже како смѣеть іе-
8. ти члѣка и тако сътворити іемоу. и рече
9. іемоу іс. ты не радиль іеси. іегдаже вѣ-
10. зыска ме, видѣ ли како ти се обрѣтохъ;
11. си глѣю чѣдо, іако троуду многу потрѣ-
12. ба и аще троудъ не боудеть, не может'
13. кто имѣти бѣ съ собѣю. тѣ бѣ на^ѣ ради ра-
14. спет' се. Знаменіе фитѣ еже іѣ тврдо вели(іе).
15. Р^ѣ авва Феодоръ ферем'скыи. іако члѣкъ 122
16. стои на показани, не привезает' се на
17. заповѣдь. Разболѣ се иногда авва Іосифъ. 123
18. фъ. и посла къ авва Феодору глѣ. при-
19. иди да виждоу тебе, прѣже изыти ми и-
20. с тѣла бѣше же междоу нѣлііе, и не иде.
21. посла же къ іемоу глѣ. аще прѣбоуде-
22. ши до соубѣты, гредоу. аще ли отиде-
23. ши, вѣ ѡномъ свѣтѣ да се видивѣ .

63 V

1. Pe forse risente di un errore per aplografia, cf. НВ събирала іе

1. νε συλλέγων αὐτά· ὕστερον ὁ δαίμων κρατήσας αὐτοῦ τὴν
χεῖρα, ἔσυρεν ἔξω· ὥς δὲ ἔφθασε
τὴν θύραν ὁ γέρων, τῇ ἄλλῃ χειρὶ κατέσχε
τὴν θύραν λέγων· Ἰησοῦ βοήθει μοι· καὶ εὐθέως
5. ὁ δαίμων ἔφυγε· καὶ ὁ γέρων ἤρξατο κλαίειν·
ὁ δὲ κύριος εἶπεν αὐτῷ· τί κλαίεις; καὶ λέγει
ὁ γέρων· ὅτι τολμῶσι κρατῆ-
σαι τὸν ἄνθρωπον καὶ οὕτως ποιῆσαι· καὶ εἶπεν
αὐτῷ· σὺ ἡμέλησας· ὅτε γὰρ ἐζή-
10. τησάς με, εἶδες πῶς εὐρέθην σοι·
ταῦτα λέγω τέκνον, ὅτι κόπου πολλοῦ χρεῖα.
καὶ εἰ μὴ κόπος γένηται, οὐ δύναται
τις ἔχειν τὸν θεὸν μεθ' αὐτοῦ, αὐτὸς γὰρ δι' ἡμᾶς ἔσταν-
ρώθη. Στοιχεῖον ἦ Περὶ τοῦ ἀββᾶ Θεοδώρου
15. Εἶπε πάλιν· ὅτι ἄνθρωπος
στήκων εἰς μετάνοιαν, οὐ δέδεται εἰς
ἐντολήν. Ἡσθένησέν ποτε ὁ ἀββᾶς Ἰωσήφ,
καὶ ἔπεμψεν πρὸς τὸν ἀββᾶν Θεόδωρον λέγων· δεῦ-
ρο ἵνα σε ἴδω πρὸ τοῦ με ἐξελθεῖν ἐκ
20. τοῦ σώματος· ἦν δὲ μέσον τῆς ἐβδομάδος καὶ οὐκ ἀπῆλθεν·
ἔπεμψε δὲ λέγων· ἐὰν μείνης
ἕως τοῦ σαββάτου ἔρχομαι· εἰ δὲ ὑπά-
γεις, εἰς ἐκεῖνον τὸν κόσμον, βλέπομεν ἀλλήλους.

3. Pa ὁ γέρων τὴν θύραν

19. Pa ἀπελθεῖν

1. Братъ прииде къ авва Ѳеодороу да наоучи
2. чить его плести. принесъ къ нему и
3. плен'ницю. стар'ць же рече ему. поиди,
4. и заутра прииди зде. и вставъ стар'ць,
5. натопи плен'ницю его. и оуготова наче-
6. ло. и рече ему, сице твори. и остави его.
7. и вышъ въ келию свою стар'ць, съдѣша.
8. въ врѣме же даде ему ѣсти, и ѿпусти
9. его. пакы же заутра прииде. и глаголю
10. стар'ць възми ѿ зде плен'ницю свою,
11. и отиди. въ напастъ оубо пришьль еси
12. възложити ме и мльвоу. и к тому не о-
13. стави его вноубрь .
14. Повѣда некто ѿ ѿца о авва Ѳеодорѣ
15. тако приидѣ къ нему въ врѣме южин'но.
16. и ѿверѣѣ его носеща съдрано ѿдѣваніе.
17. и прьси его бѣхоу нагы и кѣхъль его
18. съпрѣдъ. и се некто мирганинь прии-
19. де видѣти его. и тѣк'нувшюу ему,
20. изыде стар'ць отворити. и срѣтъ его,
21. сѣде на вратѣхъ глаголю ему. и възехъ
22. оуричькъ расънь, и покрѣи рамень его.
23. стар'ць же простѣрь роукоу, ѿметнѣ и

124 64R

125

Marg. sup. О безмльвии.

1. Ἀδελφὸς ἦλθεν πρὸς τὸν ἀββᾶν Θεόδωρον, ἵνα διδά-
ξῃ αὐτὸν ῥάπτειν, ἐνέγκας καὶ τὴν
σειρὰν πρὸς αὐτόν. ὁ δὲ γέρων λέγει αὐτῷ· ὕπαγε
καὶ τὸ πρῶτ' δεῦρο ᾧδε· καὶ ἀναστὰς ὁ γέρων,
5. ἔβρεξεν αὐτοῦ τὴν σειρὰν καὶ ἡτοίμασεν αὐτῷ τὴν προκαταρα-
φὴν λέγων· οὕτως καὶ οὕτως ποιήσον· καὶ ἀφῆκεν αὐτόν·
καὶ εἰσελθὼν εἰς τὸ κελλίον αὐτοῦ ὁ γέρων ἐκάθητο·
καὶ εἰς τὴν ὥραν ἐποίησεν αὐτῷ φαγῆν καὶ ἀπέπεμψε·
ἦλθε δὲ πάλιν πρῶτ' καὶ λέγει αὐτῷ
10. ὁ γέρων· ἄρον τὴν σειρὰν σου ἔνθεν
καὶ ἀναχώρει· εἰς πειρασμὸν γὰρ ἦλθες
βαλεῖν με καὶ εἰς φροντίδα· καὶ οὐκέτι ἀφῆ-
κεν αὐτὸν ἔσω.
Διηγῆσατό τις τῶν πατέρων περὶ αὐτοῦ
15. ὅτι ἦλθόν ποτε δειλῆς πρὸς αὐτόν·
καὶ εὔρον αὐτὸν φοροῦντα κεκομμένον λεβιτῶνα
καὶ τὸ στῆθος αὐτοῦ γυμνόν· καὶ τὸ κουκούλιον αὐτοῦ
ἐμπροσθεν· καὶ ἰδοὺ τις κόμης ἦλ-
θεν ἰδεῖν αὐτόν· καὶ κρούσαντος αὐτοῦ
20. ἐξῆλθεν ὁ γέρων ἀνοῖξαι· καὶ ἀπαντήσας αὐτῷ,
ἐκάθισεν εἰς τὴν θύραν λαλεῖν αὐτῷ· καὶ ἔλαβον
κόμμα μαφορίου, καὶ ἐσκέπασα τοὺς ὤμους αὐτοῦ·
ὁ δὲ γέρων ἐξέτεινε τὴν χεῖρα, καὶ ἔρριψεν αὐτόν·

1. и ꙗкоже отиде мир'скимъ, рѣ ꙗемоу.
2. авва, что се сътвори. прииде члкъ поль-
3. зевати се, или съблзнити се; и рѣ ми
4. стар'ць. что глїеши авва, еще члкомъ ра-
5. ботаемъ. сътворихомъ оубѡ еже бѣ по-
6. трѣба, прочее же мимоиде. хѡтеи по-
7. лзевати се, да ползочет' се. хѡтеи же съблз-
8. нити се, да съблзнит' се. азъ оубѡ ꙗкѡ-
9. же ѡбрѣщюу се, тако срѣтаю. порочни же
10. оученикоу своему глїе. аще кто прии-
11. деть видѣти ме хѡте, не р'ци ꙗемоу нѣко-
12. е члвчско. нѣ аще ꙗмь, р'ци ꙗемоу ꙗсть.
13. аще с'плю, р'ци спитъ. и ино еже творюу,
14. р'ци ꙗемоу такожде .
15. Рѣ авва Ѳеодоръ. ꙗко иногда идѡ къ авва 126
16. Іоанноу. иже ѡ роженіи євнѡухъ. и глїо-
17. шимъ намъ, рѣ. ꙗко егда бѣ въ скитѣ,
18. дѣла дѣшевнаѧ бѣхоу дѣло наше. роуко-
19. дѣліе же, подѣліе имѣхомъ. ѿна же,
20. дѣло дѣшевное бѣ ꙗко подѣліе. по-
21. дѣліе же, дѣлѡ .
22. Въпроси же єго братъ глїе. которо ѿ дѣ- 127
23. ло дѣшевное, еже ѿна ꙗко подѣліе и-

1. καὶ ὥς ἀπῆλθεν ὁ κόμης εἶπον αὐτῷ·
 ἄββᾶ τί τοῦτο ἐποίησας; ἦλθεν ὁ ἄνθρωπος ὥφε-
 ληθῆναι; μὴ ἵνα σκανδαλισθῇ; καὶ λέγει μοι
 ὁ γέρων· τί λέγεις ἄββᾶ· ἀκμήν τοῖς ἀνθρώποις δου-
5. λείομεν; ἐποιήσαμεν τὴν χρεί-
 αν, παρήλθε λοιπόν· ὁ θέλων ὥφε-
 ληθῆναι, ὥφεληθῇ· ὁ θέλων σκανδαλι-
 σθῆναι, σκανδαλισθῇ· ἐγὼ ὥς
 ἂν εὑρεθῶ οὕτως ἀπαντῶ· παρήγγειλε δὲ
10. τῷ μαθητῇ αὐτοῦ λέγων· ἐὰν ἔλθῃ τις
 ἰδεῖν με θέλων μὴ εἶπῃς αὐτῷ τί πο-
 τε ἀνθρώπινον· ἀλλ' ἐὰν τρώγω, εἰπὲ τρώγει·
 ἐὰν κοιμῶμαι, εἰπὲ κοιμᾶται.
15. Ὁ αὐτός ποτε παρέβαλε τῷ ἄββᾶ
 Ἰωάννη τῷ ἀπὸ γεννήσεως εὐνούχῳ· καὶ λαλούν-
 των αὐτῶν εἶπεν· ὅταν ἤμην εἰς σκῆτιν,
 τὰ ἔργα τῆς ψυχῆς ἦν τὸ ἔργον ἡμῶν· τὸ δὲ ἐργό-
 χειρον, πάρεργον εἶχομεν· νῦν δὲ
20. τὸ ἔργον τῆς ψυχῆς, γέγονεν ὥς πάρεργον· καὶ τὸ πά-
 ρεργον ἔργον.
 Ἠρώτησεν αὐτὸν ἀδελφὸς λέγων· ποῖόν ἐστι τὸ ἔρ-
 γον τῆς ψυχῆς ὃ νῦν ὥς πάρεργον ἔχο-

13-14. Il greco (M Pa G) non presenta il parallelo di *и ино ... такожде*.

1. мамы. которо ли ^ѣ подѣлиѣ, еже ^ннѣ
2. ꙗко дѣло имамы и глѣ стар'ць. в'са тво-
3. римаѣ заповѣди ради бжїиѣ, дѣло дшѣвн^ѣ
4. ^ѣ. а еже себе ради дѣлати и събирати, се по-
5. дѣлиѣ имѣти хошемь. и рѣ брѣть. испра-
6. ви ми вещь сию. и глѣ ѣмоу стар'ць. се оу-
7. бѣ слышиши ѡ мнѣ ꙗко болю, и дльжнь
8. ѣси посѣтити мѣ. и глѣши въ себѣ. ка-
9. ко ѡставляю роукодѣлиѣ свое и идоу; нь
10. кончаю си роукодѣлиѣ, и тако идоу. к то-
11. моу же приходит' ти и дроугаа вина. и ни-
12. какоже идѣши. пакы дроугы брѣ глѣт' ти.
13. помози ми брате. и глѣши. како имам'
14. оставити роукодѣлиѣ свое, и ити с ним'
15. на дѣло. и аще оубѣ не идѣши, се ѡстави-
16. ль ѣси заповѣдь бжїио еже ^ѣ дѣло дшѣвно,
17. и твориши подѣлиѣ еже ^ѣ дѣло тѣлеснѣ^ѣ.
18. Выпроси авва Авраамъ авва Феодора еле-
19. вѣеропол'скаго глѣ. како добро ^ѣ ѡчѣ.
20. славоу ли приведу себѣ, или бесчъстїѣ.
21. ѡн' же рѣ ѣмоу. ѡбаче азъ, славоу хошѣ
22. себѣ приѡбрѣсти, нежели бесчъстїѣ.
23. аще оубѣ сътворю дѣло добро и просла-

65R

128

1. μεν· καὶ ποῖόν ἐστι τὸ πάρεργον, ὃ νῦν
ἔχομεν ἔργον; καὶ λέγει ὁ γέρων· πάντα τὰ γινόμενα διὰ τὴν ἐντολὴν τοῦ θεοῦ, ἔργον ψυχῆς
ἐστι· τὸ δὲ εἰς λόγον ἑαυτοῦ ἐργάζεσθαι καὶ συνάγειν, τοῦτο πά-
ρεργον ἔχειν ὀφείλομεν· καὶ λέγει ὁ ἀδελφός· σαφήνι-
σόν μοι τὴν ὑπόθεσιν ταύτην· καὶ λέγει ὁ γέρων· ἰδοὺ
ἀκούεις περὶ ἐμοῦ ὅτι ἀσθενῶ· καὶ ὀφείλεις
ἐπισκέψασθαι με· καὶ λέγεις ἐν ἑαυτῷ,
καταλιπεῖν ἔχω τὸ ἐργόχειρόν μου καὶ νῦν ἀπελθεῖν; ἀλλὰ
10. πληρώσω τὸ ἔργον μου καὶ οὕτως ἀπέρχομαι·
ἔρχεται σοι καὶ ἄλλη ἀφορμή, καὶ τάχα οὐδὲ
ὅλως ὑπάγεις· πάλιν ἄλλος ἀδελφός λέγει σοι·
δός μοι χεῖρα ἀδελφέ· καὶ λέγεις ἔχω
ἀφήσαι τὸ ἔργον μου, καὶ ἀπελθεῖν ἐργάσασθαι
15. μετ' αὐτοῦ; ἐὰν οὔν μὴ ἀπέλθῃς, ἀφί-
εις τὴν ἐντολὴν τοῦ θεοῦ, ὅτι ἐστὶ τὸ ἔργον τῆς ψυχῆς·
καὶ ποιεῖς τὸ πάρεργον, ὃ ἐστι τὸ ἔργον τῆς χειρός.
Ἡρώτησεν ὁ ἀββᾶς Ἀβραάμ τὸν ἀββᾶν Θεόδωρον τὸν ἐλευ-
θεροπολίτην λέγων· πῶς καλῶς ἐστι πάτερ;
20. δόξαν περιποιήσομαι ἑμαυτῷ ἢ ἀτιμίαν;
ὁ δὲ λέγει· τέως ἐγὼ θέλω
περιποιήσασθαι δόξαν, ἢ ἀτιμίαν·
ἐὰν γὰρ ποιήσω καλὸν ἔργον καὶ δοξα-

1. влю се, могу ꙗсоудити помысль свои,
2. ꙗко нѣс'мь дѡишь славу сии. бесчестие
3. же. ѿ злыи дѣль бываетъ. како оуже мѡ-
4. гоу оутѣшити дшюу свою, съблзнив'ши-
5. м се ѿ мнѣ члкомъ прочее оубѡ, лѣч'ше
6. ѿ бѣготворити и славити се. авва же А-
7. враамъ рѣ. добръ рекль ꙗси ѡче .
8. Рѣ авва Ѳеодоръ епат'скыи. приходѣи
9. помысль и с'мощает' ме и оупраж'няетъ
10. т' ме. и дѣло свое не можетъ съвршити.
11. нь тѣчию оупраж'няет' ме ѿ добродѣтель-
12. ли. трѣзвител' же моужь ѡтресь него,
13. вьстаетъ на мѣтвоу .
14. Братъ выпроси авва Ѳеодора глїе. хѡ-
15. щоу съвршити заповѣди. и глѣ ꙗмоу
16. стар'ць ѡ авва Ѳѡнѣ. ꙗко рѣ иногда
17. и тѣ, хощоу съвршити слово свое съ бгмъ.
18. и вьзьмь брашно, сътвори хлѣбы. и
19. просив'шимъ ꙗмоу нищимъ, ѡда-
20. де хлѣбы. и пакы дроугымъ просив'-
21. шимъ, даде плен'нице, и ризоу юже но-
22. съше. и прѣпоѡсавъ ман'дию свою,
23. вьниде въ келию. и тако пакы оуниччи-

65 V

129

130

18. НВ брашна

1. σθῶ. δύναμαι κατακρίνειν τὸν λογισμὸν
μου, ὅτι οὐκ εἰμὶ ἄξιος τῆς δόξης ταύτης· ἡ δὲ ἀτιμία,
ἀπὸ φαύλων πραγμάτων γίνεται· πῶς οὖν δύνα-
μαι παρακαλέσαι τὴν καρδίαν μου, σκανδαλισθέν-
των ἐν ἑμοὶ τῶν ἀνθρώπων; κρεῖσσον οὖν
τὸ ἀγαθὸν ποιεῖν καὶ δοξάζεσθαι· ὁ δὲ Ἀββᾶς Ἰ-
βραάμ εἶπεν· καλῶς εἶπας πάτερ.
Εἶπε πάλιν· ἔρχεται
ὁ λογισμὸς καὶ ταρασσει με καὶ ἀσχολοῦ-
μαι. καὶ τὴν πράξιν οὐκ ἰσχύει τελέσαι·
ἀλλὰ μόνον ἐμποδίζει πρὸς τὴν ἄρε-
τήν· ὁ δὲ νηφάλιος ἀνὴρ ἐκτινάξας αὐτὸν
διεγείρεται εἰς προσευχήν.
Ἄδελφός ἠρώτησε τὸν Ἀββᾶν Θεόδωρον λέγων· θέ-
λω ἐπιτελέσαι τὰς ἐντολάς· λέγει αὐτῷ
ὁ γέρων περὶ τοῦ Ἀββᾶ Θεωνᾶ· ὅτι εἶπεν καὶ αὐτός
ποτε· ὅτι θέλω πληρῶσαι τὸν λόγον μου μετὰ τοῦ θεοῦ·
καὶ λαβὼν σιτία ἐποίησεν ἄρτους· καὶ
αἰτησάντων αὐτὸν πτωχῶν, ἔδω-
κε τοὺς ἄρτους· καὶ πάλιν αἰτησάντων ἄλ-
λων, ἔδωκε τὰ σπυρίδια καὶ τὸ ἱμάτιον ὃ ἐφό-
ρει· καὶ εἰσῆλθεν εἰς τὸ κελλίον,
περιζωσάμενος τὸ μαφόριον· καὶ οὕτως πάλιν ἐμέμ-
12. G ἐκτιναζάμενος
13. Pa G ἐγείρεται
18. σιτία troverebbe un corrispondente più puntuale nel pl. βραῦνα di HB, ma
non è escluso che primario sia invece βραῦνο.

- | | | |
|-----|---|-----|
| 1. | жааше себе гл҃е, тако не съврѣши ꙗкоже бж҃ю · | 66R |
| 2. | Братъ рече авва Феодороу. рци ми слово, | 131 |
| 3. | такѡ погыбаю. и гл҃а и҃моу. азъ въ бѣдѣ | |
| 4. | и҃сѣмь, что ти имамъ рещи · | |
| 5. | Иногда приидоше разбоиници на авва | 132 |
| 6. | Феодора и два дръжаста и҃го. Единъ же | |
| 7. | изношаше съсоуды и҃го. и такоже изне- | |
| 8. | соше книжикѣ, хотѣхочу възети ризочу | |
| 9. | и҃го. гл҃а имъ старецъ. си оставите. ѡ- | |
| 10. | ни же не хотѣхочу. и ѡтрѣсь роуцѣ свои, | |
| 11. | повръже ѡбѣю. и видѣвше, оубогаше се. | |
| 12. | и гл҃а имъ старецъ. ничтоже оубоите се. | |
| 13. | ѡбаче сътворите чести д҃а, и възмете | |
| 14. | три. и҃диноу же ѡставите. се же сътво- | |
| 15. | ри. даже възметъ ризочу свою съборнѣю. | |
| 16. | и сътворше тако, отидоше · | |
| 17. | Братъ нѣкто сѣде въ келии на единѣ, съ- | 133 |
| 18. | моущаше се. и шѣ къ авва Феодороу фе- | |
| 19. | рем'скому, възвѣсти и҃моу. старецъ | |
| 20. | же рече. иди и смѣри помысль свои, и по- | |
| 21. | вини се. и прѣбоуди съ дроугимъ въ по- | |
| 22. | слоущани. и възвратив се къ старцю, рече | |
| 23. | и҃моу. ни съ чл҃вкы не почиваю. и гл҃а и҃- | |

1. φετο ἑαυτὸν λέγων. ὅτι οὐκ ἐπλήρωσα τὴν ἐντολὴν τοῦ θεοῦ.
Ἀδελφὸς εἶπε τῷ Ἀββᾶ Θεοδώρῳ· εἶπέ μοι ῥῆμα
ὅτι ἀπόλλυμαι· καὶ λέγει αὐτῷ· ἐγὼ κίνδυ-
νεῖω· καὶ τί σοι ἔχω εἰπεῖν;
5. Ἦλθόν ποτε ἐπάνω τοῦ Ἀββᾶ
Θεοδώρου λησταί. καὶ οἱ δύο ἐκράτουν αὐτόν· ὁ δὲ εἰς
ἐκουβάλει τὰ σκεῖη αὐτοῦ· ὡς δὲ ἐξή-
νεγκε τὰ βιβλία καὶ τὸν λεβιτῶνα ἤθελε λαβεῖν·
λέγει αὐτοῖς ὁ γέρων· τοῦτον ἄφετε· οἱ
10. δὲ οὐκ ἤθελον· καὶ τινάξας τὰς χεῖρας αὐτοῦ,
ἔρριψε τοὺς δύο· καὶ ἰδόντες, ἐφοβήθησαν·
καὶ λέγει αὐτοῖς ὁ γέρων· μηδὲν δειλιάσητε,
ποιήσατε αὐτὰ εἰς τέσσαρα μέρη· καὶ λάβετε
τὰ τρία. καὶ ἄφετε τὸ ἕν· διὰ τὸ
15. λαβεῖν τὸ μέρος αὐτοῦ τὸν λεβιτῶνα τὸν συνακτικόν·
καὶ ποιήσαντες οὕτως, ἀνεχώρησαν.
Ἀδελφὸς τις καθεζόμενος εἰς τὸ κελλίον ἔτα-
ράσσετο καταμόνας· καὶ ἀπελθὼν πρὸς τὸν Ἀββᾶν Θεόδωρον τὸν τῆς
Φέρμης εἶπεν αὐτῷ· ὁ δὲ γέρων
20. εἶπεν· ὕπαγε ταπείνωσον τὸν λογισμὸν σου καὶ ὑπο-
τάγηθι καὶ μένον μετὰ ἄλλων·
καὶ ὑποστρέφει πρὸς τὸν γέροντα καὶ λέγει
αὐτῷ· οὐδὲ μετὰ ἀνθρώπων ἀναπαύομαι· καὶ λέγει αὐ-
23. Ρα μετὰ τῶν ἀνθρώπων

1. моу старць. аще єдинь не почиваеши ни-
2. же съ иными, чесо ради изыде въ иноч'ство.
3. не трѣпѣти ли скръби; рьци ми колико
4. лѣѣ имаши въ иноч'скимъ ѡбразѣ. гл҃а.
5. ѿ. рече же ємоу стар'ць. въ истинѣ имѣѣ
6. въ иноч'ствѣ ꙗко лѣѣ, и ꙗко єдинь чѣ не ѡ-
7. брѣтѣ покой. ты же въ осмы лѣтѣхъ,
8. покой хощеши обрѣти. и се слышавъ,
9. омоужив се ѡтиде.
10. Гл҃ахоу ѡ авва Феоѡдорѣ. како егда съдѣ-
11. ше въ скитѣ. прииде къ ємоу бѣсъ
12. хоте вѣннати въ келию єго. и поврѣ-
13. зе єго вѣнѣ келие свое. и пакы дроу-
14. гыи бѣсъ прииде хоте вѣннати и ты.
15. и того поврѣзе. и пришѣ третии, ѡ-
16. брѣте ѡбоихъ свезанѣ. и гл҃а имъ.
17. что стоите зде вѣнѣ. и рече ємоу. га-
18. ко ꙗко нѣкто инокъ съдеи вѣноубрь, и
19. не оставляетъ нѣ вѣннати. и тѣ покѣ-
20. сив се, приложи вѣннати. стар'ць же
21. поврѣзе и сего. оубогаѡв'ше же се моли-
22. твы старца, молахоу єго ѡпоустити
23. ихъ. тогда стар'ць рече имъ, идѣте. про-

66 V

134

1. τῷ ὁ γέρων· εἰ μόνος οὐκ ἀναπαύη οὐ-
δὲ μετὰ ἄλλων, διὰ τί ἐξῆλθες εἰς τὸν μοναχόν;
οὐχὶ ἵνα ὑποφέρῃς τὰς θλίψεις; εἰπέ μοι πόσα
ἔτη ἔχεις εἰς τὸ σχῆμα· λέγει
5. ὀκτῶ· εἶπεν οὖν αὐτῷ ὁ γέρων· φύσει ἔχω
ἐν τῷ σχήματι ὀγδοήκοντα ἔτη. καὶ οὐδεμίαν ἡμέραν εὖ-
ρον ἀνάπαυσιν. καὶ σὺ εἰς ὀκτῶ ἔτη
θέλεις ἀνάπαυσιν ἔχειν; καὶ τοῦτο ἀκούσας,
ἐδραιωθείς ἀνεχώρησεν.
10. Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Θεοδώρου· ὅτι ὅτε ἐκαθέζε-
το ἐν τῇ σκῆτει, ἦλθεν εἰς αὐτὸν δαίμων,
θέλων εἰσελθεῖν ἐν τῇ κέλλῃ αὐτοῦ· καὶ ἔδη-
σεν αὐτὸν ἔξω τῆς κέλλης αὐτοῦ· καὶ πάλιν ἄλ-
λος δαίμων ἦλθεν εἰσελθεῖν,
15. καὶ ἔδησεν κάκεινον· καὶ προσθεὶς τρίτος, εὖ-
ρε τοὺς δύο δεδεμένους· καὶ λέγει αὐτοῖς·
τί ἐστήκατε ὧδε ἔξω; καὶ λέγουσιν αὐτῷ· ὅ-
τι ἔστιν τις μοναχὸς καθημένος ἔσω. καὶ
μὴ ἔων ἡμᾶς εἰσελθεῖν· καὶ αὐτὸς τυραν-
νῆσας, ἐπεχείρισεν εἰσελθεῖν· ὁ δὲ γέρων
ἔδησε καὶ τοῦτον· φοβηθέντες δὲ τὰς εὐ-
χὰς τοῦ γέροντος, παρεκάλουν ἀπολυθῆναι·
τότε ὁ γέρων λέγει αὐτοῖς· ὑπάγετε· καὶ λοι-

11. Pa εἰσῆλθεν

12. Pa ἐν τῷ κελλίῳ

15. Integriamo l'errato προσθεὶς di M sulla base di Pa G προσθεὶς.

- | | | |
|-----|---|-----|
| 1. | чеи же посрамивше се. отидоше . | 67R |
| 2. | Ѡ Ѡеѡфилъ архіеѡкопъ . | |
| 3. | Авва Ѡеѡфилъ архіеѡкопъ. призва и- | 135 |
| 4. | ногда ѡце даже сътворетъ мѣтвѡу, | |
| 5. | да ѡложить сѣен'наа и гадоушимъ | |
| 6. | имъ съ нимъ, прѣстави и мяса тел'ча. | |
| 7. | и гаѣхѡу ничтоже рассуѡжающе. и въ- | |
| 8. | зъмъ архіеѡкопъ единоу честь, пода- | |
| 9. | де близоу него старцоу гліе. виѡъ. се до- | |
| 10. | бра мяса іе, изѣѡъ авва. ѡни же ѡвѣ- | |
| 11. | щав'ше рѣше. мы до ннѣ зелие гадохѡ. | |
| 12. | аще ли мясо іе, не гамы и к томоу не при- | |
| 13. | ложи вькоусити ѡ него ни единъ ихъ . | |
| 14. | Ѡ амма Ѡеѡдоръ . | |
| 15. | Вьпроси амма Ѡеѡдора, авва Ѡеѡфи- | 136 |
| 16. | ла слово апла что іе еже гліеть. врь- | |
| 17. | ме искоупѡюще ходите. ѡн' же гла | |
| 18. | иѡ. пѡбнѡ именѣ. гавлѣеть пользно. | |
| 19. | си рѣ. врьме досаѡеніа прииде, кѡ- | |
| 20. | пи смѣреномѡръствомъ и дълготръ- | |
| 21. | пѣніемъ досаѡеніа врьме, и приве- | |
| 22. | ди полсоу къ себѣ. врьме бесчѣстна | |
| 23. | прииде. без'злѡбіемъ искоупи врьме. | |

1. πὸν αἰσχυνθέντες, ἀνεχώρησαν.

Ὁ ἀββᾶς Θεόφιλος ὁ ἀρχιεπίσκοπος ἐκάλεσέ πο-
τε τοὺς πατέρας ἵνα ποιήσωσιν εὐχὴν

5. καὶ καθέλη τὰ ἱερά· καὶ ἐσθιόντων
αὐτῶν μετ' αὐτοῦ, παρετέθη κρέας μόνον·
καὶ ἥσθιον μηδὲν ἀνακρινόμενοι· καὶ λα-
βὼν ὁ ἐπίσκοπος ἐν κοπάδιον, ἔδω-
κε τῷ ἑγγιστα αὐτοῦ γέροντι λέγων· Ἴδε τοῦτο κα-
10. λὸν κοπάδιόν ἐστι. φάγε ἀββᾶ· οἱ δὲ ἀποκρι-
θέντες εἶπον· ἡμεῖς ἕως ἄρτι λάχανα ἥσθιομεν·
εἰ δὲ κρέας ἐστὶν οὐ τρώγομεν· καὶ οὐκέτι προσέ-
θετο οὐδὲ εἷς ἐξ αὐτῶν, γείσασθαι αὐτά.
15. Ἠρώτησεν ἡ ἀμμᾶς Θεοδώρα τὸν ἀββᾶν Θεόφι-
λον τὸ ῥητὸν τοῦ ἀποστόλου· τί ἐστὶ τὸν και-
ρὸν ἐξαγοραζόμενοι; ὁ δὲ λέγει
αὐτῇ· ἡ ἐπωνυμία δεικνύει τὸ κέρδος·
οἶον· καιρὸς ὑβρεως πάρεστι· ἀγόρα-
20. σον τῇ ταπεινοφροσύνῃ καὶ μακρο-
θυμίᾳ τὸν τῆς ὑβρεως καιρὸν. καὶ ἔλκυ-
σον τὸ κέρδος πρὸς σέ. καιρὸς ἀτιμίας.
τῇ ἀνεξικακίᾳ ἀγόρασον τὸν καιρὸν·

6. La giusta grafia è in G; M Pa κρέα μόνον.

7. Pa G διακρινόμενοι

8. Pa ἀρχιεπίσκοπος

9. Il traduttore slavo non ha ritenuto di dover usare il riflessivo, forse più giustificato qui che altrove. Lasciamo nel testo greco αὐτοῦ.

14. M αὐτά (con l'ultima lettera di difficile lettura) Pa αὐτό G αὐτοῦ.

1. καὶ πάντα τὰ ἐναντία <ἐὰν> θέλωμεν κέρ-
δη ἡμῶν γίνονται.
Εἶπεν ἡ ἀμμᾶ Θεοδώρα· καλὸν τὸ ἡσυχά-
ζειν· ἀνὴρ γὰρ φρόνιμος, ἡσυχά-
ζειν·
5. χίαν ἄγει· ἀλλ' ἐὰν προσθῇται
ἡσυχάζειν, εὐθέως ὁ ποιηρὸς
ἔρχεται καὶ βαρεῖ τὴν ψυχὴν
ἐν ἀκηδία· ἐν ὀλιγοψυ-
χίᾳ· ἐν λογισμοῖς· βαρεῖ
10. τὸ σῶμα ἐν ἀσθενείαις· ἐν ἀτονίᾳ.
ἐν λύσει γονάτων· καὶ
ὄλων τῶν μελῶν· καὶ φησὶ ὅτι ἀσθε-
νῶ καὶ οἶκ' ἰσχύω βαλεῖν τὴν σύναξιν·
ἀλλ' ἐὰν νήφῃ, ταῦτα πάντα
15. διαλύονται· ἦν γὰρ τις
μοναχὸς καὶ ὡς ἤρχετο βα-
λεῖν τὴν σύναξιν, ἐλάμβανεν αὐτὸν
ῥίγος καὶ πυρετός· καὶ ἡ κεφαλὴ πό-
νῳ ὠχλείτο· καὶ οὕτως ἔλεγεν
20. ἑαυτῷ· ὅτι ἤδη ἀσθενῶ καὶ ἔνι
ὅτε ἀποθνήσκω· ἐγερθεὶς οὖν πρὶν ἀποθάνω.
βάλλω τὴν σύναξιν· καὶ τῷ λογισμῷ
τούτῳ ἐβιάζετο ἑαυτὸν καὶ ἔβαλλε τὴν σύνα-

1. La congiunzione omessa da M è integrata in base a Pa G.

14. Pa G πάντα ταῦτα

22. Col testo di M Pa emendare in βάλλω sembra inevitabile; G ha ἐγερθῶ
... καὶ βάλλω (che può essere plausibile con due forme di cong. aor.; cf. Browning
1983: 35).

- | | | |
|-----|--|------|
| 1. | ж'боу свою. и такоже съвршаше се слѣ- | 68 R |
| 2. | жба, исхоѣаше и болѣзнь ѿ него. и па- | |
| 3. | кы такоже симъ помысломъ братъ соу- | |
| 4. | противаше се и творѣше слоужбѣ свою. | |
| 5. | и побѣди брань · | |
| 6. | Глѣаше амма Феодора тако иногда нѣ- | 138 |
| 7. | комоу блгоговѣиноу досаѣаше нѣкто. | |
| 8. | и глѣа немочу. могоу и азъ таковааѣе глѣ- | |
| 9. | ти ти, нѣ заповѣдь бжїа затварѣет' | |
| 10. | ми оуста · Тааѣе глѣаше. тако братѣ | 139 |
| 11. | нѣкоiemочу сътвори се св'рабъ и в'ши мно- | |
| 12. | го на искѣшениѣ. бѣше же тѣ ѿ бога- | |
| 13. | тѣй. и глѣахоу немочу бѣсове. тако боу- | |
| 14. | деши въ животѣ своемъ, и чрвїе съ- | |
| 15. | творити имаши. и дльготръпѣнїем' | |
| 16. | ѡнъ, побѣди искоушениѣ · | |
| 17. | Рѣ пакы тако бѣше нѣкто инокъ. и ѿ | 140 |
| 18. | множ'ства напастїи рѣ, ѡтидоу ѿ зѣ. | |
| 19. | и такоже ѡбоу сандалиѣ свое. видѣ чло- | |
| 20. | вѣка дроугаго ѡбоувающъ и ѡнъ сан'да- | |
| 21. | лиѣ свое. и рѣ немочу. не мене ли ради исхѣ- | |
| 22. | диши ѿ зде. се оуже азъ прѣ тобою идочу, | |
| 23. | идеже аще идеши · | |

1. ξιν· καὶ ὥς κατέπαυεν ἡ σύνα-
ξις, κατέπαυεν καὶ ὁ πυρετός· καὶ πάλιν
τούτῳ τῷ λογισμῷ ὁ ἀδελφός ἀ-
νθέστη καὶ ἔβαλε τὴν σύναξιν.
5. καὶ ἐνίκησε τὸν λογισμὸν.
Ἐλεγεν ἡ ἀμμᾶς Θεοδώρα· ὅτι ποτέ τις
εὐλαλαβῆς ὑβρίζετο παρὰ τινος·
καὶ λέγει πρὸς αὐτὸν· ἡδυνάμην κάγῳ τὰ ὅμοιά σοι λέ-
γειν· ἀλλὰ ἡ ἐντολὴ τοῦ θεοῦ κλείει
10. μου τὸ στόμα. Ἡ αὐτὴ ἔλεγεν· ὅτι ἀδελφῷ
τινι ἐγένετο κινήφη πρὸς πειρασμὸν
καὶ πλῆθος πολὺ φθειρῶν· καὶ ἦν αὐτὸς ἀπὸ πλου-
σίων· καὶ ἔλεγον αὐτῷ οἱ δαίμονες· οὕτως ἀνέ-
χη ζῶν καὶ σκώληκας ποι-
15. ῶν· καὶ τῇ μακροθυμίᾳ
ἐκείνος ἐνίκησε τὸν πειρασμὸν.
Εἶπε πάλιν· ὅτι ἦν τις μοναχός, καὶ ἀπὸ
τοῦ πλήθους τῶν πειρασμῶν λέγει· ὑπάγω ἔνθεν·
καὶ ὥς ἔβαλεν αὐτοῦ τὰ σανδάλια. ὁρᾷ ἄνθρω-
20. πον ἄλλον βάλλοντα καὶ αὐτὸν τὰ σανδά-
λια αὐτοῦ· καὶ λέγει αὐτῷ· οὐ δι' ἐμὲ ἐξέρ-
χη; ἰδοὺ ἐγὼ σοι προάγω
ὅπου ἐὰν ἀπέρχη.

3. Pa ἀνθέστηκε

4. Lo slavo presuppone naturalmente ἔβαλλε; comunque la necessità di emendare non appare sicura.

18. Pa ha due lezioni giustapposte: ὑπάγω ἐντεῦθεν· ὑπάγω ἔνθεν.

- | | | | |
|-----|--|-----|------|
| 1. | Рѣ пакы пѣвижите се вѣннѣи тѣсны- | 141 | 68 V |
| 2. | ими враты. ꙗкоже бѣ дръва аще не | | |
| 3. | приимѡу зими и снѣгы, плодь сѣтво- | | |
| 4. | рити не могуць. тако и въ нѣ вѣкъ сѣ- | | |
| 5. | и, зима ѿ. и аще не многы скръби и на- | | |
| 6. | пасти приимемъ, невѣзможно ѿ на- | | |
| 7. | мъ наслѣдити црѣво нѣное кромѣ сѣ. | | |
| 8. | Рѣ пакы тааже. ꙗко оучителю пѣбаетъ | 142 | |
| 9. | быти странноу и тоужоу тыщеславѣа. | | |
| 10. | далече грьдыне быти. не приимати | | |
| 11. | ласканиа. не мѣздою ослѣпѣемъ. | | |
| 12. | не чрѣвомъ побѣждаемъ. не гнѣвомъ | | |
| 13. | сѣдржимъ. нѣ дльготръпѣливъ бы- | | |
| 14. | ти. кроткъ. в'сею силою смѣреномѣ- | | |
| 15. | дрь. избранъ и мѣтивъ. дарователе- | | |
| 16. | нь и дѣшелолюбивъ. | | |
| 17. | Знамение ѿже. Авва Іоанна Колова. | | |
| 18. | Братъ выпроси авва Іоанна Колова глѣ | 143 | |
| 19. | како дѣша моа имоущи гъзвы, не сра- | | |
| 20. | мѣаетъ се клеветати на ближнѣаго. | | |
| 21. | и глѣ немѡу. члѣкъ нѣкто имѣше женѣ | | |
| 22. | двѣ бѣхоу же ѡбѣ назѣ быв'шоу же | | |
| 23. | трѣжствоу въ нѣкимъ мѣстѣ, мо- | | |

1. Εἶπε πάλιν· ἀγωνίσασθε εἰσελθεῖν διὰ τῆς στε-
νῆς πύλης· ὃν τρόπον γὰρ τὰ δένδρα, ἐὰν μὴ
λάβουσι χειμῶνας καὶ ἕτοιους καρποφο-
ρῆσαι οὐ δύνανται· οὕτως καὶ ἐν ὑμῖν· ὁ αἰὼν οὔ-
τος χειμῶν ἐστι· καὶ ἐὰν μὴ διὰ πολλῶν θλίψεων καὶ πει-
ρασμῶν, οὐ δυνησόμεθα
τῆς βασιλείας τῶν οὐρανῶν γενέσθαι κληρονόμοι.
Εἶπε πάλιν ἡ αὐτή· ὅτι ὁ διδάσκαλος ὀφείλει
εἶναι ξένος καὶ ἀλλότριος κενοδοξίας·
10. μακρὰν ὑπερηφανίας· μὴ ὑπὸ κολακείας
ἐμπαιζόμενος· μὴ ὑπὸ δώρων τυφλούμενος·
μὴ ὑπὸ γαστρὸς ἡττώμενος· μὴ ὑπὸ ὀργῆς
κρατούμενος ἀλλὰ μακρόθυμος.
ἐπιεικής· πάσῃ δυνάμει ταπεινό-
φρων· ἔγκριτος εἶναι καὶ ἀνεκτικός· κηδεμο-
νικός καὶ φιλόψυχος.
Στοιχεῖον ἱ Περί τοῦ ἀββᾶ Ἰωάννου τοῦ κολοβοῦ
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ἰωάννην λέγων·
πῶς ἡ ψυχὴ μου ἔχουσα τραύματα, οὐκ αἰσχύ-
νεται καταλαλεῖν τοῦ πλησίον;
20. λέγει αὐτῷ· ἄνθρωπός τις εἶχεν γυναῖκα
δύο· ἦσαν δὲ ἀμφότεραι γυμναί· γενομένης δὲ
πανηγύρεως ἐν τινι τόπῳ, παρεκά-

1. лише его възети и тѣ и ити на тръжество
2. с ними и възъмь ѿбѣю, въсади въ дел'вѣ.
3. и въшѣ въ корабѣ, прииде на мѣсто. и ѿ-
4. гда бѣ полоудньныи знои и оумьлкоше
5. людие. възрѣв'ши ѿдина и никогоже
6. видѣвши, искочи на гноище. и събрав'ши
7. ветха рочьшица, сътвори себѣ прѣпога-
8. сание. и к томоу начѣ съ дръзновение
9. ходити. дрозуга же съдеши въноутрь
10. нага глѣаше. видите блочьницу сию
11. како не срамляет' се ходещи нага. по-
12. болѣв' же моужь ѿе рече. ѿле чюдо. си-
13. га оуже понѣ срамотоу свою покрываю-
14. щи ходити. ты же до кон'ца нага, и не
15. срамляеши се глѣши си. тако оубѣ ѿе и
16. оклеветание .
17. Глѣаше же и о хвтещи дѣши показати се.
18. гако блочьница бѣше красна въ градѣ,
19. много любовникъ имоущи. пришѣ
20. же къ нѣи ѿдинъ кнезь, глѣ ѿи. обѣ-
21. щаи ми се ѿселѣ цѣломоуѣрствовать,
22. и азъ поимоу тебе женоу. ѿна же обѣ-
23. ща се ѿмоу. и понемъ ю, ѿведе въ дѣ

69 R

144

1. λησαν αὐτὸν λαβεῖν αὐτὰς
μετ' αὐτοῦ· καὶ λαβὼν τὰς δύο, ἔβαλεν εἰς πίθον·
καὶ ἐμβὰς εἰς πλοῖον, ἦλθεν εἰς τὸν τόπον· καὶ ὅ-
τε γέγονε καῦμα καὶ ἡσύχασαν
5. οἱ ἄνθρωποι, ἀναβλέψασα ἡ μία καὶ μηδένα
ἰδοῦσα, ἐξεπήδησεν εἰς τὴν κοπρίαν, καὶ συνάξασα
παλαιὰ ῥάκια, ἐποίησεν ἑαυτῇ περίζω-
μα· καὶ λοιπὸν μετὰ παρρησίας περιεπά-
τει· ἡ δὲ ἄλλη καθημένη ἔσω
10. γυμνὴ ἔλεγεν· ἰδοὺ αὕτη ἡ πόρνη
οὐκ αἰσχύνεται περιπατοῦσα γυμνὴ. δια-
πονηθεὶς δὲ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς εἶπεν· ὦ θαῦμα· αὐ-
τὴ καὶν σκέπει τὴν ἀσχημοσύνην αὐτῆς·
σὺ δὲ ὅλη γυμνὴ εἶ. καὶ οὐκ
15. αἰσχύνῃ ταῦτα λαλοῦσα; οὕτως ἐστὶ καὶ
τὸ τῆς καταλαλιᾶς.
Ἐλεγε δὲ καὶ περὶ τῆς θελούσης μετανοῆσαι ψυχῆς·
ὅτι πόρνη ἦν ὥραία ἐν πόλει.
πολλοὺς φίλους ἔχουσα. ἐλθὼν
20. δὲ πρὸς αὐτὴν εἰς ἄρχων λέγει αὐτῇ· σύν-
θου μοι σωφρονεῖν.
κἀγὼ σε λαμβάνω εἰς γυναῖκα· ἡ δὲ συνέ-
θετο αὐτῷ· καὶ λαβὼν αὐτὴν ἀπήγαγεν εἰς τὸν οἶκον

2. Pa μεθ' αὐτοῦ ; notare comunque il diverso tenore del testo slavo.

1 свои. любовници же иеѣ искоуше иеѣ гл̑а-
 2. хоу. ѿнѣсица кнѣзь възель ю иѣ въ домъ
 3. свои. и аще оубо идемъ въ домъ него,
 4. моучити нѣ имать. нѣ идѣмъ съзѣдъ
 5. домоу и свижемъ иеи. и познавѣши зви-
 6. здание наше, сѣнѣ имать къ намъ.
 7. и мы неповинни боудемъ. она же слы-
 8. шавѣши звиздание, затѣче оуши свои.
 9. и въскочи въ вноутрѣнѣшюю клѣтъ,
 10. и заключи двѣри. гл̑аше же блѣнѣнѣцоу
 11. быти дѣшю. любовници же иеѣ соу, стрѣти.
 12. кнѣзѣ же иѣ хс̑. клѣтѣ же въноутрѣнѣшага,
 13. вѣчное жилище. свижушии же иеи соу,
 14. лоукави бѣси. и аще присно прибѣгѣ
 15. къ гѣу, оубогаѣше се ѿни отидоути ·
 16. Въпросише абба Іоанна Колова, что иѣ
 17. инокъ. ѿвѣщавъ рѣ, троудъ. и бѣ на
 18. вѣсакое дѣло троужае се, сѣи иѣ инокъ ·
 19. Тѣже пакы рѣ. ꙗко аще имать чл̑къ въ дѣши
 20. своей съсоуды бж̑тѣвны, можетъ съдѣ-
 21. ти въ келии своей, аще и не имать съсоудѣ
 22. мира сего. аще имать пакы съсоуды
 23. мира сего и не имать съсоуды бж̑иѣ, съ-

69 V

145

146

1. αὐτοῦ· οἱ δὲ φίλοι αὐτῆς ζητοῦντες αὐτὴν ἔλεγον· ὁ δεῖνα ὁ ἄρχων ἔλαβεν αὐτὴν εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ· ἐὰν οὖν ἀπέλθωμεν εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ, τιμωρεῖται ἡμᾶς· ἀλλὰ δεῦτε ὀπίσω
5. τῆς οἰκίας καὶ συρίσωμεν αὐτῇ· καὶ γνωρίζουσα τὸν συρισμὸν καταβαίνει πρὸς ἡμᾶς· καὶ ἡμεῖς ἀναίτιοι εἰρισκόμεθα· ἀκούσασα οὖν τοῦ συρισμοῦ, ἐσφράγισε τὰ ὦτα αὐτῆς, καὶ εἰσεπήδησεν εἰς τὸν ἐνδότατον κοιτῶνα
10. καὶ ἔκλεισε τὰς θύρας· ἔλεγε δὲ τὴν πόρνην εἶναι τὴν ψυχὴν· οἱ δὲ φίλοι αὐτῆς εἰσι τὰ πάθη· ὁ δὲ ἄρχων ἐστὶν ὁ Χριστός· ἡ δὲ οἰκία ἡ ἐσωτάτη, ἡ αἰωνία μενὴ· οἱ δὲ συρίζοντες αὐτῇ εἰσιν, οἱ πονηροὶ δαίμονες· καὶ ἐὰν διὰ παντὸς φεύγῃ
15. πρὸς τὸν κύριον, φοβηθέντες ἀναχωρήσωσιν.
Ἡρώτησέ τις τῶν γερόντων τὸν ἀββᾶν Ἰωάννην τὸν κολοβόν, τί ἐστι μοναχός; καὶ ἀποκριθεὶς εἶπεν· κόπος· ὁ γὰρ εἰς πᾶν ἔργον κοπιῶν, οὗτος μοναχός.
Ὁ αὐτὸς εἶπεν· ὅτι ἐὰν ἔχῃ ἄνθρωπος ἐν τῇ ψυχῇ
20. αὐτοῦ σκεῦος τοῦ θεοῦ. δύναται καθί-
σαι ἐν τῷ κελλίῳ, καὶ οὐκ ἔχῃ σκεῦος
τοῦ κόσμου τούτου, καὶ ἐὰν ἔχῃ πάλιν τὰ σκεύη
τοῦ κόσμου τούτου καὶ οὐκ ἔχῃ τὰ σκεύη τοῦ θεοῦ· διὰ

15. Pa ἀναχωροῦσιν

- | | | |
|-----|--|-----|
| 1. | соудъ ради мир'скыѣ и тѣ сѣдитъ въ кели- | 70R |
| 2. | и своѣи. не имѣи же ни бѣни съсоуды | |
| 3. | ни мир'скыѣ, не можетъ сѣдѣти въ келии · | |
| 4. | Братъ живѣше въ ѡбщѣи житіи, много | 147 |
| 5. | поощеніе съдрѣже. слышав'ше же братіа, | |
| 6. | приидоше видѣти его. бѣше же и авва | |
| 7. | Іоаннъ с ними. и вышѣше, обрѣтоше е- | |
| 8. | го дѣлающа. и цѣловавъ ѣ, обрати се | |
| 9. | дѣлати. и глѣ емоу авва Іоаннъ. кто | |
| 10. | ѣ възложилъ на те ѡбразъ иночскыи. и- | |
| 11. | ли кто сътворилъ ѣ инокъ, и не наоучилъ те | |
| 12. | ѣ приѣти ѡ братіи кожоушыцъ. и глѣ им'. | |
| 13. | сътворите мѣтвочъ, или сѣдѣте. глѣ емѣ | |
| 14. | Іоаннъ грѣшныи, не оупражняет се о сѣ · | |
| 15. | Рѣ Іоаннъ Коловъ. кто ѣ крѣпкъ такоже | 148 |
| 16. | лъвъ. и чрѣва ради своего, выпадаеть въ | |
| 17. | сѣти. и в'са сила его смѣрѣетъ се · | |
| 18. | Рѣ пакы тако глѣше ѡци скит'сции хлѣбъ и | 149 |
| 19. | соль глѣхѣ. не поѣдимъ себе на хлѣбъ и соль · и тако силни бѣху на дѣло бѣни · | |
| 20. | Тѣже пакы глѣше. тако два философъ бѣ- | 150 |
| 21. | ста друѣга. и оумирае единъ, ѡстави | |
| 22. | сѣа своего друѣгому философу наоуч- | |
| 23. | чити его философи. и глѣ емоу. иди | |

Riga 19. Il testo, qui riprodotto tutto in corpo minore per comodità tipografica, in realtà nel ms. compare come segue: a) la grandezza dei caratteri sulla riga è normale; b) non c'è soluzione di continuità; c) le parole глѣхѣ ... соль, omesse in un primo tempo, sono state scritte in seguito dalla stessa mano sopra la riga.

1. τὰ σκεύη τοῦ κόσμου, καὶ αὐτὸς κάθηται ἐν τῷ κελίῳ· ὁ δὲ μήτε τοῦ θεοῦ ἔχων
μήτε τοῦ κόσμου, οὐ δύναται καθίσαι εἰς κελλίον.
Ἀδελφὸς ἦν οἰκῶν ἐν κοινοβίῳ πάνυ
5. κρατῶν ἄσκησιν· ἀκούσαντες δὲ οἱ ἀδελφοὶ
ἦλθον ἰδεῖν αὐτόν· ἦν δὲ καὶ ὁ ἀββᾶς
Ἰωάννης μετ' αὐτῶν· καὶ εἰσελθόντες, εἶρον αὐ-
τὸν ἐργαζόμενον· καὶ ἀσπασάμενος αὐτοῖς, ἐπιστραφεὶς ἤρξατο
ἐργάζεσθαι· λέγει αὐτῷ ὁ ἀββᾶς Ἰωάννης· τίς
10. ἔβαλέν σοι τὸ σχῆμα ἦ
τίς ἐποίησέ σε μοναχὸν καὶ οὐκ ἐδίδαξέ σε
λαβεῖν ἀπὸ τῶν ἀδελφῶν τὸ μηλωτᾶριον; λέγει αὐτοῖς·
εὗξασθε ἦ καθίσατε· λέγει αὐτῷ
ὁ ἀββᾶς Ἰωάννης· ἁμαρτωλὸς οὐ σχολάζει εἰς ταῦτα.
15. Εἶπε πάλιν· τίς ἰσχυρὸς ὥς
ὁ λέων; καὶ διὰ τὴν κοιλίαν αὐτοῦ ἐμπίπτει εἰς
παγίδα. καὶ ὅλη ἡ ἰσχὺς αὐτοῦ ταπεινοῦται.
Εἶπε πάλιν· ὅτι ἐσθιόντες οἱ πατέρες τῆς σκῆτεως ἄρτον καὶ
ἄλας ἔλεγον· μὴ ἀναγκάσωμεν ἑαυτοὺς εἰς ἄλας καὶ ἄρτον· καὶ
19b οὕτως ἰσχυροὶ ἦσαν πρὸς τὸ ἔργον τοῦ θεοῦ.
20. Ὁ αὐτὸς ἔλεγεν· ὅτι δύο φιλόσοφοι ἦ-
σαν φίλοι· καὶ ὁ εἷς ἀποθνήσκων, κατέλιπε
τὸν υἱὸν αὐτοῦ τῷ ἄλλῳ φιλοσόφῳ. διδά-
ξαι αὐτὸν τὴν φιλοσοφίαν· καὶ λέγει αὐτῷ· ὕπαγε

4 ss. In M l'apoftegma corrispondente al 147 compare (f. 75r21 ss.) in una versione concisa ed anonima: Μονάζοντά τινα ἐν κοινοβίῳ ἤκουσάν τινες ἔχοντα ἐργασίαν· οἱ δὲ παρέβαλον αὐτῷ· εἰσελθόντες δὲ ἤϊραν αὐτὸν ἐργαζόμενον· ὁ δὲ ἑωρακὼς αὐτοὺς ἔμεινεν ἐργαζόμενος· οἱ δὲ εἶπαν· τίς ἐδίδαξεν τοῦτον μὴ ἀσπάσασθαι καὶ τιμᾶν τοὺς παραβάλλοντάς αὐτῷ; ὁ δὲ ἀπεκρίθη αὐτοῖς· οὐ σχολάζει ἁμαρτωλὸς εἰς ταῦτα. Riportiamo qui il testo secondo Pa; in G compare nella stessa forma di Pa, a parte alcune varianti scarsamente significative, nessuna delle quali è più vicina al testo slavo.

1. сътвори ꙗко лѣта работае инымъ, и тако
2. прииди и по трехъ лѣтъ^ѣ прииде. и гл҃а іе-
3. мою пакы иди и сътвори друуга ꙗко лѣта
4. дае мѣ^ѣюу да досаждаютъ ти на всакъ днь.
5. и сътвори тако. и потомъ гл҃а іемоу. {и по-
6. томъ гл҃а іемоу} иди оуже въ Аѳинейскыи
7. градъ, и наоучи се прѣмѣдрости. бѣше
8. же нѣкто старѣцъ сѣде на вратѣхъ града
9. и досаждае входеющимъ. досаженоу
10. же бывшѣ и юноши семоу, вьсмига се.
11. и гл҃а іемоу старѣцъ. что ѿ се тако азъ доса-
12. дихъ ти, ты же вьсмига се. и рѣ іемоу ю-
13. ныи. не хоуеши ли смигати ми се. тако
14. ꙗко лѣта имамъ дае мѣ^ѣюу досаждати ми.
15. днь же тоу не досаженоу ми бывшоу,
16. смигахъ се. рѣ же іемоу старѣцъ. прииди
17. и вьниди въ грѣ. се же рѣ. тако си ѿ дврь
18. бѣига. и ѿѣи наши, многыми досаже-
19. нѣми и оуничиженіемъ, рѣ^ѣюще се вьни-
20. доше въ нѣнага врата .
21. Рѣ пакы виѣ^ѣ тако дѣаволь прьвоуоу гзѣ-
22. воу юже принесе ѿвоу, ѿ имѣнига іего
23. начеть. и видѣ тако не ѿскръби се, ни-

70 V

151

1. ποίησον τρία ἔτη ποταμίτης καὶ
ἐλθέ. ἦλθεν οὖν μετὰ τρία ἔτη. καὶ λέγει αὐ-
τῷ· ὕπαγε πάλιν ποίησον ἄλλα τρία ἔτη
διδούς μισθὸν καὶ ἰβριζόμενος·
5. ἐποίησε δὲ οὕτως· καὶ μετὰ ταῦτα λέγει αὐτῷ·
δεῦρο νῦν εἰς τὴν τῶν Ἀθηναίων
πόλιν· καὶ μάθε τὴν φιλοσοφίαν· ἦν
δὲ τις γέρων καθήμενος ἐπὶ τοῦ πυλῶνος τῶν φιλοσόφων,
καὶ ἰβρίζων τοὺς δι' αὐτῆς εἰσερχομένους· ἰβρισθεὶς
10. οὖν ὁ νεώτερος ἐγέλασε·
καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· τί ἐστὶ τοῦτο· ὅτι ἐγὼ σε
ἰβρισα, σὺ δὲ ἐγέλασας· καὶ λέγει αὐτῷ·
οὐ θέλεις ἵνα γελάσω· ὅτι
ἰδοὺ τρία ἔτη ἐδίδουν μισθὸν ἵνα ἰβρισθῶ
15. καὶ σήμερον δωρεὰν ἰβρίσθην
καὶ ἐγέλασα. εἶπεν δὲ αὐτῷ ὁ γέρων· ἀνάβηθι
εἰσελθε ἐν τῇ πόλει. εἶπε δέ· ὅτι αὕτη ἐστὶν ἡ πύλη
τοῦ θεοῦ· καὶ οἱ πατέρες ἡμῶν διὰ πολλῶν ὕ-
βρεων χαίροντες εἰσῆλ-
20. θον εἰς τὴν ἐπουράνιον πόλιν.
Εἶπε πάλιν· βλέπεις ὅτι ὁ διάβολος τὴν πρώτην πλη-
γὴν ἣν ἔφερε τῷ Ἰώβ, εἰς τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ
ἤρξατο· καὶ εἶδεν ὅτι οὐκ ἐλυπήθη οὐ

1. Il traduttore o non ha compreso il significato di ποταμίτης (com'è probabile)
o comunque non lo ha ritenuto comprensibile per i suoi lettori.

18-19. Πα διὰ πολλῶν θλίψεων καὶ ὕβρεων

- 71R
1. же бѣ ѿлоучи се, второую гзвоу на тѣло еѣ
 2. принесе. и ни такоже крѣпкыи мѣкъ съ-
 3. грѣши словомъ оустъ свой. имѣше бѣ
 4. въноуטרъ имѣниѣ бжїе, и о томъ прѣно
 5. радоваше се .
 6. Гл҃ахоу пакы о немъ. тако исплете пле- 152
 7. ницоу двѣма съсоудомъ. и съши ю въ еди-
 8. нь съсоудѣ. и не оувѣдѣ. дондѣже до стѣне
 9. досеже. бѣше бѣ оумъ его оупражниае
 10. се въ зрѣниѣ . Тѣже рече оученикѣ свое- 153
 11. моу. почтѣмъ единого, и в'си почтѣмъ нѣ
 12. аще ли же прѣзримъ единого иже иѣ бѣ, прѣ-
 13. зрѣть нѣ в'си и въ погыбѣль идемъ .
 14. Гл҃ахоу о Іоаннѣ Коловъ. тако прииде въ 154
 15. цр҃квь скит'скоую. и слышавъ прѣкосло-
 16. вина нѣкый братїи, възврати се въ ке-
 17. лию свою. и ѿбѣшѣ ю трици, тако въни-
 18. де. и видѣв'ше его нѣкага брата, въпро-
 19. сише его. почто тако сътвори. ѿн' же рѣ
 20. имъ. оуши мои пльнѣ бѣстѣ ѿ прѣко-
 21. словина. и обыдѣ, даже исчищоу га. и та-
 22. ко вънидоу безмльвиѣмъ оума въ келию свѣю .
 23. Прииде иногда братъ въ келию его вѣрѣ сѣщѣ. 155

1. δὲ ἐχωρίσθη τοῦ θεοῦ· τὴν δὲ δευτέραν πληγὴν, εἰς τὸ σῶμα αὐτοῦ ἤψατο· καὶ οὐδὲ οὕτως ὁ γενναῖος ἀθλητὴς ἤμαρτεν ἐν λόγῳ τοῦ στόματος αὐτοῦ· εἶχε γὰρ ἔσωθεν τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ θεοῦ. καὶ πάντοτε ἐν αὐτῷ ἔχαιρεν.
Ἐλεγον περὶ αὐτοῦ πάλιν, ὅτι ἔπλεξε σειρὰν δύο σπυρίδων· καὶ ἔρραψε αὐτὴν μίαν σπυρίδα, καὶ οὐκ ἐνόησεν ἕως οὔ προσήγγισε τῷ τοίχῳ· ἦν γὰρ ὁ λογισμὸς αὐτοῦ σχολάζων
10. τῇ θεωρίᾳ. Ὁ αὐτὸς ἔλεγεν τῷ μαθητῇ αὐτοῦ· τιμήσωμεν τὸν ἕνα. καὶ πάντες τιμῶσιν ἡμᾶς· ἂν δὲ καταφρονήσωμεν τοῦ ἑνὸς ὅς ἐστιν ὁ θεός, καταφρονῶσιν ἡμᾶς πάντες, καὶ εἰς ἀπώλειαν ὑπάγομεν.
Ἐλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Ἰωάννη· ὅτι ἦλθεν εἰς τὴν ἐκκλησίαν εἰς σκῆτιν· καὶ ἀκούσας ἀντιλογίας τινῶν ἀδελφῶν ὑπέστρεψεν εἰς τὴν κέλλαν αὐτοῦ. καὶ κυκλεύσας αὐτὴν τρίτον, οὕτως εἰσῆλθεν· καὶ ἰδόντες αὐτὸν ἀδελφοί τινες, ἠρώτησαν αὐτὸν διὰ τί τοῦτο ἐποίησεν· ὁ δὲ εἶπεν
20. αὐτοῖς· τὰ ὧτά μου ἔγεμον ἐκ τῆς ἀντιλογίας· καὶ ἐκύλκευσα. ἵνα καθαρίσω αὐτά· καὶ οὕτως εἰσέλθω ἐν ἡσυχίᾳ νοῶς εἰς τὸ κελλίον μου.
23. Ἦλθέ ποτε ἀδελφὸς εἰς τὸ κελλίον αὐτοῦ ὁψέ

45. Guy 1962: 24 (S5 Ἰωάν. κολ.) τὰ ὑπάρχοντα τοῦ Θεοῦ (Pa ha un non comprensibile τὰ ὑπάρχοντα αὐτοῦ τῷ θεῷ).

6. Πα πάλιν περὶ αὐτοῦ

12-13. In καταφρονῶσιν di M (proprium. sec. *καταφρονάω) si ha uno dei non infrequenti slittamenti di verbi contratti da un tipo vocalico all'altro in età postclassica. Pa G φρονοῦσιν.

22. Il gen. νοῶς da νοῦς (νόος), sul tipo dei monosillabi in consonante, è ben attestato; cf. WNT: coll. 1101-1102.

1. хѡтѣше възвратити се. и глѣшимъ и- 71 V
2. мь о ползи, бѣ оутро и не оувѣдѣше. и и-
3. зыде ѿпоустити его, и прѣбѣше глѣше
4. до шестаго часа. и въведе его и причести-
5. вше се пици, тако ѡтидоше ·
6. Дроугыи братъ прииде къ немому възети ко- 156
7. шничкы и изышѣ глѣ немому. что хоцеша
8. брате. ѡнъ же рече. кошничкы авва. и въ-
9. ниде изнести ихъ, и забывъ сѣде шити.
10. и пакы братъ тлѣкому. и такоже изыде,
11. рече немому. донеси кошничкы авва. и па-
12. кы вышѣ сѣде шити. и пакы тлѣкому.
13. и глѣ немому. что хоцеша брате. ѡнъ же рече.
14. спириды авва. и немъ его за роукоу, въ-
15. веде его вынѣтъ глѣше. аще спириды хо-
16. цеша, възми и поиди. азъ оубѡ не оупра-
17. жнаю се · Иногда прииде къ немому 157
18. камиларь възети съсоуды его и ѡти-
19. ти въ ино мѣсто. ѡнъ же вышѣ принести
20. ихъ, пленъницю възъмъ забы, въздѣнь
21. имѣе оумъ къ боу. пакы же съмоуца-
22. ше и камиларь тлѣке въ врата, и пакы
23. авва Іоаннъ вышѣ забы. третие же

5. НВ ѡтиде

8. НВ кошничкы

1. σπουδάζων ἀπελθεῖν· καὶ λαλούντων αὐ-
τῶν περὶ ὠφελείας, γέγονε πρῶτῃ καὶ οὐκ ἔγνωσαν· καὶ ἐ-
ξῆλθε προπέμψαι αὐτόν. καὶ ἔμειναν λαλοῦντες
ἕως ὥρας ἑκτῆς· καὶ εἰσήνεγκεν αὐτόν. καὶ γευσά-
μενοι. οὕτως ἀπῆλθεν.
Ἄλλος ἀδελφὸς ἦλθε λαβεῖν σπυ-
ρίδας παρ' αὐτοῦ· καὶ ἐξελθὼν λέγει αὐτῷ· τί θέλεις
ἀδελφέ; ὁ δὲ εἶπε σπυρίδας ἄββᾶ· εἰσελ-
θὼν δὲ ἐκβαλεῖν αὐτάς. ἐπελάθετο καὶ ἐκάθισε ῥάπτειν·
10. πάλιν ἔκρουσε· καὶ ὥς ἐξῆλθε,
λέγει αὐτῷ· φέρε τὰς σπυρίδας ἄββᾶ· καὶ εἰσελ-
θὼν πάλιν ἐκάθισε ῥάπτειν· πάλιν ἔκρουσε·
καὶ λέγει αὐτῷ· τί θέλεις ἀδελφέ; ὁ δὲ εἶπε·
τὰς σπυρίδας ἄββᾶ· καὶ κρατήσας αὐτοῦ τῆς χειρός, εἰσήνεγ-
κεν ἔσω λέγων· σπυρίδας θέ-
λεις. λάβε καὶ περιπάτει. ἐγὼ γὰρ οὐ σχο-
λάζω. Ἄλλοτε ἦλθε
καμηλῖτης ἵνα λάβῃ τὰ σκεύη αὐτοῦ καὶ ἀπέ-
λθῃ εἰς ἄλλον τόπον· ὁ δὲ εἰσελθὼν ἐνέγκαι
20. αὐτά, τὴν σειρὰν λαβὼν ἐπελάθετο· τεταμένην
ἔχων τὴν διάνοιαν πρὸς τὸν θεόν· πάλιν οἶν ὁ καμηλῖτης
ᾤχλησεν κρούων τὴν θύραν· καὶ πάλιν
ὁ ἄββᾶς Ἰωάννης εἰσερχόμενος ἐπελάθετο· τὸ δὲ τρίτον

6-7. Pa παρ' αὐτοῦ σπυρίδας

21-22. Pa G ᾤχλησεν ὁ καμηλῖτης

1.	тѣкоушоу камилароу изыде. и възврати-	72R
2.	в се глаше. пленница камиль. пленница	
3.	камиль · Глаголю о немъ. такоже прихо-	158
4.	ждаше ѿ жетвы прѣже ити иемоу къ ста-	
5.	рцемъ, на мѣтвоу и поучение и пѣтии ѿ-	
6.	празниаше се. дожде оумъ его прииде	
7.	на пръвѣи чинъ · Глаголю ѿ немъ. тако	159
8.	трьдъ свои еже творѣше на жетвѣ, възи-	
9.	маше и приношаше въ скитъ гл҃іе. мое в'до-	
10.	вице и сирѣты, въ скитъ соуть ·	
11.	Слыша абба Іоаннъ брата глагола съ гнѣвомъ	160
12.	«на жетвѣ» ближнемоу своему, ѡхы, и ты и ѡста-	
13.	вивъ жетвоу, бѣжа ·	
14.	Рече Іоаннъ Коловъ. смѣренномудрѣство и	161
15.	страхъ бж҃іи, прѣвѣше в'сѣхъ добродѣтели соу ·	
16.	Рече паки. кто продаде Іосифа. не братиѣ	162
17.	его, нъ смѣрение его продаде его. можа-	
18.	ше бѣ рещи тако братъ ихъ есмь и ѡрещи	
19.	се. нъ оумьчавъ, смѣрениемъ себе про-	
20.	даде. и смѣрение его, сътвори его вѣкоу	
21.	Египтоу · Рече паки. льгкое брѣме	163
22.	оставивше. си рѣ, еже себе оукарѣти. те-	
23.	жкое възехомъ. си рѣ, еже себе оправдати ·	

1. κρούσαντος τοῦ καμηλίτου,
εἰσερχόμενος ἔλεγε· σειρὰ κάμηλος· σειρὰ
κάμηλος. Ἐλεγον περὶ αὐτοῦ, ὅτι ὥς ἦρχε-
το ἐκ τοῦ θέρους, πρὶν παραβάλλῃ τοῖς γέρον-
σιν, εἰς τὴν εὐχὴν καὶ εἰς τὴν μελέτην καὶ εἰς τὴν ψαλμωδίαν ἐ-
σχόλαζεν· ἕως οὗ κατεστάθῃ ὁ λογισμὸς αὐτοῦ
εἰς τὴν ἀρχαίαν τάξιν. Ἐλεγον περὶ αὐτοῦ, ὅτι
τὸν κόπον ὃν ἐποίει εἰς τὸ θέρος, ἐλάμ-
βανε καὶ ἔφερεν εἰς τὴν σκῆπτον λέγων· αἱ ἐμοῦ χη-
ραι καὶ ὀρφανοὶ εἰς σκῆπτον εἰσιν.
Ἦκουσεν ὁ ἀββᾶς Ἰωάννης ἀδελφοῦ εἰς τὸ θέρος
λαλοῦντος τῷ πλησίον μετ' ὀργῆς. αἶ καὶ σύ. καὶ ἀφή-
σας τὸν θερισμὸν ἔφυγε.
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ἰωάννης ὁ κολοβός· ἡ ταπεινοφροσύνη καὶ
15. ὁ φόβος τοῦ θεοῦ, ὑπεράνω εἰσὶ πασῶν τῶν ἀρετῶν.
Εἶπε πάλιν· τίς πέπρακε τὸν Ἰωσήφ; οὐχ οἱ ἀδελφοὶ
αὐτοῦ ἀλλ' ἡ ταπείνωσις αὐτοῦ πέπρακεν αὐτόν· ἡδύ-
νατο γὰρ εἰπεῖν ὅτι ἀδελφὸς αὐτῶν εἰμι καὶ ἀντιλέξαι.
ἀλλὰ σιωπήσας, τῇ ταπεινώσει ἑαυτὸν πέ-
20.πρακεν· καὶ ἡ ταπείνωσις αὐτοῦ κατέστησεν αὐτὸν ἡγούμενον
εἰς Αἴγυπτον. Εἶπε πάλιν· τὸ ἐλαφρὸν φορτίον
ἔασαντες, τοῦτ' ἐστὶ τὸ ἑαυτοὺς μέμφεσθαι. τὸ βα-
ρὺ ἐβαστάσαμεν· τοῦτ' ἐστὶ τὸ δικαιοῦν ἑαυτοὺς.

12. Pa ἀφήκας G ἔασας

- | | | | |
|-----|---|-----|------|
| 1. | СѢДѢШЕ ИНОГДА ВЪ ЦРКВИ И ВЪЗДѢХНОУ, НЕ | 164 | 72 V |
| 2. | ВѢДЫИ ІАКО НѢКТО ІЕ СЪЗАДИ ІЕГО. ОУВѢДѢ- | | |
| 3. | В' ЖЕ, СЪТВОРИ МЕТАНИЕ ГЛІЕ. ПРОСТИ МЕ А- | | |
| 4. | ВВА, ІАКО ІЕЩЕ НЕ НАКАЗАНА ІЕСМЬ · | | |
| 5. | ТЪЖЕ РЕЧЕ. АЩЕ И СЪЛѦХУ ХОУДИ ІЕСМЫ ПРѢДЪ | 165 | |
| 6. | ЧЛѢКЫ, НЪ ѠП'ВАНІЕ ИМАМЫ ПОЧЬСТИ СЕ ПРѢ | | |
| 7. | БМЬ · ТЪ БЫ ТЕПЛЬ ДѢХОМЬ. И ПРИШѢ | 166 | |
| 8. | ЖЕ НѢКТО КЪ ІЕМОУ, ПОХВАЛИ ДѢЛО ІЕГО. | | |
| 9. | ДѢЛАШЕ БѢ ПЛЕННИЦОУ, И ОУМЛѢЧА. ПАКЫ | | |
| 10. | ЖЕ ѠНЪ ГЛА ІЕМОУ СЛОВО, И ПАКЫ ѠМЛѢЧА. | | |
| 11. | ТРЕТИЕ ЖЕ РЕ ІЕМОУ, ѠНЕЛѢ ВЪНИДЕ ЗДЕ, | | |
| 12. | ИЗГНА БѢ Ѡ МЕНЕ · | | |
| 13. | СѢДѢШЕ ИНОГДА ВЪ СКИТѢ. И БРАТИІА ІЕГѢ | 167 | |
| 14. | ОКРОУГѢ ІЕГО ВЪПРАШАЮЩЕ О ПОМЫСЛѢХЪ | | |
| 15. | СВОИ. И ГЛА ІЕМОУ ІЕДИНЪ Ѡ СТАРЦЬ. ІѦА- | | |
| 16. | НЕ, ІАКОЖЕ БЛОУНИЦА СѢДЕЩИ ОУКРАШАЕ | | |
| 17. | СЕБЕ И МНОЖИТЬ ХОТИМЫ СВОЕ, ТАКО ІЕ- | | |
| 18. | СИ И ТЫ И ОБЫЕВЪ ІЕГѢ АВВА ІѦАННЬ РЕ | | |
| 19. | ІЕМОУ. ИСТИНОУ ГЛѢШИ ѠЧЕ · | | |
| 20. | ИНОГДА ПАКЫ СѢДЕЩОУ ІЕМОУ ПРѢ ЦРКВИЮ. | 168 | |
| 21. | ОБЪСТѢПИШЕ ІЕГО И ИСТЕБАДХОУ ПОМЫ- | | |
| 22. | СЛѢ СВОИ. И ВИДѢВЪ НѢКТО СТАР'ЦЬ. И ЗА- | | |
| 23. | ВИСТИЮ ПОБѢЖЕНЪ БЫВЪ, ГЛА ІЕМОУ. ЧА- | | |

1. Ἐκάθητό ποτε εἰς τὴν ἐκκλησίαν· καὶ ἐστέναξεν ἀ-
γνοῶν ὅτι ἐστὶ τις ὀπισθεν αὐτοῦ· γνοὺς
δὲ ἔβαλε μετάνοιαν λέγων· συγχώρησόν μοι ἁβ-
βᾶ· οὕτω κατηχήθην.
5. Ὁ αὐτὸς εἶπεν· εἰ καὶ πάνυ εὐτελεῖς ἐσμεν ἐνώπιον
τῶν ἀνθρώπων, ἀλλὰ θαρσύνωμεν ὅπως τιμηθῶμεν ἐνώπιον
τοῦ θεοῦ. Ὁ αὐτὸς γέγονε ζέων τῷ πνεύματι· παραβαλὼν
οὖν τις αὐτῷ, ἐπήνεσεν αὐτοῦ τὸ ἔργον.
εἰργάζετο δὲ τὴν σειράν· καὶ ἐσιώπησε· καὶ πάλιν
10. ἐκεῖνος ἐκίνησεν αὐτῷ λόγον· καὶ πάλιν ἐσιώπησεν·
τὸ τρίτον λέγει αὐτῷ· ἀφ' οὗ εἰσῆλθες ἐνταῦθα,
ἔβαλες τὸν θεὸν ἀπ' ἐμοῦ.
Ἐκάθητό ποτε ἐν σκῆτει. καὶ οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ
κύκλῳ ἐρωτῶντες τοὺς ἑαυτῶν λογισμοὺς·
15. καὶ λέγει αὐτῷ εἰς τῶν γερόντων· Ἰωάν-
νη· ὥς πόρνη καλλωπίζουσα
ἑαυτήν· οὕτως εἶ. ἥτις πληθύνει τοὺς ἐραστὰς αὐτῆς.
καὶ περιπτυσσάμενος αὐτὸν ὁ ἁββᾶς Ἰωάννης λέγει·
ἀλήθειαν λέγεις πάτερ.
20. Ἄλλοτε καθημένου αὐτοῦ ἔμπροσθεν τῆς ἐκκλησίας,
ἐκύκλωσαν αὐτὸν οἱ ἀδελφοί. καὶ ἐξήταζον αὐτῷ τοὺς λο-
γισμοὺς αὐτῶν καὶ ἰδὼν τις τῶν γερόντων πο-
λεμηθεὶς εἰς φθόνον λέγει αὐτῷ· τὸ βαν

6. La grafia giusta è in Pa. Lo slavo e il greco di M Pa inducono qui, ci pare,
ad emendare il testo di Guy 1962: 23 (Ἰωάν. κολ. S2) χαρῶμεν.

9. Pa G omettono καὶ prima di πάλιν.

11. Pa τὸ δὲ τρίτον

1. ша твоя Іѡане, пльна ѿ обавлениемъ. 73R
2. гла немощу авва Іѡаннъ. тако ѿ авва и се
3. рекль еси, понеже вѣнчанъ зриши тѣ-
4. чию. аще ли вѣнчанъ оузрѣа би, что
5. би имать речи ·
6. Рече же немощу единому ѿ оученикъ егво. еда 169
7. не с'мощаеши се вѣнчанъ авва гла немѣ.
8. ни. нъ ꙗковъ есмь извѣнъ, тако и вѣнчанъ ·
9. Рече нѣкто ѿ ѿцъ о немъ ꙗко кто ѿ Іѡаннъ, 170
10. ꙗко смиреніемъ своимъ повѣси вѣсь
11. скитъ на малымъ прѣстѣ своемъ ·
12. Рече авва Іѡаннъ Коловъ. ꙗко бѣше нѣкто 171
13. стар'ица дѣховъ, и затвори себе. и бѣше
14. нареченъ въ градѣ и славою многоу имѣе.
15. повѣдаше же немощу. ꙗко хощеть нѣкто
16. ѿ стѣхъ прѣставити се. и прииди цѣлова-
17. ти его прѣже исхода его. и рече въ себѣ ꙗ-
18. ко аще изыдоу въ дѣни, сътеши се людіе къ
19. мнѣ имають, и многа ми слава боудеть.
20. нъ идоу паче вечеръ мракоу соущоу. и оутая
21. се в'сѣмъ. вечероу же быв'шоу изыде ис ке-
22. лие свое, хоще оутаяти се. и се ѿ бѣ посла-
23. на быста два агглы съ свѣщами свѣтеце

1. κάλιόν σου Ἰωάννη, φαρμάκων γέμει·
λέγει αὐτῷ ὁ ἄββᾶς Ἰωάννης· οὕτως ἐστὶν ἄββᾶ· καὶ τοῦτο
εἶπες, ὅτι τὰ ἔξω βλέπεις μό-
νον· εἰ δὲ ἔβλεπες τὰ ἔσω, τί
5. εἶχες εἰπεῖν.
Εἶπεν δὲ αὐτῷ τις τῶν μαθητῶν αὐτοῦ· ἄρα
οὐ τaráσση ἔνδον ἄββᾶ; καὶ λέγει,
οὐχί· ἀλλ' ὥς εἰμι ἔξωθεν, οὕτως καὶ ἔσωθεν.
Εἶπέ τις τῶν πατέρων περὶ αὐτοῦ, ὅτι τίς ἐστὶν Ἰωάννης,
10. ὅτι διὰ τῆς ταπεινώσεως αὐτοῦ, ἐκρέμασεν ὅλην
τὴν σκῆπτην ἐν τῷ μικρῷ δακτύλῳ αὐτοῦ;
Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Ἰωάννης ὁ κολοβός· ὅτι ἦν τις
πνευματικὸς καὶ ἀπέκλεισεν ἑαυτόν· καὶ ἦν
ἐπίσημος ἐν τῇ πόλει καὶ δόξαν πολλὴν ἔχων·
15. ἐδηλώθη δὲ τούτῳ ὅτι μέλλει τις
τῶν ἁγίων ἀναλύειν καὶ δεῦρο ἄσπα-
σαι αὐτόν πρὶν κοιμηθῆναι· καὶ εἶπεν ἐν ἑαυτῷ· ὅ-
τι ἐὰν ἐξέλθω ἡμέρας, ἐπιτρέχουσί μοι οἱ ἄνθρωποι,
καὶ πολλή μοι δόξα γίνεται·
20. ἀλλὰ ἀπέρχομαι ὁψὲ τῇ σκοτίᾳ. καὶ λανθάνω
πάντας· ὁψὲ οἶν ἐξῆλθε τοῦ κελ-
λίου, ὥς θέλων λαθεῖν· καὶ ἰδοὺ ἐκ τοῦ θεοῦ πέμπον-
ται δύο ἄγγελοι μετὰ λαμπάδων φαίνοντες

7. Pa om. οὐ ε καὶ

13. Pa γέρων πνευματικὸς

- | | | |
|-----|--|------|
| 1. | иемоу. и кѣпно въсь грѣ сътече се зреще сла- | 73 V |
| 2. | вѣ ѡноу. и велико мнѣше бѣжати славы, | |
| 3. | множае прослави се. на семь оубѡ съврѣ- | |
| 4. | ши се писанное. вѣсакъ възнесеи себе, смѣ- | |
| 5. | ритъ се. и смѣрѣи себе, възнесетъ се . | |
| 6. | Глѣше авва Іѡаннь Коловъ. невозможно | 172 |
| 7. | іе създати храминоу съ выше долоу, нѣ | |
| 8. | ѡ основаниа на врѣхъ. глѣхоу иемоу. | |
| 9. | что іе основание ѡче. глѣ имѣ. ѡсно- | |
| 10. | вание, искрънїи іе. даже иго полѡуѣ | |
| 11. | и приѡбрещемъ. на томъ бѡ висеть вѣсе | |
| 12. | заповѣди хѣвы . | |
| 13. | Глѣхоу ѡ авва Іѡанѣ тако нѣкоеи отро- | 173 |
| 14. | ковици прѣставише се родители, и ѡ- | |
| 15. | ста сира. име же ии бѣше Таисига. ѡмы- | |
| 16. | сли же сътвори ти домъ свои стран'нопри- | |
| 17. | иѣтилище инокомъ скит'скимъ. прѣ- | |
| 18. | бѣ же тако врѣме много, приѣмлюѣ | |
| 19. | и покоеци ѡце. по врѣмени же тако | |
| 20. | скон'ча имѣние свое, начеть страдати | |
| 21. | неимѣниемъ. прилѣпише же се ии стрѣ- | |
| 22. | птиви члѣвци, и ѡвратише ю ѡ дѣла бѣи- | |
| 23. | га. и прочее начеть жити злѣ, елико и | |

1. αὐτῷ· καὶ λοιπὸν πᾶσα ἡ πόλις κατέδραμε βλέπουσα τὴν δόξαν· καὶ ὅσον ἔδοξε φεύγειν τὴν δόξαν, πλέον ἐδοξάσθη· ἐν τούτῳ πληροῦται τὸ γεγραμμένον· πᾶς ὁ ὑψῶν ἑαυτὸν ταπεινωθήσεται· καὶ ὁ ταπεινῶν ἑαυτὸν ὑψωθήσεται.
5. Ἐλεγεν ὁ ἄββᾶς Ἰωάννης ὁ κολοβός· οὐ δυνατὸν οἰκοδομῆσαι τὸν οἶκον ἄνωθεν ἐπὶ τὰ κάτω· ἀλλ' ἐκ τοῦ θεμέλιου ἐπὶ τὸ ἄνω· λέγουσιν αὐτῷ· τί ἐστὶν ὁ θεμέλιος πάτερ; λέγει αὐτοῖς· ὁ θεμέλιος, ὁ πλησίον ἐστίν, ἵνα αὐτὸν κερδήσωμεν καὶ ὠφελήσωμεν· εἰς αὐτὸν γὰρ κρέμανται πᾶσαι αἱ ἐντολαὶ τοῦ Χριστοῦ.
10. Ἐλεγον περὶ τοῦ ἄββᾶ Ἰωάννου. ὅτι τινὸς νεωτέρας ἐτελεύτησαν οἱ γονεῖς καὶ ὑπελείφθη ὀρφανή. ὄνομα δὲ αὐτῇ Ταισία. ἐλογίσασατο οὖν ποιῆσαι τὸν οἶκον ἑαυτῆς ξενοδοχείον εἰς λόγον τῶν πατέρων τῆς σκήτεως· ἔμεινεν οὖν ἐπὶ χρόνον ἱκανὸν ξενοδοχοῦσα καὶ θεραπεύουσα τοὺς πατέρας· μετὰ δὲ χρόνον, ὥς ἀνηλώθη τὰ πράγματα, ἤρξατο ὑστερεῖσθαι· ἐκολλήθησαν οὖν αὐτῇ διάστροφοὶ ἄνθρωποι. καὶ μετέστησαν αὐτὴν τοῦ κατὰ θεὸν σκοποῦ· καὶ λοιπὸν ἤρξατο διάγειν κακῶς, ὥστε

8. Pa ἐπὶ τὸ ἄνω

15. Vale la pena di segnalare una divergenza che accomuna il testo slavo ed i testimoni M Pa nei confronti di G: il nome della giovane redenta da Giovanni qui è Παισία (Cotelier non emenda una grafia Παησία).

18. Pa G οὖν οὕτως

1. блочудити постиже. слышахоу же ѿѿи о
2. неи, и зѣло ѿскръбише се. и призвав'ше а-
3. вва Іѡанна Колова, гл҃ахоу ѿмоу. како слы-
4. шахомъ ѿ сестрѣ оной, како злѣ прѣбываѣ.
5. она же иегда можаше, любовь свою на нѣа по-
6. казѣа и мы нѣа покажимъ любовь к' неи,
7. и помозѣмъ ей. потроуди се оуже къ неи.
8. и по мочдрѡсти еже ти ѿе даль бѣ, сътво-
9. ри о неи. прииде же авва Іѡаннъ къ неи.
10. и гл҃а старици таже врата съдрѣжаше. въ-
11. звѣсти о мнѣ госпожи своей. она же ѿ-
12. поущаючи его гл҃аше ѿмоу. вы иноци, и-
13. значала изѣдoste имѣние ее, и се оуже ни-
14. ша ѿе, что хоцеша видѣти ю. гл҃а ей ста-
15. р'ць. повѣжъ ей. много оубѡ имамъ по-
16. л'зевати ю. възвѣвши же старица възвѣ-
17. сти ей о немъ и гл҃а ей юнага. си иноци
18. в'сегда при чрьмномъ мори ходеть, и ѿ-
19. брѣтають бисеріе. иди и приведи его
20. къ мнѣ. и такоже възыде, сѣде близъ ее.
21. възрѣв' же на лице ее, и прѣклонъ главоу
22. свою, начеть плакати велми. гл҃а ѿмоу
23. она авва, что плачеша. и рѣе ей. зроу іа-

1. φθάσαι αὐτήν εἰς τὸ πορνεῦειν· ἤκουσαν δὲ οἱ πατέρες.
καὶ πάνυ ἐκλυπήθησαν· καὶ προσκαλεσάμενοι τὸν ἄβ-
βᾶν Ἰωάννην τὸν κολοβὸν λέγουσιν αὐτῷ· ὅτι ἠκού-
σαμεν περὶ τῆς ἀδελφῆς ἐκείνης ὅτι διάγει κακῶς.
5. καὶ αὕτη ὅτε ἠδύνατο, τὴν ἀγάπην αὐτῆς εἰς ἡμᾶς ἐνε-
δείξατο· καὶ νῦν ἡμεῖς ἐπιδειξώμεθα εἰς αὐτὴν ἀγάπην.
καὶ βοηθήσωμεν αὐτῇ· σκύλητι οἶν πρὸς αὐτήν·
καὶ κατὰ τὴν σοφίαν ἣν σοι ἔδωκεν ὁ θεὸς οἴκο-
νόμησον τὰ «κατ'» αὐτήν· ἦλθεν οἶν ὁ ἄββᾶς Ἰωάννης πρὸς αὐτήν
10. καὶ λέγει τῇ γραίδι τῇ θυρωρῷ· μή-
νυσόν με πρὸς τὴν κυρίαν σου· ἡ δὲ ἀπε-
πέμψατο αὐτὸν λέγουσα· ὑμεῖς ἐξ
ἀρχῆς κατεφάγετε τὰ αὐτῆς καὶ ἤδη πτω-
χή ἐστιν· τί θέλεις ἰδεῖν αὐτήν; λέγει αὐτῇ ὁ γέ-
ρων· εἰπέ αὐτῇ· πάνυ γὰρ ἔχω αὐ-
τὴν ὠφελῆσαι· ἀνελθοῦσα οἶν ἡ γραῖς, εἰ-
πεν αὐτῇ περὶ αὐτοῦ· καὶ λέγει αὐτῇ ἡ νεωτέρα· οὔτοι
ἀεὶ διακινούσιν παρὰ τὴν Ἐρυθρὰν θάλασσαν καὶ εὐ-
ρίσκουσιν μαργαρίτας· θέλησον οἶν ἀνενέγκαι αὐτὸν
20. πρὸς με· ὥς δὲ ἀνῆλθεν, ἐκαθέσθη ἐγγὺς αὐτῆς·
προσχὼν δὲ εἰς τὸ πρόσωπον αὐτῆς, κύψας κάτω τὴν κεφαλὴν
αὐτοῦ, ἤρξατο κλαίειν σφοδρῶς· λέγει αὐτῷ
ἐκείνη· ἄββᾶ τί κλαίεις; καὶ λέγει αὐτῇ· βλέπω ὅτι

7. M αὐτήν Pa G αὐτῇ

9. M ταυτήν evidentemente privo di senso.

1. ко сатана играетъ на лици твоємъ, и ка-
2. ко не хошоу плакати; что зазрѣ ѿсоу, и на
3. сие дѣло ѡбрати се. ѡна же слышавъши,
4. помръзе вса и гл̃а ѿмоу. ^ѿѿ ли покаѣни-
5. ѿ авва гл̃а ѿи, ^ѿѿ гл̃а ѿмоу. ѡведи ме
6. ѿможе хоцещи. гл̃а ѿи. поидѣмъ. и въ-
7. ста послѣдовати ѿмоу. видѣвъ же авва
8. ѿвѣсть ꙗко ничтоже не оучини ниже гл̃а
9. о домоу своемъ, оудиви се. и ꙗкоже по-
10. стигоше въ поустыню, вечеръ бѣ и съ-
11. твори ѿи мало изглавие ѿ пѣска съ-
12. твори же и себѣ мало далече ѿ нѣе. и зна-
13. менавъ, рече ѿи. спи zde. скончавъ же мо-
14. литвы свое, възлеже и тѣ. ѡ полоу ноци
15. же възбоудив се, видѣ поуть нѣкихъ
16. оутврѣжень ѿ нѣсѣ до нѣе. и видѣ агглы
17. бжїе възносеще дш̃оу ее. вставъ же и-
18. де и тѣсноу ю ногою. и ꙗкоже видѣ оу-
19. мръла ^ѿѿ, повръже себе лицемъ на земли
20. моле се боу. и оуслыша ꙗко ѿдиныи чд̃а
21. покаѣнїа ее, приесть бѣ паче врѣмене-
22. мь многыимъ кающихъ се, и не показа-
23. ющѣ топлотоу сїцеваго покаѣнїа .

1. ὁ σατανᾶς παίζει εἰς τὴν ὄψιν σου, καὶ οὐ μὴ κλαύσω; τί κατέγνωσ τοῦ Ἰησοῦ. ὅτι εἰς τοῦτο ἦλθες; ἀκούσασα δὲ ἀπεπάγη ὅλη. καὶ λέγει αὐτῷ· ἔνι μετάνοι-
5. α ἄββᾶ; λέγει· ναί· λέγει αὐτῷ· λάβε με ὅπου θέλεις· λέγει αὐτῇ· ἄγωμεν· καὶ ἀ- νέστη ἀκολουθήσαι αὐτῷ· προσέσχε δὲ ὁ ἄββᾶς Ἰωάννης, ὅτι οὐδὲν διετάξατο ἢ ἐλάλησεν περὶ τοῦ οἴκου αὐτῆς· καὶ ἐθαύμασεν· ὥς οὖν ἔφθα-
10. σαν εἰς τὴν ἔρημον, βράδιον ἐγένετο· καὶ ποι- ἤσας ἐκ τῆς ἄμμου μικρὸν προσκεφάλαιον αὐτῇ· ποι- ἤσας δὲ καὶ ἑαυτῷ ἀπὸ μικροῦ διαστήματος καὶ σφρα- γισάμενος, λέγει αὐτῇ· καθεύδῃσιν ἐνταῦθα· πληρώσας δὲ τὰς εὐ- χὰς αὐτοῦ, ἀνεκλίθη καὶ αὐτός· περὶ δὲ τὸ μεσονύκτιον
15. διυπνισθεὶς· βλέπει ὁδὸν τινα φωτεινὴν ἀπὸ τοῦ οὐρανοῦ ἕως αὐτῆς ἐστηριγμένην· καὶ εἶδε τοὺς ἀγγέλους τοῦ θεοῦ ἀναφέροντας τὴν ψυχὴν αὐτῆς· ἀναστὰς οὖν καὶ ἀ- πελθὼν, ἔνυξεν αὐτὴν τῷ ποδί· ὥς δὲ εἶδεν ὅτι ἀπέ- θανεν, ἔρριψεν ἑαυτὸν ἐπὶ πρόσωπον
20. δεόμενος τοῦ θεοῦ· καὶ ἤκουσεν ὅτι ἡ μία ὥρα τῆς μετανοίας αὐτῆς, προσεδέχθη ὑπὲρ μετάνοι- αν χρονιζόντων καὶ μὴ ἐνδεικνυ- μένων τὸ θερμὸν τῆς τοιαύτης μετανοίας.

- | | | | |
|-----|---|-----|-----|
| 1. | Прииде нѣкто стар'ць въ келию авва Іѡана | 174 | 75R |
| 2. | Колова. и ѡбрѣте его спеща. и аг҃ла сто- | | |
| 3. | еща и вѣтреща его. и видѣвъ, ѡтиде. и га- | | |
| 4. | коже вѣста, г҃ла оученикоу своему. при- | | |
| 5. | иде ли кто ꙗже спещоу ми. г҃ла ямоу. прии- | | |
| 6. | де ѡн'сица стар'ць. и разоумѣ авва Іѡаннь, | | |
| 7. | яко въ мѣры его ꙗже стар'ць и оузрѣ аг҃ла . | | |
| 8. | О авва Іѡаннь Кіликьскыи . | | |
| 9. | Г҃лаше авва Іѡаннь киликьскыи, иже бы | 175 | |
| 10. | иг҃мень въ Раифѣ братии. чедѣ, яжеже бѣ- | | |
| 11. | жахомъ мира, бѣжимъ и въжелѣнїѣ плѣ- | | |
| 12. | тскаѣ. оупѣбим се ѡцѣмъ нашимъ. ка- | | |
| 13. | ковыиимъ жестокомъ житїемъ и безъ- | | |
| 14. | мльв'ствїемъ съдѣше зде. да не оскврь- | | |
| 15. | нимъ чедѣ мѣсто се, еже ѡцїи наши ѡчи- | | |
| 16. | стише ѡ бѣсовъ. мѣсто оубѣ се, пост'ни- | | |
| 17. | чѣско ꙗже, а не коупч'ско . | | |
| 18. | Рѣ пакы что можетъ грѣхъ, идеже ꙗже пока- | 176 | |
| 19. | зание. и что оуспѣваетъ любовь, идеже ꙗже | | |
| 20. | грѣдыня . Рѣ пакы яко оѣ аѣ има- | 177 | |
| 21. | мъ въ мѣстѣ семь, многа и жестока зла | | |
| 22. | пострадавъ ѡ бѣсовъ . | | |
| 23. | Рѣ авва Іѡаннь Євноу къ нѣкоемъ старцоу. | 178 | |

1. Ἦλθέ τις γέρων εἰς τὸ κελλίον τοῦ ἀββᾶ Ἰωάννου τοῦ κολοβοῦ. καὶ εἶρεν αὐτὸν καθεύδοντα· καὶ ἄγγελον παριστάμενον, καὶ ῥιπίζοντα αὐτόν· καὶ ἰδὼν ἀνεχώρησεν· ὥς δὲ ἀνέστη· λέγει τῷ μαθητῇ αὐτοῦ· ἦλ-
5. θέ τις ὧδε κοιμωμένου μου; λέγει· ναί· ὁ δεῖνα ὁ γέρων· καὶ ἔγνω ὁ ἀββᾶς Ἰωάννης ὅτι τῶν μέτρων αὐτοῦ ἦν ὁ γέρων, καὶ εἶδε τὸν ἄγγελον.

Ἐλεγεν ὁ ἀββᾶς Ἰωάννης ὁ κίλιξ ὁ

10. ἡγούμενος τῆς Παρθοῦ τοῖς ἀδελφοῖς· τέκνα· ὥς ἐφύγομεν τὸν κόσμον, φύγωμεν καὶ τὰς ἐπιθυμίας τῆς σαρκός· μιμησώμεθα τοὺς πατέρας ἡμῶν. μετὰ ποί-
ας σκληραγωγίας καὶ ἡσυχίας ἐκάθισαν ὧδε· μὴ ῥυπώσω-
15. μεν τέκνα τὸν τόπον τοῦτον ὃν οἱ πατέρες ἡμῶν ἐκάθηραν ἀπὸ δαιμόνων· ὁ τόπος γὰρ οὗτος, ἀσκη-
τῶν ἐστὶν οὐ πραγματευτῶν.
Εἶπε πάλιν· τί ἰσχύει ἁμαρτία ὅπου ἐστὶ μετάνοια; καὶ τί ὠφελεῖ ἀγάπη. ἔνθα ἐστὶν
20. ὑπερηφανία; Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ἰωάννης ὁ κίλιξ· ὅτι ἐβδομήκοντα ἔξ ἔτη ἔχω ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ πολλὰ καὶ δεινὰ κακὰ παθὼν ὑπὸ τῶν δαιμόνων.
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ἰωάννης ὁ εὐνούχος πρὸς τινα γέροντα·

1. како вы възмогосте дѣло бжїиѣ покоіѣ^ѡ
2. сѣтворити. мы же, ни троудомъ не мо-
3. жемъ и гл҃а ѿмоу стар'цѣ. понеже имѣхѡ^ѡ
4. дѣло бжїиѣ тако велие. тѣлесноу же потрѣ-
5. боу, подѣлиѣ. вы же велие дѣло имате тѣ-
6. лесныѣ потрѣбы дѣло же бжїиѣ, тако по-
7. дѣлиѣ. и сего ради троужаете се непользѣ^ѡ
8. сего ради сп҃сѣ рѣ оученикомъ своимъ. ища-
9. те прѣвѣ цр҃тво нѣбное, и си в'са приложѣ се вѣ^ѡ.
10. Гл҃ахоу ѿ авва Іѡанѣ персѣвинѣ тако зло- 179
11. дѣемъ пришѣшимъ на нь, молѣше се им'
12. нозѣ ихъ ѡмыть. они же оусрамив'ше
13. се, кагати се начаше.
14. Въ єдинои лаврѣ Седмоустаго, бѣше нѣ- 180
15. кто ѡшѣльникъ дивенъ. именемъ Іѡан-
16. н'нѣ съ своимъ оученикомъ сѣде. оуче-
17. никъ же єго зре сѣмоущенїа и скръби бы-
18. вающїѣ на в'сакъ днѣ ѿ першанѣ стмоу
19. градоу х҃а бѣ нашего. молѣше ѡца свое-
20. го гл҃іе. понеже оуповаю ѡчѣ тако елика
21. хошетъ бѣ творити, не скрыти имать ѿ
22. тебе. молю ти се, повѣда(т)и ми аще остати
23. имать грѣ. стар'цѣ же рѣ ѿмоу. ѡкоудѣ

75V

1. πῶς ὑμεῖς ἠδυνήθητε ποιῆσαι τὸ ἔργον τοῦ θεοῦ ἐν ἀναπαύσει· ἡμεῖς δὲ οὐδὲ μετὰ κόπου δυνάμεθα· καὶ λέγει ὁ γέρων· ἐπειδὴ κεφάλαιον εἶχομεν τὸ ἔργον τοῦ θεοῦ, τὴν δὲ χρεῖαν τὴν σωματικὴν ἐλάχιστον· ὑμεῖς δὲ κεφάλαιον ἔχετε τὴν σωματικὴν χρεῖαν· τὸ δὲ ἔργον τοῦ θεοῦ ὥς πάρεργον· καὶ διὰ τοῦτο κοπιᾶτε ἀνόνητα· διὰ τοῦτο ὁ σωτὴρ εἶπε τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ· ζητεῖτε πρῶτον τὴν βασιλείαν τῶν οὐρανῶν, καὶ ταῦτα πάντα προστεθήσεται ὑμῖν.
10. Ἔλεγον περὶ τοῦ Ἀββᾶ Ἰωάννου τοῦ πέρσου· ὅτι καὶ κούργων αὐτῷ ἐπιστάντων, ἡξίου τοὺς πόδας αὐτῶν νίπτειν· κἀκεῖνοι αἰδεσθέντες, μετανοεῖν ἤρξαντο.
Ἐν τῇ λαύρᾳ τοῦ Ἑπταστόμου ἦν τις
15. ἀναχωρητὴς θαυμαστός, ὀνόματι Ἰωάννης σὺν τῷ ἰδίῳ μαθητῇ καθεζόμενος· ὁ δὲ μαθητὴς αὐτοῦ θεωρῶν τὴν ταραχὴν καὶ τὴν θλίψιν τὴν γινομένην καθ' ἡμέραν ὑπὲρ τῶν περσῶν τῇ ἁγίᾳ Χριστοῦ τοῦ θεοῦ ἡμῶν πόλει, παρεκάλει τὸν αὐτοῦ πατέρα λέγων· ἐπειδὴ πέπεισμαι πάτερ ὅτι ὅσα μέλλει ὁ θεὸς ποιεῖν οὐ μὴ ἀποκρύψῃ ἀπὸ σοῦ, δέομαί σου εἰπεῖν μοι, εἰ παραληφθῆναι μέλλει ἡ πόλις· ὁ δὲ γέρων λέγει αὐτῷ· πόθεν

1. азъ вѣмъ ѡ семь члѣсхъ грѣшньхъ сы оуче-
2. никъ же прилежаше оувѣдѣти хоте. тогда
3. просльзиви старѣцъ гл҃а. поніеже виждоу те
4. ѡ чедо болестию ищюща, азъ повѣмъ ти
5. елика бѣ показа ми. прѣже петий дѣни
6. сихъ бѣхъ мысле ѡ сѣѣ и видѣхъ себе всѣхъ-
7. щена и стоеща на стѣпимъ мѣстѣ льбнѣи
8. и народъ всѣхъ съ црковнымъ събѣромъ зо-
9. воуще г҃и помилоуи. възрѣвъ же видѣхъ гл҃а
10. нашего іс҃а х҃а пригвоженна кр҃тоу. и прѣ-
11. стоую бѣоу вл҃чцоу мироу. молящю се ѡ лю-
12. дехъ. ѡнъ же ѡвращаше се народа гл҃іе. не
13. оуслышоу ихъ, оск҃врѣнише оубѣхъ жрътвѣ-
14. никъ мои. и такоже звахомъ г҃и помилѣи,
15. идохомъ въ црковь ст҃го константина, въ-
16. пиюще и тамо г҃и помилоуи. внидохъ
17. и азъ съ црковнымъ събѣромъ въ храмъ.
18. мнѣ же шѣшоу видѣти мѣсто идеже ѡбрѣ-
19. тоше се дръва животворещаго кр҃та, видѣхъ
20. смрадъ исхощъ изъ храма. бѣхъ же тамо
21. два старца сѣенноподобна прѣстоеща. и
22. рѣхъ имъ. не боите ли се бѣ вы, тако ни по-
23. молити се можемъ ѡ смрада сего. ѡкоу-

1. ἐγὼ ἐπίσταμαι περὶ τούτου ἄνθρωπος ἁμαρτωλὸς ὢν; ὁ δὲ μαθη-
τὴς ἐπέμενε παρακαλῶν μαθεῖν θέλων· τότε
δακρύσας ὁ γέρων λέγει· ἐπειδὴ θεωρῶ σε
ὦ τέκνον ἐμπόνως ζητοῦντα, ἐγὼ σοι ἐρῶ
5. ὅσα ὁ θεὸς ἔδειξέ μοι· πρὸ τῶν πέντε ἡμερῶν
τούτων, ἤμην ἀδολεσχῶν περὶ τούτου· καὶ θεωρῶ ἐμαυτὸν ἀρ-
παγέντα ἔμπροσθεν τοῦ ἁγίου Κρανίου,
καὶ πᾶς ὁ λαὸς σὺν ὅλῳ τῷ κλήρῳ, ἔκρα-
ζον τὸ κύριε ἐλέησον· ἀτενίσας δὲ θεωρῶ τὸν κύριον
10. ἡμῶν Ἰησοῦν Χριστὸν προσηλωμένον τῷ σταυρῷ, καὶ τὴν πα-
ναγίαν θεοτόκον τὴν δέσποιναν τοῦ κόσμου, δυσωποῦσαν ὑπὲρ τοῦ λα-
οῦ· ὁ δὲ ἀπεστρέφετο τὸν λαὸν λέγων· οὐ
μὴ ὑπακούσω αὐτῶν, ἐβεβήλωσαν γὰρ τὸ θυσια-
στήριόν μου· μετὰ δὲ τὸ κράξαι ἡμᾶς τὸ κύριε ἐλέησον,
15. ἀπήλθομεν εἰς τὸν ναὸν τοῦ ἁγίου Κωνσταντίνου κρά-
ζοντες κάκεῖ τὸ κύριε ἐλέησον· συνῆλθον
δὲ καὶ γὰρ μετὰ τοῦ κλήρου ἐν τῷ ναῷ·
ἐμοῦ δὲ ἀπελθόντος ἐρευνῆσαι ἐν τῷ τόπῳ ἐν ᾧ εὐ-
ρηνται τὰ ξύλα τοῦ ζωοποιοῦ σταυροῦ, ὁρῶ
20. βόρβορον ἐξερχόμενον ἐκ τοῦ ναοῦ· ἦσαν δὲ ἐκεῖ
δύο γέροντες ἱεροπρεπεῖς παριστάμενοι. καὶ
λέγω αὐτοῖς· οὐ φοβεῖσθε τὸν θεὸν ὅτι οὐδὲ εὐ-
ξασθαι δυνάμεθα ἀπὸ τοῦ βορβόρου; πό-

7. Si tratta naturalmente del Golgota, come intende del resto anche il traduttore slavo;
cf. SJS, II: 141.

1. доу оубѡ смрадѣ сѣи зде ѿѣ; ѡни же рѣше.
2. ѡ безаконїи црковникѣ соущїи въ мѣ-
3. стѣ семь. азъ же глѣхъ имѣ. не можете
4. ли ѡчистити ѿ, тако да възможемъ при-
5. стоупити и помолити сѣ. они же рѣше.
6. вѣроуи брате, тако не ѡчищена боудѡу
7. таже зѣ, аще не ѡгнемъ тѣчию. сѣ же ре-
8. къ старцѣ, прослѣзивъ рѣѣ оученикоу сво-
9. емоу. и сѣ глѣю ти чедо. тако изыде слово
10. даже глава мога ѡсѣчена боудеть. и мѣ-
11. ного молихъ сѣ боу даже проститъ ми сѣ.
12. и ѡкры ми. тако невѣзможно ѿѣ не быти.
13. и тѣ єдинѣ вѣѣ, тако николиже пролигахъ
14. кровь на земли. и сѣ ємоу глѣющоу, варѣ-
15. вари приидоше на нѣ. и оученикъ оубѡ,
16. оустрашивъ сѣ бѣжа. старца же ємше ѡ-
17. бише. и текоуще ѡтидоше. оученикъ
18. же пришѣ и видѣвъ старца оумьрѣша,
19. плака горко. и възъмъ погребѣ єго съ
20. ѡцѣ . Ѡ авва Исидѡръ .
21. Глѣше авва Исидоръ. тако мѣ лѣѣ имамъ
22. такоже оучюваю срѣчнии грѣхъ, нико-
23. лиже приложѣ, ниже вѣжелѣнїю ни гнѣвѣ .

76 V

1. θεν ἡ δυσωδία ἐνταῦθα κείται; οἱ δὲ λέγουσιν·
ἐκ τῶν ἀνομιῶν τῶν κληρικῶν τοῦ τό-
που τούτου· ἐγὼ δὲ λέγω αὐτοῖς· καὶ οὐ δύνασθε
αὐτὸν καθαρίσαι ὅπως συγχωρηθῶμεν
5. εὐξασθαι; οἱ δὲ εἶπον·
πίστευσον ἀδελφε οὐ μὴ καθαρισθῶσιν
τὰ ὧδε, εἰ μὴ διὰ πυρός· ταῦτα οὖν εἰ-
πὼν ὁ γέρων δακρύσας λέγει τῷ μαθητῇ αὐ-
τοῦ· καὶ τοῦτό σοι λέγω τέκνον· ὅτι ἐξῆλθεν ἀπόφασις
10. ἵνα ἐγὼ ἀποκεφαλισθῶ. καὶ πολ-
λὰ παρεκάλεσα τὸν θεὸν ἵνα συγχωρήσῃ μοι.
καὶ ἀπεκάλυψέ μοι ὅτι πάντως γενέσθαι ἔχει·
καὶ αὐτὸς μόνος ἐπίσταται ὅτι οὐδέποτε ἐξέχεα
αἷμα ἐπὶ τῆς γῆς· καὶ ταῦτα αὐτοῦ λαλοῦντος, ἰδοὺ οἱ βάρ-
15. βαροι ἦλθον ἐπ' αὐτόν· καὶ ὁ μὲν μαθητὴς
δειλιάσας ἔφυγεν· τὸν δὲ γέροντα κρατήσα(σα)ντες, ἀνεί-
λον καὶ δρομαῖοι ἀνεχώρησαν· ὁ δὲ μαθητὴς
ἐλθὼν καὶ ἰδὼν τὸν γέροντα τεθνεῶτα
ἔκλαυσε πικρῶς· καὶ λαβὼν ἐκήδευσεν αὐτὸν μετὰ
20. τῶν πατέρων.
Ἔλεγε πάλιν· τεσσαρακοστὸν ἔτος ἔχειν
ἀφ' οὗ αἰσθάνεσθαι μὲν τῆς μετὰ διάνοιαν ἁμαρτίας. μη-
δέποτε δὲ συγκαταθέσθαι. μήτε ἐπιθυμία μήτε θυμῷ.
22. Pa G αἰσθάνεται ; Pa G κατὰ διάνοιαν

- | | | | |
|-----|---|-----|-----|
| 1. | Рѣ авва Исидѡръ ꙗко лютое и неистовѣ- | 182 | 77R |
| 2. | е сребролюбиа въжелѣнїе, сытость не | | |
| 3. | вѣде оудръжав'шоуѡ дѣшѡу, на послѣд'нѣа | | |
| 4. | злаа женеть. тѣм'же оубѡ се, из начела | | |
| 5. | ѡженѣмь аще ли оудръжитъ насъ, оно- | | |
| 6. | моу не оудолѣти възможемь . | | |
| 7. | Рѣ пакы разоумь стѣихъ се ѿ. еже оувѣ- | 183 | |
| 8. | дѣти вѡлю бжїю. в'сѣмь оубѡ одолѣ- | | |
| 9. | ваетъ члкъ послушаниемь истиннѣ | | |
| 10. | ннѣ же врѣме сътворити гѣи, ꙗко сѣсе- | | |
| 11. | ние въ врѣмени скръбнымь понеже | | |
| 12. | пишет' се. трѣпѣнїемь вашимь, сте- | | |
| 13. | жите дѣше ваше . Рѣ пакы. иногда и- | 184 | |
| 14. | дохъ на трѣжище продати съсоуды малы | | |
| 15. | и видѣ гнѣвъ приближае се мнѣ, оста- | | |
| 16. | вивъ съсоуды бѣжахъ . | | |
| 17. | Рѣ авва Пиминь ѡ авва Исидѡрѣ ꙗко и- | 185 | |
| 18. | сплитааше везаницѡу проутѣа на всакѣ | | |
| 19. | нощѣ. и молахоу ѿего братѣа глїюще. | | |
| 20. | покои себе, понеже прочеи ста(рь) ѿси и | | |
| 21. | глѣаше имь. прочеи оубѡ аще съжегѣть | | |
| 22. | Исидѡра и пепель ѿего вѣтромь развѣють, ни ѿди- | | |
| 23. | н' ми оуспѣхъ ѿше нѣ. понеже сѣи бжїи | | |

1. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ἰσίδωρος· ὁ δεινὸς καὶ πάντολ-
μος τῆς φιλοχρημασίας ἔρως κόρον οὐκ
εἰδὼς ἐπὶ τὸ ἔσχατον τῶν κακῶν τὴν ἀλλιού-
σαν ψυχὴν ἐλαύνει· οὐκοῦν μάλιστα αὐτὸν ἐν προοιμί-
5. οἰς ἐλάσωμεν· κρατήσας γὰρ
ἀχείρωτος ἔσται.
Εἶπε πάλιν· ἡ σύνεσις τῶν ἀγίων αὕτη ἐστί, τὸ ἐπιγνώ-
ναι τὸ θέλημα τοῦ θεοῦ· πάντων γὰρ περιγί-
νεται ὁ ἄνθρωπος ἐν τῇ ὑπακοῇ τῆς ἀληθείας·
10. νῦν οὖν καιρὸς τοῦ ποιῆσαι τῷ κυρίῳ· ὅτι σωτη-
ρία ἐν καιρῷ θλίψεως· ὅτι
γέγραπται· ἐν τῇ ὑπομονῇ ὑμῶν κτή-
σασθε τὰς ψυχὰς ὑμῶν. Εἶπε πάλιν· ἀπήλθόν
ποτε ἐν τῇ ἀγορᾷ πωλῆσαι σκεύη μικρά·
15. καὶ ἰδὼν τὴν ὀργὴν ἐγγίζουσάν μοι, ἐά-
σας τὰ σκεύη ἔφυγον.
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν περὶ τοῦ ἀββᾶ Ἰσιδώρου· ὅτι ἔ-
πλεκε δέμα θαλαλῶν κατὰ
νύκτα· καὶ παρεκάλουν αὐτὸν οἱ ἀδελφοὶ λέγοντες·
20. ἀνάπαυσον σεαυτὸν ὅτι λοιπὸν ἐγήρασας· καὶ
ἔλεγεν αὐτοῖς· ὅτι λοιπὸν ἐὰν καύσωσιν
Ἰσίδωρον καὶ τὴν σπο(ν)δὸν αὐτοῦ ἀνέμῳ [σ]σκορπίσωσιν, οὐδε-
μία μοι χάρις ἀκμήν, ὅτι ὁ υἱὸς τοῦ θεοῦ

3. Da notare: 1) l'irrazionalità della punteggiatura slava qui è particolarmente netta: la virgola andrebbe prima di οὐδρ. Δ., non dopo; 2) il traduttore ha calcato la diatesi formalmente attiva di ἀλοῦσαν con un part. pass. attivo slavo che non dà senso.

1. прииде зде насъ ради · 77v
2. Тѣже рече. ꙗко гл҃ахоу ѿмоу помышле- 186
3. ниа, ꙗко великъ чл҃къ ꙗси. и гл҃аше имъ
4. еда ꙗсмь ꙗкоже авва Анѣтѣннїе. или ꙗкоже
5. авва Памѣву) ꙗко прочии ѿци. иже бѣу бл҃гоуго-
6. дно работаше. и се гл҃ѣ, почиваше. ѿ-
7. гда же гл҃ахоу ѿмоу. ꙗко по сихъ вѣсѣхъ
8. въ моукоу въврѣжень хоцеша быти.
9. гл҃аше имъ. ꙗко аще и въ моукоу въврѣ-
10. жень боудоу, вѣдоу ꙗко собѣю ѿверѣсти имѣѣ ·
11. Гл҃аше авва Исидоръ. понеже велика ꙗсѣ 187
12. смѣреномоуриѣ высота, гл҃боко же
13. високооумна падение. сего ради съ-
14. вѣтоуѣю вѣдоу, оно възлюбити. въ се же не
15. выпасти · Гл҃аше авва Пиминъ ѿ 188
16. нїемъ. ꙗко егда гл҃аше братїи въ цркви
17. си прѣже гл҃аше. оставите, и ѿстави-
18. тѣ се вамъ · О авва Исидѣръ великѣ ·
19. Гл҃ахоу ѿ авва Аполо. ꙗко имѣше оуче- 189
20. ника именемъ Исидѣръ. наоучена вѣса-
21. комоу дѣлоу бл҃гоу. и стежа ст҃го прино-
22. шенїа мльчание. и егда исхождаше ѿ
23. зь цркви, не ѿставляше кого приити

1. ὦδε ἦλθε δι' ἡμᾶς.
Ὁ αὐτὸς εἶπεν· ὅτι ἔλεγον αὐτῷ οἱ λογι-
σμοί· μέγας εἰ ἄνθρωπος· καὶ ἔλεγε πρὸς αὐτοὺς·
μή εἰμι κατὰ τὸν ἄββᾶν Ἀντώνιον; ἢ
5. τὸν ἄββᾶν Παμβῶ; ἢ ὥς οἱ λοιποὶ πατέρες οἱ τῷ θεῷ εὐαρε-
στήσαντες; καὶ ταῦτα λέγων ἀνεπαύετο· ὅ-
τε δὲ ἔλεγον αὐτῷ· ὅτι μετὰ ταῦτα πάντα
εἰς τὴν κόλασιν ἔχεις βληθῆναι.
ἔλεγεν αὐτὸς πρὸς αὐτοὺς· ὅτι κἂν εἰς κόλασιν ἐμβλη-
10. θῶ, ὑμᾶς ὑποκάτω εὐρίσκω.
Ἔλεγεν ὁ ἄββᾶς Ἰσίδωρος· ἐπειδὴ μέγα
τῆς ταπεινοφροσύνης τὸ ὕψος καὶ τῆς ἀλαζονείας
τὸ πτώμα· συμβου-
λεύω ὑμῖν, ἐκεῖνο μὲν ἀσπάσασθαι, τούτῳ δὲ μὴ
15. περιπεσεῖν. Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Ποιμὴν περὶ
αὐτοῦ· ὅτι ὅταν ἐλάλει τοῖς ἀδελφοῖς ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ,
τοῦτο πρῶτον ἔλεγεν· ἀδελφοί· ἄφετε καὶ ἀφεθήσε-
ται ὑμῖν. ΠΕΡΙ ἸΣΑΑΚ ΤΟΥ ΜΕΓΑΛΟΥ
Ἔλεγον περὶ τοῦ ἄββᾶ Ἀπολῶ ὅτι εἶχεν μαθη-
20. τὴν ὀνόματι Ἰσαὰκ πεπαιδευμένον εἰς πᾶν
ἔργον ἀγαθόν· καὶ ἐκτίσατο τὴν τῆς ἀγίας προσφο-
ρᾶς ἡσυχίαν· καὶ ὅταν ἐξήρχετο ἐκ
τῆς ἐκκλησίας, οὐκ ἤφιέν τινα ἐλθεῖν

1. къ нѣмѹ и гл҃ати бѣше же слово его се.
2. ꙗко в'са добра со^ѹ, кое^ѡ въ вѣмѣ свое.
3. бѣше ꙗко ѡгнѣмъ гонимъ бѣгае
4. постигнѹти въ келию свою. многа^ѡѡ
5. же даѣше се братии по исхо^ѡѡени по пави-
6. мадоу и по чаши вина. тѣ же не възима-
7. аше. не ꙗко ѡрѣвае б^ѡлвение брат'ниѣ,
8. нѣ съб^ѡрное съдрже м^ѡльчание. бѣ же
9. ѣмѹ въ недоу^ѡсѣ с'лежати. и слышав'ше
10. братиѡ, приидоше посѣтити ѣгѡ. сѣ-
11. деже же, въпросише ѣго гл҃ше. авва Исаа-
12. че, почто бѣгаеши скоро ѡ съб^ѡвра и рѣ
13. имъ. ꙗко не в^ѡ ради бѣгаю, нѣ бѣсовъ-
14. ские ради злохытрости. и бѡ аще кто
15. дръжить свѣщюу горещюу и оу^ѡкъснить
16. на вѣтрѣ стоѣ, оу^ѡгасаетъ ѡ него. та-
17. ко и мы просвѣщаеми сѣмъ приношеніѣ-
18. мъ. аще закъснимъ вънѣ келиѣ, помра-
19. чает' се оумъ нашъ. сичево бѣ житіѣ прѣ-
20. пѣнаго авва Исаака .
21. Авва Исаакъ. и авва Авраамъ. бѣхоу на
22. ѣдино живуще. и вышѣ авва Авраамъ,
23. обрѣте авва Исаака плачюща. и гл҃а ѣмѹ.

1. εἰς συντυχίαν ἑαυτοῦ· ἦν γὰρ ὁ λόγος αὐτοῦ οὗτος·
ὅτι πάντα καλὰ ἐν καιρῷ αὐτῶν·
ἀλλὰ ἦν ὡς ἀπὸ πυρὸς διωκόμενος. ζητῶν
καταλαβεῖν τὸ κελλίον ἑαυτοῦ· πολλάκις
5. δὲ ἐδίδοτο τοῖς ἀδελφοῖς ἀπὸ συνάξεως παξα-
μάτης καὶ ποτήριον οἴνου· αὐτὸς δὲ οὐκ ἐλάμ-
βανεν· οὐκ ἀπωθούμενος τὴν εὐλογίαν τῶν ἀδελφῶν,
ἀλλὰ τῆς συνάξεως ἐπικρατῶν τὴν ἡσυχίαν· ἐγένετο δὲ
αὐτὸν ἐν ἀρρωστίᾳ κατακεῖσθαι· καὶ ἀκούσαντες
10. οἱ ἀδελφοί, ἦλθον τοῦ ἐπισκέψασθαι αὐτόν· καθε-
ζόμενοι δέ, ἠρώτησαν αὐτὸν λέγοντες· ἄββᾶ Ἰσαάκ·
διὰ τί φεύγεις ὁξέως ἀπὸ συνάξεως; καὶ εἶπεν
αὐτοῖς· ὅτι οὐ δι' ὑμᾶς φεύγω, ἀλλὰ διὰ τὴν τῶν δαιμό-
νων κακοτεχνίαν· καὶ γὰρ ἐὰν
15. κρατῇ τις λαμπάδα πυρὸς καὶ βραδύνη
εἰς τὸν ἄερα, ἱστάμενος σβένανται ἀπ' αὐτοῦ· οὕ-
τως καὶ ἡμεῖς· φωτιζόμενοι ὑπὸ τῆς ἀγίας προσφο-
ρᾶς, ἐὰν βραδύνωμεν ἔξω τοῦ κελλίου, σκοτί-
ζεται ἡμῶν ὁ νοῦς· αὕτη ἡ πολιτεία τοῦ ὁ-
20. σίου Ἰσαάκ. Ὁ ἄββᾶς Ἰσαάκ καὶ ὁ ἄββᾶς Ἀβραάμ ἦσαν ὁ-
μοῦ οἰκοῦντες· καὶ εἰσελθὼν ὁ ἄββᾶς Ἀβραάμ
εἶρε τὸν ἄββᾶν Ἰσαάκ κλαίοντα. καὶ λέγει αὐτῷ·

1. что плачещи. и рече ѿ немощу. како да не пла-
2. чемь. камо имамы ити, тако прѣста-
3. више се ѿци наши. не довлеть оубо на
4. роуководѣніе наше на искупленіе ко-
5. рабленемь, ходити намь къ старцемь.
6. нѣга же ѿсирѣхомь, и сего ради и азъ пла-
7. чю. Глаголю ѿ авва Исаацѣ. тако пепе 191
8. иже ѿ слоужьбнаго кадила, съ хлѣбѣ
9. гадѣше. Разболѣ се велинемь недѣ- 192
10. гомь авва Исаакъ, и прѣбывѣ време мнѣ-
11. го въ немь. и сътвори немощу братъ ма-
12. ло вареніе. и вложи въ нѣ оуслажені-
13. е нѣкое. и не хотѣше старецъ въкоу-
14. сити. и могаше и братъ гл҃не. възми
15. мало авва немощи ради свое. и рече ѿ
16. немощу. въ истиную брате, хоцю да бѣ
17. сътворишь ѿ лѣтъ въ недоузы семь.
18. Придоше иногда сътворити презви- 193
19. тера авва Исаака. и оуслышавъ бѣжа
20. и шѣ на село, скры се посрѣ былиа.
21. гнаше же ѿци по немь. и постигше
22. до села того. съдоше починаюти мало.
23. бѣше бѣ ноць и поустыше ѿсла па-

78 V

1. τί κλαίεις; καὶ εἶπεν αὐτῷ· διὰ τί μὴ κλαῖ-
σωμεν; τοῦ ἔχομεν ἀπελθεῖν, ὅτι ἐκοιμή-
θησαν οἱ πατέρες ἡμῶν; οὐκ ἔρκει γὰρ
τὸ ἐργόχειρον ἡμῶν εἰς τὰ ναῦλα τῶν πλοί-
ων, ἀπερχομένων ἡμῶν παραβαλεῖν τοῖς γέρουσι.
5. νῦν οὖν ἀπωρφάνισθημεν καὶ διὰ τοῦτο κἀγὼ κλαί-
ω. Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Ἰσαὰκ ὅτι τὴν σποδὸν
τοῦ θυμιατοῦ τῆς λειτουργίας, μετὰ τοῦ ἄρτου αὐτοῦ
ἥσθιεν. Ἡσθένησεν μεγάλην ἀσθέ-
10. νειαν ὁ ἀββᾶς Ἰσαάκ· καὶ ἐχρόνι-
σεν ἐν αὐτῇ· καὶ ἐποίησεν αὐτῷ ἀδελφὸς μι-
κρὰν ἀθήραν. καὶ ἔβαλεν μυξάρια εἰς αὐτήν·
καὶ οὐκ ἤθελεν ὁ γέρων γεύσα-
σθαι· καὶ παρεκάλει ὁ ἀδελφὸς λέγων· λάβε
15. μικρὸν ἀββᾶ διὰ τὴν ἀσθενείαν· καὶ λέγει·
φύσει ἀδελφε· ἤθελον ποι-
ῆσαι ἐν τῇ ἀσθενείᾳ ταύτῃ τριάκοντα ἔτη.
Ἦλθόν ποτε ποιῆσαι πρεσβύ-
τερον τὸν ἀββᾶν Ἰσαάκ. καὶ ἀκούσας ἔφυγε·
20. καὶ ἀπῆλθεν εἰς ἀγρὸν καὶ ἐκρύβη ἀναμέσον τῆς ὕλης·
κατεδίωξαν οὖν οἱ πατέρες ὀπίσω αὐτοῦ· καὶ φθάσαντες
εἰς αὐτὸν τὸν ἀγρὸν κατέλυσαν ἀναπαῆναι μικρόν.
ἦν γὰρ νύξ. καὶ τὸν ὄνον ἀπέλυσαν βόσκε-

8. Pa om. αὐτοῦ (meno interessante dal nostro punto di vista il fatto che G lo spostò dopo il verbo).

1. сти се. ѿнѣ же шѣ ста надъ стар'цемъ. за
 2. оутра же ищущаѣ ѿсла, обрѣтоше и а-
 3. вва Исаака и хотѣху ѿ него повръсти.
 4. и не остави глѣе. к томоу не бѣжати и-
 5. мамъ, вѣла оубѣ бѣига ѿ. и идеже
 6. аще бѣжоу, на се приити имамъ .
 7. Рѣ пакы ꙗко ꙗгда юнъ бѣхъ, съдѣхъ съ
 8. авва Крониємъ. и николиже не рече ѿ
 9. сътворити дѣло. нъ самъ востаѣше
 10. и даваше чашѣ воды мнѣ и в'сѣмъ. иже
 11. и старъ бѣше и тресѣше се. и съ авва Фе-
 12. одоромъ ферем'скимъ съдѣхъ, и ни
 13. ть глѣше ми сътворити что. нъ и тра-
 14. пезоу самъ полагаѣше и глѣше. брате,
 15. аще хоцѣши, прииди и ѿѣѣ. азъ же къ
 16. немоу глѣхъ. авва, приидѣ к тебѣ по-
 17. лзевати се, и како не глѣши ми сътво-
 18. рити что. стар'ць же вьсегда мльчаше.
 19. и идѣ и повѣдахъ старцемъ. и пришѣ-
 20. ше къ немоу старци, рѣше немоу. авва,
 21. прииде братъ къ сѣѣни ти ползѣ ради,
 22. и почто не глѣши немоу творити что.
 23. и рѣ имъ стар'ць. еда ꙗсмы ѿб'щимъ

79 R

194

1. σθαι· ὁ δὲ ὄνος ἀπελθὼν ἔστη ἐπάνω τοῦ γέροντος·
καὶ τὸ πρῶτ' ἐζητοῦντες τὸν ὄνον εὗρον καὶ τὸν ἀβ-
βᾶν Ἰσαάκ· καὶ θέλοντες αὐτὸν δῆσαι,
οὐκ ἀφῆκε λέγων· οὐκέτι φεύγω·
5. θέλημα γὰρ θεοῦ ἐστίν, καὶ ὁπουδὰν
φεύγω εἰς αὐτὸ ἔρχομαι.
Εἶπε πάλιν· ὅτι ὅτε ἤμην νεώτερος, ἐκαθήμην μετὰ
τοῦ ἀββᾶ Κρονίου. καὶ οὐδέποτε εἶπέ μοι
ποιῆσαι ἔργον· καίπερ γέρων ὦν καὶ τρέμων·
10. ἀλλὰ δι' ἑαυτοῦ ἡγείρετο καὶ παρείχετο βαυκάλιον
ἐμοὶ καὶ πᾶσιν· καὶ μετὰ τοῦ ἀββᾶ Θε-
οδώρου τῆς Φέρμης ἐκάθισα. καὶ οὐδὲ
αὐτὸς ἔλεγέ μοι ποιῆσαί τί ποτε. ἀλλὰ καὶ τὴν τρά-
πεζαν δι' ἑαυτοῦ ἐτίθει καὶ ἔλεγεν· ἀδελφε
15. ἐὰν θέλῃς δεῦρο φάγε· ἐγὼ δὲ πρὸς
αὐτὸν ἔλεγον· ἀββᾶ· ἦλθον πρὸς σέ ἵνα ὦ-
φελθῶ. καὶ πῶς οὐ λέγεις μοί τί
ποτε ποιῆσαι; ὁ δὲ γέρων πάντα ἐσιώπα·
καὶ ἀπῆλθον καὶ ἀνήγγειλα τοῖς γέρονσιν· καὶ ἐλθόν-
20. τες πρὸς αὐτὸν οἱ γέροντες, εἶπον αὐτῷ· ἀββᾶ·
ἦλθεν ὁ ἀδελφὸς πρὸς τὴν ἀγιωσύνην σου ὠφεληθῆναι.
καὶ διὰ τί οὐ λέγεις αὐτῷ ποιῆσαί τί ποτε;
καὶ λέγει αὐτοῖς ὁ γέρων· μὴ γὰρ κοινοβιάρ-

6. Pa G φύγω

19. Pa ἀπήγγειλα

1. житиѣмъ начелникъ да оучю егѡ.
2. азъ оубѡ, ничтоже не глѡю юмоу. нѣ а-
3. ще хощеть. еже видить твореща ме,
4. да творить и тѣ. ѿтолиже прѣварѣ
5. и творѣхъ еже хощѣше творити ста-
6. р'цѣ. ѡнъ же еже аще творѣше, мльче тво-
7. рѣше · Рѣ авва Исаакъ. ꙗко нико-
8. лиже не вънесѡ помысль въ келию свою,
9. на брата оскръбившаго ме. и азъ потѣ-
10. шихъ се не оставити брата вънести въ ке-
11. лию свою на ме помысль ·
12. Глѡхоу ѡ авва Исаацѣ. ꙗко хотешоу ю-
13. моу прѣставити се, събраше се къ немѡ
14. старци, и глѡхоу юмоу. что сътворимъ
15. по тебѣ ѡче. ѡнъ же рече. видѣсте ка-
16. ко ходихъ прѣ вами. аще хощете и вы
17. послѣдовати и съхранити заповѣди
18. бжїиѣ. послати иматъ бл҃гѣ и съхра-
19. нить мѣсто се. аще ли же не съхрани-
20. те, не прѣбоудете въ мѣстѣ семь и
21. мы оубѡ егда хотѣхоу прѣставити
22. се ѡцїи наши, скръбѣхомъ. нѣ запо-
23. вѣди бжїиѣ и тѣхъ пороучениа съблю-

79 V

195

196

1. χης εἰμι ἵνα διατάξωμαι αὐτῷ;
ἐγὼ τέως οὐδὲν λέγω αὐτῷ· ἀλλ' ἐ-
ὰν θέλῃ ὃ βλέπει ποιούντά με
ποιήσῃ καὶ αὐτός· ἀπὸ τότε οἶν προελάμβανον
5. καὶ ἐποιοῦν εἴ τι ἔμελλεν ὁ γέρων ποι-
εῖν· αὐτὸς δὲ εἴ τι ἐποιεῖ σιωπῶν ἐ-
ποιεῖ· Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Ἰσαάκ ὅτι οὐδέπο-
τε εἰσήμεγκα λογισμὸν εἰς τὸ κελλίον μοι
κατὰ ἀδελφοῦ θλίψαντός με· κἀγὼ ἐσπού-
10. δασα μὴ ἀφιέναι ἀδελφὸν εἰσενεγκεῖν εἰς τὸ κελ-
λίον (μου) αὐτοῦ κατ' ἐμοῦ λογισμόν.
Ἔλεγον περὶ τοῦ ἄββᾶ Ἰσαάκ, ὅτι μέλλοντος αὐ-
τοῦ τελευτᾶν, συνήλθον πρὸς αὐτὸν
οἱ γέροντες καὶ ἔλεγον· τί ποιήσομεν
15. μετὰ σὲ πάτερ; ὃ δὲ εἶπεν· εἶδετε πῶς
ἐπορεύθην ἐνώπιον ὑμῶν; ἐὰν θέλητε ὑμεῖς
ἀκολουθῆσαι καὶ φυλάξαι τὰς ἐντολὰς
τοῦ θεοῦ, πέμπει τὴν χάριν αὐτοῦ, καὶ φυλάσ-
σει τὸν τόπον τοῦτον· ἐὰν δὲ μὴ φυλά-
20. ξητε, οὐ μὴ· μείνητε ἐν τῷ τόπῳ τούτῳ· καὶ
ἡμεῖς γὰρ ὅτε ἔμελλον ἀποθανεῖν
οἱ πατέρες ἡμῶν, ἐλυπούμεθα· ἀλλὰ τὰς ἐντο-
λὰς τοῦ κυρίου καὶ αὐτῶν τὰς παραγγελίας τηροῦν-

4. Lo slavo presupporrebbe il cong. aor. esortativo ποιήσῃ, ma M Pa G hanno ποιήσῃ; comunque si è già accennato alla normalità degli scambi tra forme simili in epoca itacistica.

7. Alla fine dell'apostegma corrispondente a 194 M Pa aggiungono: καὶ ἐδίδαξέ με ποιεῖν μετὰ σιωπῆς πάντα. G invece: καὶ τοῦτό με ἐδίδαξε, τὸ ποιεῖν σιω-
πάντα.

20. La lezione giusta in Pa G. Quella di M οὐ μήνητε nasce evidentemente, per aplografia in situazione itacistica, da οὐ μὴ μήνητε = οὐ μὴ μείνητε.

- | | | |
|-----|--|------|
| 1. | дающе прѣбыхомъ, такоже ѿнѣмъ с' на- | 80 R |
| 2. | ми соущимъ тако и вы сътворите, и | |
| 3. | спсете се · О авва Іосифъ · | |
| 4. | Братъ въпроси авва Іосифа гл҃іе. аще бѣ- | 197 |
| 5. | дѣть гонѣніе, добро ли ѿѣ бѣжати въ пѣ- | |
| 6. | стыню, или въ миръ. и рѣ ѿмоу. идеже | |
| 7. | слышиши православнѣхъ, тамо иди бли- | |
| 8. | зѣ ихъ. и не имѣи любовь съ дѣтетемъ | |
| 9. | ни мало. ниже облежи с нимъ. и аще | |
| 10. | можеша съдѣти въ келіи своѣи, се до- | |
| 11. | бро. твори зелие свое, нежели паче ити | |
| 12. | нѣкому и просити · | |
| 13. | Пакы гл҃а ѿмоу братъ. хоуоу състи съ нѣ- | 198 |
| 14. | кимъ ѿбѣжително, и безмалъство- | |
| 15. | вати въ келіи своѣи. и тѣ дае' ми роуѣ- | |
| 16. | дѣліе мое, и печалует' се ѿ мнѣ. и гл҃а | |
| 17. | ѿмоу стар'ць. ѿци наши, не всхотѣ- | |
| 18. | ше дѣло се. аще ли, не даеши комоу хлѣ- | |
| 19. | бъ понѣже не ѿставляетъ Сатана · | |
| 20. | Братъ въпроси авва Іосифа гл҃іе. хоуѣ | 199 |
| 21. | изыти из' монастыра и състи на единѣ | |
| 22. | и гл҃а ѿмоу стар'ць. идеже видиши дш҃ѣ | |
| 23. | свою почиваюу и невѣждаемоу, та- | |

1. τες, ἐσθήκαμεν ὡς αὐτῶν μεθ' ἡ-
μῶν ὄντων· οὕτως καὶ ὑμεῖς ποιήσατε καὶ
σώζεσθε.
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ἰωσήφ λέγων· ἔὰν γένη-
ται διωγμός· καλὸν φυγεῖν εἰς τὴν ἔρη-
μον, ἢ εἰς τὴν οἰκουμένην; καὶ εἶπεν αὐτῷ· ὅπου
ἀκούεις ὀρθοδόξους, ἐκεῖ ὑπάγε ἔγγι-
στα αὐτῶν· καὶ μὴ ἔχε φιλίαν μετὰ παιδίου
τὸ σύνολον, μήτε μείνης μετ' αὐτοῦ· καὶ ἔὰν
10. δυνηθῇς καθίσαι εἰς τὸ κελλίον αὐτοῦ, τοῦτο κα-
λόν· καὶ φιλοκάλει τὸ λάχανόν σου, παρὰ τὸ ὑπάγειν σε
πρὸς τινα αἰτεῖσθαι.
Πάλιν λέγει αὐτῷ ὁ ἀδελφός· θέλω καθίσαι μετὰ τι-
νος κοινόβιον, ἵνα ἡσυχά-
15. ζω εἰς τὸ κελλίον μου· καὶ παρέχει μοι τὸ ἐργό-
χειρόν μου. καὶ αὐτὸς φροντίζει μοι· καὶ λέγει
ὁ γέρων· οἱ πατέρες ἡμῶν οὐκ ἠθέλη-
σαν τὸ πρᾶγμα τοῦτο· εἰ δὲ μή γε, οὐ παρέχεις τινὶ ἄρ-
τον, ὅτι οὐκ ἀφίει ὁ σατανᾶς.
20. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ἰωσήφ λέγων· ὅτι θέλω
ἐξελθεῖν ἐκ τοῦ κοινοβίου. καὶ καθίσαι καταμόνας·
καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ὅπου βλέπεις τὴν ψυχὴν
σου ἀναπαυομένην καὶ μὴ βλαπτομένην, ἄγωμεν

23. Pa G omettono ἄγωμεν καὶ (v. anche riga 1 pag. seg.). Inoltre G ha κάθισον.

1. мо съди. гл̃а ѿмоу братъ. и въ кинови
2. почиваю и на єдинѣ гл̃а ѿмоу стар'ць.
3. положи помысль свой ѿко на мѣрилѣ
4. и идеже видиши вещь пол'зеваше се
5. и смѣраеши се, тамо съди ·
6. Рѣ авва Кронїе. ꙗко повѣда намъ авва Иси- 200
7. доръ пѣлоусийѡскы ꙗко съдещоу ми въ Сина-
8. и бѣше тамо братъ добръ и постникъ.
9. к томоу же и тѣломъ краснь. прихо-
10. дѣше же въ цр̃квѣ носе много крѣпена
11. и малоу мандию ветхоу. и зре єго та-
12. ко на съборъ приходѣша, рѣхъ ѿмоу.
13. брате, не видиши ли братїю како соу̇
14. ꙗко аг̃ли въ цр̃кви, како ты в'сегда
15. тако приходиши здѣ. ѡн' же гл̃а. про-
16. сти ме авва, ꙗко не имамъ дроуго.
17. и поємъ єго въ келию свою, дахъ ѿ-
18. моу ѡдежоу и ино еже трѣбоваше.
19. и к томоу носѣше ꙗкоже и прочаа бра-
20. тїа. и бѣше єго видѣти ꙗко аг̃ла
21. бѣ же потрѣба ѡцѣмъ послати десѣ̇
22. братїи къ цр̃оу нѣкыѣ ради потрѣбы
23. и положише и того въ число съ хотещи-

1. καὶ κάθου· λέγει αὐτῷ ὁ ἀδελφός· καὶ εἰς κοινόβιον ἀναπαύομαι καὶ καταμόνας· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· στήσον τοὺς δύο σου λογισμοὺς ὡς ἐν ζυγῷ· καὶ ὅπου βλέπεις ὅτι πλεῖον ὠφελεῖσαι
5. καὶ ταπεινοῦσαι, ἐκεῖ κάθισον.
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Κρόνιος· ὅτι διηγήσατο ἡμῖν ὁ ἀββᾶς Ἰωσήφ ὁ τοῦ Πηλουσίου· ὅτι καθημένου μου εἰς τὸ Σινᾶ, ἦν ἐκεῖ ἀδελφός καὶ ἀσκητής, ἀλλὰ καὶ κατὰ τὸ σῶμα εἰκιδής· ἦρ-
10. χετο δὲ εἰς τὴν σύναξιν φορῶν πολύραφα.
καὶ μικρὸν μαφόριον παλαιόν· καὶ θεωρῶν αὐτὸν οὕτως εἰς τὴν σύναξιν ἐρχόμενον, λέγω αὐτῷ· ἀδελφέ, οὐ βλέπεις τοὺς ἀδελφοὺς πῶς εἰσιν ὡς ἄγγελοι εἰς τὴν ἐκκλησίαν; πῶς σὺ πάντοτε
15. οὕτως ἔρχῃ ὧδε; ὁ δὲ ἔφη· συγχώρησόν μοι ἀββᾶ ὅτι οἶκ ἔχω ἄλλο· καὶ λαβὼν αὐτὸν ἐν τῷ κελλίῳ μου, δέδωκα αὐτῷ λεβιτῶνα, καὶ ἄλλο εἶ τι ἔχρηζεν· καὶ ἐφόρει λοιπὸν ὡς καὶ οἱ λοιποὶ ἀδελ-
20. φοί· καὶ ἦν ἰδεῖν αὐτὸν ὡς ἄγγελον·
ἐγένετο δὲ ποτε χρεια τοῖς πατράσιν, ἀποστεῖλαι δέκα ἀδελφοὺς πρὸς τὸν βασιλέα διὰ τινα χρείαν· καὶ ἐψήφισαν καὶ αὐτὸν μετὰ τῶν ὑπαγόν-

6. Si noti: nel testo slavo Cronio riferisce un racconto di Isidoro di Pelusio, cui il brano è intestato; nel testo greco l'attribuzione è a Cronio che riferisce un racconto non di Isidoro ma di Giuseppe di Pelusio (che negli Apophthegmata non è intestatario di brani in proprio).

1. ми ити. и ꙗкоже слыша, сътвори мета-
2. ние ѿцемъ гл҃іе. гд҃а ради, простите ме.
3. ꙗко рабъ іесмы нѣнии ѿтоудоу. и аще по-
4. знаетъ ме, снети имать ѡбразъ ѿ мене
5. и сътворитъ ме пакы рабѡтати немочу.
6. вѣровавше же ѿци, оставише его. и по-
7. томъ оувѣдѣше ѿ нѣкого ѡпасно вѣдѣ-
8. цаго и. ꙗко егда въ мирѣ бѣше, и пар'хъ
9. саноу бѣлъ іѣ. и даже не познавъ боудѣ
10. и мльвоу ѿ чл҃къ ѡбрещеть, се рече о себѣ
11. толико тыщаниіе имѣхоу ѿци бѣгати
12. ѿ славы и покоя мира сего ·
13. Гл҃аше авва Пиминъ. ꙗко хвалимоу, по-
14. баеъ съмышляти грѣхъ своихъ. и ра-
15. зоумѣвати, ꙗко нѣ достоинъ ꙗже ѡ не-
16. мь гл҃ють · О Евлаѡгїи презвитеръ ·
17. Евлогіе нѣкто, оученикъ бывъ бл҃женна-
18. го Іоанна. презвитеръ и постникъ
19. великъ, посте се по два днѣ. многаци
20. же и в'соу нѣлю пощаше, хлѣбъ тычию и-
21. зѣдае и сѡль. и прославляхоу его ѿци.
22. иде же къ авва Іосифѣ въ Панефѡнъ. мне
23. ꙗко нѣкое жесточаіше житіе видѣти

81R

201

202

8. НВ іепар'хъ

1. των· ὡς δὲ ἤκουσεν, ἔβαλε μετὰ
νοίαν τοῖς πατράσι λέγων· διὰ τὸν κύριον συγχωρήσατέ μοι
ὅτι δοῦλός εἰμι τινος τῶν ἐκεῖ. καὶ ἐὰν γνω-
ρίση με ἀποσχηματίζει με,
5. καὶ ποιεῖ με πάλιν δουλεύειν αὐτῷ·
μετὰ οὖν τὸ πεισθῆναι τοὺς πατέρας καὶ ἀφεῖναι αὐτόν,
ἔμαθον ὑστερον παρά τινος ἀκριβῶς ἐπιστα-
μένου αὐτόν, ὅτι ὅτε ἦν ἐν τῷ κόσμῳ ἑπαρχος
πραιτωρίων ἦν· καὶ ἵνα μὴ γνωσθῇ
10. καὶ ὄχλησιν εὖρη ἐκ τῶν ἀνθρώπων τοῦτο προεφασίσσατο·
τοσαύτη ἦν ἡ σπουδὴ τοῖς πατράσιν φεύγειν
τὴν δόξαν καὶ τὴν ἀνάπαυσιν τοῦ κόσμου τούτου.
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ἰάκωβος· ὅτι ἐπαινούμενον
δεῖ λογίζεσθαι τὰς ἀμαρτίας αὐτοῦ, καὶ ἐν-
15. νοεῖν ὅτι οὐκ ἔστιν ἄξιος τῶν λεγο-
μένων. Περὶ Εὐλογίου πρεσβυτέρου
Εὐλόγιός τις μαθητὴς γενόμενος τοῦ μακαρί-
ου Ἰωάννου πρεσβύτερος καὶ ἀσκητὴς
μέγας, νηστεύων δύο δύο, πολλάκις
20. δὲ καὶ τὴν ἐβδομάδα ἔλκων, ἄρτον μόνον
ἐσθίων καὶ ἅλας, ἐδοξάζετο ὑπὸ τῶν πατέρων.
παρέβαλε δὲ τῷ ἀββᾶ Ἰωσήφ εἰς Πανεφῶ προσδοκῶν
τινα πλεον σκληραγωγίαν ἰδεῖν

8. Il testo slavo naturalmente presuppone ὑπαρχος, non ἑπαρχος: l'uno e l'altro sono usati nel senso di prefetto. Cf. ODB, I: 705, s.v. eparch: ἑπαρχος τῆς πόλεως 'successor of the late urban prefect, the governor of Constantinople'; sotto hyparch (ODB, II: 962) si trova un semplice rimando alla voce precedente.

19. Pa νηστεύων δι' ἡμερῶν δύο δύο

23. La lezione di G προσδοκῶν τι πλεον è forse preferibile sintatticamente, pur suscitando anch'essa qualche dubbio. Ci attenderemmo τινα πλεῖω (πλείονα).

1. ѿ него. и приємъ его стар'ць съ радостию
2. и еже имѣше, сътвори оутѣшениѣ бы-
3. ти. и рѣше оученици Евлаѣиѣви не
4. гасъ ничтоже презвитерь, кромѣ хлѣ-
5. ба и соли. авва же Іосифъ, мльче гадѣ-
6. ше и сътвор'ше дѣни ѿ, не слышашѣ
7. ихъ поющіи или молещихъ се. таино
8. оубѣ бѣше дѣло ѿ и изыдоше ѿтоудѣ
9. не пол'зеваше се по оустроени же бѣжи-
10. имъ, бѣ мѣла и заблѣудивше ѿ пѣти
11. приидоше пакы къ старцоу. и прѣже и-
12. мѣ тѣкноути, слышашоу ихъ поющіи.
13. и къснѣвше много, послѣди тѣкноу-
14. ше, и прие ихъ радостию. и знога ради
15. възеше оученици авва Евлаѣиѣа чашѣ,
16. и даше ѣмоу водоу испити. бѣше же ра-
17. змѣшена рѣчнаа вода съ мор'скою. та-
18. ко оубѣ пиашоу иже съ авва Іосифомъ
19. в'сегда онъ же не може испити водоу.
20. и глѣ старцоу. что ѣ се авва. рѣ же ѣмѣ
21. старць. братъ иже слоужить, оуроди-
22. въ ѣ. и заб'вениемъ смѣсиль ѣ съ сла-
23. ною водою. Евлаѣиѣе же паде на ноги

1. παρ' αὐτῷ. καὶ δεξάμενος αὐτὸν) ὁ γέρων μετὰ χαρᾶς,
εἴ τι δ' ἂν εἶχεν ἐποίησεν παράκλησιν γε-
νέσθαι· καὶ λέγουσιν οἱ μαθηταὶ Εὐλογίου· οὐκ
ἐσθίει ὁ πρεσβύτερος πλὴν ἄρ-
5. του καὶ ἄλατος· ὁ δὲ ἄββᾶς Ἰωσήφ σιωπῶν ἤσ-
θιεν· καὶ ποιήσαντες ἡμέρας τρεῖς, οὐκ ἤκουσαν
αὐτῶν ψαλλόντων ἢ εὐχομένων, κρυπτῇ
γὰρ ἦν ἡ ἐργασία αὐτῶν· καὶ ἐξῆλθον
μὴ ὠφεληθέντες· κατ' οἰκονομίαν δὲ θε-
10. οὔ, γίνεται γνόφος· καὶ πλανηθέντες τὴν ὁδόν,
ὑπέστρεψαν πρὸς τὸν γέροντα· καὶ πρὶν αὐ-
τοὺς κροῦσαι, ἤκουσαν αὐτῶν ψαλλόντων,
καὶ μείναντες ἐπὶ πολὺ, ὕστερον ἔκρου-
σαν, καὶ ἐδέξατο αὐτοὺς μετὰ χαρᾶς· καὶ διὰ τὸν καύσωνα,
15. ἔλαβον οἱ μετὰ Εὐλογίου τὸ βαυκάλιον
καὶ ἔδωκαν αὐτῷ πιεῖν, ἦν δὲ μεμιγ-
μένον τοῦ ποταμοῦ τὸ ὕδωρ μετὰ τὸ θαλάσσιον· οὐ-
τως γὰρ ἔπινον αὐτὸ οἱ περὶ τὸν ἄββᾶν Ἰωσήφ
πάντοτε· ὁ δὲ οὐκ ἠδυνήθη αὐτὸ πιεῖν·
20. λέγει τῷ γέροντι· τί ἐστὶ τοῦτο ἄββᾶ; λέγει αὐτῷ
ὁ γέρων· ὁ ἀδελφὸς ὁ διακονῶν σα-
λὸς ἐστίν, καὶ κατὰ λήθην ἐσέμειξεν αὐτὸ μετὰ τοῦ ἁλ-
μυροῦ· ὁ δὲ Εὐλόγιος ἔπεσεν εἰς τοὺς πόδας

1. Emendiamo secondo G, del resto più vicino al testo greco. Comunque αὐτοὺς di M Pa potrebbe giustificarsi alla luce di 3ss., con la menzione dei μαθηταὶ (e cf. 14).

5. Pa G ἔτρωγε

15. Pa οἱ μετὰ τοῦ ἄββᾶ Εὐλογίου

20. Lo slavo ha un testo più conciso rispetto al greco: M Pa ἐν
ἑαυτῷ δὲ γενόμενος, λέγει (G aggiunge καὶ prima di ἐν).

1. старца гл҃е. бѣ ради ѡч҃е, рѣци ми что ѿ
2. дѣло ваше. понеже ꙗгда бѣхъ ^ѡъ, не поа-
3. сте и ꙗкоже изыдохомъ мы, ѡбрѣто-
4. хомъ вѣ^ѡ поющихъ. и вода оубѡ тогда сла-
5. д'ка бѣше, ꙗна же ѡбрѣтохъ славою. гл҃а
6. емѹ старць чедо, ѡна мала чаша ви-
7. на и сладкаѧ вода, любве ради бѣ^ѡ сию
8. же водоу пиятъ братиѧ всегда. тако
9. оубѡ побѣдетъ инокоу быти. въ тайнѣ
10. дѣло свое имѣти и ничтоже на ѡбывале-
11. ние творити до мала. и наоучи ꙗго раз'
12. соужению помысломъ и ѡсѣче ѡ него
13. в'са чл҃вчскаѧ и рѣ старцоу. въ истиноу
14. оубѡ, по бѣ^ѡ ѿ дѣло ваше. и пол'зевѧ се
15. зѣло, наоучи се и тѣ причестникъ бы-
16. ти пици, и въ тайнѣ имѣти дѣло свое .
17. Идохомъ иногда, аз' же и филѡсофъ Софро-
18. ние, къ авва ѿсифоу въ деветиѧ.
19. стар'ць же любезно съ в'сѣмъ оусрьдием'
20. бесѣдовааше намъ. бѣше оубѡ стар'ць
21. в'сакою добродѣтелию оукрашенъ. и
22. мые искоушение, и внѣшнему оуче-
23. нию. нам' же сѣдѣщимъ и бесѣдоующимъ^ѡ

82R

203

1. τοῦ γέροντος λέγων· διὰ τὸν θεὸν πάτερ εἰπέ μοι τίς ἐστὶν
ἡ ἐργασία ὑμῶν· <ὅτι> ὅτε ἤμην ὦδε οὐκ ἐψάλ-
λετε· καὶ μετὰ τὸ ἐξελθεῖν ἡμᾶς, εὔρο-
μεν ὑμᾶς ψάλλοντας· καὶ τὸ ὕδωρ τότε μὲν γλυ-
5. κὺ ἦν, νῦν δὲ εἶρον αὐτὸ ἀλμυρόν· λέγει
αὐτῷ ὁ γέρων· τέκνον, ἐκεῖνο τὸ μικρὸν ποτήριον τοῦ οἴ-
νου καὶ τὸ γλυκὺ ὕδωρ τῆς ἀγάπης ἦν, τοῦτο
δὲ τὸ ὕδωρ πίνουσιν οἱ ἀδελφοὶ διὰ παντός· οὕτως
γὰρ ὀφείλει εἶναι ὁ μοναχός, ἐν κρυπτῷ
10. τὴν ἐργασίαν αὐτοῦ ἔχειν καὶ μὴ πρὸς ἐπίδει-
ξιν τι ὅλως ποιεῖν· καὶ ἐδίδαξεν αὐτὸν τὴν διά-
κρισιν τῶν λογισμῶν, καὶ ἔκοψεν ἀπ' αὐτοῦ
πάντα τὰ ἀνθρώπινα· καὶ εἶπεν τῷ γέροντι· ὄντως
ἐν ἀληθείᾳ κατὰ τὸν θεὸν ἐστὶν ἡ ἐργασία ὑμῶν· καὶ ὠφεληθεὶς
15. πάννυ, ἔμαθεν καὶ αὐτὸς κοινωνι-
κὸς εἶναι, καὶ ἐν κρυπτῷ ἔχειν τὴν ἐργασίαν.
Παρεβάλομεν ἐγὼ καὶ ὁ σοφιστὴς Σωφρό-
νιος τῷ ἀββᾷ Ἰωσήφ εἰς τὸ ἕνατον·
ὁ δὲ γέρων ἀσμένως μετὰ πάσης προθυμίας
20. ὠμίλει ἡμῖν· ἦν δὲ ὁ γέρων,
πάσῃ ἀρετῇ κεκοσμημένος· ἔ-
χων πείραν καὶ τῆς ἑξῶ παι-
δείας· ἡμῶν δὲ καθεζομένων καὶ ὁμιλούντων

1. Il testo slavo presuppone τί.

2. Emendiamo secondo Pa ὅτι ὅτε (grafia erronea ὦτε).

1ss. G ha un testo con parecchie differenze.

1. о дѣшепользѣхъ вещьехъ и се хрѣтолюбъ-
2. цъ нѣкто пришѣ ѿ Аилы, даѣше старцѣ
3. златици ꙗ глѣ. прими си ѿчѣ, и съ-
4. твори мѣтвѣ ѿ корабли моемъ. ꙗко
5. наложихъ и и поустихъ въ Еѣиѣпию.
6. стар'цъ же, ни до мала възрѣ на нь. глѣ ꙗ-
7. моу авва Софроніе. прими ꙗ ѿчѣ,
8. и даѣѣ братѣ трѣбѣющѣ. и рѣ стар'цъ
9. соуѣѣѣ постыѣение ꙗ чѣдо, ꙗко да въ-
10. змоу еже не трѣбѣѣ. и своимъ роука-
11. ма жнѣ, тоуѣѣе трѣнне. писано бѣ ꙗ.
12. ꙗко аѣе съѣши, ѿ своихъ съи. тоуѣѣѣ
- 12bis. (бо ꙗче ꙗѣвѣла гор'ѣѣѣ ꙗѣѣ ꙗче)
13. же чѣдо, ꙗѣѣ ꙗ дѣѣи мѣѣѣ и рѣ ꙗ-
14. моу. что ѣѣѣ елика творитъ члѣкъ, нѣѣ
15. ли мѣѣѣѣ глѣ ꙗѣѣ стар'цъ. чѣдо, мѣѣ-
16. ѣ ꙗѣѣ ѣѣѣѣѣ и ꙗ ѣѣѣѣѣ мило-
17. стѣѣѣ ꙗѣѣѣѣ ꙗѣѣ ѣѣѣ нѣѣѣ ми-
18. лостѣѣѣ творѣ да бѣѣѣ се домъ ꙗѣѣ.
19. и бѣѣ бѣѣѣѣѣ домъ ꙗѣѣ. и иѣѣ творитъ
20. мѣѣѣѣ да спѣѣѣ се корабѣ ѣѣѣ, и бѣѣ
21. спѣѣѣѣ ꙗѣѣ. дрѣѣѣѣ творитъ ми-
22. лостѣѣѣ за чѣѣѣ ѣѣѣ, и бѣѣ ѣѣѣѣ чѣ-
23. да ꙗѣѣ. дрѣѣѣѣ творитъ да ꙗѣѣѣѣѣ-

12bis. НВ тѣѣѣѣ бо, ꙗче ꙗѣвѣла, гор'ѣѣѣѣ сѣѣѣ ꙗче же чѣѣѣѣ, etc.

1. περὶ ψυχοφελῶν πραγμάτων. ἰδοὺ φιλόχριστός
 τις ἐλθὼν ἀπὸ Αἰλᾶ δίδωσι τῷ γέροντι
 νομίσματα τρία λέγων· δέξαι ταῦτα πάτερ ὅπως
 εὕξῃ ὑπὲρ τοῦ πλοίου μου· ὅτι
5. ἐνεθηκίασα καὶ ἀπέλυσα αὐτὸ εἰς Αἰθιοπίαν·
 ὁ δὲ γέρων, οὐδὲ ὅλως προσέσχεν αὐτῷ· λέγει αὐ-
 τῷ ὁ Ἀββᾶς Σωφρόνιος· δέξαι αὐτὰ πάτερ.
 καὶ δὸς ἀδελφῷ χρήζοντι· καὶ λέγει ὁ γέρων·
 διπλῇ αἰσχύνη ἐστὶ τέκνον ἵνα λά-
10. βω ἅπερ οὐ χρήζω. καὶ ταῖς ἰδίαις χερ-
 σὶ θερίσω ἀλλοτρίας ἀκάνθας· γέγραπται γάρ.
 ἐὰν σπείρῃς τὰ σὰ σπείρον· τὰ γὰρ ἀλλότρια
 12βζζανίων πικρότερα· καὶ μάλιστα
 τέκνον, ὅτι οὐκέτι περὶ ψυχῆς ἢ αἵτησις· καὶ λέγει αὐ-
 τῷ· τί οὖν ὅσα ποιεῖ ἄνθρωπος
15. ἐλεημοσύνην; καὶ λέγει ὁ γέρων· τέκνον· πολ-
 λαί εἰσι διαφοραὶ καὶ ἐπὶ τοὺς σκοποὺς τῆς ἐλεη-
 μοσύνης· ἔστι γάρ τις ποιῶν
 ἐλεημοσύνην, διὰ τὸ εὐλογηθῆναι τὸν οἶκον αὐτοῦ·
 καὶ ὁ θεὸς εὐλογεῖ τὸν οἶκον αὐτοῦ· ἄλλος ποιεῖ
20. ἐλεημοσύνην, διὰ τὸ πλοῖον αὐτοῦ, καὶ ὁ θεὸς
 ἐλεεῖ τὸ πλοῖον αὐτοῦ· ἄλλος ποιεῖ ἐλεη-
 μοσύνην διὰ τὰ τέκνα αὐτοῦ, καὶ ὁ θεὸς φυλάττει τὰ τέκ-
 να αὐτοῦ· ἄλλος ποιεῖ διὰ τὸ δοξασθῆ-

14-15. Ρα ὅσα ποιεῖ ἄνθρωπος, ἐλεημοσύνη ἐστὶ

1. т' се, и бѣ прославляетъ его. и не прѣ-
2. зираетъ бѣ никогоже. нѣ еже хощетъ кѣ,
3. даетъ юмоу, егда нѣ вѣдѣ дѣши югѡ.
4. обаче си в'си, погоубляютъ мѣзоу свою,
5. зане бѣ ради не сътворише. понеже и ра-
6. зоумѣ ѡ мѣтѣни, не бѣ дѣвныи ради
7. ползы аще оубѡ по изволени сѣца в'са-
8. комоу бѣ мѣзоу въздаде, что еще дльжѣ-
9. нѣ ти ѿ. сътвори оубѡ за дѣоу свою, и спа-
10. сена боудетъ дѣа твоя пишетъ бѡ се
11. дастъ ти гѣ по сѣцоу твоемоу. соутъ бѡ
12. мнози богати. и мнеть творити ми-
13. лостыню, и гнѣваютъ бѣ и рѣхомѣ ю-
14. моу. р'ци гавѣ намѣ слово се ѡчѣ ѡн' же
15. глѣ понеже бѣ повелѣлъ ѿ начетки пло-
16. дѣ, пшенице и ячмена и в'сакого плода
17. вина же и масла. и ѡ члѣкъ прѣворѣнаго.
18. и ѡ скоть чистыихъ. тако не быти въ нѣ
19. порока си рѣ не быти оухомѣ ѡбрѣза-
20. нно, или коусо. и ѡ плодѣ в'сѣхъ приноси-
21. ти бѡу, ѡ оставлени грѣхѡ. богати же,
22. соупротивное твореть. добраго ѡбѡ, са-
23. ми погаждаютъ непотрѣбнаго же, нишиѣ

1. ναι, καὶ ὁ θεὸς δοξάζει αὐτόν· καὶ οἶκ ἄθε-
τεῖ ὁ θεὸς τινα, ἀλλ' ὃ θέλει ἕκαστος,
παρέχει αὐτῷ· ὅταν μὴ βλάπτηται ἐκ τούτου ἡ ψυχὴ αὐτοῦ·
ἀλλ' οὔτοι πάντες, ἀπέχουσι τὸν μισθὸν αὐτῶν·
5. οὐδὲν ἐποίησαν διὰ τὸν θεόν· ἐπειδὴ καὶ ὁ σκο-
πὸς τῆς ἐλεημοσύνης, οἶκ ἦν διὰ τὴν τῆς ψυχῆς
ὠφέλειαν. εἰ γὰρ κατὰ τὸν σκοπὸν ἐκά-
στου ἀπέδωκεν ὁ θεὸς τὴν αἵτησιν ἡγουν τὸν μισθόν, τί ἔτι
σοι χρεωστεῖ; ποιήσον γοῦν διὰ τὴν ψυχὴν σου, καὶ σῶ-
10. ζεται ἡ ψυχὴ σου· γέγραπται γάρ.
δοῖ σοι κύριος κατὰ τὴν καρδίαν σου· εἰσὶ γὰρ
πολλοὶ πλούσιοι. καὶ δοκοῦντες ποιεῖν ἐλε-
ημοσύνην, παροργίζουσι τὸν θεόν. καὶ λέγομεν αὐ-
τῷ· σαφήνισον ἡμῖν τὸν λόγον πάτερ· ὁ δέ
15. φησι· ἐπειδὴ ὁ μὲν θεὸς προσέταξε τὰς ἀπαρχὰς τῶν γεν-
νημάτων σίτου καὶ κριθῆς καὶ χεδροπῶν,
οἴνου τε καὶ ἐλαίου. καὶ ἀπὸ ἀνθρώπων τὰ πρωτότοκα·
καὶ ἀπὸ τῶν κτηνῶν τῶν καθαρῶν. ὥστε μὴ ἔχειν αὐτὰ
μῶμον· τοῦτ' ἐστὶ· μὴ εἶναι ὠτότμη-
20. τον ἢ κολοβόκερκον· καὶ ἀπὸ τῶν καρπῶν πάντων, τὰ
ἐπαινετώτερα προσφέ-
ρειν τῷ θεῷ, ὑπὲρ ἀφέσεως ἁμαρτιῶν· οἱ δὲ πλούσιοι,
τὸ ἐναντίον ποιοῦσι· τὰ μὲν χρήσιμα
κατεσθίουσι, τὰ δὲ ἄχρηστα τοῖς πτωχοῖς

9. Pa ποιήσον οὖν

11. La grafia nel ms. è δώη. Pur se la forma greca corrisponde a sl. Даетъ, sembra da interpretare come cong. o ott.: cf. Mayser, I: 393 "Konj. δῶ(ι) δοῖ Opt. δοῖ δόη".

20-21. Pa προσφέρειν τὰ ἐπαινετώτερα

1. дають. доброе вино сами пють, оцѣ-
2. ное же нищимъ и вдовицамъ дають. ри-
3. зы многокрыплены и вет'хы нищиимъ
4. дають. добрыне же, себѣ съхранѣють
5. овощина и в'сакого плода видѣние, гни-
6. лое нищиимъ раздавають, Кайноу пѣбе-
7. ще се. и неприетна бѣу бывають. прино-
8. симаа. и аще кто ѿ богатыхъ имат'
9. сны и дщере бл҃гообразны и красны,
10. о браковѣхъ и прикии печет' се. и юно-
11. ше красны и богаты окомъ с'матрает'.
12. аще ли же иматъ снѣ или дщерь единѣ-
13. мь окомъ, или нѣкимъ оудомъ лиха.
14. или соуха тѣломъ. аще ѿ мочужско,
15. въ монастырь ѿводитъ. аще ли жен'-
16. ско, въ дѣвичьскы монастырь и то ѿ-
17. поустити готоваетъ. пѣбаше оубѣ
18. симъ вѣдѣти и мыслити бѣдро. како
19. чл҃вкомъ смрътнымъ и тлѣннымъ
20. оугаждати и почитати хотеть. прьвага
21. и изреднага имъ даемъ. и она прина-
22. шати тѣшим' се, ꙗже паче в'сѣхъ чьстнѣи-
23. ша тѣмъ быти мнет' се. бѣу же, како

1. διδῶσι· τὸν μὲν καλὸν οἶνον, πίνωσι· τὸν δὲ ὀξί-
ζοντα. χήρ(αις) καὶ ὀρφαν(οῖς) παρέχουσιν· ἱμά-
τια πολύραφα καὶ ῥακίκῳδῃ τοῖς πένησι
διδῶσι· τὰ δὲ χρήσιμα, ἑαυτοῖς ταμιεύουσιν·
5. ὀπώραν καὶ πᾶν εἶδος καρπῶν. τὸ σεση-
πὸς τοῖς πτωχοῖς ῥογεύουσι, τὸν Κάιν μιμού-
μενοι. καὶ ἀπρόσδεκτα γίνονται τὰ ὑπ' αὐτῶν θεῷ προσφε-
ρόμενα. καὶ ἐάν τις τῶν πλουσίων ἔχῃ
υἱοὺς καὶ θυγατέρας εὐμόρφους καὶ ὠραιότητας,
10. περὶ προικας καὶ γάμους καὶ νεωτέρους
εὐηδεῖς καὶ πλουσίους τὸν ὀφθαλμὸν σκοπεύει περιάγων·
εἰ δὲ κέκτηται υἱὸν ἢ θυγατέρα μο-
νόφθαλμον ἢ λειψόμηλον·
ἢ ἰσχνόσωμον· εἰ μὲν ἄρρεν,
15. εἰς μοναστήριον εὐτρεπίζει· εἰ δὲ θή-
λυ, εἰς παρθενῶνα αὐτὴν ἐ-
τοιμάζει· ἐχρῆν τοῖς
τοιούτους εἰδέναι καὶ διαλογίζεσθαι νηφόντως· ὅτι
ἀνθρώπους θνητοὺς καὶ φθαρτοὺς
20. τιμᾶν βουλόμενοι, τῶν πρωτείων
καὶ τῶν ἐξαιρέτων αὐτοῖς παραχωροῦμεν· κἀκεῖνα προσά-
γειν σπουδάζομεν, ἃ μάλιστα πάντων
αὐτοῖς τιμιώτερα εἶναι δοκεῖ· θεῷ δὲ πῶς

1. Nella 3ª pl. del vb. δίδωμι sia M sia Pa presentano la grafia διδώσι.
2. La lezione giusta col dat. è in Pa. M χήρας καὶ ὀρφανούς.
4. Ancora particolarità da segnalare nella grafia di δίδωμι:
qui 3ª pl. M δίδωσιν Pa δίδωσι.
7. Pa τῷ θεῷ.
11. Il gr. aggiunge dopo περιάγων, le parole καὶ φροντίδα ποιούμενος.

1. пѡбаше чѣстнѣишаѧ и изреднаѧ прии-
2. сити. вѣмы оубѡ. ꙗко бѣ тѣчию оусрь-
3. дие и ꙗже словомъ бл҃годареніе ѿ нѧ про-
4. сить. не ꙗко словеса трѣбующюу, нѣ
5. да накажетъ нѧ бл҃гооумнѣ быти. и
6. исхощаѧ изъ оустъ нашѣхъ не прѣзира-
7. ти. си рѣчь. ꙗже обещахомъ се и рѣхѡмъ
8. бѡу дати многымъ тѣшаниемъ и
9. оусрьдиемъ, и страхомъ и любовию
10. дати. ꙗкоже бѡ Ноева жрътва, цѣква-
11. ра и дымъ соуща, въ воню бл҃гоухан'нѣ
12. прѣ бг҃мъ приѣта бѣ. такоже пакы лѣ-
13. кавый мочжъ плодоприношеніа, мрѣ-
14. ска прѣ бг҃мъ соуть. слыши оубѡ прѣрѣка
15. къ юдеѡмъ гл҃ша. ꙗже и людие ѿго
16. тогда бѣхѣ. кадило ваше, мръско ми
17. ѿ. и бѡ лоукавствіе приносещи, ка-
18. дило бл҃гоуханное, въ мръзость гави-
19. ти се сътвори. пѡбаетъ же в'сакѡмъ чло-
20. вѣкоу хощомоу се сѣсти. не тѣчию
21. млѣви и млѣтніе простотою и в'сѣмъ
22. оусрьдиемъ творити, нѣ и ꙗже прина-
23. шати бѡу хощеть, чѣстнѣишаѧ и славѣ-

1. οὐκ ἔχρην τὰ τιμιώτερα καὶ ἐξαίρετα προσά-
γειν; φαίνεται γὰρ ὁ θεὸς καὶ αὐτὴν τὴν διάθε-
σιν καὶ τὴν διὰ τῶν λόγων εὐχαριστεῖαν ἀπαι-
τῶν· οὐχ ὡς τῶν ῥημάτων χρήζων, ἀλλ’
5. ἵνα ἡμᾶς παιδεύσῃ εὐγνώμονας εἶναι· καὶ
τὰ ἐκπορευόμενα διὰ τῶν χειλέων ἡμῶν μὴ ἀθετεῖν·
ἦγουν ἅπερ συνεταξάμεθα ἢ ὠρίσαμεν
δοῦναι θεῷ, μετὰ πολλῆς σπουδῆς καὶ
προθυμίας, φόβου τε καὶ πόθου
10. διδόναι· ὥσπερ γὰρ καὶ ἡ τοῦ Νῶε θυσία, κυλ-
σα καὶ καπνὸς οὔσα, ὁσμὴ εὐωδίας
ἐνώπιον κυρίου ἐλογίσθη, οὕτως καὶ ἡ τῶν πο-
νηρῶν ἀνδρῶν καρποφορία, βδέλυγ-
μα τῷ κυρίῳ λογίζεται· ἄκουε γὰρ τοῦ προφήτου
15. πρὸς Ἰουδαίους λέγοντος· καίτοι λαὸς αὐτοῦ
(ὑπῆρχε) τότε· τὸ θυμίαμα ἡμῶν, βδέλυγμά μοι
ἐστίν· καὶ γὰρ ἡ τῶν προσαγόντων ποιηρία, τὸ θυ-
μίαμα τὸ εὐῶδες, εἰς βδέλυγμα ὁφθῇ-
ναι παρεσκεύασεν· χρή οὖν πάντα ἄνθρω-
20. πον θέλοντα σωθῆναι, οὐ μόνον
τὰς εὐχὰς καὶ ἐλεημοσύνας ἐν ἀπλότητι καὶ πάσῃ
προθυμίᾳ ἐπιτελεῖν· ἀλλὰ καὶ ἃ προσφέ-
ρειν μέλλει τῷ θεῷ τὰ τιμιώτερα καὶ ἐνδοξώ-

10-11. Il testo di M corrisponde puntualmente allo slavo. Si noti che invece Pa reca la menzione di Caino, non di Noè, e apporta un esempio in negativo; pertanto:
a) ὥσπερ ... οὕτως ha valore di contrapposizione; b) si ha Κάιν per Νῶε; c) si ha βδέλυγμα per ὁσμὴ εὐωδίας.

16. Emendiamo sec. Pa. Non c'è infatti nessuna possibilità di accettare il testo di M λαὸς ... ὑπάρχοντος, in quanto non esiste il minimo indizio in favore di un genitivo anomalo λαός paragonabile a νοός, v. 71r22; cf. WNT: coll. 948-49.

1. нѣишага принашати. да не мѣтва на-
2. ша въ нѣдра наша съ стоудомъ възврати-
3. т' се и жрътва наша порочна ѡбрѣтши се,
4. неприѣтна боудеть и плоди наши гни-
5. лѣи и непотрѣбнѣи, тако Ксаниново приѣ-
6. шение боудеть. мы же пакы въпроси-
7. хомъ его. еда оубо вѣдит' се дѣша ѡ
8. приѣтна помысль и рече. аще ѡ сквер-
9. ннѣи и нечистѣи не вѣдит' се, прочее
10. ниже ѡ чистѣи и бѣглыхъ пол'зочу не имѣ
11. такоже си пол'зочють, тако ѡни вѣдѣ
12. аще оубо тисочаща добра и миръ извѣн'
13. имамы въноутрь же намъ раждает' се
14. ѡ помысль мѣтва и сѣмоушение, ни-
15. кога полза ие ѡ вѣншнаго мира. га-
16. коже гра аще тисочущими стѣнами о-
17. гражень ие. извъноутрь же навѣтнѣи
18. имать, ничтоже оуспѣти можетъ.
19. аще оубо съхраним' се ѡ приѣтна скѣ-
20. ннѣхъ помысль, велика и высокая о-
21. бѣща се дати намъ вѣка нашъ. таже
22. оумомъ нашимъ непостижна соуть
23. цртва нѣнаго глѣю наслѣдие. неизрече-

17. навѣтнѣи può essere: a) un caso anomalo di accusativo non genitivale di animato;
 b) un gen. plur. anim. (con desinenza "classica", non -ѣ di redaz. serba); c) (a mio parere l'ipotesi più probabile) l'ipercorrettismo di un copista serbo che aveva davanti un antigrafo con навѣтника.

1. τερα προσενεγκείν· ἵνα μὴ ἡ προσευχή ἡ-
μῶν εἰς κόλπον ἡμῶν μετ' αἰσχύνῃς ἀποστρα-
φῇ· καὶ ἡ θυσία ἡμῶν ἐπίμωμος εἰρεθείῃσα,
ἀπρόσδεκτος γένηται· καὶ οἱ καρποὶ ἡμῶν σεση-
5. πότες καὶ ἄχρηστοι ὥς τὰ τοῦ Κάιν
λογισθήσεται δῶρα. ἡμεῖς δὲ πάλιν ἡρωτῇ-
σαμεν αὐτόν. εἰ ἄρα βλέπεται ἡ ψυχὴ ἐκ τῆς
τοῦ λογισμοῦ συνδυάσεως. καὶ εἶπεν· ἐὰν ἐκ τῶν
αἰσchrῶν καὶ ῥυπαρῶν οὐ βλέπεται. οὐδὲ
10. ἐκ τῶν ἀγαθῶν καὶ καθαρῶν καὶ εὐσεβῶν ὠφελεῖται·
ὥς γὰρ ταῦτα ὠφελοῦσιν. οὕτως καὶ ἐκεῖνα βλέπτουσιν·
ἐὰν γὰρ μυρίας εἰρήνης καὶ θεραπειᾶς ἔξωθεν
ἀπολαύωμεν· ἔνδοθεν δὲ ἡμῖν τίκτεται
ἐκ τῆς τῶν λογισμῶν παραχῆς ζάλη καὶ θόρυβος οὐ-
15. δὲν ὄφελος τῆς ἔξωθεν εἰρήνης· ὥς-
περ οὐδὲ πόλεως κἂν μυρία τεῖχη καὶ περιχαρᾶ-
κώματα περιβέβληται, εἰ ἐκ τῶν ἔνδοθεν
ἐνοικούντων τὴν προδοσίαν ὑπομένη·
ἐὰν γὰρ φυλάξωμεν ἑαυτοὺς ἀπὸ συγκαταθέσεως αἰ-
20. σχρῶν λογισμῶν, μεγάλα καὶ ὑπέρογκα ἡμῖν
ἐπηγγείλατο ὁ δεσπότης.
καὶ ὑπερβαίνοντα τὸν ἡμέτερον λογισμόν·
τῆς βασιλείας λέγω τὴν ἀπόλαυσιν· τῶν ἀπορρή-

8. Il testo di M è in buon accordo con lo slavo: "dall'unione coi pensieri = dall'accettazione dei pensieri", ma vale la pena qui di notare la variante, non necessariamente peggiore, di Pa ἐκ τοῦ λογισμοῦ συνδυάσεως "dal pensiero della copula" (συνδυασμός "copulation" è già classico, cf. GEL:1703, e comunissimo in età postclassica, cf. PGL:1314; in GSMIG: col. 1483 anche συνδυασμα con questo significato; non troviamo invece *συνδυασις).

18. Il corrispettivo greco di мнѣтоже оуспѣти можетъ o non c'è mai stato o è caduto ad un certo stadio della tradizione (in realtà il testo greco non appare del tutto compatto sintatticamente, col genitivo πόλεως la cui dipendenza non è troppo chiara).

1. н'мѣѣ бѣгъ приѣтие. ѣже съ агглы жѣ
2. тие, и моуѣ избавленіе. сицеваа и
3. симъ побѣна, им'же коньць нѣ ни прѣмѣ-
4. ніеніе. зре же нѣ стар'ць, ѡ глѣмѣ ѡ
5. него не оувѣрающих' се. въставъ прѣ на-
6. ми и очи въздѣвъ на нѣо, въ послоуша-
7. ніе в'сѣмъ рече. ісе бѣ нашъ. с'твори-
8. выи нѣо и землю и море. избавителю
9. и сѣсе дѣамъ нашимъ. аще глѣн'нага
10. ѡ мене къ братиамъ моимъ лъжна соу,
11. да прѣбоудеть камень съи невѣдим'.
12. аще ли истинна соутъ, да распадет' се.
13. абиѣ же съ словомъ рас'сѣде се камень
14. на ѣ честіи. бѣше же камень оуло-
15. мькъ стѣпа мраморѣна, имѣе лакти
16. д. мы же оудивив'ше се и велми пол'зе-
17. вавше се, ѡ чюдесъ и пооучениа велика-
18. го и стѣо старца поклонивше се ѣмоу
19. и бѣвив'ше се ѡ него, изыдохомъ. ѡпоу-
20. щае же нѣ старць рѣ. чеда, аще въ тего-
21. тоу вамъ нѣ, въ гредоушю соутоу при-
22. идѣте. задлъжити бѣ вѣ имамъ. о-
23. шѣшим' же намъ, въ гредоушю соутѣ

1. των ἀγαθῶν τὴν μετουσίαν· τὴν μετὰ ἀγγέλων δια-
γωγὴν· τὴν τῆς γεένης ἀπαλλαγὴν· ταῦτα καὶ
τὰ τούτοις ὅμοια καὶ παραπλήσια, πέρας οὐκ ἐπίσταται·
θεωρῶν δὲ ἡμᾶς ὁ γέρων περὶ τῶν ὑπ' αὐτοῦ λεχθέντων
5. ἀμφισβητοῦντας ἀναστὰς ἔμπροσθεν ἡμῶν
καὶ ἄρας τὸ ὄμμα εἰς τὸν οὐρανόν, εἰς ἐπήκο-
ον ἡμῶν ἔφη· Ἰησοῦ ὁ θεὸς ἡμῶν ὁ ποιή-
σας τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν καὶ τὴν θάλασσαν, ὁ λυτρωτὴς
καὶ σωτὴρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν· ἐάν εἰσι
10. τὰ ὑπὲρ ἐμοῦ πρὸς τοὺς ἀδελφοὺς εἰρημένα ψευδῆ,
ἀβλαβῆς μεινάτω ἡ πέτρα αὕτη·
εἰ δέ εἰσιν ἀληθεῖ, διαρραγήτω·
καὶ σὺν τῷ λόγῳ, ἐρράγη ἡ πέτρα
εἰς πέντε τμήματα. ἦν δὲ ἡ πέτρα, κόμ-
15. μα κίονος ἔχον πήχεις
τέσσαρας. ἡμεῖς δὲ θαυμάσαντες καὶ ὠφελῆ-
θέντες μεγάλως ἔκ τούτου θαύματος· καὶ τῆς διδασκαλείας τοῦ
ἀγίου καὶ μεγάλου γέροντος. συνταξάμενοι αὐτῷ
καὶ εὐλογηθέντες ὑπ' αὐτοῦ, ἐξήλθομεν· προπέμ-
20. πων δὲ ἡμᾶς ὁ γέρων ἔφη· τεκνία· εἰ μὴ πρὸς
βάρος ὑμῖν ἐστίν, τῷ ἐρχομένῳ σαββάτῳ, ἔλ-
θετε πρὸς με, χρεωποιοῦμαι γὰρ ὑμᾶς· ἂ-
πελθόντων δὲ ἡμῶν, τῷ ἐρχομένῳ σαββάτῳ,

3. Dopo ἐπίσταται· il gr. così prosegue: τέλος οὐκ ἐπιδέχεται· μεταβολὴν οὐκ οἶδε,
πάγια καὶ ἀκίνητα ὄντα· Si noti che il passo, pur privo di controparte slava,
in qualche modo è riecheggiato in sl. ~~прѣмѣненіе~~.

17. Πα ἔκ τε τοῦ θαύματος καὶ τῆς διδασκαλείας ; la lezione
sembra preferibile, e del resto τούτου in M si legge con molta difficoltà per un piccolo
guasto materiale del ms.

1. и приидохомъ въ чѣ^ѣ гѣ. и обрѣтохомъ
2. его прѣставляша се и погребше его
3. чьстно, отидохомъ бл҃годареще бѣ спѣ^ѣ
4. бившаго нѣ^ѣ погresti такового сѣ^ѣ ста-
5. рца · Ѡ АВБА ИОУЛИАНЪ.
6. Гл҃ахоу Ѡ авба Иоулианъ іако до о лѣ^ѣ 204
7. сътвори въ пещерѣ малѣ, не стежавъ
8. ничтоже вѣка сего. развѣ ризоу власѣ-
9. ноу. и мандию. и чашоу дрѣвѣноу ·
10. Гл҃ахоу и се. іако в'се врѣме живота сво- 205
11. его, не запали свѣщничъ свѣтъ. нѣ въ
12. нощѣ съ нѣсѣ свѣтъ съхождаше и просвѣ-
13. щадше его. іавладе ѣмоу чтоущоу сло-
14. жение словесъ · Тѣ иногда презвите- 206
15. роу нѣкому сѣ^ѣ старцоу посла мета-
16. нике. пославъ ѣмоу и три оуглени ѡгнь-
17. ны въ платнѣ свежаны стар'ць же при-
18. ѣмъ цѣлование и оуглине неоугасло.
19. възврати же ѣмоу тоѣ платище, вѣли-
20. іавъ водоу въ нѣ и свежавъ ·
21. Братъ выпроси авба Иерака гл҃іе. рыци ми 207
22. слово како сѣ^ѣ соу се гл҃а ѣмоу стар'ць
23. сѣ^ѣди въ келіи своіей. и аще възал'чеши сѣ^ѣ

1. ἤλθομεν ὥραν τρίτην· καὶ εὕρομεν
αὐτὸν τελειωθέντα· καὶ θάψαντες αὐτὸν
ἐντίμως, ἀνεχωρήσαμεν εὐχαριστοῦντες τῷ θεῷ τῷ ἀξιῶ-
σαντι ἡμᾶς κηδεῦσαι τοιοῦτον ἄ-
γιον.
5. Ἔλεγον περὶ τοῦ ἀββᾶ Ἰουλιανοῦ· ὅτι περὶ τὰ ἑβδομήκοντα ἔτη
ἐποίησεν εἰς ἓν σπήλαιον μικρὸν μὴ κτησάμενός
τί ποτε τοῦ αἰῶνος τούτου· πλὴν στιχαρίου τριχί-
νου καὶ σαγίου καὶ καυκίου ξυλίνου.
10. Ἔλεγον δὲ καὶ τοῦτο· ὅτι ὅλον τὸν χρόνον τῆς ζωῆς αὐ-
τοῦ, οὐχ ἦψε λυχνιαῖον φῶς· ἀλλὰ τὰς
νύκτας οὐρανόθεν φῶς κατερχόμενον, ἐφώτι-
ζεν αὐτὸν δεικνύων αὐτῷ ἀναγινώσκοντι τὴν σύνθε-
σιν τῶν γραμμάτων. Οὗτός ποτε πρεσβυτέ-
ρω τιμῇ ἀγίῳ γέροντι ἀπέστειλε προση-
γορίαν· πέμψας αὐτῷ καὶ ἐν πανίῳ δεδεμένους
τρεῖς ἄνθρακας πυρός. ὁ δὲ γέρων δεξά-
μενος τὸν ἀσπασμὸν καὶ τοὺς ἄνθρακας μὴ ἀποσβεσθέντας,
ἀντέπεμψεν αὐτῷ τὸ αὐτὸ πανίον βα-
λὼν εἰς αὐτὸ ὕδωρ καὶ δῆσας.
20. Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Ἰέρακα λέγων· εἰπέ μοι
λόγον πῶς σωθῶ· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων·
κάθου εἰς τὸ κελλίον σου· καὶ ἐὰν πεινᾷς

17-19: testo secondo Pa (in M si è avuto evidentemente un salto dal primo al secondo ἄνθρακας. Non accogliamo invece δεδεμένῳ di Pa alla r. 16, certamente più lontano dal testo sl. e molto probabilmente comunque deteriore.

1. гаѣъ. аще въжедаеши, пиѣи и аще въѣрѣ-
2. млеши, спи. никогоже злослови, и спѣсеши се ·
3. Знаменіе како. О авва Касианъ ·
4. Повѣда намъ авва Касианъ. тако бѣше 208
5. нѣкто стар'ць, и слоужаше ѿмоу ѿдина
6. двѣца и глѣхоу члѣвци, тако нѣсоутъ чи-
7. сти и оуслыша стар'ць. ѿгдаже хотѣ-
8. ше прѣставити се, рече ѿцемъ. егда прѣ-
9. ставлю се, посадите жъзль мои на гро-
10. бѣ моемъ. и аще об'листвѣтъ и плодъ
11. сътворитъ, познате тако чистъ ѿсмь
12. ѿ нѣе. аще ли не пролиствѣтъ, вѣди-
13. те тако палъ ѿсмь съ нею. и посадише жъ-
14. зль, и трети днь прозебе и плодъ сътвори.
15. и в'си прославише бг ·
16. Рече пакы тако нѣкто сиг'глитикъ, ѿста- 209
17. вивъ мира. свое имѣніе нищїимъ ра-
18. сточивъ, оудръжа нѣкаго своего ради по-
19. кога не хоте коньчное ѿрѣніе и льг'кы
20. и гарьмъ повинютиа възети. томѣ бѣ
21. иже въ стѣѣ ѿць нашъ Василиѣ рече се. та-
22. ко и сиг'глитика погоуби, и инока не сътвори ·
23. Стар'ць нѣкто съдѣше въ киновї. иже въ 210

1. φάγε· ἐὰν διψῇς, πίε· ἐὰν νυστά-
ξης, κοιμώ· μὴ κακολογήσης τινὰ καὶ σφύζῃ.
Στοιχείον κ * Περὶ τοῦ ἄββᾶ Κασσιανοῦ
Διηγῆσατο ἡμῖν ὁ ἄββᾶς Κασσιανὸς ὅτι ἦν
5. τις γέρων καὶ ὑπηρετεῖτο ὑπὸ μιᾶς
παρθένου. καὶ οἱ ἄνθρωποι ἔλεγον· οὐκ εἰσὶ κα-
θαροί. καὶ ἤκουσεν ὁ γέρων· ὅταν δὲ ἔμελ-
λεν τελευτᾶν εἶπε τοῖς πατράσιν· ὅταν τελευ-
τήσω, φυτεύσατε τὴν ῥάβδον μου εἰς τὸν ἰά-
10. φον· καὶ ἐὰν βλαστήσῃ καὶ ποιήσῃ
καρπὸν μάθετε ὅτι καθαρὸς εἰμι
ἀπ' αὐτῆς· εἰ δὲ μὴ βλαστήσῃ γινώ-
σκετε ὅτι πέπτωκα μετ' αὐτῆς· καὶ ἐφυτεύθη ἡ ῥάβ-
δος. καὶ τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ ἐβλάστησεν καὶ καρπὸν ἐποίησεν·
15. καὶ πάντες ἐδόξασαν τὸν θεόν.
Εἶπε πάλιν ὅτι συγκλητικὸς τις ἀπο-
ταξάμενος καὶ τὰ ἑαυτοῦ ὑπάρχοντα πένησι
δοῦς, παρακατέσχε τινὰ εἰς ἰδίαν ἀπό-
λαυσιν μὴ βουλόμενος τῆς τελείας ἀποταγῆς καὶ ὑποταγῆς
20. τὸν ἐλαφρὸν ζυγὸν ἀναδέξασθαι· πρὸς ὃν
ὁ ἐν ἀγίοις πατὴρ ἡμῶν Βασίλειος λόγον ἀπεφθέγγετο τοιοῦτον·
ὅτι καὶ τὴν σύγκλητον ἀπώλεσας, καὶ μοναχὸν οὐκ ἐποίησας.
Γέρων τις ἐκαθέζετο εἰς τὸ κοινόβιον τοῦ ἐν

1-2. Pa νυστάζης

22. Pa τὸν συγκλητικὸν G συγκλητικόν

1. сѣхъ ѿца нашего Феодосиа киновиа-
2. рѣха, именемъ Кононъ. правило се за ѿ
3. лѣтъ имѣе единою въ нѣли причащае се
4. хлѣбоу и водѣ и непрѣстанно дѣлае. и
5. ис цркви не исходе .
6. Братъ рѣ авва Кронію. рѣци ми слово. и глѣ 211
7. юмоу. како егда прииде Елисеи къ сима-
8. нитѣ, обрѣте ю не имѣющеу вещь ни с кѣ
9. зачетъ же и роди пришествіемъ Елисеи-
10. вѣмъ глѣ юмоу братъ. что ѿ слово се. и
11. рѣ старѣцъ како дѣла аще трѣзвитъ се, и ѿ-
12. претаетъ себе ѿ искушеніи, и остави-
13. ть хотѣніа своа тогда дѣхъ бжїи прихо-
14. дить къ неи, и прочее имать зачети и
15. родити понеже неплодна естъ .
16. Братъ въпроси авва Кроніа глѣ. что сътѣ- 212
17. роу забвѣнію плѣнующемоу оуму мо-
18. его, и не ѿставляюща чюти се, донде-
19. же въведетъ ме въ грѣхъ. и глѣ. како егда
20. възаше иноплеменици ковчегъ, зла-
21. го ради дѣла снѣвъ ісрѣвѣхъ. и вѣско-
22. ше и, дондеже принесоше и въ храмъ Да-
23. гона бога ѿ и тогда паде на лице свое ницѣ

1. ἀγίοις πατρός ἡμῶν Θεοδοσίου τοῦ κοινοβιαρχου, ὀνόματι Κόνων· τοῦτον ἐκτελέσας τὸν κανόνα ἐπὶ τριάκοντα ἔτη· ἅπαξ καθ' ἑβδομάδα μεταλαμβάνων ἄρτου καὶ ὕδατος, καὶ ἀδιαλείπτως ἐργαζόμενος, καὶ
5. τῆς ἐκκλησίας μὴ ἐξερχόμενος. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Κρονίου Ἀδελφὸς εἶπε τῷ ἀββᾶ Κρονίῳ· εἰπέ μοι ῥῆμα· καὶ λέγει αὐτῷ· ὅτι ἐν τῷ ἐλθεῖν τὸν Ἑλισσαῖον πρὸς τὴν σωμαίντιν, εἶρεν αὐτὴν μὴ ἔχουσαν πρᾶγμα μετὰ τινος· συνέλαβεν οὖν καὶ ἔτεκε διὰ τῆς παρουσίας Ἑλισ-
10. σαίου· λέγει αὐτῷ ὁ ἀδελφός· τί ἐστι τὸ ῥῆμα τοῦτο; καὶ λέγει ὁ γέρων· ὅτι ἡ ψυχὴ ἐπὶ νήφῃ καὶ συστεί-
λη ἑαυτὴν ἀπὸ τοῦ πειρασμοῦ καὶ καταλεί-
ψη τὰ θελήματα αὐτῆς, τότε τὸ πνεῦμα τοῦ θεοῦ παραβάλ-
λει ἐν αὐτῇ· καὶ δύναται λοιπὸν γεννησθαι,
15. ἐπειδὴ στείρα ἔστιν.
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Κρόνιον· τί ποιή-
σω τῇ λήθῃ τῇ αἰχμαλωτιζούσῃ τὸν νοῦν μου;
καὶ οὐκ ἔωσέ με αἰσθάνεσθαι, μέχρι
με ἐνέγκῃ. εἰς αὐτὴν τὴν ἁμαρτίαν· καὶ λέγει ὁ γέρων· ὅτε
20. ἔλαβον οἱ ἀλλόφυλοι τὴν κιβωτὸν διὰ τὴν κακὴν
πρᾶξιν τῶν υἱῶν Ἰσραὴλ, ἔσυ-
ρον αὐτὴν ἕως οὗ ἤνεγκαν εἰς τὸν οἶκον Δα-
γῶν τοῦ θεοῦ αὐτῶν· καὶ τότε ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον αὐτοῦ).

6-7. M Pa grafia ἴτην.

7. Pa om. ὅτι.

14. La lezione di M ἐν αὐτῇ non è "classica" ma si può giustificare in greco tardo.

G αὐτῇ Pa αὐτήν.

23. M Pa ἐπὶ πρόσωπον αὐτῆς Correggiamo sec. G, come vuole del resto la logica in base alla narrazione in I Sam 5,3.

1. прѣ ковчегомъ и глѧ немочу братъ, что ѿ
2. се стар'ць же рѣ тако аще постигнутъ
3. плѣнениа оумъ члѣка оудръжати винами
4. его, влѣкоутъ его дондеже приведутъ и
5. на невидимыѣ стрѣти ѿ тоѣ оубѡ вины
6. аще обратит' се оумъ и възвѣститъ бѧ и въ-
7. спомѣнетъ исходъ дшѣ своеѣ и соудъ въ-
8. чнымъ. дѣиѣ стрѣтъ падаетъ, и к томоу не-
9. видима бываетъ. пишетъ бѡ се егда о-
10. братиши се и въздѣхнѣши, тогда спсѣши
11. се и оувѣси гдѣ стоиши .
12. Братъ выпроси авва Крониа глѣ. коимъ дѣ-
13. ломъ приходитъ члѣкъ въ смѣренномѣриѣ.
14. глѧ немочу стар'ць тако страхомъ бжїим'.
15. глѧ немочу братъ коимъ дѣломъ оуже при-
16. ходитъ въ страхъ бжїи. рѣ немочу стар'ць
17. еже по мнѣ, тако да съпретаетъ себѣ ѿ в'са-
18. кыѣ вещи, и въдѧ себѣ на троуды тѣлесныѣ.
19. и велико силоу имѧ, воспоминаѣти исходъ
20. дши ѿ тѣла, и соудъ бжїи .
21. Рѣ авва Кроніѣ. аще не би привель Моисѣи
22. ѡвце по Синаю, не би видѣль ѡгнь въ кѣ-
23. пинѣ глѧ немочу братъ. чѣмоу прилагѧ се

87R

213

214

1. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ἀδελφός· τί ἐστὶ τοῦτο· ὁ δὲ γέρων εἶπεν· ὅτι ἐὰν φθάσωσιν αἰχμαλωσίαι τὸν νοῦν τοῦ ἀνθρώπου διὰ τῶν ἰδίων αὐτοῦ ἀφορμῶν, ὑποσύρουσιν αὐτὸν ἕως οὗ ἐνέγκωσιν αὐτὸν·
5. ἐπάνω τοῦ ἀοράτου πάθους· ἐν ἐκείνῳ οὖν τῷ τρόπῳ ἐὰν στραφῇ ὁ νοῦς καὶ ζητήσῃ τὸν θεὸν καὶ μνημονεύσῃ τῆς αἰωνίου κρίσεως εὐθὺς τὸ πάθος πίπτει καὶ ἀφανὲς γίνεται· γέγραπται γάρ· ὅταν ἀποστραφῇς στενάξῃς, τότε σωθήσῃ καὶ γνώσῃ ποῦ ἦσθα.
Ἀδελφός ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Κρόνιον, ποίῳ τρόπῳ ἔρχεται ἄνθρωπος εἰς ταπεινοφροσύνην· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ὅτι διὰ τοῦ φόβου τοῦ θεοῦ·
15. λέγει αὐτῷ ὁ ἀδελφός· καὶ διὰ ποίου πράγματος ἔρχεται εἰς τὸν φόβον τοῦ θεοῦ; καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· τὸ κατ' ἐμὲ ἵνα συστείλῃ ἑαυτὸν ἀπὸ παντὸς πράγματος· καὶ δώσῃ ἑαυτὸν εἰς κόπον σωματικόν· καὶ ὅσον ἔχει ἰσχύν, μνημονεύει τῆς ἐκ τοῦ σώματος ἐξόδου καὶ τῆς κρίσεως τοῦ θεοῦ.
20. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Κρόνιος· ὅτι εἰ μὴ ἤγαγε Μωϋσῆς τὰ πρόβατα ἀπὸ τοῦ Σινᾶ, οὐκ ἂν ἔβλεπε τὸ πῦρ ἐν τῇ βάρτῃ· λέγει ὁ ἀδελφός· εἰς τί λαμβάνεται

1. кѹпина. и рѣ̑ юмоу. ꙗко коупина прила-
2. гает' се тѣлесному дѣлоу. пишет' бѣ
3. се. ꙗко по̑бно ѿ̑ цр̑тво нѣное скровищюу
4. скрвеноу на селѣ. гл̑а братъ старцоу. про-
5. чею оубѣ̑ кромѣ тѣлеснаго троу̑да, не оу-
6. спѣвает ли чл̑къ въ нѣкоую почѣсть. гл̑а
7. юмоу старць. обаче пишет' се. възирающе
8. на начел'ника вѣры и съвр̑шителя іса.
9. иже въ мѣсто прѣлежѣшию юмоу радости
10. трѣпѣ̑ кр̑тъ. и пакы **Д**дѣ̑ гл̑еть. аще да-
11. мь сынъ очима моима. и въ̑жамъ мо-
12. имь дрѣманию, и прочаа .
13. Рѣ̑ авва Карионъ. ꙗко чл̑къ прѣбываю
14. съ дѣ̑тетемъ. аще нѣ̑ силенъ, нисходѣ̑
15. долоу. аще ли ѿ̑ силенъ и не съходитъ до-
16. лоу, ѡбаче ниже горѣ̑ въсходитъ .
17. Гл̑аше авва Пиминъ, за авва Коприа.
18. ꙗко въ толикоу мѣроу прииде. ꙗко бо-
19. лѣше и недвижимъ ѿ̑ постеле бѣше. и
20. благодарѣше и възбранѣше свои вѣли .
21. Въпросише авва Кира алеѡан'дрьскаго.
22. о помыслѣ̑ блѡ̑ныхъ и всакыи стр̑ти
23. и ѿ̑вѣща сѣ̑. аще помысль не имаши,

87 V

215

216

217

1. ἡ βάτος; καὶ λέγει αὐτῷ· ὅτι ἡ βάτος λαμβά-
νεται εἰς τὴν σωματικὴν πράξιν· γέγραπται γάρ·
ὅτι ὁμοία ἐστὶν ἡ βασιλεία τῶν οὐρανῶν θησαυρῷ
κεκρυμμένῳ ἐν ἀγρῷ· λέγει ὁ ἀδελφὸς τῷ γέροντι· οὐ·
5. κοῦν ἐκτὸς καμάτου σωματικοῦ οὐ προ-
κόπτει ἄνθρωπος εἰς τινα τιμὴν; λέγει
αὐτῷ ὁ γέρων· τέως γέγραπται· ἀφορῶντες
εἰς τὸν τῆς πίστεως ἀρχηγὸν καὶ τελειωτὴν Ἰησοῦν,
ὃς ἀντὶ τῆς προκειμένης αὐτῷ χαρᾶς
10. ὑπέμεινε σταυρόν· καὶ πάλιν Δαβὶδ λέγει· εἰ δώ-
σω ὕπνον τοῖς ὀφθαλμοῖς μου καὶ τοῖς βλεφάροις μου
νυσταγμόν· καὶ τὰ ἐξῆς.
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Καρίων· ὅτι ἄνθρωπος μένων
μετὰ παιδίου, ἐὰν μὴ ἐστὶ δυνατὸς, ἔρχεται
15. κάτω· ἐὰν δέ ἐστὶ δυνατὸς καὶ οἶκ ἔρχεται κά-
τω, τέως οὐ προκόπτει.
Ἔλεγεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν, διὰ τὸν ἀββᾶν Κόπριν·
ὅτι εἰς τοσοῦτον ἦλθε μέτρον, ὅτι ἡσ-
θένει καὶ κλινήρης ἦν, καὶ
20. ἠὺχαρίσται καὶ ἐκώλυεν τὸ ἴδιον θέλημα.
Πρὸς τὸν λογισμόν τῆς πορνείας καὶ παντὸς πάθους
ἐπερωτηθεὶς ὁ ἀββᾶς Κύρος ὁ ἀλεξανδρεὺς
ἀπεκρίνατο οὕτως· ἐὰν λογισμοὺς οἶκ ἔχῃς,

1. Упѣвание не имаша, аще помысли не имаша,
2. дѣло имаша. ѿже сице, тако иже мыслию
3. съ грѣхомъ не боритъ се ниже ѡрицаетъ ие-
4. моу. вѣдѣ, тако тѣломъ дѣлаеть и имѣ-
5. иеи бѣ дѣло, помышлениемъ несымоуща-
6. емъ ѿ. въпроси же брата, еда имаша ѡ-
7. бычаніи гл҃ати съ женою. и рече братъ, ни нѣ
8. нови и ветси и зографѣ соу помысли мои.
9. и помышленіа соутъ еже съмоушаю ме.
10. и женска мьчтаніа. старецъ же рече ие моу.
11. мрътвыи не бои се, нѣ живыи бѣгаи. и про-
12. стираи се на мѣтвѣ.
13. Знаменіе лѣіе. О авва Логгинъ.
14. Авва Логгинъ, единою ѡзловивъ се гл҃а- 218
15. ше себѣ, озлови се и оумри. аще ли же въ-
16. спросиши ми безвѣременъ гл҃ати, ниже по-
17. вседнѣвноу ти пищоу дамъ.
18. Рече авва Логгинъ, постъ смѣрѣеть тѣло. 219
19. бдѣніе ѡчищаеть оумъ, мълчание при-
20. носить плачь, плачь же ѡчищаеть оумъ.
21. и творить безгрѣшна. Имѣше бѣ авва Ло- 220
22. ггинъ оумиление много въ мѣтвѣ и пѣ-
23. тїи своемъ, и гл҃а ие моу единою оученикъ

1. ἐλπίδα οὐκ ἔχεις· ἐὰν λογισμοὺς οὐκ ἔχῃς,
τὴν πράξιν ἔχεις· ἔστι δὲ οὕτως· ὅτι ὁ κατὰ διάνοιαν
πρὸς τὴν ἁμαρτίαν μὴ πολεμῶν μηδὲ ἀντιλέγων,
πάντως σωματικῶς πράττει αὐτήν· ὁ γὰρ ἔχων
5. πράξιν διὰ λογισμῶν οὐκ ἐνοχλεῖ-
ται. ἠρώτησε <δὲ> τὸν ἀδελφόν· μὴ συνήθειαν
ἔχεις εἰς ὁμιλίαν γυναικός; καὶ εἶπεν ὁ ἀδελφός· οὐ. ἀλλὰ
παλαιοὶ καὶ νέοι ζωγράφοι εἰσὶν οἱ λογισμοί μου.
μνήμαί εἰσιν αἱ ὀχλοῦσαί μοι
10. καὶ γυναικῶν εἶδωλα· ὁ δὲ γέρων πρὸς αὐτόν·
νεκροῖς μὴ φοβοῦ· ἀλλὰ τοὺς ζῶντας φεῦγε· καὶ ἐπεκ-
τείνου μᾶλλον εἰς προσευχήν.
Περὶ τοῦ ἀββᾶ Λογγίνου
Ὁ ἀββᾶς Λογγίνος· ἅπαξ κακῶθεις, ἔλε-
γε πρὸς ἑαυτόν· καὶ κακώθητι καὶ ἀπόθανε· ἐὰν δὲ ἀπαι-
τήσης με πρὸ καιροῦ φαγεῖν, οἶδὲ τὴν κα-
θημερινήν σοι τροφήν παρέχω.
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Λογγίνος· ἡ νηστεία, ταπεινοὶ τὸ σῶμα,
ἡ ἀγρυπνία καθαρίζει τὸν νοῦν, ἡ ἡσυχία φέ-
ρει τὸ πένθος, τὸ δὲ πένθος καθαρίζει τὸν νοῦν,
καὶ ποιεῖ ἀναμάρτητον. Εἶχε δὲ ὁ ἀββᾶς Λογ-
γίνος κατάνυξιν πολλήν ἐν τῇ εὐχῇ καὶ τῇ ψαλ-
μῳδία αὐτοῦ· καὶ λέγει ἐν μιᾷ ὁ μαθητής

6. Integraz. sec. Pa G.

12. Pa om. μᾶλλον.

23. Pa λέγει αὐτῷ ὁ μαθητής

1. его. авва, тако ли ѿ правило дѣховное,
2. еже плакати инокоу въ слоужбѣ свои
3. и гл҃а ѿмоу стар҃ць. еи чедо. таково пра-
4. вило ѿ еже трѣбоуетъ бѣ. бѣ не сътвори-
5. лъ ѿ чл҃ка на плачь, нѣ на радость и веселие
6. да славить его чисто и безгрѣшно гл҃а-
7. же и аг҃ли. и падѣ въ грѣхъ чл҃къ, възъ-
8. ска плакати се ·

88 V

9. Гл҃ахоу ѿ авва Лѡггинѣ. како оклевет-
10. танъ бѣ нѣкто ѿ оученикъ его ѿгна-
11. ти его. пришѣше же братиа еже съ авва
12. Феоѡдоромъ, и рѣше ѿмоу. авва, слы-
13. шимъ о братѣ семъ нѣкою вещь. и а-
14. ще повелиши да възмемъ его ѿ тебе,
15. и приведемъ ти брата добра. стар҃ць же
16. рѣ имъ. азъ не ѿгоню его, покоитъ бѣ ме.
17. и такоже слыша виноу стар҃ць, рѣ. гв҃ре
18. мнѣ тако приходимъ ѡе аг҃ли быти,
19. и творимъ се сквернѣни и бесловесни скоти ·
20. Гл҃ахоу пакы о немъ. тако иногда нѣкѣ
21. корабникъ принесе ѿмоу злато ѿ кѣпле
22. корабль своихъ. ѡнъ же не приѣ нѣ рѣ ѿ-
23. моу. сие мѣзѣ, нѣ потреба. нѣ сътво-

221

222

1. αὐτοῦ· ἄββᾶ· οὕτως ἐστὶν ὁ κανὼν ὁ πνευματικὸς
τὸ κλαίειν ἐν τῇ λειτουργίᾳ αὐτοῦ τὸν μοναχόν;
καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· ναὶ τέκνον οὗτός ἐστιν ὁ κα-
νὼν ὃν χρῆζει ὁ θεός·. ὁ θεὸς οὐκ ἐποίη-
5. ἦσε τὸν ἄνθρωπον ἐν κλαυθμῷ, ἀλλ' εἰς χαρὰν καὶ εὐφροσύνην·
ἵνα δοξάζῃ αὐτὸν καθαρῶς καὶ ἀναμαρτήτως ὡς
περ οἱ ἄγγελοι· ἀλλὰ πεσὼν εἰς ἁμαρτίαν ὁ ἄνθρωπος, ἐδεή-
θη τοῦ κλαυθμοῦ·
Ἔλεγον περὶ αὐτοῦ· ὅτι διεβλή-
10. θη ποτέ τις τῶν μαθητῶν αὐτοῦ διώ-
ξαι αὐτόν· ἐλθόντες δὲ οἱ περὶ τὸν ἄββᾶν
Θεόδωρον, εἶπον αὐτῷ· ἄββᾶ ἀκούο-
μεν περὶ τοῦ ἀδελφοῦ τούτου τί ποτε πρᾶγμα· καὶ εἰ
κελεύεις λαμβάνομεν αὐτὸν ἀπὸ σοῦ,
15. καὶ φέρομέν σοι καλὸν ἀδελφόν· ὁ δὲ γέρων
εἶπεν αὐτοῖς· ἐγὼ οὐ διώκω αὐτὸν ἀναπαύει γάρ με·
ὥς δὲ ἤκουσεν τὴν αἰτίαν ὁ γέρων εἶπεν· οὐαί
μοι ὅτι ἐρχόμεθα ὧδε ἄγγελοι γενέσθαι,
καὶ γινόμεθα ἄλογα καὶ ἀκάθαρτα ζῶα.
20. Ἔλεγον πάλιν περὶ αὐτοῦ, ὅτι τις
ναύκληρος ἤνεγκεν αὐτῷ χρυσίον ἐκ τοῦ πόρου
τῶν πλοίων αὐτοῦ· ὁ δὲ οὐκ ἐδέξατο, ἀλλ' εἶπεν αὐ-
τῷ· τούτων, ὧδε οὐκ ἔστιν χρεῖα· ἀλλὰ ποιή-

4. Integraz. sec. Pa. In M c'è uno spazio bianco tra ὁ κανὼν. e
ὁ θεός οὐκ ἐπ.

7. Pa εἰς τὴν ἁμαρτίαν

1. ри любовь и вседи на животноє свое.
2. и потыщи се постигноути въ храмъ стго
3. Петра и обрещеши юношоу нѣкоегѡ
4. тамо носеща ѡдѣвѣнія етокакова, и в'се
5. злато дажь немочу. и въпроси его что мѡ
6. ѿе. потыщав' же се корабникъ иде. и обрѣ-
7. те такоже рѣ немочу стар'ца. и въпроси его,
8. камо идеши брате. ѡн' же рѣ. тако оу авва
9. Логгина есмь былъ, и посла ме к' тебѣ
10. дати ти злато се. тогда юноша повѣда
11. скръбь свою гл҃е. тако азъ много злата
12. есмь длѣжьнъ. и не имѣе възвратити е
13. и идочу из' града оудавити се. такоже да ѡ-
14. вѣриши се, се и оуже ношоу. и изнемъ из'
15. гадрь показа емоу. корабникъ же давъ
16. немочу злато, възврати его ити въ градъ,
17. и пришьдъ къ авва Логгину, повѣда не-
18. мочу виноу. и рѣ стар'ца. вѣроуи брате та-
19. ко аще не потыщати се имѣше постигнѣ-
20. ти его, азъ и ты, соудити се имѣхомъ о
21. дѣши его . Иногда пакы съде въ келіи
22. своени, ѡцѣмъ пришьшимъ к' немочу. и
23. абие воста. никомѣже ничто рекъ. изы-

89 R

223

1. σον ἀγάπην καὶ ἀνελθε εἰς τὸ ζῶν σου
καὶ σπούδασον καταλαβεῖν τὴν διαβάθραν τοῦ ἀγίου
Πέτρου· καὶ εὐρήσεις τινὰ νεώτερον
φοροῦντα ἱμάτια <τοιᾶδε καὶ ὄλον
5. αὐτῷ δὸς τὸ χρυσίον, καὶ ἐρώτησον αὐτὸν τί ἔχει·
σπεύσας οὖν ὁ ναύκληρος καὶ ἀπελθὼν, εὗ-
ρε καθὼς εἶπεν ὁ γέρων· καὶ ἠρώτησεν αὐτὸν
ποῦ ἀπέρχῃ ἀδελφέ, ὅτι ἤμην πρὸς τὸν
ἄββᾶν Λογγῖνον καὶ αὐτὸς ἔπεμψέ με
10. ἵνα δώσω σοι τὸ χρυσίον τοῦτο· τότε ὁ νεώτερος διηγήσατο
τὴν θλιψὶν αὐτοῦ λέγων· ὅτι ἐγὼ εἰς χρήματα πολλὰ
σύρομαι· καὶ μὴ εὐπορῶν
ἐξέρχομαι ἀγχόνη χρήσασθαι ἔξω τῆς πόλεως· ἵνα δὲ πιστεύ-
σῃς ἰδοὺ καὶ τὸ σχοινίον βαστάζω· καὶ ἐξενεγκῶν ἐκ τοῦ
15. κόλπου αὐτοῦ, ἔδειξεν αὐτῷ· ὁ δὲ ναύκληρος δοὺς
αὐτῷ τὸ χρυσίον, ὑπέστρεψεν ἀπελθεῖν ἐν τῇ πόλει·
καὶ ἐλθὼν πρὸς τὸν ἄββᾶν Λογγῖνον, διηγήσατο αὐ-
τῷ τὸ πρᾶγμα· καὶ λέγει ὁ γέρων· πιστεύσον ἀδελφέ,
εἰ μὴ ἔσπευσας καὶ ἔφθασας
20. αὐτόν, ἐγὼ καὶ σὺ κριθῆναι εἶχομεν ὑπὲρ
τῆς ψυχῆς αὐτοῦ. Ἄλλοτε πάλιν καθεζόμενος ἐν τῷ κελλίῳ
αὐτοῦ πατέρων παραβαλλόντων αὐτῷ ἀθρόως
ἀναστὰς καὶ μηδενὶ μηδὲν εἰρηκῶς ἐξῆλ-

4. Integraz. sec. Pa. M ha uno spazio bianco prima di ᾄδε.

20. Pa περιῖ invece di ὑπὲρ.

22. Lo slavo presupporrebbe παραβαλλόντων, del resto più convincente sintatticamente. M Pa hanno la doppia, ma inesattezze e incoerenze al riguardo sono frequentissime: sembra opportuno emendare.

1. де ис келие свое и оустрьми се къ езероу.
2. и такоже приближи се къ езероу, се прииде
3. корабъ пристати къ земли ѿ странъ еги-
4. п'тѣскѣ въ нем'же бѣше стар'ць нѣкто
5. сѣтъ, хоте приити къ нѣмоу. и такоже
6. лоб'заше се сѣтымъ цѣлованиемъ, сташе
7. на мѣтвѣ и глѣаше египтѣниѣ къ бѣу.
8. гдѣ не молихъ ли те, тако да не оувѣсть о
9. мнѣ старць и троудъ пѣиметь. и при-
10. шѣше въ келию авва Логгина, въ оутрѣ-
11. и прѣстави се египтѣнинъ .

89 V

12. Иногда пакы нѣкто прииде къ нѣмоу.
13. и възьмъ кѣкоуль него, принесе нѣко-
14. му страждущоу бѣсомъ и тако прибли-
15. жи се вратомъ, възопи страждущи глѣе(.)
16. что принесе зде Логгина ѿгнати ме; и
17. дѣиѣ бѣжа бѣсъ ѿ часа того .

224

18. Рѣ авва Логгинъ авва Акакию. жена
19. тогда вѣ тако зачала ѣе, егда съпретаетъ
20. т' се кровь ѿ нѣе. тако же и дѣша тогда вѣ
21. тако приела ѣе дхъ сѣи, егда съпретаютъ
22. т' се ѿ нѣе текущее стѣти долоу. донѣ-
23. лиже въ нѣ прѣбываетъ, како можетъ

225

1. θε τοῦ κελλίου αὐτοῦ καὶ ὥρμα ἐπὶ τὴν λίμνην·
καὶ ὥς ἤγγισεν τῇ λίμνῃ ἰδοὺ ἔρχεται
πλοῖον ἐγγίσαι πρὸς τὴν γῆν, ἀπὸ τῶν μερῶν τῶν Αἰγύ-
πτου· ἐν ᾧ ἦν γέρων τις ἅγιος,
5. παραβαλεῖν αὐτῷ θέλων· καὶ ὥς
ἠσπάσαντο ἀλλήλους τῷ ἁγίῳ φιλήματι, ἔστησαν
εἰς εὐχὴν· καὶ ἔλεγεν ὁ αἰγύπτιος τῷ θεῷ·
κύριε, οὐ παρεκάλεσά σε ἵνα μὴ γνωστὸν γένηται
τῷ γέροντι περὶ ἐμοῦ καὶ κόπον ὑπομείνῃ; καὶ ἐλθόν-
τες εἰς τὸ κελλίον τοῦ ἄββᾶ Λογγίνου, ἐπὶ τὴν αὔριον
10. ἐκοιμήθη ὁ Αἰγύπτιος.
"Ἄλλοτε πάλιν ἦλθεν πρὸς αὐτόν τις παραβαλεῖν αὐτῷ·
καὶ ἔλαβεν αὐτοῦ τὸ κουκούλλιον καὶ ἦλθε πρὸς τι-
να πάσχοντα· ὥς δὲ ἤγγι-
15. σε τῇ θύρᾳ προσελθεῖν ἔκραξεν ὁ πάσχων λέγων·
τί ἤνεγκας ὧδε Λογγίνον διώξαι με; καὶ
εὐθέως ἔφυγε τὸ δαιμόνιον ἀπὸ τῆς ὥρας ἐκείνης.
Εἶπεν ὁ ἄββᾶς Λογγίνος τῷ ἄββᾶ Ἀκακίῳ· ἡ γυνὴ
τότε γινώσκει ὅτι συνέλαβεν, ὅταν στα-
20. λῇ τὸ αἷμα αὐτῆς· οὕτως οἶν καὶ ἡ ψυχὴ τότε γινώσκει
ὅτι συνέλαβεν πνεῦμα ἅγιον ὅταν στα-
λῇ τὰ ῥέοντα ἀπ' αὐτῆς κάτωθεν πάθη. ἐν ᾧ
σω δὲ ἐνέχεται ἐν αὐτοῖς, πῶς δύναται

- | | | |
|-----|---|-----|
| 1. | тыщелавити се тако бестѣтна тѣмъ же | 90R |
| 2. | дажь кровь, и прими дхъ . | |
| 3. | Иногда пакы жена нѣкога недоуѣ неисцѣ- | 226 |
| 4. | лимъ имѣючи на роуцѣ, пришѣши съ дрѣ- | |
| 5. | гою женою вѣнѣ келие его стоящи на съ- | |
| 6. | вернымъ окнѣци, зрѣше его сѣдѣща и дѣ- | |
| 7. | лающе и запрѣщаше еи глѣ, отиди жено. | |
| 8. | она же стояше зрѣши его и не глѣши. бога- | |
| 9. | ше бѣ се раздѣмѣвъ же старѣцъ еже имѣше, | |
| 10. | въставъ затвори окнѣце и рѣ поиди ни | |
| 11. | едино зло имаше. и исцѣлѣ жена ѿ часа | |
| 12. | тогѡ . Ѡ авва Лѡтѣ . | |
| 13. | Прииде нѣкто ѿ старѣцъ къ авва Лѡтоу, въ | 227 |
| 14. | малоую поустыню Арсе ^{NO} ланта и моли | |
| 15. | се емоу за келию, и даде емоу. бѣше оубо | |
| 16. | старѣцъ немощьнь, и покои его авва Лѡ. | |
| 17. | и прихождоу нѣцѣи къ авва Лѡтоу. и | |
| 18. | творѣше ихъ ити и къ старцоу недоужно- | |
| 19. | моу. и глѣше имъ словеса Ѡригенова | |
| 20. | и скръбѣше авва Лѡтѣ глѣ. еда рѣши има- | |
| 21. | ють ѡѣи, тако и мы такови есмы изгна- | |
| 22. | ти же его хотѣше ѿ мѣста ѡного, и бога- | |
| 23. | ше се заповѣди бжїе. и въставъ иде къ а- | |

1. κενοδοξείν ὡς ἀπαθής;
δὸς αἷμα, καὶ λάβε πνεῦμα.
Ἄλλοτε πάλιν γυνή τις πάθος
ἔχουσα εἰς τὴν χεῖρα(ν) ἔλθοῦσα μετὰ ἐτέ-
ρας γυναικὸς ἔξωθεν τοῦ κελλίου αὐτοῦ εἰς τὸ βό-
ρειον θυρίδιον, προσέσχεν αὐτῷ καθεζομένῳ καὶ ἔργα-
ζομένῳ· καὶ ἐπετίμα αὐτῇ λέγων· ἀπελθε γύναι·
ἡ δὲ ἐπέμενε προσέχουσα καὶ μὴ λαλοῦσα· ἐφοβεῖ-
το γάρ· γνοὺς οὖν ὁ γέρων ὃ εἶχεν,
10. ἀνέστη καὶ ἔκλεισε τὸ θυρίδιον καὶ εἶπεν· ἀπελθε, οὐ-
δὲν κακὸν ἔχεις· καὶ ἐθεραπεύθη ἡ γυνὴ ἀπὸ τῆς ὥρας
ἐκείνης.
Ἦλθέ τις τῶν γερόντων πρὸς τὸν ἀββᾶν Λῶτ εἰς
τὸ μικρὸν ἔλος τοῦ Ἀρσενοῖτου· καὶ παρεκάλεσεν
15. αὐτὸν διὰ κελλίον, καὶ ἔδωκεν αὐτῷ· ἦν δὲ
ὁ γέρων ἀσθενής καὶ ἀνέπαυσεν αὐτὸν ὁ ἀββᾶς Λῶτ·
καὶ εἰ ἤρχοντό τινες παραβαλεῖν τῷ ἀββᾷ Λῶτ,
ἐποίει αὐτοὺς παραβαλεῖν καὶ τῷ γέροντι τῷ ἀσθε-
νῇ· καὶ ἤρξατο λαλεῖν αὐτοῖς λόγους τοῦ Ὀριγένους·
20. καὶ ἐθλίβετο ὁ ἀββᾶς Λῶτ λέγων· μὴ καὶ νομίσω-
σιν οἱ πατέρες, ὅτι καὶ ἡμεῖς οὕτως ἐσμέν· καὶ ἐκβα-
λεῖν ἐκ τοῦ τόπου ἐφοβεῖ-
το διὰ τὴν ἐντολήν· καὶ ἀναστὰς ἦλθε πρὸς τὸν ἀβ-

4. Pa πάθος ἔχουσα δυσίατον

22. Pa G ἐκβαλεῖν αὐτὸν

1. вва Арсению и повѣда ѿмоу ѿ стар'ци.
2. и рѣ ѿмоу авва Арсение не ѿ жени ѿгоу
3. нь р'ци ѿмоу. се ѿ бѣ еже ѿ гаѣ пиѣ га-
4. ко хоцещи, тѣчию словесе не глѣи и аще
5. хоцеть, исправити се иматъ аще ли не
6. исправити се всхоцеть, самъ изыти
7. ѿ мѣста иматъ, и не боудеть вина ѿ те-
8. бе. шѣ же оубѣ авва Лѡтъ, сътвори тако.
9. стар'ць же тако слыша си, не всхотѣ и-
10. справити се. нь прилеже молити се глѣе.
11. гѣ ради, ѿпоустѣ ме ѿ ѣе. понеже не мо-
12. гоу трѣпѣти въ поустыни и въставъ
13. изыде любовию ѿпоуцаемъ.
14. Повѣда нѣкто ѿ братѣ нѣкоимъ выпады-
15. шимъ въ грѣхъ. тако шѣшоу къ авва
16. Лѡтоу, с'моуцаше се исходе и въходе
17. и не могоу състи. и глѣ ѿмоу авва Лѡт'.
18. что имашѣ брате. ѿн' же рѣ. грѣхъ ве-
19. лѣи сътвори, и не могоу исповѣдати ѿ-
20. го ѿцѣмъ. и рѣ ѿмоу стар'ць. исповѣ-
21. жь и мнѣ, и азъ понесю и. и тогда рече
22. ѿмоу тако въ блѡудъ выпадохъ. и по-
23. жрѣхъ тако полуучити ми вещь сию.

90 V

228

1. βάν Ἀρσένιον· καὶ διηγήσατο αὐτῷ περὶ τοῦ γέροντος·
καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ἄββᾶς Ἀρσένιος· μὴ διώξης αὐτόν·
ἀλλ' εἰπὲ αὐτῷ· ἰδοὺ ἐκ τῶν τοῦ θεοῦ· φάγε πίε ὥς
θέλεις, μόνον τὸν λόγον τοῦτον μὴ λαλήῃς· καὶ ἐὰν
5. θέλη διορθοῦνται, εἰ δὲ οὐ
θέλει διορθώσασθαι, ἀφ' ἑαυτοῦ ἀναχω-
ρεῖ ἐκ τοῦ τόπου, καὶ οὐκ ἀπὸ σοῦ γίνεται ἡ ἀφορμή·
ἀπελθὼν οὖν ὁ ἄββᾶς Λῳτ, ἐποίησεν οὕτως·
καὶ ὁ γερων ὥς ἤκουσεν ταῦτα, οὐκ ἤθελε δι-
10. ορθώσασθαι, ἀλλ' ἔβαλε παρακαλεῖν λέγων·
διὰ τὸν κύριον πέμψατέ με ἐντεῦθεν, ὅτι οὐ δύνα-
μαι βαστάξαι τὴν ἔρημον· καὶ ἀναστὰς
ἐξῆλθεν προπεμπόμενος μετὰ ἀγάπης.
Διηγήσατό τις περὶ τινος ἀδελφοῦ ἐμπεσόν-
15. τος εἰς ἁμαρτίαν ὅτι παραβαλὼν τῷ ἄββᾳ
Λῳτ ἐταράσσετο εἰσερχόμενος καὶ ἐξερχόμενος
καὶ μὴ δυνάμενος καθίσει· καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ἄββᾶς Λῳτ·
τί ἔχεις ἀδελφέ; ὁ δὲ εἶπεν· ἁμαρτίαν με-
γάλην ἐποίησα, καὶ οὐ δύναμαι αὐτὴν ἐξειπεῖν
20. τοῖς πατράσιν· λέγει ὁ γέρων· ὁμολό-
γησόν μοι αὐτὴν καὶ γὰρ βαστάζω αὐτήν· τότε εἶπεν
αὐτῷ· εἰς πορνείαν ἔπεσον καὶ ἔ-
θυσα τοῦ τυχεῖν τοῦ πράγματος·

1. и гл҃а юмоу стар'цѣ дръзѣи, ꙗко ѿѣ пока-
2. гание. иди и сѣди въ пещерѣ, и пости по
3. два дѣни и азъ възмоу полъ грѣха твоего
4. на се. по скончани же тремъ нѣлѣтамъ, и-
5. звѣщено бѣ старцю, ꙗко прието бѣ по-
6. кагание брата. и прѣбѣ въ послушани
7. стар'цю до смърти своеѣ ·
8. Тѣ же рѣ ꙗкоже каситеро почрѣмѣвше, 229
9. паки оутѣшаетъ се. тако и вѣроующіи
10. аще и почрѣмѣвають сѣгрѣшающе, про-
11. свѣщаютъ се паки кающе се ·
12. Знаменіе мыслите. О авва Марцѣ великый ·
13. Повѣда намъ бѣженныи Пафноутиѣ, крѣ- 230
14. п'каго сего оученикъ ꙗко въ единый дѣнь
15. сѣдещоу бѣженному и бесмъртному
16. авва Маркоу въ двороу, и боу бесѣдоущѣ.
17. медвѣдица възм'ши щене свое, приведе
18. и врата тлькоуши главою вниде. и по-
19. врьже се на ногы ст҃го. и се приѣмъ ст҃ыи
20. Марко, плюноу на очи его, и помолив се
21. абие прозрѣ и възмши ѿ медвѣдица
22. отиде. въ оутрѣи же дѣнь, кожоу ѿ велика
23. ѡвна принесе ст҃моу. сию оубѣ кожоу

1. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· θάρσει ὅτι ἔστι μετὰ νοία· ὑπάγε κάθου εἰς τὸ σπήλαιον καὶ νήστευσον δύο δύο, κἀγὼ βαστάζω μετὰ σοῦ τὸ ἥμισυ τῆς ἁμαρτίας· πληρωθεῖσιν οἱν τριῶν ἐβδομάδων ἔ
5. πληροφορήθη ὁ γέρων ὅτι ἐδέξατο ὁ θεὸς τὴν μετάνοιαν τοῦ ἀδελφοῦ· καὶ ἔμεινεν ὑποτασσόμενος τῷ γέροντι ἕως θανάτου αὐτοῦ.
Ὁ αὐτὸς εἶπεν· ὅτι ὥσπερ ὁ κασσίτερος μελαινόμενος λαμπρύνεται πάλιν, οὕτως καὶ οἱ πιστεύοντες
10. κἂν μελαίνωνται ἁμαρτάνοντες, λαμπρύνονται πάλιν μετανοοῦντες·
Στοιχείον μ. Περὶ τοῦ ἀββᾶ Μάρκου τοῦ μεγάλου Διηγέσατο ἡμῖν ὁ μακάριος Παφνούτιος ὁ τοῦ γενναίου τούτου μαθητῆς· ὅτι μιᾶς τῶν ἡμερῶν,
15. καθεζομένου τοῦ μακαρίου καὶ ἀθανάτου Μάρκου ἐν τῇ αὐλῇ καὶ τῷ θεῷ προσομιλοῦντος, ὕαινα λαβοῦσα τὸν ἑαυτῆς σκύμνον τυφλὸν ἤνεγκεν· καὶ τῷ θυριδίῳ τῆς αὐλῆς κρούουσα τῇ κεφαλῇ, εἰσῆλθε· καὶ ῥίπτει αὐτὸν εἰς τοὺς πόδας τοῦ ἁγίου. τοῦτον λαβὼν ὁ ἅγιος
20. Μάρκος, καὶ ἐπιπτύσας τοῖς ὀφθαλμοῖς αὐτοῦ, ἐπηύξατο καὶ παραχρῆμα ἀνέβλεψε· καὶ λαβοῦσα αὐτὸν ἡ ὕαινα, ἀπῆλθε· τῇ δὲ ἐξῆς ἡμέρᾳ, κώδιον μεγάλου προβάτου ἤνεγκε τῷ ἁγίῳ· ὅπερ κώδιον

4. Pa τῶν τριῶν

13ss. Il n. 230 (sl. e gr.) nella prima parte coincide quasi totalmente con HL 18,27 e alla fine ricorda da vicino HL 18,28^a, dove manca però la menzione di Atanasio. Il destinatario del dono è sì indicato in 18,28^b, ma si tratta di Melania, che racconta poi il fatto a Palladio.

17. HL τυφλὸν ἔντα, ἤνεγκε τῷ Μακαρίῳ

1. остави тѣ сѣмоу Аѳанасію архіеѣкпѣ ·
2. Къ сѣмоу шѣ иногда абба Макаріе повѣ-
3. да намъ іако ѡбрѣтохъ вѣнѣ келие іе-
4. го презвитера лежѣща ѡ града нѣкое-
5. го пришѣша іегоже глава недоугомъ
6. глѣемымъ каркиномъ изѣдена бѣше,
7. іакоже в'сеи кости видѣти се. и не при-
8. немаше іего, ни глѣти ѣмоу. молих' же
9. се ѣмоу глѣ. оущедри сего ѡкааннаго
10. молю се, и даѣѣ ѣмоу понѣ ѡвѣтъ. и глѣ
11. ми іако недостойнѣ іѣ исцѣленію. въ
12. наказаніе бѡ ѣмоу послано іѣ се. и аще
13. хоцѣши исцѣлену быти, сътвори іего
14. да оставитъ литургисати. и рѣхъ ѣ-
15. моу. чѣсо ради молю ти се. и рѣ ми іако
16. блѡудитъ и литургисаетъ, и того ради
17. наказаетъ се. и аще оубѡ съ страхомъ
18. оставитъ им'же бѣѣ страха смѣати ка-
19. сал' се іѣ, бѣ исцѣлѣти іего иматъ. аз' же
20. рекохъ страѡущоу. и кле се бѣмъ жи-
21. выимъ к томѣ не литургисати. и глѣ
22. ѣмоу. вѣроуѣши ли іако іѣ бѣ, ѣмоу же
23. ничтоже не таемо іѣ. и рѣ. вѣмъ ѡчѣ

1. αὐτὸς κατέλιπε τῷ ἁγίῳ Ἀθανασίῳ τῷ ἀρχιεπισκόπῳ.
Τούτῳ παραβαλὼν ποτε ὁ ἄββᾶς Μακάριος διηγή-
σατο ἡμῖν· ὅτι εἶρον ἔξω τῆς κέλλης αὐ-
τοῦ πρεσβύτερον κατακείμενον ἀπὸ κώμης τι-
5. νὸς παραγενόμενον· οὐ ἢ κεφαλὴ
ἐβέβρωτο ὥς καὶ αὐτὸ τὸ ὅστουν φαίνεσθαι ἅπαν,
ἀπὸ πάθους τοῦ λεγομένου καρκίνου· καὶ οὐδὲ ἐν
συντυχίᾳ αὐτὸν ἐδέχετο· παρεκάλεσα
οὖν αὐτὸν λέγων· κατοικτείρησον δέομαι τοῦτον τὸν ἄθλιον,
10. καὶ δὸς αὐτῷ κἂν ἀπόκρισιν· καὶ λέγει
μοι· ὅτι ἀνάξιός ἐστι τοῦ ἰαθῆναι·
παιδεία γὰρ αὐτῷ ἀπεστάλη αὕτη· εἰ δὲ
θέλεις αὐτὸν ἰαθῆναι, πείσον αὐτὸν
ἀποστήναι τῆς λειτουργίας· καὶ εἶπον ἐγώ,
15. διὰ τί, δέομαί σου; καὶ λέγει μοι· ὅτι
πορνεύων λειτουργεῖ καὶ διὰ τοῦτο
παιδεύεται· ἐὰν οὖν ἀποστή φόβῳ
ῶν καταφρονῶν κατετόλμη-
σεν, ὁ θεὸς αὐτὸν ἰᾶται· καὶ γὰρ
20. εἶπον τῷ πᾶσχοντι· καὶ ὤμοσεν ἐπὶ θεῷ ζών-
τι, μηκέτι ἱερατεῦσαι· καὶ λέγει
αὐτῷ· πιστεύεις ὅτι ἔστι θεὸς ὃν
οὐδὲν λανθάνει; καὶ λέγει· ναί,

1. молю ти се. гл̃а ѿмоу стар'цѣ аще вѣ
2. грѣхъ твои, к томѹ не сщєн'ствоуи. и да-
3. де ѿмоу слово к томоу не слоужити, нѣ
4. въ събѣрѣ людемъ прѣбывати. и аби-
5. ѿ възложи роуцѣ на нѣ стѣи, и абиѿ исцѣ-
6. лѣ и власы сѣтвори. и иде въ домъ свои рабѣ-
7. ѿ се и славе бѣ, и бѣгодаре стѣго .
8. Сѣи Марко. юнѣ сѣ, ветхое и новое писа-
9. нѣе изоучи. кроткѣ же бѣше зѣлѣ. чи-
10. стѣ же, аще и дробѣи нѣкто. въ единѣ
11. же дѣнь безвѣременно идѣ на врата кели-
12. и ѿго. мнѣ ѿго паче члѣка бѣти ѿкоже
13. бѣ и бѣше. и послоушѣ что оубѣ глѣеть
14. или что дѣлаеть. и ѿдинѣ сѣ въноутрѣ
15. къ стоу лѣтомъ пришѣшоу оубѣ. и зѣбы
16. погоубивѣ, сѣбѣ досажаше, и дѣаволоу глѣе.
17. что хошеши зѣи старчѣ. се и вина приѿ
18. и маслоу косноу сѣ. прочеѿ, что хошеши
19. да сѣтвориу тебѣ. многогѣде. чрѣвѣ рабѣ.
20. и тако сѣбѣ досажаше. таже бѣсоу глѣаше.
21. отиди ѿ мене дѣаволе, сѣстарѣ се сѣ мнѣ
22. ю въ неоустроени. тѣлоу ми изнемага-
23. нѣе приврѣже. виноу ме причестити се

92 R

232

1. δέομαί σου· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· εἰ γνωρίζεις
σου τὴν ἁμαρτίαν, μηκέτι ἱεουργήσῃς· καὶ ἔ-
δωκε λόγον τοῦ μηκέτι ἱεουργήσαι, ἀλλὰ
τὸν λαϊκὸν ἀσπάσασθαι κλῆρον· καὶ εὐθέ-
5. ὡς ἐπέθηκεν αὐτῷ τὰς χεῖρας ὁ ἅγιος. καὶ εὐθέως ἱα-
θη καὶ ἐτρίχωσεν· καὶ ἀπήλθεν εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ χαί-
ρων καὶ δοξάζων τὸν θεὸν καὶ εὐχαριστῶν τῷ ἁγίῳ.
Οὗτος δὲ ὁ Μάρκος νεώτερος ὢν, παλαιὰν καὶ καινὴν γρα-
φὴν ἀπεστήθισεν· πρῶτος ὢν καθ' ὑπερβολήν· ἅ-
10. γνὸς δὲ εἰ καὶ τις ἄλλος· μιᾶς δὲ τῶν
ἡμερῶν ἀκαιρούμενος ἐγὼ ἀπέρχομαι εἰς τὴν θύραν τῆς κέλ-
λης αὐτοῦ, νομίζων αὐτὸν ὑπὲρ ἄνθρωπον εἶναι, ὥσπερ
καὶ ἦν· καὶ παρηκροώμην τί ἄρα λαλεῖ
ἢ διαπράττεται· καὶ μονώτατος ὢν ἔνδον·
15. περὶ τὰ ἑκατὸν ἔτη ἐλάσας ἤδη· καὶ τοὺς ὀδόντας
ἀπολέσας, ἑαυτῷ διεμάχετο καὶ τῷ διαβόλῳ λέγων·
τί θέλεις λοιπὸν κακόγηρε; ἰδοὺ καὶ οἶνον ἔλαβες
καὶ ἐλαίου ἥψω· λοιπὸν τί θέλεις
ποιήσω σοι; πολύφαγε κοιλιόδουλε·
20. ἑαυτὸν ἐξυβρίζων· εἶτα τῷ δαίμονι·
ἄπελθε ἀπ' ἐμοῦ, λέγων· διάβολε, συγγεγήρακάς μοι
ἐν ἀδιαφορίαις· ἀσθενεῖάν μοι τοῦ σώμα-
τος ἐπιρρίψας· οἶνου με ἐποίησας μεταλαβεῖν

18ss. Il testo parallelo di HL 18,26 corrisponde con minore aderenza al testo slavo.

19. Lo slavo presuppone πολύφαγε, che dovrebbe essere una variante "facilior" di πολιδόφαγε che compare due volte nel testo parallelo di HL.

1. сътвори и маслоу. сластолюбива ме съ-
2. твори еда еше нѣкое длѣжнѣ ти ес'мѣ.
3. ничтоже не ѡбрѣташи оу мене еже да
4. оукрадеши. прочее ѡстави се мене чло-
5. вѣконенавидѣче и такоже къ другоу се-
6. бѣ глѣше. отиди прочее лѣжоу. мно-
7. гоаде лакомыи стар'че; доколѣ боу-
8. дѣ с тобою · Глѣше же и се ѡ немѣ.
9. тако за а҃г лѣта кромѣ соу҃ты и нѣле,
10. не изѣде хлѣба. такоже мнѣти се нѣкы-
11. имѣ, тако бесплѣтнѣ иѣ. дѣлаше же въ
12. ноци и въ дѣни, и да҃ше нищиимѣ. ни-
13. колиже ѡ кого възѣ что. глѣше бѣ. та-
14. ко мое роуждѣнїе питаетъ мене, и
15. приходящихъ къ мнѣ гдѣ ради. ѡне-
16. лиже крѣти се, на землю не плѣноу. четверо-
17. десетолѣтнѣ оубѣ крѣти се. бѣше же
18. видѣнїе възраста его, ниско. спанѣ.
19. на оустнѣ тѣчию имѣе власы и на крѣ-
20. и браны мало влась. ѡ многого же троу-
21. да постнаго, ни власи главы его не ра-
22. стѣхоу. къ сеому стѣмоу единою при-
23. идохъ въ оуныни ми прѣбывающоу.

1. καὶ ἐλαίου φιλήδονόν με ἀπεργασάμενος· μὴ ἀκμήν σοι τί χρεωστῶ;
οὐδὲν εὐρήσεις ἐν ἐμοὶ ὃ θέλεις
συλῆσαι· ἀπελθε λοιπὸν ἀπ' ἐμοῦ μισάν-
5. θρωπε· καὶ ὥς ἐταιρίζων ἔαν
τῷ διελέγετο· δεῦρο λοιπὸν λήρε, πολιδό-
φαγε, φαγόγηρε· ἕως πότε ἔσο-
μαι μετὰ σοῦ; Ἔλεγε δὲ καὶ τοῦτο περὶ αὐτοῦ
ὅτι ἐπὶ ἐξήκοντα καὶ τρισὶν ἔτεσιν ἐκτὸς σαββάτου καὶ κυριακῆς
10. οὐκ ἔφαγεν, ὥστε νομίζειν τινὰς
ὅτι ἄσαρκός ἐστιν· εἰργάζετο δὲ
νύκτα καὶ ἡμέραν, καὶ ἐδίδου αὐτὰ πτωχοῖς· οὐδέ-
ποτε δὲ ἔλαβεν παρὰ τινος. ἔλεγε γὰρ ὃ-
τι τὸ ἐμὸν χεῖρeron, τρέφει καὶ ἐμὲ καὶ
15. τοὺς ἐρχομένους πρὸς με διὰ τὸν κύριον· ἀφ' οὗ
δὲ ἐβαπτίσθη, χαμαὶ οὐκ ἔπτυσεν· τεσσαρα-
κονταέτης γὰρ ἐβαπτίσθη· ἦν δὲ
τὸ εἶδος τῆς ἡλικίας αὐτοῦ ὑποκόλοβον· σπανός·
ἐπὶ τοῦ χείλους μόνον ἔχων τρίχας· καὶ εἰς τὸ ἄ-
20. κρον τοῦ γενείου εἶχεν ὀλίγας· δι' ὑπερβολὴν γὰρ ἀσκη-
τικῶν πόνων, οὐδὲ αἱ τρίχες τῆς κεφαλῆς αὐτοῦ ἔφυ-
σαν· τούτῳ τῷ ἀγίῳ ἐγὼ μιᾶς προσήλθον ἐν ἀκηδία διάγων,

3. Pa HL εὐρίσκεις

6. Lo sl. presuppone ancora πολύφαγε (cf. pag. prec.), traducendo poi φαγόγηρε
соп λαкомыи стар'че.

12-13. Pa οὐδέποτε δὲ παρὰ τινος ἔλαβέ τι

1. глѣхъ ѿмоу. авва что сътворю. тако
2. помышлѣннѣ моѣ скръбѣтъ ме глѣю-
3. ще ми. тако ничтоже не твориши зде,
4. идѣмъ ѿ зде и рѣ ми стар'цѣ р'ци ты
5. помыслѣмъ. тако хѣ ради съжѣоу стѣ-
6. ны бѣлости кѣлїи сеи. Си ѿ великый
7. и многы чюдесъ и моужь бѣжен'наго
8. и добродѣтел'наго Марка назнаменовѣ .
9. О авва Макарии Егуп'тскимъ .
10. Иже о двоихъ сихъ бѣженный моужь
11. Макарий. многа и достослышанна
12. повѣдаше намъ иже искоусно вѣдѣхъ
13. сихъ ѿци. сѣга же два Макариа, ѿвѣ ѣ-
14. бѣ иѣ егуп'тенинъ родомъ. ѿвѣ же але-
15. зан'дрѣнинъ и прѣже оуже, ѿ егуптѣ-
16. н'скимъ повѣдаю. иже и жить в'са лѣта
17. живота его, лѣтъ чѣ съ, тридесетолѣтъ-
18. нь иде въ скитъ и толико на добродѣтѣ-
19. ль оуспѣ, тако въ десетихъ лѣтъѣ власть
20. прие на доухы нечистыѣ. и исцѣлени-
21. е недоужныхъ и прорицаниѣ. бѣ же и
22. презвитерь съ симъ бѣхоу вѣ оу(ченика,)
23. и єдинъ оубѣ слоужаше ѿмоу з(а прихо-)

1. καὶ λέγω αὐτῷ· ἄββᾶ· τί ποιήσω ὅτι
θλίβουσί με οἱ λογισμοὶ λέγον-
τές μοι· ὅτι οὐδὲν ποιεῖς,
ἄγωμεν ἐντεῦθεν· καὶ λέγει μοι· εἰπον σὺ
5. τοῖς λογισμοῖς, ὅτι διὰ τὸν Χριστὸν τοὺς τοίχους
τῆς κέλλης καθεζομαι θεωρῶν· ταῦτα ἐκ πολλῶν
καὶ μεγάλων σημείων καὶ ἄθλων τοῦ ἀοιδίμου
καὶ ἐναρέτου μεγάλου Μάρκου ἐσήμενα.
Περὶ τοῦ ἄββᾶ Μακαρίου τοῦ αἰγυπτίου
10. Τὰ κατὰ τοὺς δύο Μακαρίους τοὺς ἀοιδίμους ἄνδρας
πολλὰ καὶ ἀξιόκουστα
ἡμῖν διηγήσαντο οἱ τούτων ἐσχηκότες πείραν
πατέρες· τούτων τῶν Μακαρίων, ὁ μὲν
ἐστὶν αἰγύπτιος τῷ γένει· ὁ δὲ ἄλε-
15. ξανδρεὺς· καὶ πρῶτον μὲν περὶ τοῦ αἰγυπ-
τίου διηγήσομαι· ὃς ἔζησεν τὰ σύμπαντα ἔτη
ἐνενήκοντα· οὗτος τριακονταέτης
ἀνῆλθεν ἐν σκῆτει, καὶ τοσοῦτον εἰς ἀρετὴν
προέκοψεν, ὥς ἐντὸς τῶν δέκα ἐτῶν ἐξουσίαν
20. λαβεῖν κατὰ πνευμάτων ἀκαθάρτων, καὶ ἰάσεις
ἀσθενιῶν καὶ πρρορήσεων· γέγονε δὲ καὶ
πρεσβύτερος· τούτῳ συνῆσαν δύο μαθηταί·
καὶ ὁ μὲν εἰς ὑπηρέτει αὐτῷ διὰ τοὺς ἔρχο-

9. Ricordo che αἰγύπτιος vale qui, come d'uso "dell'Alto Egitto", "dell'area copta", in contrapposizione ad Alessandria grecofona (cf. HL:332).

10. Sulle modifiche apportate a HL 17 cf. Introduz., tab. 3.

13. Lo slavo sopprime il passo presente dopo πατέρες sia in M sia in Pa (diverso il testo di HL): ὀλίγα δὲ ἐκ πολλῶν ἔγραψά σοι πιστότατε Λαῦσε.

21. Lo slavo dà senso, il greco no. Lo avrebbe introducendo ad es. χάριν», cf. HL 17,2 (π. 14-15): ἔλαβε χάριν λαμάτων τε καὶ προρήσεων.

1. деѣиѣхъ къ нѣмоу цѣлбы ради. дроугы-
2. и же оупражниаше се въ келіи близъ него.
3. не бѣхоу бѣи еще пришли мнози иноци
4. въ скитъ · глѣше же слоужьбникоу
5. своему Іоанноу иже и послѣдъ пре-
6. звитеръ бѣи на мѣстѣ него. слыши двѣ
7. Іоанне мое наказаніе. аще ли не послѣ-
8. шаши мѣ, Гиезиево проказаніе има-
9. ши наслѣдити. искоушаетъ бѣи те дѣхъ
10. сребролюбныи такоже и ѡного. и аще
11. съхраниши себе, бѣвение ѡцѣ почити
12. на тебѣ имать аще ли одолѣетъ ти, зла
13. кончина твоѣа боудеть слоучи же се нѣмъ
14. прѣслоушати старца. и по десетихъ лѣ-
15. тѣхъ прокази се, тако не ѡбрѣсти се на
16. в'семъ тѣлѣ него мѣсто цѣло. заоукра-
17. данна ради ѡ чести ниций. и съврѣши
18. се на нѣмъ прореченіе старчево. тако-
19. въ бѣи естъ прѣслоушанна кон'цъ ·
20. (ѡ) пици же и пивѣ старца, лихо іѣи и глѣти
21. (п)онеже и въ лѣнивыхъ нѣѣ ѡбрѣсти ѡ-
22. (бѣа)деніе или бесчиніе въ горѣ оной.
23. (скоудо)сти ради потрѣбъ, и ревности

1. μένους θεραπεύεσθαι· ὁ δὲ ἄλ-
λος ἐσχόλαζεν ἐν κελλίῳ πλησίον αὐτοῦ·
οὕτω γὰρ ἦσαν πολλοὶ τῶν προσελθόντων μοναχῶν
ἐν σκήτει· ἔλεγεν οὖν τῷ ὑπηρέτῃ
5. αὐτοῦ Ἰωάννη τῷ καὶ πρεσβυτέρῳ γενομένῳ
εἰς τὸν τόπον αὐτοῦ ὕστερον· ἄκουσόν μου ἄββᾶ
Ἰωάννη τῆς νουθεσίας· εἰ δὲ μὴ ἀκού-
σῃς μου τοῦ Γιεζὶ τὴν κατάραν κληρο-
νομεῖς· πειράζει γὰρ σε τὸ πνεῦμα
10. τῆς φιλαργυρίας ὥς κάκεινον· καὶ εἰ μὲν
φυλάξεις (σ)εαυτόν, ἡ εὐλογία τῶν πατέρων ἐπὶ σὲ ἐπανα-
παύσεται· εἰ δὲ κυριεύσει σου, κακὰ
τὰ τέλη σου ἀποβήσεται· συνέβη δὲ αὐτὸν
παρακοῦσαι τοῦ γέροντος· καὶ μετὰ δέκα ἔ-
15. τη ἠλεφαντίασεν ὥς μὴ εὑρεθῆναι εἰς
τὸ σῶμα αὐτοῦ ἀκέραιον τόπον, διὰ τὸ νοσφίσα-
σθαι τὰ τῶν πτωχῶν· καὶ ἐπληρώθη
ἐν αὐτῷ ἡ προφητεία τοῦ γέροντος· τοιαῦ-
τα γὰρ τῆς παρακοῆς τὰ τέλη.
20. περὶ μὲν οὖν βρώσεως καὶ πώσεως περιττόν ἐστι τὸ λέγειν·
ὁπότε οὐδὲ παρὰ τοῖς ῥαθύμοις ἔστιν εὑρεῖν ἁ-
δηφαλίαν ἢ ἀδιαφορίαν ἐν τῷ ὄρει ἐκείνῳ·
καὶ διὰ τὴν σπάνιν τῶν χρειῶν, καὶ διὰ τὸν ζῆλον

11. La forma σεαυτόν è chiaramente leggibile in Pa; in M la lettura è difficile per un leggero guasto del ms., comunque sembra si debba leggere εαυτόν. Gli scambi tra pn. rifl. di 2^a (o 1^a) pers e di 3^a sono comunque frequenti nel gr. tardo, cf. Mayser, I: 303.

1. подвига соущиихъ тамо ·
2. О другихъ же подвизехъ его повѣмъ.
3. гл҃аху бѣ присно въ истощаніи немощи
4. бывати и въ зрѣніе оупражнѣти се и по-
5. оученіе. и не оставлѣти ни мало оумъ
6. свои гл҃омити се въ мирскыя вещи. поне-
7. же ѿ чюдесѣхъ воспоминающихомъ, да не ѿ-
8. б'л҃еннымъ се повѣдати. мужъ нѣкто е-
9. гип'тѣнинъ, въжелѣ нѣкѣю женоу мужа-
10. тоу. и не могущоу немощи прѣлѣстити ю,
11. къ ѡбавникѣ иде гл҃іе. или сътвори что да
12. възлюбитъ ме, или да ѡженеть ю мужъ ее.
13. възъмъ же ѡбавникъ мѣзѣ многу ѿ неѣ.
14. и сътвори ѡтраву, и прѣобрази се яко ко-
15. была видѣниемъ. прише же мужъ ее и ви-
16. дѣвъ ю яко кобылоу, раздѣмъ навѣтъ вра-
17. жии. обаче печаловадше и мыслѣше и
18. скръбѣше. и искаше како ѡбрѣсти злоу
19. семѣ раздрѣшеніе. слезаше же жена, ни
20. траву гадѣущи яко скоть, ни хлѣбъ гл҃ѣ
21. чл҃къ. слыше же мужъ ее о бл҃женны(мъ)
22. ѡци Макарии, възъмъ женоу иде (къ немощи.)
23. приближившѣ же се немощи кели(и ст҃го.)

1. τῶν κατοικούντων·
περὶ δὲ τῆς ἄλλης αὐτοῦ ἀσκήσεως λέγω·
ἐλέγετο γὰρ ἀδιαλείπτως ἐξίστασθαι
καὶ τῇ θεωρίᾳ σχολάζειν καὶ τῇ με-
5. λέτῃ· καὶ μηδόλως ἔαν τὸν νοῦν
αὐτοῦ ἀδολεσχήσαι εἰς τὰ τοῦ κόσμου πράγματα. ἐπεὶ
δὲ περὶ θαυμάτων ἐμνημονεύσαμεν, οὐκ ὀκνη-
τέον εἰπεῖν· ἀνὴρ γάρ τις αἰ-
γύπτιος ἐρασθεὶς γυναικὸς ὑπάν-
10. δρου καὶ μὴ δυνάμενος αὐτὴν δελεάσαι,
γόητι προσωμίλησεν λέγων· ἢ ποιήσον αὐτὴν
ἀγαπήσαί με, ἢ ἔργασαί τι, ἵνα ῥίψῃ αὐτὴν ὁ ἀνὴρ αὐτῆς·
λαβὼν δὲ ὁ γόης τὸ ἱκανὸν παρ' αὐτοῦ,
ἐχρήσατο ταῖς μαγείαις· καὶ παρασκευάζει αὐτὴν φορά-
15. δα φαῖναι· ἐλθὼν δὲ ὁ ἀνὴρ ἔξωθεν καὶ ἰ-
δὼν αὐτὴν ὡς φοράδα, ἔγνω τὴν ἐπιβουλήν τοῦ ἐχ-
θροῦ· καὶ τέως μὲν ἐδυσφόρει,
ἡμιᾶτο, ἐζήτει τοῦ κακοῦ
λύσιν· ἔκειτο δὲ ἡ γυνή, μήτε
20. χόρτον ἐσθίουσα ὡς ἄλλογον, μήτε ἄρτον ὡς
ἄνθρωπος· ὁ δὲ ἀνὴρ ἀκούων τὰ περὶ τοῦ ἀοιδίμου
πατρὸς Μακαρίου, λαβὼν τὴν γυναῖκα ἀπῆει πρὸς αὐτόν·
ἐν δὲ τῷ πλησιάζει τῇ κέλλῃ τοῦ ἁγίου,

21. Pa ὁ δὲ ἀνὴρ αὐτῆς

22. Dal momento che la grafia è ἀπίει, non si può escludere che in corrispondenza dell'aor. slavo si trovi un pres. storico greco (forma tarda tematizzata, cf. Browning 1983: 30). Non sarebbe certo l'unico caso di corrisp. aor. sl. - pres. gr. (si pensi ai numerosi γᾶδ - λέγει).

1. и видѣв'ше иноци, досаждоу немощи глѣю-
2. ще. что привель неси ѿ кобылоу сию. стѣ-
3. и же вьноутрь сы, могаше се о неи. бѣ-
4. ше бѣ прѣже ѿкрыло се немощи ѿ бѣ о неи.
5. и изышѣ рече имъ. вы есте кони, понеже
6. очеса кон'ска имате. ѿна оубѣ, жена
7. ѿ прѣображена. повѣда же имъ и мѣжь,
8. тако жена ми ѿ. и тако сълоучи се неи.
9. стѣи же бѣвѣ въ водоу, и поливѣ ю ѿ гла-
10. вы до ногоу. и помолив се, сътвори ю женѣ
11. гавити се въ стѣмъ такоже и бѣше. даде же
12. неи гавити. и пороучи не лишати се неи цркви(е.)
13. сего ради сълоучи ти се се рѣ. понеже има-
14. ши ѿ нѣль, тако не причестила се неси прѣ-
15. чистыимъ таинамъ. и ѿпусти ихъ м(и-)
16. ромъ бѣгодарѣе бѣ .
17. съ оубѣ сътвори из'вьноутрь келие свое
18. по землю исходъ, мѣвы ради народа.
19. и негда не хотѣше събрати се с кымъ, вьнѣ-
20. трь ходе ѿходѣше въ пещероу, никомоу-
21. (же) не вѣдаемоу. глѣхоу же оученици него.
22. (такъ) ѿходѣмоу, творѣше къ мѣтвы.
23. (и идомоу) ѿтоудѣ, дрѣгыхъ къ .

1. θεωρήσαντες αὐτὸν οἱ μοναχοὶ ἐμάχοντο αὐτῷ λέγον-
τες· διὰ τί ἤνεγκες τὴν φοράδα ταύτην ὧδε; ὁ δὲ ἅγι-
ος ἔνδον ὧν ἤρχετο περὶ αὐτῆς· ἦν
γὰρ ἀποκαλυφθεὶς ἐκ θεοῦ τὸ συμβᾶν αὐτῇ·
5. καὶ ἐξελθὼν λέγει αὐτοῖς· ὑμεῖς ἐστε ἵπποι· ὅτι
τῶν ἵππων ἔχετε τοὺς ὀφθαλμούς· ἐκείνη γὰρ γυνή
ἐστὶν μετασχηματισθεῖσα· διηγήσατο δὲ αὐτοῖς καὶ ὁ ἀνὴρ,
ὅτι γυνὴ μου ἐστίν, καὶ τάδε συνέβη αὐτῇ·
ὁ δὲ ἅγιος εὐλογήσας ὕδωρ καὶ ἐπιχέας αὐτῇ ἀπὸ κεφα-
λῆς ἕως ποδῶν, καὶ ἐπευξάμενος, ἐποίησεν αὐτὴν γυναῖκα
φανῆναι τοῖς πᾶσι· δοὺς δὲ αὐτῇ
φαγεῖν, παρήγγειλε μηδέποτε ὑστερεῖσθαι τῆς ἐκκλησίας·
διὰ τοῦτο γὰρ φησι τοῦτο συνέβη σοι, ὅτι ἔχεις
πέντε ἑβδομάδας ὅτε οὐ μετέλαβες τῶν ἀχράν-
των μυστηρίων· καὶ ἀπέλυσεν αὐτοὺς ἐν εὐ-
ρίῃ εὐχαριστοῦντας τῷ θεῷ.
αὐτὸς δὲ (ἐποί) ἔνδοθεν τοῦ κελλίου αὐτοῦ
ἐποίησε σύριγγα μέχρι ἡμισταδίου διὰ τὴν ὄχλησιν τοῦ λαοῦ·
καὶ ὅτε οὐκ ἤθελεν ἀπαντῆσαι, ἔσω·
20. θεν περιπατῶν ἀπῆει εἰς τὸ σπήλαιον μηδε-
νὸς γινώσκοντος· ἔλεγον δὲ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ,
ὅτι ἀπιὼν ἐποίει εὐχὰς εἴκοσι τέσσαρας·

20. La grafia è anche qui ἀπίει; cf. quanto osservato alla pag. prec. (r.22);
si tenga comunque presente che in questo caso lo slavo ha effettivamente un imperfetto.

1. Семѣ приведенъ бѣ юноша бѣснѣемъ. при-
2. веде же его мѣти его, къ двоимъ юноша-
3. мъ привезана. имѣше бо дѣланіе се въ
4. нѣмъ бѣсь. іако по издѣніи тремъ къблѣ^ѡ
5. хлѣбы, и по испити мѣры воды, възры-
6. ганіемъ растаѣхоу се брашна. съ ѡбѡ
7. юноша, недовлімъ питати се мѣрию сво-
8. ею, прохода своего гнои іадѣше. множи-
9. цю и съчъ свои питаше. плачю^{щи} же ѡнои,
10. и молеши се сѣмоу. приѣмъ его, мѣтвѣ
11. сѣтвори. помоливъ се боу. по единомѣ же
12. или вѣторомоу дѣни, исчезе недоуѣтъ. и рѣ^ѡ
13. мѣри его. koliko хошеши да іастъ. ѡна
14. же рѣ^ѡ, і литръ хлѣба. сѣи же помолив се
15. оучини его іасти і литры іакоже іѣ по-
16. добно. и дѣлати. и исцѣливъ и, прѣда-
17. де матери его здрава .
18. Инокъ нѣкто сѣдѣше при Арсеноитѣ. іе-
19. моу же бѣсь грѣдостныи косноу се. и прѣ-
20. же оуѣво прѣльсти и ѡ правыи вѣры. и
21. введе его въ разоумъ нарицаемыхъ (ъ іе~)
22. ракитѣне. иже глѣють іако не приѣ(ль іѣ)
23. сѣсь члѣвчское тѣло. ниже вѣск(рѣноути)

1. τούτῳ προσηνέχθη δαιμονίων νεανίσκος
παρὰ τῆς ἰδίας μητρός· συνδεδεμένος δυσὶ νε-
νίσκοις· καὶ ταύτην εἶχε(ν) τὴν ἐνέργειαν
ὁ δαίμων· μετὰ τὸ φαγεῖν τριῶν μοδίων
5. ἄρτους ἐρευγό-
μενος εἰς ἀτμὸν διελύοντο τὰ βρώματα· οὗτος οὖν
ὁ νεανίσκος μὴ ἐπαρκούμενος ὑπὸ τῆς μητρός τρέφεσθαι,
τὴν ἰδίαν κόπρον ἤσθιεν· πολλά-
κις καὶ τὸ ἴδιον ἔπινεν οὖρον· κλαιούσης οὖν ἐκείνης
10. καὶ παρακαλούσης τὸν ἅγιον, λαβὼν ἐπηύξατο
αὐτῷ τὸν θεὸν ἱκετεύων· {λέγων} μετὰ μίαν οὖν
ἢ δευτέραν ἡμέραν ὑπελώφησεν τὸ πάθος· καὶ λέγει
τῇ μητρὶ αὐτοῦ· πόσον θέλεις ἵνα ἐσθίῃ; ἡ
δὲ λέγει· δέκα λίτρας ἄρτου· ὁ δὲ ἅγιος ἐπευξάμενος
15. αὐτῷ, ἔστησεν αὐτὸν εἰς τρεῖς λίτρας, ὥς ὀφεί-
λοντα καὶ ἐργάζεσθαι· καὶ θεραπεύσας αὐτόν, ἀπέδω-
κεν τῇ ἰδίᾳ μητρὶ.
Μοναχὸς τις ἐκαθέζετο περὶ τὸν Ἀρσενοίτην· ὧ-
τινι δαίμων ὑπερηφανίας προσεπέλασεν· καὶ πρῶ-
τον μὲν πλανᾷ αὐτὸν ἀπὸ τῆς ἀληθοῦς πίστεως· καὶ
εἰσάγει αὐτὸν εἰς τὸ φρόνημα τῶν λεγομένων ἱε-
ρακιῶν· οἵτινες λέγουσι μήτε
τὸν σωτήρα ἀνθρώπινον ἀνεληφέναι σῶμα, μήτε ἐγείρεσθαι

5. Pa HL aggiungono dopo ἄρτους: καὶ πιεῖν κικλίκσιον ὕδατος.

6. Pa ἐν ἀτμῷ

1. имать тѣло наше въ нѣже облачени не-
2. смы. и ꙗко ꙗ начала соуть бѣ. и вещи.
3. и злоба. сице же немочу развращышочу се, ѿ-
4. трѣже ѿ правыне вѣры, дѣшъ петьсѣ. си-
5. це оубо възможе, понеже глѣше многѣ
6. многоа, и изгоубленїа и обрѣтаниа.
7. и о оумрѣти многымъ въ различный мѣ-
8. стѣхъ. к томоу же и бѣсы изганиаше по
9. глѣу еѣлскомоу. ꙗко показати имаю
10. знаменїа и чюдеса, елико аще възможнѣ
11. прѣльстити и избранный. кнесемъ бо
12. бѣсовскимъ по истинѣ изганиаше бѣ-
13. сы. зѣла бо съглашаютъ си ѿ погоубле-
14. ни дѣламы. еѣкъ же мѣста оногѣ,
15. прииде съ събѣромъ своимъ къ рабоу
16. бѣию Макарию. моле него и глѣ. ꙗко
17. можеша прииди и помози намъ. аще
18. оубо при живѣтѣ твоємъ съсѣдство на-
19. ше не очистимъ, вѣси оубо к томоу приле-
20. жеть, и въ погоубление ѿходеть. ѿнѣ же
21. (къ н)немочу рѣ. и се оуже прихожочу прость
22. (члвкъ,) что сътворити немочу имамъ. епи-
23. (скопъ же) прилежаше моле него и глѣ. ꙗ-

1. τὸ ἡμέτερον σῶμα ὃ ἐνδεδύμεθα·
καὶ ὅτι τρεῖς εἰσιν ἀρχαί· θεὸς καὶ ὕλη
καὶ κακία· οὕτως δὲ διαστραφεῖς, ἀπο-
σπᾷ ψυχᾶς πεντακοσίας·
5. ἴσχυσε δὲ διὰ τὸ λέγειν πολλοῖς
πολλά, καὶ ἀπωλείας καὶ εὐρέσεις
καὶ ἀποβολὰς θανάτου, ἐν διαφόροις τρό-
ποις· ἀλλὰ καὶ δαιμόνια ἐξέβαλεν κατὰ
τὸ ἐν εὐαγγελίοις εἰρημένον· ὅτι δώσουσι
10. σημεῖα καὶ τέρατα, ὥστε εἰ δυνατόν
πλανῆσαι καὶ τοὺς ἐκλεκτούς· ἐν γὰρ τῷ ἄρχοντι
τῶν δαιμονίων κατὰ ἀλήθειαν ἐξέβαλλεν τὰ δαιμό-
νια· πάννυ γὰρ συμφωνοῦσιν ἐπὶ ἀπωλεί-
ᾳ ψυχῆς· ὁ οὖν ἐπίσκοπος τοῦ τόπου ἐκείνου,
15. παραγίνεται μετὰ τοῦ κλήρου αὐτοῦ, πρὸς τὸν δοῦλον
τοῦ θεοῦ Μακάριον, παρακαλῶν αὐτόν, ὅτι ὡς θέλεις
ἐλθὲ βοήθησον ἡμῖν· ἐὰν
γὰρ μὴ σοῦ ζῶντος τὴν γειτονίαν ἡ-
μῶν ἐκκαθάρωμεν, πάντες αὐτῷ πρόσκει-
20. νται, καὶ εἰς ἀπώλειαν ὑπάγουσιν· ὁ δὲ
πρὸς αὐτόν ἔφη· καὶ ἰδοὺ ἔρχομαι ἰδιώτης
ἄνθρωπος, τί ἔχω αὐτῷ ποιῆσαι; ὁ δὲ ἐπί-
σκοπος ἐπέμενεν ἀξιῶν αὐτόν καὶ λέγων· ὁ

7. Lo slavo presuppone τόποις, che sarebbe abbastanza plausibile; tuttavia il testo greco ha τρόποις sia in M sia in Pa.

1. ко тако вѣроую. како аще приидеши, бѣ
2. оумирити иматъ црѣвь свою. многоу-
3. ши оубѡ прѣложихъ приити и оудръжа-
4. нь быхъ. нѣта же не трѣпешоу ми погѣ-
5. блѣние людемъ. друго же пакы и ѡсѣ-
6. жениа бою се. боу глѣшоу. како кровь ѿ,
7. истѣсати имамъ ѿ роукъ вашихъ.
8. приидѡ к тебѣ, боу пославшоу ме. ѡнъ
9. же вѣставъ, поиде по нѣмъ. и пришѣши-
10. мь до прѣльстника ѡного. и видѣвъ ѡ-
11. го стар'цъ, рѣ еп'кпоу. сѣи, кнеза бѣсовъ-
12. скаго иматъ. и вѣжъ како мое дѣло се
13. нѣ ниже къ симъ дѣхомъ бранъ ни до
14. мала имѣхъ. два лика оубѡ нѣста бѣ-
15. совъ. единъ иже сладости тѣлоу вноси
16. и другы иже дшамъ прѣльщенїа творитъ.
17. иже бѡ и зѣло непокоривъ ѡ. и сихъ оубѡ
18. даетъ Сатана, обавникомъ и прѣльст-
19. никомъ. и нереснымъ начел'никомъ
20. глѣ еп'спъ. что оуже сътворимъ. рѣ ѡм(оу)
21. стар'цъ. мѣтвамъ потреба изъ глѣб(ини.)
22. слово[мъ] оубѡ, не можетъ. и пов(елѣше)
23. ѡмоу изыти. ѡнъ же изыде к(ъ нимъ.)

1. τι οὕτως πιστεύω ὅτι ἐὰν ἔλθῃς, ὁ θεὸς
εἰρηνεύει τὴν ἐκκλησίαν αὐτοῦ· πολλὰ-
κίς γὰρ προθέμενος ἐλθεῖν ἐκωλύ-
θην· νῦν δὲ μὴ φέρων τὴν ἀπώλει-
5. αν τοῦ λαοῦ· ἄλλως δὲ καὶ τὸ ἔγκλη-
μα φοβούμενος, τοῦ θεοῦ λέγοντος ὅτι τὸ αἷμα αὐτῶν
ἐκζητήσω ἐκ τῆς χειρὸς ὑμῶν,
ἦλθον πρὸς σὲ πέμψαντός με τοῦ θεοῦ· ὁ
δὲ ἀναστὰς ἠκολούθησεν αὐτῷ· καὶ ἔρχον-
10. ται ἕως ἐκείνου τοῦ πλάνου· καὶ ὁρᾷ αὐ-
τὸν ὁ γέρων καὶ λέγει τῷ ἐπισκόπῳ, οὗτος ἀρχοντικὸν δαίμο-
να ἔχει, καὶ γίνωσκε ὅτι ἐμὸν ἔργον
τοῦτο οὐκ ἔστιν· οὔτε γὰρ πρὸς ταῦτα τὰ πνεύματα ὅ-
λως ἐπάλαισα· δύο γὰρ τάγματα τῶν δαι-
15. μόνων εἰσὶν· ἓν τὸ τὰς ἡδονὰς ἐμβάλλων τῷ σώματι·
καὶ ἓν τὸ τὰς ψυχικὰς ἐμποιοῦν πλάνας·
ὁ καὶ σφόδρα ἐστὶ δυσυπότακτον· ταῦτα γὰρ
ἀφορίζει ὁ σατανᾶς τοῖς γόησι καὶ πλά-
νοις, καὶ αἵρεσιάρχαις·
20. λέγει ὁ ἐπίσκοπος· τί οὖν ποιήσωμεν· λέγει αὐτῷ
ὁ γέρων· εὐχῶν χρεία ἐκ βάθους,
λόγος γὰρ οὐκ ἰσχύει. καὶ κελεύουσιν
αὐτὸν ἐξελθεῖν· ὁ δὲ ἐξέρχεται πρὸς αὐτούς·

20. Lo slavo presuppone il fut. ποιήσομεν. Non riteniamo opportuno correggere il cong. deliberativo che appare attestato in greco (l'omega compare sia in M sia in Pa).

1. и гл̃а нѣмоу еѣп̃сѣ. како толико врѣме
2. не прииде к' намь. ѡн' же ѡвѣща. по-
3. неже не моудръствоуете право. гл̃а нѣ-
4. моу сѣи Макарие. ты оубѡ, добръ
5. ли моудръствоуеши. ѡн' же рече. и зѣлаѡ
6. добръ. гл̃а сѣи. что же иѣ неже мы не
7. моудръствоуемъ добръ. ѡн' же. како
8. пльть и кости гл̃иете встати имають.
9. к томоу же гл̃иете. како бѣ, пльть и ко-
10. сти приеъ иѣ. гл̃а нѣмоу стар'ць. аще
11. мы ѡ себе гл̃иемъ, злѣ гл̃иемъ. аще
12. ли же истина тако изволи, что прѣ-
13. кословиши. ѡбаче же мы, гл̃ием' ти
14. какоже моудръствоуемъ. и аще ѡвѣ-

1. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ἐπίσκοπος· πῶς τοσοῦτον χρόνον
οὐ παρέβαλες ἡμῖν; ὁ δὲ λέγει· ὅ-
τι οὐ φρονεῖτε ὀρθῶς· λέγει αὐ-
τῷ ὁ ἅγιος Μακάριος· σὺ οὖν καλῶς
5. φρονεῖς; ὁ δέ, καὶ πάνυ
φησὶν· λέγει ὁ ἅγιος· τί δέ ἐστὶν ὃ ἡμεῖς οὐ
φρονοῦμεν καλῶς; ὁ δέ, ὅτι
σάρκα καὶ ὀστέα λέγετε ἐγγεῖρθαι·
ἀλλὰ καὶ τὸν θεὸν λέγετε σάρκα καὶ ὁ-
10. στὰ ἀνειληφέναι· λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· εἰ
μὲν ἀφ' ἑαυτῶν λέγομεν, κακῶς λέγομεν· εἰ
δὲ ἡ ἀλήθεια οὕτως ἠθέλησεν, σὺ τί ἀντι-
λέγεις; ὅμως ἡμεῖς λέγομέν σοι
ὥς φρονοῦμεν· καὶ εἰ μὲν πεισθεῖ-

1. риши се, добръ сътворити имаши. аще
2. ли же ни, имаши съ бгѣмъ негоже правосла-
3. вие прѣзираеши. ѿнѣ же рече. азъ прѣже
4. рекоу вамъ вѣроу свою. стѣи же рече. зла
5. вѣра, ни да именуѣтъ се. и повелѣ епи-
6. скопоу рещи стое знаменіе. епископу
7. же рекшоу. вѣроу въ единого бгѣ ѿца
8. вѣсѣдръжителѣ, и проче. и другаа
9. словеса ѿ апѣла, посрами се еретикъ.
10. и не имѣе что ѿвѣщати, рече стмоу Ма-
11. карию. мнѣ еже ѿ словесъ вѣроу, не
12. принашаи. нѣ идѣмъ на гробы. и <или> еди-
13. наго ѿ лежещий тамо вскрѣси ми плѣ-
14. тию, и вѣроу тако добръ мочдрѣствѣ-
15. ете. или азъ дшѣоу възведоу бесѣла, и
16. посрамлю вѣ. обративъ же се стѣи Ма-

12. НВ и, или едина

1. ης, καλῶς ποιεῖς· εἰ
δὲ μή γε, ἔχεις πρὸς τὸν θεόν, οὗ τὰ δόγμα-
τα ἀθετεῖς· ὁ δὲ ἔφη· ἐγὼ πρῶτος
λέγω μου τὴν πίστιν· ὁ δὲ ἅγιος εἶπεν· κακὴ
5. πίστις, μὴδὲ ὀνομαζέσθω· καὶ ἐπιτρέπει τὸν ἐπί-
σκοπον εἰπεῖν τὸ σύμβολον· τοῦ δὲ ἐπισκόπου
εἰπόντος τὸ πιστεύω εἰς ἓνα θεὸν πατέρα
παντοκράτορα καὶ καθεξῆς· καὶ ἄλλας
τινάς ῥήσεις ἐκ τοῦ ἀποστόλου, κατησχύνθη ὁ αἰρετικός·
10. καὶ μὴ ἔχων τί ἀποκριθῆναι, λέγει τῷ ἀγίῳ Μα-
καρίῳ· ἐμοὶ τὴν ἐκ λόγων πίστιν
μὴ πρόφερε· ἀλλὰ ἀπέλθωμεν εἰς τὰ μνημεῖα· καὶ ἡ ἑ-
να τῶν ἐκεῖ κειμένων ἀνάστησόν μοι μετὰ σαρ-
κός, καὶ πιστεύω ὅτι καλῶς φρονεῖ-
15. τε· ἡ ἐγὼ ψυχὴν χωρὶς σώματος ἀνάγω, καὶ
καταισχύνω ὑμᾶς· στραφεὶς δὲ ὁ ἅγιος Μα-

12. Integriamo secondo Pa la grafia erronea πρῶτο di M. Volendo tenersi a minor distanza dal testo slavo, si potrebbe plausibilmente integrare in πρῶτον.

1. карине, гл̄а еѣкпѣ. велине зло, понеже
2. и бѣ̄ искоушаемь. к томоу же ни дрь-
3. зновление имамь молити бѣ̄. о еди-
4. номь бѣсноующимъ се, толико знаме-
5. ние быти. гл̄а еѣкпѣ. ни ѡче. нь все-
6. го ради народа. тогда идоше на грѡ-
7. бы. и начеть Іеракъ призывати бѣса.
8. не можаше бѡ дѣшюу възвести нагоу.
9. бѣсѣ же, не въсхождаше. запрѣщаше бѡ
10. юмоу дѣхъ сѣи. и такоже не възмо-
11. же, гл̄а имь. за невѣрие ваше не мо-
12. жеть възыти. гл̄а юмоу еѣкпѣ. аще
13. зловерни б(и)хомь, пѣбаше паче възы-
14. ти да ѡбличитъ [се] безверие наше. ста-
15. рьцѣ же въ себѣ въздѣхноувъ, прѣкло-
16. ни колѣнѣ ничтоже обѣщавъ се. и е-
17. лико чѣ̄ едина простѣрь мѣтѡу съ в'с(ѣ-)
18. та. и ваинѣмь жѣзломь оу-
19. дарае въ грѡбѣ, въскрѣси члѣвкѣ. не ѡ̄
20. нѣкоихъ еже въскрѣ оумьр'шихъ,
21. (нь) ѡ̄ древнихъ. и видѣв' же Іеракъ.
22. (и изышѣ)ше. и бѣсоу изышѣшюу из него
23. (пришѣ̄) припаде къ ногамъ сѣго съ в'сѣ-

13. Ре бѣхомь НВ бѣхомь (ove la differenza verosimilmente non è solo fonetica).

14. НВ, соп обличить non rifl., è più vicino al greco. Cf. però pag. seg., r. 14.

1. κάριος, λέγει τῷ ἐπισκόπῳ· μέγα[ν] κακὸν ὅτι
καὶ τὸν θεὸν πειράζομεν· καὶ οὐδὲ παρ-
ρησίαν ἔχω ἀξιῶσαι τὸν θεὸν διὰ ἔ-
να δαιμονιάρικον τηλικούτον σημεί-
5. ον γενέσθαι· λέγει ὁ ἐπίσκοπος· οὐχὶ πάτερ· ἀλλὰ διὰ ὁλό-
κληρον παροικίαν· τότε ἀπέρχονται ἕως τῶν μνη-
μάτων· καὶ ἄρχεται ὁ Ἱέραξ ἐπικαλεῖσθαι δαίμονα·
οὐ γὰρ ἡδύνατο ψυχὴν ἀναγαγεῖν γυμνήν·
ὁ δὲ δαίμων οὐκ ἀνήρχετο· ἀντέκειτο γὰρ
10. αὐτῷ τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον· καὶ ὡς οὐδὲν ἴσχυ-
σεν, λέγει αὐτοῖς· διὰ τὴν ἀπιστίαν ὑμῶν οὐ δύ-
ναιτο ἐλθεῖν· λέγει αὐτῷ ὁ ἐπίσκοπος· εἰ
κακόπιστοι ἦμεν, ὥφειλεν μᾶλλον ἀνελ-
θεῖν ἵνα ἐλέγξῃ τὴν ἀπιστίαν ἡμῶν· ὁ δὲ γέ-
15. ρων δριμύξας πρὸς ἑαυτόν, ἔκαμ-
ψε τὰ γόνατα μηδὲν ὑποσχόμενος, καὶ
ῥῆσαν μίαν παρατείνας ἐν τῇ εὐχῇ μετὰ πάν-
των, ἀνέστη· καὶ τύψας τῇ βαΐνῃ ῥάβδῳ
τὸ μνήμα, ἐγείρει ἄνθρωπον, οὐχ
20. ὑπόγυόν τινα ἄρτι τελευτήσαντα,
ἀλλὰ τῶν ἀρχαίων· καὶ ἰδὼν ὁ Ἱέραξ
ἀπέψυξεν. καὶ τοῦ δαίμονος ἐξελθόντος ἀπ' αὐτοῦ,
ἐλθὼν προσέπεσεν τοῖς ποσὶ τοῦ ἀγίου μετὰ παιν-

1. La lezione "classica" μέγα è in Pa.

4. Sia M sia Pa hanno la grafia ἄριον , di solito tollerata dagli editori per i diminutivi neutri, ma che qui preferiamo emendare, trattandosi di un maschile.

7. Non si era mai detto che si trattasse di Ierace in persona (cf. anzi 95r21). Nel testo Ἱέραξ avrà sostituito Ἱερακίτης.

12. Pa ἀπελθεῖν

19. Dopo μνήμα, sia M sia Pa hanno· αἱ γὰρ ῥάβδοι τῶν ἐκεῖ μοναχῶν ἐκ βαΐων εἰσί,

1. ми люми. хотѣшимъ же его ѹбити, не
2. остави сѣи. нъ възѣ него въ поустыню.
3. выпросише же въскрѣсшаго, аще знаеть х̑а.
4. и рѣ. ꙗко ни слоухомъ слышашъ ѡ немъ
5. въ живѡтѣ моемъ. крѣтивъ же его сѣи,
6. имѣ съ собою ꙗзѣа. и потомъ исти-
7. ннымъ оуспениемъ оуспѣ. ꙗко пѣ-
8. бно быти ѡ немъ слово гнѣ. ꙗко ни
9. съ сгрѣши, ни родитѣля его, нъ да гави-
10. тъ се слава бжиа на немъ. спрашаше
11. же еѣспѣ сѣго Макариа. аще възиде
12. слава на сѣце его. толикымъ припадъ-
13. шимъ немю, о толикымъ знамени.
14. и ѡвѣща немю. немюже сѣце оупражне-
15. ние имать славою члвчю видѣти, сѣи
16. еше бѣ нѣсть позналъ. а еже творить,
17. ꙗко члвкъ творить. спѣбыви же се
18. дѣхновению бжию, въ велицѣ пѣвизѣ
19. есть. ꙗко на бритвѣ стоитъ бое се не
20. ѡпадноути. сѣи, едино желание и-
21. мать, когда ис тѣла изыти. о славѣ же)
22. члвчьскои, ни въ помышление п(рихо-)
23. дить. приказание же рекоу т(и сицевое.)

1. τὸς τοῦ λαοῦ· ζητούντων δὲ αὐτὸν φονεῦσαι, οὐ
συνεχώρησεν ὁ ἅγιος· ἀλλὰ ἔλαβεν αὐτὸν εἰς τὴν ἔρημον·
ἐρωτήσαντες δὲ τὸν ἀναστάντα, εἰ ἐπίσταται τὸν Χριστόν,
ἔφη· ὅτι οὐδὲ ἀκοὴν αὐτοῦ εἶχον
5. ἔτι ζῶν· βαπτίσας οὖν αὐτὸν ὁ ἅγιος,
εἶχεν μεθ' ἑαυτοῦ τρία ἔτη, τὴν ἀλη-
θῇ λοιπὸν κοίμησιν κοιμηθέντα· ὡς ἀρμό-
ζειν ἐπ' αὐτῷ τὸν λόγον τοῦ κυρίου· ὅτι οὔτε
οὗτος ἥμαρτεν οὔτε οἱ γονεῖς αὐτοῦ, ἀλλ' ἵνα φανε-
ρωθῇ ἡ δόξα τοῦ θεοῦ ἐν αὐτῷ· ἡρώτα
οὖν ὁ ἐπίσκοπος τὸν ἅγιον Μακάριον, εἰ ἀνέβη
ἐπὶ τὴν καρδίαν αὐτοῦ δόξα· τοσούτων προσπεσόν-
των αὐτῷ ἐπὶ τῷ τηλικούτῳ σημείῳ·
καὶ ἀπεκρίθη αὐτῷ· οὐ ἡ καρδία σχολὴν
15. ἔχει δόξαν ἀνθρώπων περιβλέψασθαι, ὁ τοιοῦτος
θεὸν μὲν οὐπω ἔγνω· ὃ δὲ ποιεῖ
ὡς ἄνθρωπος ποιεῖ· ὃ δὲ ἀξιωθεὶς
ἐπιπνοίας θεοῦ, ἐν πολλῷ ἀγωνί
ἐστίν· ὥσπερ ἐπὶ ξυροῦ ἐστώς, φοβούμενος μὴ
ἐκπέσῃ· ὁ τοιοῦτος, μίαν ἔχει ἐπιθυμίαν,
τοῦ ἐξελθεῖν ἐκ τοῦ σώματος· περὶ γὰρ δόξης
ἀνθρωπίνης, οὐδὲ εἰς ἔννοιαν ἔρχε-
ται· ὑπόδειγμα δέ σοι ἐρῶ τοιοῦτον·

1. приими въ оумѣ нѣкого тако по морю
2. ходеща, и въ нѣбо зрѣша на сѣнце. и за-
3. рѣми него носима. семоу аще кто рѣт^ѣ.
4. тако аще възриши на мѣсто по немѣ-
5. же ходиши, потопити се имаши. что
6. пострадади иматъ аще прѣслышѣ.
7. такоже и на славоу бжю възираеи,
8. попираеть члвчскыѣ славы. аще ли
9. же на сию ѡбратитъ се, ѡ оноѣ ѡпада-
10. етъ. ѡтоуду же ѡпад'шоу, многы-
11. ми стѣтми потап'лаетъ се. таковага
12. чюдеса сътвори бѣ рабомъ своимъ Ма-
13. кариемъ. и толика, елико числа не и-
14. мѣти. семоу оубо азъ не бесѣдовахъ.
15. прѣже бо прихода моего прѣстави се.
16. быв'шии же с нимъ, повѣдаше ми
17. Братъ въпроси авва Макариа гл҃ѣ. ѡчѣ.
18. что ѣе еже трыпѣти и молити се. и рѣ
19. стар'ць. ѣеже трыпѣти и молити се.
20. си рѣ. трыпѣти в'сакоу напасть прихо-
21. (д)ешоу. или ѡ члкъ, или ѡ бѣсовъ. та-
22. (кож)е писано ѣе. трыпѣхъ тако раждаю-
23. (шина.)сего ради, добро ѣе трыпѣние.

98v

236

14-16. семоу ... ми traduce un passo greco vicino a HL 17,13^b. Cf. pag. a fronte.

1. ἡγήσαί μοί τινα ἐπὶ θαλάσσης
περιπατοῦντα καὶ εἰς οὐρανὸν ἀτενίζοντα τῷ ἡλίῳ· καὶ
ὑπὸ τῶν ἀκτίνων αὐτοῦ βασταζόμενον· τῷ τοιούτῳ εἰ ὑποτίθεται τις·
ὅτι ἐὰν ἴδῃς τὸν τόπον ἐφ' ὃν
5. ἐπιβαίνεις ποντοῦσαι, τί ἂν
πάθοι παρακούσας;
οὕτως ὁ τῇ τοῦ θεοῦ δόξῃ ἐνατενίζων,
πατεῖ τὴν παρὰ ἀνθρώπων δόξαν· ἐὰν δὲ
περὶ ταύτην στραφῇ, ἐκείνης ἐκπίπτει·
10. τει· ἐκπεσὼν δὲ ἐκείνης, ὑπὸ πολ-
λῶν παθῶν κλυδωνίζεται· τοιαῦτα
θαυμάσια ὁ θεὸς πεποίηκε διὰ τοῦ δούλου αὐτοῦ Μα-
καρίου· καὶ τοσαῦτα ὡς ἀριθμῶ μὴ ὑ-
ποπίπτειν· τούτῳ ἐγὼ μὲν οὐ συνέτυχον·
15. πρὸ χρόνου γὰρ τῆς εἰσόδου μου ἐκεκοίμητο.

Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶν Μακάριον λέγων· πάτερ
τί ἐστὶ τὸ καρτερεῖν καὶ εὐχεσθαι; καὶ εἶπεν
ὁ γέρων· τὸ καρτερεῖν καὶ εὐχεσθαί

20. ἐστὶ τὸ ὑπομένειν πάντα πειρασμὸν ἐρχό-
μενον· εἴτε παρὰ ἀνθρώπων, εἴτε παρὰ δαιμόνων κα-
θὼς γέγραπται· ἐκαρτέρησα ὡς ἡ τίκτου-
σα, τοῦτ' ἐστὶν ὑπέμεινα· ὥστε οὖν καλὸν ἡ ὑπομονή·

12. Pa ἐποίησεν ὁ θεός

14. In M il brano si chiude con ὑποπίπτειν, ma il ms. riporta le parole τούτῳ ...
ἐκεκοίμητο (vale a dire un testo assai vicino a HL 17,13^b) dopo μ:34 (= n° 250),
prima di XV 1-8. Le stesse parole invece Pa le riporta a chiusura di XIV,2 (= n° 235).
Cf. Introduz., tab. 3.

1. и крѣпко молити се. дажи же поѹ те-
2. сы молити се. дажде оустредить и по-
3. можетъ намъ исправити нѣравы наше ·
4. Рѣ авва Макарие. аще колюмъ запыщае 237
5. на гнѣвъ оустрымиши се, свою стѣтъ сѣ-
6. врышаеши. нѣ оумъ добро и нѣ спѣти. се-
7. бе же погумѣти ·
8. Вѣжеавъ иногда авва Макарие гроздице 238
9. извести. по прилоучени же, принесе темѣ
10. нѣкто. показавъ же вѣзрѣжаніе свое. по-
11. сла те братомъ страждущомъ и оумомъ гро-
12. здие извести. иже приемъ и оурадова-
13. в се. скрыти добродѣтель свою хоте. къ
14. иному братомъ оумости. приемъ же и
15. оумъ, тоже пакы створи. такъже къ мѣ-
16. ногыиъ братиамъ прииде гроздице се.
17. и никому же не хотѣномъ выкоусити.
18. послѣдній пакы къ авва Макарию по-
19. сла те. познавъ же се Макарие и по мнѣго(у)
20. истѣбавъ. оумдѣви се о толѣныиъ вѣз(хрѣ-)
21. жани братѣи · Рѣ авва Макарие. (хх) 239
22. не спѣши въ келіи инокъ нѣмущи(аго зѣль глаъ ·)
23. Рѣ пакы теже не оуможати ни х(о мала) 240

1. καὶ τὸ καρτερικῶς προσεύχεσθαι· ὀφείλομεν οὖν
δέεσθαι τοῦ θεοῦ, ἕως οὗ συνεργήσας βοη-
θήσῃ ἡμῖν ὅπως κατορθώσωμεν τὰ ἥθη ἡμῶν.
Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Μακάριος· ἐάν τι ἐπιτιμῶν
5. εἰς ὀργὴν κινηθῇς, ἴδιον πάθος ἐκ-
πληροῖς· οὐ γὰρ ἵνα ἄλλον σώσης σε-
αυτὸν ἀπολέσης.
Σταφυλαὶ ηνέχθησαν τῷ ἀββᾶ Μακαρίῳ,
ἐπιθυμοῦντι φαγεῖν.
10. ἐνδεικνύμενος δὲ αὐτοῦ τὴν ἐγκράτειαν, ἀπέ-
στειλεν αὐτὰς πρὸς ἀδελφὸν κάμνοντα· καὶ αὐτὸν σταφυ-
λῆς ἐπιθυμοῦντα· ὅστις δεξάμενος καὶ περιχαρὴς
γενόμενος, κρύπτειν τὴν ἐαυτοῦ ἐγκράτειαν βουλόμενος, πρὸς
ἄλλον ἀδελφὸν αὐτὰς ἐξαπέστειλε· δεξάμενος δὲ κά-
15. κείνος τὸ αὐτὸ πάλιν ἐποίησεν· ὥς δὲ εἰς πολ-
λοὺς ἀδελφοὺς ἦλθον αἱ σταφυλαὶ
μηδενὸς βουληθέντος αὐτῶν μεταλαβεῖν,
ὁ τελευταῖος πάλιν πρὸς τὸν ἀββᾶν Μακάριον ἀπέ-
στειλε· ἐπιγνοὺς δὲ αὐτὰς ὁ Μακάριος καὶ πολυπραγ-
20. μονήσας, ἐθαύμασεν ἐπὶ τῇ τοσαύτῃ τῶν ἀδελφῶν
ἐγκρατεῖᾳ. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Μακάριος· μὴ
κοιμηθῇς εἰς κελλίον μοναχοῦ ἔχοντος κακὴν φήμην.
Εἶπε πάλιν· τὸ μὴ κρίνειν ὅλως

6. Pa ἵνα ἄλλους διορθώσης , più vicino allo slavo per il numero plurale, ma più lontano quanto alla scelta del verbo.

1. кого, тѣчию себе. и еже трѣпѣти доса-
2. жение. приносить съврѣшеніе ·
3. Прииде иногда авва Макаріе. къ авва 241
4. Пахѡмию тавенисиѡскому. Пахо-
5. миѣ же выпроси него гл҃іе. тако соуть
6. братиа бесчинна, хоуеши ли да накажѣ
7. ихъ. рѣ немоу авва Макаріе. накажи
8. и соуди правдою соущимъ пѣ тобою.
9. вѣнѣ же, не соуди никомоу же. пишеть
10. бѣ се. не вѣноуѣрнимъ ли вы соудите,
11. вѣнѣшнимъ же. бѣ соудить ·
12. Рѣ пакы. аще сп҃сение желаети, в'са 242
13. твори таже на то ведоущага те ·
14. Вѣжелѣ иногда авва Макаріе вѣнити 243
15. въ вѣтѡгрѣ. идеже и Ан'ни и Амври,
16. гробы свое сътворише. такоже самъ
17. повѣда намъ. си же сътворено бѣ вѣ-
18. хвы сими. и Ан'нинемъ и Амвринемъ.
19. негда оубѣ имѣхоу власть и силоу, четво-
20. роличнѣмъ камениемъ вѣтогрѣ сы
21. (сѣз)даше. и гробъ свои тамо сътворише
22. (и зл)та въ неомъ положише. насадише
23. (же др)ѣва в'сачьскага. и кладѣмъць иско-

1. τινὰ εἰ μὴ ἑαυτὸν μόνον· καὶ τὸ ὑποφέρειν ὕ-
βριν. φέρει τὴν τελειότητα.
Παρέβαλέ ποτε ὁ ἀββᾶς Μακάριος πρὸς τὸν ἀββᾶν
Παχώμιον τὸν ταβενκνησιώτην· ὁ δὲ Παχώ-
μιος ἠρώτησεν αὐτὸν λέγων· ὅτι εἰσὶν
ἀδελφοὶ ἄτακτοι, θέλεις παιδεύσω
αὐτούς; λέγει αὐτῷ ὁ ἀββᾶς Μακάριος· παίδευσον
καὶ κρίνον δικαίως τοὺς ὑπὸ σέ·
ἔξω δὲ μὴ κρίνης τινά· γέγραπται
10. γάρ· οὐχὶ τοὺς ἔσω ὑμεῖς κρίνετε,
τοὺς δὲ ἔξω ὁ θεὸς κρίνει.
Εἶπε πάλιν· εἰ σωτηρίας ἐρᾷς πάντα
ποίει τὰ εἰς αὐτὴν ἄγοντά σε.
Ἐπεθύμησέν ποτε ὁ ἀββᾶς Μακάριος εἰσελθεῖν
15. εἰς κηποτάφιον Ἰαννῇ καὶ Ἰαμβρῇ,
ὥς αὐτὸς
ἡμῖν διηγήσατο· τοῦτο δὲ ἐγένετο παρ' αὐτῶν τῶν μά-
γων Ἰαννῇ καὶ Ἰαμβρῇ.
ὥς οὖν κεκτημένοι τὴν δυναστείαν, ἐκ τετρα-
20. πέδων λίθων τὸ ἔργον
ἔκτισαν, καὶ τὸ μνημεῖον αὐτῶν ἐκεῖ πεποιήκασιν.
καὶ χρυσὸν ἐν αὐτῷ ἀπέθεντο.
ἐφύτευσαν δὲ δένδρα παντοῖα, καὶ φρέαρ ὥρυ-

4. Restituiamo il doppio ν come d'uso (si veda la pratica grafica costante in HL), comunque il grafema non è ripetuto né in M né in Pa.

15. Pa HL τὸ κηποτάφιον

1. паше. и понеже пѣти не вѣдѣше, сѣмѣтѣ-
2. ниемъ нѣбыимъ звѣздамъ послѣдоваше,
3. ꙗкоже по морю по поустыни идѣше. въ-
4. зъм' же трѣстие, на в'сакыимъ пыприщи
5. въдрочаше по единому. знаменїа тво-
6. ре, даже по сѣмъ възвратит' се. ꙗгдаже къ
7. мѣстоу приближи се. ꙗкоже поспѣ. бѣ-
8. съ събравъ трѣстие все, положи по главу
9. ꙗго. боу васъ попустившоу ѿ семь,
10. ꙗко не имѣти оуп'вание свое на трѣстие.
11. глаше же. ꙗко до. ѿ бѣсъ изыдоше ѿ
12. ѿграды оное грѣшны. ꙗко вранове
13. брыкающе въ ѿбразъ мои глахоу. ѿти-
14. ди ѿ мѣсть нашихъ Макарие. что и-
15. щещи въ сѣи поустыни, не можещи жити
16. зде. глах' же имъ ре. ꙗко да вънидоу тѣ-
17. чю и виждоу, и пакы ѿхождоу. вышѣ же ѿ-
18. брѣтохъ котель мѣднь висе. и веригы
19. желѣзны висещи надъ кладенцемъ. бѣ-
20. хоу же временемъ истѣла. и плодъ (ши-)
21. пькъ, не имоущїи ѿдомое. нъ сн(цѣмъ)
22. исхнуули. и тако възвратив' се, пр(иде)
23. за к' днїи. оскудѣвшоу же ꙗ(моу хлѣ-)

1. ξαν· ἐπεὶ δὲ τὴν ὁδὸν οὐκ ἤδη, στοχα-
σμῷ τινι ἠκολούθει τοῖς ἄστροις
καθάπερ ἐν πελάγει τὴν ἔρημον διοδεύων· λα-
βὼν δὲ καλάμους, κατὰ μίλιον
5. ἴστα ἐν σημείᾳ ποι-
ῶν ἵνα δι' αὐτῶν ὑποστρέψῃ· ὅτε οὖν τῷ
τόπῳ ἐπλησίασεν, ὥς ἐκάθειυθεν ὁ δαί-
μων συναγαγὼν ὅλους τοὺς καλάμους, ἔθηκεν πρὸς κεφαλῆς
αὐτοῦ· τάχα τοῦ θεοῦ συγχωρήσαντος
10. πρὸς τὸ μὴ εἰς αὐτὰ τὴν ἐλπίδα ἔχειν·
ἔλεγε δὲ ὅτι μέχρι τῶν ἐβδομήκοντα δαίμονες ἐξῆλθον ἐκ
τοῦ κηποταφίου, ὥς κόρακες
πτερυσσόμενοι κατὰ τῆς ὄψεώς μου· ἔλεγον δέ· ἀπό-
στα τῶν ἡμετέρων Μακάριε· τί σοι
15. καὶ τῇ ἐρήμῳ ταύτῃ; οὐ δύνασαι μεῖναι
ᾧδε· εἶπον δὲ αὐτοῖς φησι· ὅτι εἰσέλθω μό-
νον καὶ ἱστορήσω καὶ ἀπέρχομαι· εἰσελθὼν δὲ εὖ-
ρον κάδον χαλκοῦν κρεμάμενον, καὶ ἄλυσιν
σιδηρᾶν κατὰ τοῦ φρέατος, λοιπὸν
20. τῷ χρόνῳ ἀναλωθέντα· καὶ καρπὸν ῥο-
ῶν οὐκ ἐχουσῶν τὸ ἐδώδιμον ξηρανθέντα
ὑπὸ τοῦ ἡλίου· οὕτως οὖν ὑποστρέψας, ἦλθε
διὰ εἴκοσι ἡμερῶν· λείψαντος δὲ αὐτῷ τοῦ ἄρ-

19. La corrispondenza $\mu\alpha\delta\alpha\beta$ - κατὰ (quest'ultimo confermato anche da HL 18,8 - trad.

M. Barchiesi "accanto") è un po' atipica ma possibile, cf. SJS, II, s.v.

20. La forma καρπὸν è imposta dalla struttura sintattica, dalla testi-
monianza dello slavo e da quella di HL 18,8, anche se M Pa hanno καρπῶν ῥοῶν.

1. боу и водѣ, въ раслаблениѣ прииде. и
2. яви се ѿмоу отроковица нѣкаѧа ꙗко-
3. же ѡнѣ повѣдаше. чистоу плащаницѣ
4. носещи. и дрѣжещи чашоу водою капаю-
5. щи. и бѣше зре еѣ прѣб^ѣ собѡю. и идѡуши
6. по нѣ^ѣ оуп^ѣваниѣмъ ꙗко постигнути
7. еѣ. и иде тако д^ни г^ѣ. и абие яви се
8. множество быволицъ. ѡ^ѡ н^ѣхъ же єдина
9. имѣше тел^ѣца. ꙗже из^ѣ выменѣ исти-
10. цааше млѣко. и п^ѣшѣдъ с^ѣса и насыти
11. се. и до келиѣ негѡ, послѣдоваше ѿмоу
12. быволица доещи негѡ ·
13. Г^лаше двѣа Макариѣ. ꙗко оуныв^ѣшоу
14. ми нѣкогда въ келии, изыдѣ^ѣ в пѣсты-
15. ню. и рѣхъ помыслоу своему. ꙗко
16. егѡже прѣже обрещеши, въпроси негѡ
17. о пол^ѣзи. и обрѣтохъ отроче пасоуще
18. воловы. и г^лахъ ѿмоу. что сътворю
19. дѣте ꙗко алчю. и рѣ^ѣ ми. ꙗжѣ. и рѣхъ
20. ѿмоу. ꙗко ꙗдохъ и пакы алчю. то-
21. (г)да г^ла ми. еда ѡсьль ꙗси двѣа, по-
22. (нѣже) в^ѣсегда ꙗсти хоцѣши; и пол^ѣзевѣ
23. (се [и] въ)зврати хъ се ·

100V

244

23. НВ от. и

1. του καὶ τοῦ ὕδατος ἐν περιστάσει γέγονε· καὶ
ὤφθη αὐτῷ κόρη τις ὡς
διηγήσατο καθαρὰν ὀθόνην
φοροῦσα, καὶ κατέχουσα[ν] βαυκάλιον ὕδατος στά-
ζον. ἦν βλέπων ἔμπροσθεν αὐτοῦ,
ἐλπίδι τοῦ καταλαβεῖν αὐτήν,
ᾧδευσεν ἡμέρας τρεῖς· καὶ εὐθὺς ἐφάνη
πλήθος βουβάλων, ἐξ ὧν μία
ἔχουσα μόσχον ἧς ἔρρειτο
10. οὐθαρ τοῦ γάλακτος· ὑπείσελθὼν καὶ θηλάσας ἠρκέσ-
θη· καὶ ἕως τοῦ κελλίου αὐτοῦ ἠκολούθησεν
ἡ βούβαλος θηλάζουσα αὐτόν.
Ἔλεγεν ὁ ἀββᾶς Μακάριος· ὅτι ἀκηδιάσας
ποτὲ ἐν τῷ κελλίῳ μου, ἐξῆλθον εἰς τὴν ἔρη-
15. μον· καὶ λέγω τῷ λογισμῷ μου· ὅτι
ὃν ἂν ἀπαντήσης, ἐρώτησον αὐτόν
χάριν ὠφελείας· καὶ εὗρον παιδίον βόσκον
βοῖδια καὶ λέγω αὐτῷ· τί ποιήσω
παιδίον ὅτι πεινῶ; καὶ λέγει μοι· καὶ φάγε· καὶ εἶπον·
20. ἔφαγον καὶ πάλιν πεινῶ· τό-
- τε λέγει μοι· τάχα ὄνος εἶ ἀββᾶ ὃ-
τι πάντοτε τρώγειν θέλεις; καὶ ὠφεληθεὶς
ἀνεχώρησα.

4. Pa HL, onviamente, κατέχουσα.

1. Рѣ́ авва Пиминъ авва Макарино, съ мно- 245 101R
2. гыми слъзѣми глѣе. рѣ́ци ми слово како
3. спсоу се. ѿвѣщавъ же старѣ́ць рѣ́ немочу. ве-
4. щь сию юже ищещи, ѿиде нѣ́га ѿ инокъ .
5. Глѣ́хочу о немъ. ꙗко аще прихѣ́ждаше къ 246
6. немочу кто, ꙗко къ стоу старцоу и великѹ
7. съ страхомъ, ничтоже глѣ́ше немочу. аще
8. ли же кто глѣ́ше немочу ꙗко оуничижае его,
9. авва, негда бѣ́ше камиларь и крадѣ́ше ни-
10. тро и продавааше ѣ, не бѣ́хочу ли те блю-
11. доущій. аще такова глѣ́ше немочу кто,
12. глѣ́ше немочу радостию еже аще въпрашаше не́гъ .
13. Мимохѣ́де иногда авва Макарине съ брати- 247
14. кою по Егѹптоу. слыша отроче глѣ́е мѣ́ри
15. своени. а́мма, богать нѣ́кто любитъ ме.
16. азъ же ненави́жочу него. нищъ же ненави́ди-
17. т ме, и люблю него. и слышавъ старѣ́ць оу-
18. диви се. и рѣ́ше немочу братиа. что не́ сло-
19. во се ѿче́, ꙗко оудиви се. и рече имъ. въ
20. истиночу гѣ́ нашъ богать не́ и любить на́
21. и не хошемъ него послушати. врагъ (на-)
22. шъ дѣ́вѣль нищъ не́ и ненави́дитъ не́ (а́, мы)
23. же любимъ нечистоточу него .

1. Εἶπεν ὁ ἀββᾶς Ποιμὴν τῷ ἀββᾷ Μακαρίῳ μετὰ πολ-
λῶν δακρύων λέγων· εἰπέ μοι ῥῆμα πῶς
σωθῶ· ἀποκριθεὶς δὲ ὁ γέρων, εἶπεν αὐτῷ· τὸ πράγ-
μα τοῦτο ὃ ζητεῖς. ἀπῆλθε νῦν ἀπὸ τῶν μοναχῶν.
5. Ἔλεγον περὶ αὐτοῦ· ὅτι εἰ προσήρχετο
αὐτῷ τις ὡς ἀγίῳ γέροντι καὶ μεγάλῳ
μετὰ φόβου, οὐδὲν ἐλάλει αὐτῷ· εἰ
δέ τις ἔλεγεν αὐτῷ ὡς ἐξουθενῶν αὐτόν,
ἀββα· ἄρα ὅτε ἦς καμηλίτης καὶ ἔκλεπτες νί-
τρον καὶ ἐπώλεις αὐτό, οὐκ ἔδεραν σε οἱ τηρη-
ταί; εἰ ταῦτά τις ἔλεγεν αὐτῷ,
ἐλάλει αὐτῷ μετὰ χαρᾶς εἴ τι ἠρώτα.
Παρερχόμενός ποτε ὁ ἀββᾶς Μακάριος μετὰ ἀδελ-
φῶν διὰ τῆς Αἰγύπτου, ἤκουσε παιδίου λέγοντος τῇ μητρὶ
αὐτοῦ· ἀμμᾶ πλούσιός τις ἀγαπᾷ με·
καὶ μισῶ αὐτόν· καὶ πτωχὸς μισεῖ
με καὶ ἀγαπᾷ αὐτόν. καὶ ἀκούσας ὁ γέρων ἐ-
θαύμασεν· καὶ λέγουσιν αὐτῷ οἱ ἀδελφοί· τί ἐστὶ τὸ ῥῆ-
μα τοῦτο πάτερ, ὅτι ἐθαύμασας; καὶ λέγει αὐτοῖς·
20. ἀληθῶς ὁ κύριος ἡμῶν, πλούσιός ἐστι καὶ ἀγαπᾷ ἡμᾶς,
καὶ οὐ θέλομεν αὐτοῦ ἀκοῦειν· ὁ δὲ ἐχθρὸς ἡ-
μῶν διάβολος πτωχός ἐστι καὶ μισεῖ ἡμᾶς,
καὶ ἀγαπῶμεν αὐτοῦ τὴν ἀκαθαρσίαν.

10. L'imperfetto che lo slavo presuppone è in G: ἔδερον. M
presenta una forma di aor. ἔδεραν in luogo del classico ἔδειραν.
Pa infine ha un'altra forma di aor., ἔδερναν.

1. Ты шѣ къ нѣкоемѹ ѿшельнику, и ѿбрѣте
2. него болежа. и выпрашадше него что хотѣ-
3. л' би изѣсти. ничтоже соуще въ келіи него.
4. и рече. постель хошю изѣсти. и не ѿблѣни
5. се крѣпкыи съ, ити въ Аѡлѡдїю и дати
6. страждущемоу. и еже дивнѣише, тако
7. никомуже оувѣдѣно бы.
8. Братъ выпроси аѡлѡ Макариа гл҃е. аѡлѡ,
9. рцы ми слово како сп҃соу се. и рече немюу
10. стар'ць. иди на гробы, и досади мрътвыи-
11. мъ. шѣ же братъ, досади имъ. <и> камене-
12. мъ оуби. и пришѣ повѣда старцоу. и рече
13. немюу. иди пакы и прослави ихъ. и шѣ
14. братъ, славѣше ихъ гл҃е. а҃҃ли стїи и пра-
15. вѣници. и гл҃а немюу стар'ць. ничтоже ли
16. не рѣше ти. и рече братъ. ни. гл҃а немюу ста-
17. р'ць. видиши колико досади имъ, и не ѡ-
18. вѣдѣше ти. и колико прослави ихъ, и ни-
19. чтоже рѣше ти. тако и ты аще хошеши
20. сп҃сти се, боуди мрътвь. ниже бесчѣсти-
21. (не ч)лвчское, ниже чѣсть приѣмали тако
22. (мръ)твїи, и можеши сп҃сти се.
23. (Гл҃ахоу) ѡ аѡлѡ Макаріи. тако бы такоже

248 101V

249

250

1. Ὁ αὐτὸς παραγενόμενος πρὸς τινα ἀναχωρητὴν, καὶ εὐρὼν αὐτὸν κακούμενον, ἐπυνθάνετο τί ἔλλοι-
το τραφῆναι οὐδενὸς ὄντως ἐν τῷ κελλίῳ αὐτοῦ·
καὶ φήσαντος πᾶστιλον οὐκ ὤκνησεν
5. ὁ ἀνδρεῖος εἰς Ἀλεξάνδρειαν παραγενέσθαι καὶ δοῦναι
τῷ κάμνοντι· καὶ τὸ θαυμαστόν, ὅτι
οὐδενὶ κατάδηλον ἐγένετο.
Ἀδελφὸς ἠρώτησε τὸν ἀββᾶ Μακάριον λέγων· ἀββᾶ
εἰπέ μοι ῥῆμα πῶς σωθῶ· καὶ εἶπεν
10. ὁ γέρων· ὕπαγε εἰς τὰ μνημεῖα καὶ ὕβρισον τοὺς νεκρούς·
ἀπελθὼν οὖν ὁ ἀδελφὸς ὕβρισε καὶ ἐλίθα·
σε· καὶ ἐλθὼν ἀπήγγειλε τῷ γέροντι· καὶ λέγει
αὐτῷ· ὕπαγε πάλιν δόξασον αὐτούς· καὶ ἀπελθὼν
ὁ ἀδελφὸς ἐδόξασεν αὐτοὺς λέγων· ἀπόστολοι ἅγιοι καὶ δι-
15. καιοι· καὶ λέγει αὐτῷ ὁ γέρων· οὐδέν σοι
ἀπεκρίθησαν; ἔφη ὁ ἀδελφός· οὐχί· λέγει αὐτῷ ὁ γέ-
ρων· οἶδας πόσα ἡτίμασας αὐτοὺς καὶ οὐδέν σοι ἀπε-
κρίθησαν· καὶ πόσα ἐδόξασας αὐτοὺς καὶ οὐ-
δέν σοι ἐλάλησαν· οὕτως καὶ σὺ ἐὰν θέλῃς
20. σωθῆναι γενοῦ νεκρός· μήτε τὴν τιμὴν
τῶν ἀνθρώπων, μήτε τὴν ἀτιμίαν λογίσῃ ὥς
οἱ νεκροὶ καὶ δύνασαι σωθῆναι.
Ἔλεγον δὲ περὶ αὐτοῦ, ὅτι γέγονε καθῶς

20-21. Pa μήτε τὴν ἀτιμίαν τῶν ἀνθρώπων μήτε τὴν τιμὴν (G: μήτε τὴν ἀδικίαν τῶν ἀνθρώπων, μήτε τὴν δόξαν αὐτῶν λογίσῃ)

1. ѿ писано, бѣ земельнь. понѣже ꙗкоже бѣ
2. покрываеѣть мирь, тако бѣ и двва Мака-
3. рѣ, покрывае недостаткы братнѣе.
4. зре. ꙗко не зре. и слыше ꙗко не слыше.
5. въ толикоу оубѣ простотоу и стѣню прии-
6. де стар'ць. ꙗко въ єдинь днь не соушоу ѿ-
7. моу, прииде разбоиникъ въ келию ѿгоу
8. окрасти ѿго. пришѣ же стар'ць, обрѣте
9. разбоиника тобѣща на камиль съсоуды
10. ѿго. тѣ же вѣшѣ въ келию, вѣзимаше съ-
11. соуды, и товарише съ нимъ на камиль.
12. и ꙗкоже натоварише. наче разбоиниѣ
13. бити камиль вѣстати, и не вѣсташе.
14. видѣвъ же стар'ць ꙗко не вѣстаетъ, вѣ-
15. шѣ въ келию обрѣте малоу копач'кѣ.
16. и изнесъ вѣзложи на камиль глѣе. бра-
17. те, се ищетъ камиль. и оударивъ ѿго
18. стар'ць ногою глѣе, вѣстани. и абѣе вѣ-
19. ста и иде мало слова ради ѿго, и пакы
20. леже. и не вѣста дондеже с'неше в'се съ-
21. соуды, и тако ѡтиде .
22. О двва Макаріи политицѣ. е(же)
23. гражданинѣ. или црогражда(нинѣ .)

1. ἐστὶ γεγραμμένον θεὸς ἐπίγειος, ὅτι ὥσπερ ἐστὶ ὁ θεὸς
σκεπάζων τὸν κόσμον, οὕτως γέγονε καὶ ὁ ἀββᾶς Μακά-
ριος, σκεπάζων τὰ ἐλαττώματα τῶν ἀδελφῶν·
βλέπων ὥς μὴ βλέπων· καὶ ἀκούων ὥς μὴ ἀκούων·
 5. εἰς τοσαύτην δὲ ἀπλότητα καὶ ἀγιωσύνην ἔφθα-
σεν ὁ γέρων· ὅτι μιᾶς τῶν ἡμερῶν ἀπόντος αὐ-
τοῦ, ἦλθε ληστής εἰς τὸ κελλίον αὐτοῦ
συλῆσαι αὐτόν· ἐλθὼν δὲ αὐτός, εὔρε
τὸν ληστήν γεμίζοντα τὴν κάμηλον τὰ σκεύη
 10. αὐτοῦ· αὐτὸς δὲ εἰσελθὼν εἰς τὸ κελλίον, ἐλάβανεν
ἀπὸ τῶν σκευῶν καὶ συνεγέμιζε μετ' αὐτοῦ τὴν κάμηλον·
ὥς οὖν ἐγέμισαν, ἤρξατο ὁ ληστής
τύπτειν τὴν κάμηλον ἵνα ἀναστῇ καὶ οὐκ ἠγείρετο·
ιδὼν δὲ ὁ γέρων ὅτι οὐκ ἐγείρεται, εἰ-
 15. σελθὼν ἐν τῷ κελλίῳ εὔρε μικρὸν σκαλίδιν,
καὶ ἐκβαλὼν ἐπέθηκε τῇ καμήλῳ λέγων· ἀδελ-
φέ, τοῦτο ζητεῖ ἡ κάμηλος· καὶ κρούσας αὐτὴν
ὁ γέρων τῷ ποδὶ λέγει· ἀνάστα· καὶ εὐθέως ἀ-
νέστη καὶ ἀπῆλθε μικρὸν διὰ τὸν λόγον αὐτοῦ καὶ πάλιν
 20. ἐκάθισε· καὶ οὐκ ἀνέστη ἕως ἀπεγέμισαν ὅλα τὰ σκεύ-
η, καὶ οὕτως ἀπῆλθε.
- Περὶ τοῦ ἀββᾶ Μακαρίου τοῦ πολιτικοῦ

23. Naturalmente la città di Macario è Alessandria. L'indicazione slava Ἰερογραδανηιν "il costantinopolitano" è evidentemente un autoschediasma del traduttore o più probabilmente di un copista slavo.

1. Дрѣгаго же Макарина политика, презви-
2. тера соуща. и того келиамъ, и азъ ви-
3. дѣхъ. и мѣста того ѿѿи, многа ми
4. о немъ повѣдаше. и пощениѣ оубѡ
5. него, бѣше сицево. еже аще когда слы-
6. шаше, пѡвизаше се до нѣдеже исправитъ
7. ю. Слышав же тако тавенисиѡтѣне,
8. по всемъ постѣмъ тако безъѡгньна гдѣ
9. оудръжа и тѣ. тако вѣсакое ѡгню касаю-
10. щее се, не гаси. тѣчию зелина соурова
11. и смѣива квашена. исправивъ же се. слы-
12. ша пакы о нѣкомъ тако литроу хлѣба
13. гаси. и сѣкроушивъ ковригъ своихъ, въ-
14. ложи и въ скоуделъники. оучини же то-
15. лико гаси нелико роука него изнесетъ
16. и повѣдаше намъ обрадоваѣ се. тако
17. похыщахъ оубѡ много трохъ, не мо-
18. жажъ же изнести тѣсноты ради оустъ
19. скоуделника. мытаръ оубѡ не оста-
20. вляше ме рѣ, до конѣца не гаси. сътво-
21. (ри)в же г лѣта въ пощени, симъ помы-
22. (сли с)ноу поделѣти. и повѣдаху. тако
23. (не вьн)иде пѡ покровъ, за кѣ днѣи.

1. Τῷ δὲ ἄλλῳ <συντετύχηκα> Μακαρίῳ τῷ πολιτικῷ πρεσβυ-
τέρῳ ὄντι καὶ αὐτῷ τῶν λεγομένων κελλίων καὶ εἰ-
δον καὶ οἱ τοῦ τόπου πατέρες πολλά μοι
καὶ περὶ αὐτοῦ διηγήσαντο· καὶ ἡ μὲν ἀσκήσις
5. αὐτοῦ ἦν τοιαύτη· εἴ τι ἀκήκοεν πώ-
ποτε, πάντως τοῦτο κατώρθωσεν·
ἀκούσας οὖν ὅτι οἱ ταβενκνησιῶται
διὰ πάσης τῆς τεσσαρακοστῆς ἄπυρον ἐσθίουσιν,
κέκρικεν ἐπὶ ἑπτὰ ἔτη πᾶν τὸ διὰ πυρὸς διαβαῖ-
10. νον μὴ φαγεῖν· πλὴν λαχάνων ὤμων
καὶ ὀσπρίων βρεκτῶν· κατορθώσας δὲ τοῦτο, ἤκου-
σε πάλιν περὶ τινος. ὅτι λίτραι ἐσθίει ἄρτου·
καὶ κλάσας αὐτοῦ τὸ βουκελλάτον καὶ βα-
λὼν εἰς κεράμια, ἔκρινεν τοσοῦ-
15. τον ἐσθίειν, ὅσον ἂν ἡ χεὶρ ἀνενέγκῃ·
καὶ ὡς διηγείτο χαριεντιζόμενος· ὅτι
περιεδρασσόμενην μὲν πλειόνων κλασμάτων, οὐ συ-
νεχωροῦντο· δὲ ἐξελεῖν ὑπὸ τοῦ στενοῦ τῆς ὀπῆς·
ὁ τελώνης γάρ μοι οὐ συνεχώ-
20. ρει παντελῶς μὴ φαγεῖν· ποιή-
σας οὖν ἐπὶ τρία ἔτη ἐν ταύτῃ τῇ ἀσκήσει, ἔκρι-
νε τοῦ ὕπνου περιγενέσθαι· καὶ διηγοῦντο, ὅτι
οὐκ εἰσῆλθεν ὑπὸ στέγην ἐπὶ εἴκοσι ἡμέρας·

1-2. Sintatticamente συντετύχηκα, omesso sia da M sia da Pa, è indi-
spensabile. Il testo di HL è il seguente: Τῷ δὲ ἄλλῳ συντετύχηκα Μακαρίῳ τῷ
'Αλεξανδρεῖ, πρεσβυτέρῳ ὄντι τῶν λεγομένων Κελλίων. Εἰς ἃ Κελλία παρῶκησα
ἐγὼ ἐνναετίαν κτλ.

13. La grafia βουκελάτον di M è ripresa da Pa (qui però la forma
è proparossitona. HL βουκελλάτον.

15. Lo slavo potrebbe indurre a postulare ἀπενέγκῃ, ma M Pa HL (senza varianti) attestano
concordemente ἀνενέγκῃ.

17-18. M συνεχορῶν (sic!). Integriamo sulla base di Pa. HL ha un testo diverso: οὐκ
ἡδυνάμην δὲ ὅλα ἐξενεγκεῖν.

19. Ci permettiamo di esprimere incidentalmente un dubbio sulla traduzione di M. Barchiesi:
il pubblicano a nostro parere non è il recipiente, ma la natura umana che non permette di
sopprimere la fame.

1. зносѣмъ оубѡ днѣвнымъ палимъ.
2. въ ноци же, зимою томимъ. и іакожѣ
3. глаше. аще не скоро вѣннѣти имѡ подѣ по-
4. кровъ, и с'ноу причестити се, толико ми
5. исьше рече мозькъ, іако въ истощѣніе оу-
6. ма проче не прихождѣхъ. и іелико рѣ по си-
7. лѣ мои, побѣдихъ съмъ. іѣствоу же,
8. свое подадѡ. Сѣгрѣшиста рѣ иногда
9. два брата въ скитѣ. и ѡлоучи ихъ двѡ
10. Макариѣ политикъ. оубѣдѣвъ же двѡ
11. Макариѣ великыи, рѣ. нѣсоу брата
12. ѡлоучена, нѣ Макариѣ. бѣше бѡ лю-
13. бе него зѣло. слышавъ же двѡ Макариѣ
14. іако ѡлоучи него старѣць, бѣжа въ поу-
15. стынѡ. изыде же двѡ Макариѣ вели-
16. кы, и обрѣте его оуразвима комарѣми.
17. и глѡ немѡу. ты ѡлоучи братиѡ, и се о-
18. тити имѣхоу въ мирѣ. азъ же тебе ѡ-
19. лоучихъ. и іако добра двѡ, бѣжалъ іе-
20. си въ вноутрѣнѣшнѡю кѣтъ здѣ. (бра-)
21. тѡ же, ничто не имѡуть. и блюд(и іа-)
22. ко бѣсь пороуга ти се, ничтоже в(идѣль)
23. іеси. нѣ приими покаяніе о (прѣгрѣ-)

1. τῷ μὲν καύματι φλεγόμενος,
τῇ δὲ νυκτερινῇ ψυχρότητι στυφόμενος· καὶ ὥς
ἔλεγεν· ὅτι εἰ μὴ τάχιον εἰσῆλθον ὑπὸ στέ-
γην καὶ τοῦ ὕπνου μετέλαβον, οὕτως μου
5. ἐξηράνθη ὁ ἐγκέφαλος, ὥς εἰς ἔκστασιν
με ἐλάσαι λοιπόν. καὶ τὸ μὲν ὅσον ἐπ’ ἐμοί φησιν,
ἐνίκησα τοῦ ὕπνου, τῇ δὲ φύσει
τὸ ἴδιον παρεχώρησα. Ἔλεγον ὅτι ἐσφάλησαν
δύο ἀδελφοὶ ἐν σκῆτει· καὶ ἐχώρισεν αὐτοὺς ὁ ἀββᾶς
10. Μακάριος ὁ πολιτικός· μαθὼν δὲ ὁ ἀββᾶς
Μακάριος ὁ μέγας εἶπεν· οὐκ εἰσὶν οἱ ἀδελφοὶ
κεχωρισμένοι ἀλλὰ Μακάριος· ἦν γὰρ ἀγα-
πῶν αὐτὸν πάνν· ἀκούσας δὲ ὁ ἀββᾶς Μακάριος
[ὁ μέγας] ὅτι ἐχωρίσθη ὑπὸ τοῦ γέροντος, ἔφυγεν εἰς τὸ ἔ-
15. λος· ἐξῆλθεν οὖν ὁ ἀββᾶς Μακάριος ὁ μέ-
γας καὶ εὕρισκε αὐτὸν τιτρωσκόμενον ὑπὸ τῶν κυνώπων·
καὶ λέγει αὐτῷ· σὺ ἐχώρισας τοὺς ἀδελφούς, καὶ ἰδοὺ εἴ-
χον ἀναχωρῆσαι ἐν τῇ κώμῃ. ἐγὼ δὲ σὲ ἐχώ-
ρισα, καὶ ὥς καλὴ παρθένος, ἔφυγες
20. εἰς τὸν ἐσώτερον κοιτῶνα ὧδε· οἱ δὲ ἀδελ-
φοὶ οὐδὲν ἔχουσι, καὶ βλέπε ὅ-
τι ἐχλευάσθης· οὐδὲν γὰρ ἐώρα-
κας. ἀλλὰ λάβε μετάνοιαν ὑπὲρ τοῦ σφάλ-

5. M ἔκτασιν, certamente erroneo, è da correggere sulla base di HL.

14. Va espunto l’appellativo ὁ μέγας, anticipato qui dalla frase seguente dove spetta, come d’uso, all’egiziano, non al cittadino (cf. anche r. 11).

18. a) La forma del moto a luogo secondo la sintassi classica si ha in G εἰς τὴν κώμην;
b) o il traduttore aveva di fronte ἐν τῷ κόσμῳ, non pervenutoci, o bisogna ammettere che qui mirl valga “(comunità di) villaggio”. Questo significato però sembrerebbe essere specificamente antico-russo, cf. SDrJ, II, 1: coll. 148-49 (non c’è invece in SJS!).

1. шении своемъ. ѿнѣ же рече. еже хощеши,
2. даждь ми покаяние. видѣвъ же старѣцъ
3. оусрьдие его, рече ему. иди и пости се
4. ꙗже не, по единому на всякоу нелю и-
5. зѣданю хлѣбъ, сие оубо дѣло имѣху въ-
6. сегда, по все недѣли постити се .
7. Словуши се иногда симъ двоимъ Макари-
8. емъ. въ корабли велицѣ прѣйти Ниль.
9. вънѣже и властелина два мира сего ве-
10. лика вънидоша. имуща мычтаниа
11. многа мьскы и конѣ златоузды.
12. и слѣгы воинь нѣкой. и златопона-
13. сны отроки. и такоже видѣше ино-
14. кыне роубѣми облыченѣхъ и събѣшихъ
15. въ единомъ оуглѣ, блажаху смѣре-
16. ние ихъ. единъ же ѿ властель онѣхъ,
17. рече имъ. бѣжени есе вы, иже мироу по-
18. роугасте се. ѿвѣщавъ же Макарие по-
19. литикъ рече имъ. мы оубо мироу по-
20. (р)оугахомъ се. вамъ же миръ пороуга се.
21. (въ)ждь оубо ꙗко не простотою нѣкако
22. (слов)о се рекъ еси, нъ по прѣрчьстви рече.
23. (ѿба оубо) Макариа нарицаевъ се. ѿ-

103V

253

1. ματός σου· ὁ δὲ εἶπεν· εἴ τι θέλεις
δός μοι μετάνοιαν· ἰδὼν δὲ ὁ γέρων
τὴν προθυμίαν αὐτοῦ, λέγει αὐτῷ· ὕπαγε νήστευσον
τρὶς ἑβδομάδας ἅπαξ ἐ-
 5. σθίων κατὰ ἑβδομάδα· αὕτη γὰρ ἦν ἡ ἐργασία αὐτῶν πάν-
τοτε τὰς ἑβδομάδας νηστεύειν.
... συνέβη
εἰσελθεῖν αὐτοῖς εἰς πορθμεῖον μέγιστον,
ἐν ᾧ τριβούνοί τινες δύο
 10. μετὰ πολλοῦ κόμπου εἰσεληλύθησαν, ἔχοντες
ῥέδια καὶ ἵππους χρυσοχαλίνους
καὶ δορυφόρους τινὰς στρατιώτας καὶ χρυσοζώ-
νους παῖδας· ὥς οὖν εἶδον τοὺς μονα-
χοὺς ῥάκῃ παλαιὰ ἐνδεδυμένους καὶ καθημένους
 15. εἰς μίαν γωνίαν, ἐμακάριζον αὐτῶν τὴν εὐτέ-
λειαν· εἰς δὲ τῶν τριβούνων
ἔφη πρὸς αὐτούς· μακάριοί ἐστε ὑμεῖς οἱ τὸν κόσμον ἐμ-
παίξαντες· ἀποκριθεὶς δὲ ὁ πολιτικὸς Μακάριος,
εἶπε πρὸς αὐτούς· ἡμεῖς μὲν τὸν κόσμον ἐνε-
 20. παίξαμεν, ὑμᾶς δὲ ὁ κόσμος ἐνέπαιξεν·
γίνωσκε δὲ ὅτι οὐχ ἀπλῶς,
ἀλλ' ἐκ προφητείας τοῦτο εἶπας·
ἀμφότεροι γὰρ Μακάριοι καλούμεθα·
7. Nel testo greco συνέβη è preceduto da Οὗτος Μακάριος ὁ πολιτικός, συνήφθη ποτὲ τῷ μεγάλῳ Μακαρίῳ τῷ αἰγυπτίῳ· καὶ ὥς ἔμελλον διαπορθεύειν τὸν Νεῖλον, ... (ciò spiega onniam. il plur.αὐτούς).

1. н' же ѿ слова оумилив' се, ишѣ въ своѣ си,
2. съвльче одѣзаниа своѣа, и иноч'скаѣа о-
3. блъче. сътворивъ мѣтъинѣ многы ·
4. Сѣдешоу семоу бѣженномѣ Макарию по- **254**
5. литисоу заоутра. комарь пришѣ сѣде
6. на ногоу него, и оубоде и. и поболѣвъ оу-
7. би него роукою. зазрѣвъ же себѣ ꙗко мь-
8. сть себѣ сътворивъ. шѣ въ чешоу, сѣдѣ
9. нагъ за ѿ мѣць. идеже комари ѿни и
10. дивимъ вепремъ кожоу пробадають.
11. тако оубѣ оутзвѣ се вьсь. и ꙗко пресле-
12. ни изврже тѣло него. ꙗко мнѣти се мнѣ-
13. гымъ, ꙗко проказил' се ѿ. по шестѣ же
14. мѣць въ келию свою пришѣ, по гласоу по-
15. знанъ бы ꙗко Макарие ꙗсть ·
16. Иногда пакы копанѣ кладеньць при го- **255**
17. рѣ, аспида оугризе него. и възъмъ ѿбѣ-
18. ма роукама аспидоу за оустны, растр(в-)
19. же и глѣ. боу не пославшоу те, како
20. смѣаше дойти зде ·
21. Имѣше же многы келиѣ въ в'ноу(трѣнѣ-) **256**
22. ишои поустыни, ꙗдиноу въ (келиѣ)
23. дроуговъ въ горѣ Нитриискон (и трети-)

104R

1. ὁ δὲ κατανυγείς ἐπὶ τῷ λόγῳ ἀπελθὼν εἰς τὰ ἴδια,
ἀπεδύσατο τὰ ἱμάτια αὐτοῦ, καὶ τὰ τῶν μοναχῶν ἀμ-
φιάσατο· ποιήσας ἐλεημοσύνας πολλὰς.
Τούτου καθεζομένου
5. πρωί, κώνωψ στὰς
ἐπὶ τοῦ ποδὸς ἐκέντησεν, καὶ ἀλγήσας κατέα-
ξεν αὐτὸν τῇ χειρὶ καὶ ἀπέκτεινεν· καταγνοὺς οὖν ἑαυτοῦ ὡς ἐκ-
δικήσαντος ἑαυτόν, ἀπελθὼν εἰς τὸ ἔλος ἐκάθισε
γυμνὸς ἐπὶ ἕξ μῆνας, ἔνθα οἱ κώνωπες καὶ
10. συάγων δέρματα τιτρώσκουσιν·
οὕτως οὖν κατετρώθη ὅλως καὶ σφοντύ-
λους ἐξέβαλεν ὡς νομίσαι τι-
νὰς ὅτι ἠλεφαντίασεν· ἐλθὼν οὖν μετὰ μῆνας
ἕξ εἰς τὸ κελλίον αὐτοῦ ἀπὸ τῆς φωνῆς ἐγνω-
15. ρίσθη ὅτι αὐτός ἐστι Μακάριος.
Ἄλλοτε πάλιν ὀρύσσων φρέαρ πλησίον τοῦ ὄ-
ρους, ὑπὸ ἐχίδνης ἐδήχθη· λαβὼν δὲ τὴν
ἀσπίδα ταῖς δυσὶ χερσὶν ἀπὸ τῶν χελυνίων, διέσχι-
σεν εἰπὼν αὐτῇ· μὴ ἀποστείλαντός σε τοῦ θεοῦ, πῶς
20. ἐτόλμησας ἐλθεῖν;
Εἶχεν δὲ διαφόρους κέλλας ἐν τῇ ἐσω-
τέρᾳ ἐρήμῳ· μίαν εἰς τὰ κελλία·
μίαν εἰς τὸ ὄρος τῆς Νιτρίας· καὶ μί-

11. Grafie: M Pa σφοντύλους HL σπονδύλους; PGL (II: 1250) registra
le sole varianti con l'occl. dent. sohorizzata dopo nas.: σπόνδυλος e σφόνδυλος.
17. La grafia ἐχίδνης è in Pa, M ha -θν-; HL 18,10^a ὑπὸ ἀσπίδος ... λαβὼν
οὖν αὐτὴν ...

1. ю въ Ливѣ. тѣсны же, ꙗко не моши прострѣ-
2. ти нозѣ. ꙗдина же келиа бѣше поширо-
3. ка, въ неѣже съ приходещими бесѣдова-
4. ше. приходѣху же къ нѣмоу и бѣснѣми
5. и недоужни имъ же числа нѣ, и исцѣлени-
6. е приѣмаху. соущимъ же намъ тамо,
7. принесоше нѣмоу двѣцоу бл҃гоплеменн-
8. тоу ѿ Солоуна. многа лѣта имоущи въ
9. разслабленіи. сию масломъ стѣмь
10. помазавъ помоли се, здравѣ ѿпѣсти въ
11. грѣ свои. ꙗже ѡшѣши, много плодо-
12. приношение посла стѣмоу. приведоше
13. же къ нѣмоу и юношоу имоуща дѣхъ не-
14. чистъ. възложивъ оубѣ ꙗдиноу роукѣ
15. на главоу нѣго, и дроугую на срѣце. и то-
16. лико моли се, елико сътвори нѣго доухъ
17. на въздоу съ повѣшенѣ быти. надоувъ
18. же се ꙗко мѣ отрокъ, ꙗко быти мноѣ
19. великоу. възвѣдапоу въскликноувъ,
20. (в'с)ѣми чюв'сты водоу излиа. и осла-
21. (бѣв)'ши стѣрти, бѣ ꙗко по естѣствѣ чл҃къ.
22. (пома)завъ же нѣго стѣмь масломъ, и во-
23. (дою пол)на, даде нѣго здрава ѡцоу нѣго.

1. αν εἰς Λίβα, στενωτάτα δὲ ὥς μὴ δύνασθαι ἐκτεῖ-
ναι πόδα· τὸ ἔν δὲ κελλίον ἦν πλατύ-
τερον, ἐν ᾧ καὶ τοῖς ἐρχομένοις συνετύγγα-
νεν· ἦρχοντο γὰρ πρὸς αὐτὸν καὶ δαιμονιζόμενοι
5. καὶ ἀσθινοῦντες καὶ ἐθεραπεύον-
το ὧν ἀριθμὸς οὐκ ἔστιν· ὄντων δὲ ἡμῶν ἐκεῖ,
παρθένος ἠνέχθη ἀπὸ Θεσσαλονίκης εὐγενής,
πολυετίαν ἔχουσα ἐν
παραλύσει· ταύτην ἐλαίῳ ἀγίῳ
10. ἀλείψας καὶ προσευξάμενος, ὑγιῇ ἀπέστειλεν εἰς
τὴν ἰδίαν πόλιν· ἥτις ἀπελθοῦσα πολλὴν καρπο-
φορίαν ἀπέστειλεν τῷ ἀγίῳ· προσηνέχθη
δὲ αὐτῷ καὶ νεανίας, ἐνεργούμενος ὑπὸ πνεύματος πο-
νηροῦ· ἐπιθεὶς οὖν αὐτῷ τὴν χεῖρα
15. ἐπὶ τῆς κεφαλῆς, καὶ τὴν ἄλλην ἐπὶ τὴν καρδίαν, το-
σοῦτον ἐπηύξατο ὥς ποιῆσαι αὐτὸν τὸ πνεῦμα
ἐπὶ ἀέρος κρεμασθῆναι· οἰδήσας
οὖν ὥσπερ ἀσκὸς ὁ παῖς ὥς γενέσθαι πολυ-
τάλαντον· αἰφνίδιον ἀνακράξας,
20. διὰ πασῶν τῶν αἰσθήσεων ὕδωρ ἐκένωσεν· καὶ λωφῆ-
σας τοῦ πάθους, γέγονεν εἰς τὸ κατὰ φύσιν.
ἀλείψας δὲ αὐτὸν ἔλαιον καὶ ἐπιχέας ὕ-
δωρ, δέδωκεν αὐτὸν τῷ πατρὶ αὐτοῦ ὑγιῇ·

14. Pa τὴν μίαν χεῖρα

15. La lezione di Pa HL ἐπὶ τῆς καρδίας garantisce il parallelismo sintattico con ἐπὶ τῆς κεφαλῆς, quella di M è più vicina allo slavo (che peraltro ha *на + acc.* in entrambi i casi).

16. Il testo slavo presuppone la lezione di M, in cui evidentemente un copista ha glossato αὐτὸν con τὸ πνεῦμα, poi entrato nel testo. Si tratta invece del νεανίας, cf. HL: ἐπὶ τοσοῦτον ηὔξατο ἕως οὗ αὐτὸν ἀπὸ ἀέρος ἐποίησε κρεμασθῆναι (Pa om. αὐτόν).

22. HL ἀλείψας ἐλαίῳ ἀγίῳ Pa ἀλείψας δὲ αὐτῷ ἔλαιον

23. Vale la pena di notare la variante isolata di Pa τῇ μητρί.

1. порѣчивъ ѿмоу. за м̄ д̄н̄и, не косноу-
2. ти се месоу ни виноу. и тако ѿпѣсти ихъ
3. миромъ · съ иногда слышавъ. ꙗко
4. великѣ житиѣ имоу̇ тавенисиѡтѣнѣ.
5. прѣмѣнивъ ризы свое и възъмъ ѡбразъ
6. мирѣнъскы. и за еѣ д̄н̄и по поустыни
7. ходивъ, иде въ Тиваидоу. и пришѣ въ мо-
8. настирь тавенисиѡнскы, и възыска игъ-
9. мена видѣти. бѣше же дѣва Пахомиѣ и-
10. гоумень. моужь искоушень, и даръ прѣрчь-
11. ства имѣѣ. оутѣи же ѿ него бѣ, ꙗже о
12. стѣмъ Макаріи. и видѣвъ его, гл̄а ѿмѣ
13. Макариѣ. молю ти се приими ме въ мо-
14. настирь, да сътворю се инокъ. ѡнъ же рече
15. ѿмоу. прочеѣ оубѡ въ старость пости-
16. гль ꙗси, постити се не можешѣ. братиѣ
17. же поѡвижници соу̇, и не можешѣ поѣти
18. троуды ихъ. и изыти имаши злослове ѿ.
19. и не приѣ него до седмь д̄нѣвъ. ꙗкоже
20. изнеможе съде гладьнь 7 д̄н̄и. гл̄а и-
21. гоуменовъ. приими ме ѡчѣ. и аще не (въз-)
22. могъ постити се и троудити се ꙗко (и бра-)
23. тѣ, повели изврьши ме вьнь. рече же бра-

1. παραγγείλας αὐτῷ ἐπὶ τεσσαράκοντα ἡμέρας, μὴ κρεῶν ἄψασθαι, μὴ οἴνου καὶ οὕτως αὐτὸν ἀπέλυσεν.
Οὗτός ποτε ἀκούσας ὅτι
μεγάλην πολιτείαν ἔχουσιν οἱ ταβενκνησιῶται,
5. μεταμφιασάμενος καὶ ἀναλαβὼν κοσμικὸν
σχῆμα, δι' ἡμερῶν δεκαπέντε ἀνῆλθεν εἰς τὴν Θηβαίδα
διὰ τῆς ἐρήμου ὁδεύσας· καὶ ἐλθὼν ἐν τῷ μο-
ναστηρίῳ τῶν ταβενκνησιωτῶν, ἐζήτηε τὸν ἀρχι-
μανδρίτην τούτων· ἦν δὲ ὁ ἀββᾶς Παχώμιος
10. ἀνὴρ δοκιμώτατος καὶ χάρισμα ἔχων προφη-
τείας· ἀπέκρινεν δὲ αὐτῷ ὁ θεὸς τὰ κατὰ
τὸν Μακάριον· καὶ ἰδὼν, λέγει αὐτῷ
ὁ Μακάριος· δέομαί σου δέξαι με εἰς τὴν μο-
νήν, ἵνα γένωμαι μοναχός· ὁ δὲ λέγει
15. αὐτῷ· λοιπὸν εἰς γῆρας ἤλα-
σας καὶ ἀσκῆσαι οὐ δύνασαι· καὶ οἱ ἀδελφοί
εἰσιν ἀσκηταὶ καὶ οὐ φέρεις αὐτῶν
τοὺς κόπους καὶ ἐξέρχεσαι κακολογῶν αὐτούς·
καὶ οὐκ ἐδέξατο αὐτὸν μέχρις ἡμερῶν ἑπτὰ· ὥς δὲ
20. ηὐτόνησεν καθήμενος νῆστις τὰς ἑπτὰ ἡμέρας, λέγει τῷ ἡ-
γουμένῳ πάντως δέξαι με καὶ εἰ οὐ δύ-
ναμαι νηστεύειν καὶ κοπιᾶν ὥς οἱ ἀδελ-
φοί, κέλευσον ῥιφήναί με ἔξω· πείθει οὖν τοὺς ἀδελ-

20. Lo sl. *ιζηνημοζε* si fonda evidentemente su una lezione greca *επινηα* ἡτόνησεν (da ἀτοινέω).

1. тии, и принесе него. бѣше же съставле-
2. ние киновию, тисѣща и д̄ ста мѣжїи.
3. мимошѣшоу же малѣ времени, вѣниде
4. четвородесетныи п̄о. и видѣ когожѣ ихъ
5. различно житие твореще. ового вечерь
6. ѣдоуша. друугаго же вторыи д̄нь. друу-
7. гыхъ же четвертыи и петыи. иного сто-
8. яща в'соу ночь, вѣ д̄ни же сѣдаща. тѣ же
9. натопивъ проутїе много. и ставъ вѣ не-
10. диномъ оуглѣ и дон'деже скон'чаше се
11. м̄ д̄ни и Пасха прииде, хлѣбоу не коснѣ
12. се ни водѣ ни колѣна прѣклонїи. ни ѿ-
13. врьзе оуста своѣ. ниже что гл̄а, поѣ и мо-
14. ле се вѣ себѣ и пленницѣ плете. видѣ-
15. вше же него в'си постници, вѣсташе на игѣ-
16. мена гл̄ше. ѿжоудѣ привеле бесплѣт'н(д-)
17. го сего на ѿсоужение намъ; или ижде-
18. ни него, или в'си исхѣдимъ ѿ зде. слыша-
19. в' же о житїи него стѣ Падхмїе, пом(о-)
20. ли се бѣѣ ѿкрыти немѣ кто ѣ. и оувѣ-
21. (д)ѣвъ тако Макариѣ ѣ, немъ него за роукѣ
22. (вѣ)ниде вѣ цр̄квѣ. и гл̄а немѣ. почто ѣ-
23. (таи) ми пришьствие свое. бѣ же ѣви м(и)

1. φοὺς καὶ δέχεται αὐτόν· ἦν δὲ τὸ σύστη-
μα τῆς μονῆς, χιλίων τετρακοσίων ἀνδρῶν·
παρελθόντος δὲ ὀλίγου χρόνου, εἰσῆλθεν
ἡ τεσσαρακοστή· καὶ εἶδεν ἕκαστον
5. διαφόρους πολιτείας ποιοῦντα· τὸν μὲν ἐν ἑσπέρᾳ
ἐσθίουντα· ἄλλον διὰ δύο, ἄλ-
λον διὰ τεσσάρων καὶ διὰ πέντε· ἄλλον ἐστῶ-
τα διὰ πάσης νυκτός, ἡμέρας δὲ καθεζόμενον· αὐτὸς δὲ
βρέξας θαλλοὺς εἰς πλῆθος, ἔστη ἐν γῶ-
10. νίᾳ μιᾷ. καὶ μέχρι τεσσαράκοντα ἡμέραι
ἐπληρώθησαν καὶ τὸ πάσχα ἦλθεν. οὐκ ἄρτου ἤψα-
το, οὐχ ὕδατος. οὐ γόνυ ἔκλινεν· μὴ ἀνοί-
ξας τὸ στόμα μὴ λαλήσας μηδέν· ψάλλων καὶ εὐχό-
μενος καθ' ἑαυτόν, καὶ τὴν σειρὰν πλέκων· θεα-
15. σάμενοι δὲ πάντες οἱ ἀσκηταί, ἐστασίασαν κατὰ τοῦ ἡγου-
μένου λέγοντες· ὅτι τοῦτον ἡμῖν πόθεν ἤγαγες τὸν ἄσαρ-
κον εἰς κατάκρισιν ἡμῶν; ἢ ἔκ-
βαλε αὐτόν, ἢ πάντες ἀναχωροῦμεν ἔινθεν· ἀκού-
σας οὖν τὰ τῆς πολιτείας αὐτοῦ ὁ ἅγιος Παχώμιος ἐδεή-
20. θη τοῦ θεοῦ ἀποκαλυφθῆναι αὐτῷ τίς ἐστίν· καὶ μα-
θὼν ὅτι Μακάριός ἐστιν, κρατεῖ αὐτὸν τῆς χειρὸς
καὶ εἰσέρχεται εἰς τὴν ἐκκλησίαν καὶ λέγει αὐτῷ· διὰ τί ἀπέ-
κρυψάς μοι τὴν παρουσίαν σου, ὁ δὲ θεὸς ἐφανέρωσε μοι

Osserviamo qui che il testo di HL presenta una redazione sensibilmente più concisa tra la fine di HL 18,14 e l'inizio di 18,15.

1. име твое. ѿ многа же вѣмене жєлѡхъ
2. видѣти те, слыше ꙗже о тебѣ. обаче добрѣ
3. створи ꙗко поклѣба чєда мога, даже не ве-
4. лемоуѣрствоуютъ. ꙗкоже же иди въ мѣсто
5. свое о насъ моле се ·

106R

6. Глѡше и се. ꙗко вѣжелѣхъ иногда оумъ сво-
7. и створити нераѣлимъ быти ѿ бѡ тѣчию
8. ѿ днѣи. и затвори хъ двѣрь келїи и дворѣ,
9. ꙗко не дати члѡку ѡвѣтъ. и стахъ наче-
10. нь ѿ пнѣаника. порочивъ оумоу своеѡ,
11. не снити съвыше. имаши тамо агглы.
12. архагглы. вышнєє силы. бѡ въсѣ. да не
13. снїдєши въ пѡнебєснага. и прѣбывъ ѿ
14. днѣи и ѿ ноши. толико раѣражи се бѣсь,
15. ꙗко въ пламень ѡгнѣа прѣложити се, и
16. пожеши всѡ ꙗже въ келїи моєи. ꙗко и ро-
17. гозиноу на неїже стоѡхъ, ѡгнемъ по-
18. жеши. коньцѣ же, страха ради ѡгньнаго,
19. трети днѣ ѡстоупихъ ѿ зрѣниа. бѡу ѡ
20. семь попоустившоу, даже въ грѣдын(ю)
21. не вѣмѣнитъ ми се ·
22. Смоутише сего иногда помысли т(ышєсла-)
23. вѣа. прилагаете немоу. оуст(роєниа)

258

259

1. τὸ ὄνομά σου· ἀπὸ πολλῶν δὲ ἡμερῶν ἐπεθύμουν
ἰδεῖν σε ἀκούων τὰ περὶ σοῦ· πλὴν καλῶς
ἐποίησας ὅτι ἐκονδύλισας τὰ τέκνα μου ἵνα μὴ μέ-
γα φρονῶσιν· νῦν οὖν ἄπελθε ἐν τῷ τόπῳ
5. σου ὑπὲρ ἡμῶν εὐχόμενος.
Ἔλεγε δὲ καὶ τοῦτο, ὅτι ἐπεθύμησά ποτε τὸν νοῦν μου
ποιῆσαι ἀπερίσπαστον ἀπὸ θεοῦ. μόνον
πέντε ἡμέρας· καὶ ἀπέκλεισα τὴν θύραν τῆς κέλλης καὶ τῆς αὐλῆς
ὥστε μὴ δοῦναι ἀνθρώπῳ ἀπόκρισιν· καὶ ἔστην ἀρξά-
μενος ἀπὸ τῆς δευτέρας, παραγγείλας μου τὸν νοῦν,
μὴ κατέλθῃς ἄνωθεν· ἔχεις ἐκεῖ ἀγγέλους·
ἀρχαγγέλους· τὰς ἄνω δυνάμεις· τὸν θεὸν τῶν ὅλων· μὴ
κατέλθῃς ὑποκάτω τοῦ οὐρανοῦ· καὶ διαρκέσας ἡμέρας δύο-
ο καὶ νύκτας δύο, οὕτως παρωξύνθη ὁ δαίμων.
15. ὥς εἰς φλόγα πυρὸς μετατραπῆναι καὶ
κατακαῦσαι πάντα τὰ ἐν τῷ κελλίῳ μου, ὥς καὶ τὸ ψιά-
θιον ἐν ᾧ εἰστήκειν πυρὶ καταφλεχ-
θῆναι· τέλος, φόβῳ τοῦ πυρός,
ἀπέστην τῇ τρίτῃ ἡμέρᾳ τῆς θεωρίας, τοῦ θεοῦ παραχωρή-
σαντος, ἵνα μὴ εἰς τῦφον
λογισθῇ.
Ὡχλησαν τούτῳ ποτὲ λογισμοὶ κενοδοξί-
ας, ὑποτιθέμενοι αὐτῷ οἰκονομίας
- 20.

10. HL Παραγγέλλω οὖν μου τῷ νῷ εἰπών·

1. ради изыти ис келиѣ, и ити въ Римь. да-
2. же и тамо недочужнымъ поможеш. вель-
3. ми оубѣ дѣствоваше бл҃гѣ въ немь.
4. ꙗкоже на много врѣме належаше помы-
5. слъ съ. възлегъ на прѣзѣ келіи, носѣ вънь
6. прострѣвъ гл҃аше. придѣте бѣсове и въ-
7. змѣте ме аще можете и ѿнесѣте. азъ
8. оубѣ ногама своимъ не идоу. лежа же на
9. прѣзѣ до вечера. бывъши же ноши, вста.
10. пакы же немочу стоуживъше. два къбла пѣ-
11. ска спириды насыпавъ, по поустыни хо-
12. де носъше. сего оубѣ срѣте Феѡсевіе
13. мирѣниѣ. андимшаниѣ родомъ.
14. и гл҃а немочу. что носиши двѣ. даждь
15. мнѣ брѣме и не троужди се. и ѡвѣща
16. немочу. троудѣ троудещаго ме. покое-
17. нь съ, ѡхоженіе ми приносить. мно-
18. го же троудив се, прииде въ келию съкроу-
19. шив си тѣло . Иде иногда двѣ Ма-
20. (к)дріе политикъ рѣзати проутіе и бра-
21. (ти)ѣ съ нимъ. и рѣше немочу прѣвѣи днь.
22. (прі)иди ꙗжѣ с нами ѡчѣ. ѡнѣ же иде и ꙗ-
23. (де. и в)ѣ дроугыи днь рѣше немочу ꙗсти,

106V

260

1. χάριν ἐξελθεῖν τῆς κέλλης καὶ ἀπελθεῖν ἐν Ῥώμῃ, ἵ-
να καὶ τοὺς ἐκεῖ ἀσθενοῦντας εὐεργετήσης· μεγά-
λως γὰρ ἐνήργει ἡ χάρις εἰς αὐτόν·
καὶ ὥς ἐπὶ πολὺ ἐπετίθε(ε)ντο,
5. πεσὼν ἐπὶ τῆς φλιάς <τῆς κέλλης, τοὺς πόδας ἀφήκειν>
ἐπὶ τὰ ἔξω, καὶ λέγει· ἔλθετε δαίμονες· εἰ δύνασθε
βαστάξατέ με καὶ ἀπαγάγετε· ἐγὼ
γὰρ τοῖς ἐμοῖς ποσὶν οὐκ ἀπέρχομαι· ἔκειτο οὖν ἐπὶ
τῆς φλιάς μέχρις ἑσπέρας· γενομένης δὲ νυκτὸς ἀνέστη·
10. πάλιν δὲ αὐτῷ ἐνοχλήσαντες, σπυρίδα μοδίῳν δύο ἄμ-
μου γεμίσας, ἐπὶ τῆς ἐρήμου διακι-
νῶν ἐβάσταζεν· τούτῳ δὲ συνήντησεν Θεοσέβιος
ὁ κοσμήτωρ ἀντιοχεὺς τῷ γένει·
καὶ λέγει αὐτῷ· τί βαστάζεις ἄββᾶ; παραχώρησον
15. ἐμοὶ τὸν φόρτον καὶ μὴ σκύλλου· καὶ ἀπεκρίθη
αὐτῷ· σκύλλω τὸν σκύλλοντά με· ἄνε-
τος γὰρ ὢν ἀποδημίας μοι ὑποβάλλει· ἐπὶ πο-
λὺ δὲ κοπιάσας, ἦλθεν εἰς τὴν κέλλαν συντρί-
ψας τὸ σῶμα. Ἀνῆλθέν ποτε ὁ ἄββᾶς Μα-
20. κάριος ὁ πολιτικὸς κόψαι θαλλία καὶ οἱ ἀ-
δελφοὶ μετ' αὐτοῦ· καὶ λέγουσιν αὐτῷ τὴν πρώτην ἡμέραν·
δεῦρο φάγε μεθ' ἡμῶν πάτερ· ὁ δὲ ἀπῆλθε καὶ ἔ-
φαγε· καὶ πάλιν τῇ ἄλλῃ λέγουσιν αὐτῷ φαγεῖν·

4. La forma “classica” in Pa; M ha una forma “tematizzata” ἐπε-
τίθειντο ; M non ha il verbo (testo diverso).

5. Integrazione secondo Pa HL.

19. Pa G ἀπῆλθε

1. и не хотѣше. нѣ глѣаше имѣ. вы трѣбуете
2. їасти чедѣ. и еще бѣ пльть їесте. азъ же ѿнѣ
3. не хощю їасти · Съ оубѣ въ свѣршени-
4. ѣ постигъ бѣтвѣнымъ добродѣтелѣмъ.
5. и выше всѣхъ стѣи бѣвъ, видѣнию спѣби
6. се нѣнымъ тайнамъ, равенъ аггломъ бѣвъ.
7. їакоже повѣдахоу нѣи ѿ оученикъ ѣго.
8. иже ѿ него слышаше ѿкрѣвенїѣ неже бѣ не-
9. моу їавити хотѣше. и глѣахоу. їако повѣ-
10. ждемъ лоукавыи и злобѣ ѿбрѣтникъ діѣ-
11. воль, їавлѣти себѣ [хѣ] мнѣше стѣмоу. и свѣ-
12. ѣго прѣльщениѣ хытрости показати по-
13. коущаше се. бѣ сего поноуждѣоу повѣ-
14. дати, и не хощю. и се по поустыни глѣ-
15. боки ходѣоу добромѣ воиноу хѣвоу Мѣ-
16. карїю. видѣ старѣ зѣло нѣкого сѣбѣтѣю-
17. щѣ ѣго, и тѣшконосѣа зѣло. и по всѣмъ
18. тѣлоу належѣшимъ сѣсоудомъ множѣство.
19. вѣсакыи же сѣсоудѣ перо имѣе. и въ мѣст(о)
20. же ѿдѣлѣниѣ, носѣше сѣсоуды сїѣ. въ д(рѣ-)
21. зивѣ же жѣзль, станѣоу рѣ. лице къ лицу(зрѣ-)
22. щѣ. ѿнѣ же їако познаваемъ разбѣи(никъ)
23. боїати се творѣаше се. и рѣ правѣ(днѣмъ),

11. хѣ, comune a tutti i testimoni slavi, va espunto in quanto privo di senso e di parallelo nel testo greco.

1. ὁ δὲ οὐκ ἤθελεν, ἀλλ' ἔλεγεν αὐτοῖς· ὑμεῖς χρεῖαν ἔχετε φαγεῖν τέκνα· ἀκμὴν γὰρ σὰρξ ἐστε. ἐγὼ δὲ νῦν οὐ θέλω φαγεῖν. Οὗτος τοίνυν εἰς τελειότητα φθάσας τῆς κατὰ θεὸν ἀρετῆς·
5. καὶ πάντων ὑπεράνω γενόμενος τῶν παθῶν, θεωρίας κατηξιώθη τῶν οὐρανίων μυστηρίων ἰσάγγελος γεγονώς· ὥς διηγοῦνται τινες τῶν τούτου μαθητῶν· οἱ καὶ παρ' αὐτοῦ ἀκηκόασιν ἀποκαλύψεις ἃς ὁ θεὸς γνωρίζειν ἐβούλετο· καὶ φασίν· ὅτι ἡπτώ-
10. μενος ὁ πανοῦργος καὶ τῆς κακίας εὐρετῆς διάβολος, ἐμφανίζειν ἑαυτὸν ἐδόκει τῷ ἁγίῳ· καὶ τὰς ἑαυτοῦ τῆς πλάνης τέχνας δεικνύειν ἐπειράτο, θεοῦ τοῦτον ἀναγκάζοντας ὁμολογεῖν καὶ μὴ βουλόμενον· καὶ δὴ πρὸς τὴν βαθυτάτην
15. ὁδεύων ἔρημον, ὁ καλὸς τοῦ Χριστοῦ στρατιώτης Μαρκάριος, ὁρᾷ πρεσβύτην πάνυ προσαπαντῶντα αὐτῷ καὶ ὀχθοφοροῦντα σφόδρα· καὶ κατὰ παντὸς τοῦ σώματος περικείμενον ἀγγείων πλήθη· ἐν ἐκάστῳ δὲ αὐτῶν, πτερὸν φέροντα· καὶ ἀντὶ
20. περιβολαίου, φορῶντα τὴν ὕλην· πῆξας δὲ τὴν ῥάβδον ἔστη· φησί· πρόσωπον πρὸς πρόσωπον ἀτενίζων· ὁ δὲ ὥς ὑποπτος λωποδύτης ἐρυθρίαν προσεποιήσατο· καὶ φησι τῷ δικαίῳ·

20. φορῶντα per φοροῦντα è uno dei già menzionati slittamenti di verbi contratti in -ῶ dalla sottoclasse originariamente in -έω a quella in -άω; la corrispondenza $\epsilon\kappa\sigma\upsilon\lambda\epsilon$ - ὕλη non trova riscontri in SJS che tuttavia (IV: 342-343) attesta una notevole ampiezza semantica.
21. Al posto di $\zeta\rho\epsilon\mu\iota\delta$ (desinenza confermata da tutti i testimoni) ci attenderemmo il nominativo come in greco.

1. что твориши по поустыни сеи заблуждае.
2. стѣи же Макарие ѿвѣща. бѣ ѿбрѣсти
3. хоте, бѣгаю прѣльщенїа. ты же кто еси
4. ѿ старче повѣжь ми. странно оубѡ ѿ ви-
5. дѣніе твое ѿ члѣскаго спсєніа. и что
6. соуть ѿже ѿб'дрѣжеть тебе. ѡн' же и не ѿ-
7. те повѣда гл҃е. негоже нарицаете сатана
8. и дѣвольт, азъ есмь. си же соуть, имиже
9. азъ чл҃кы привожу къ себѣ различными
10. н'равы. и в'сакому оуду, побнѣ на прѣль-
11. шєніе дѣло, тыщю се съвршити. и пе-
12. рами въжелѣніемъ помазующе раз'вра-
13. шаю, и веселе се о падежи побѣждаемых'
14. мною. слышав' же стѣи. и дрѣздае къ
15. нѣмому р҃е. хс̄ прѣдал' те ѿ стѣмъ своим'
16. въ пороуганиє. повѣжь ми по имени
17. ѿже имаши ѡбаваниа. на се оубѡ ѡва(іе-)
18. нь еси да видимъ твоѡ многоплетєнь-
19. наѡ ковар'ства злыє хытрости. и оубѡ-
20. дѣв'ше многоразличныє прѣльщенїа
21. (тв)оего стрѣлы, не творимъ по воли тво-
22. (іеи.) ѡн' же р҃е. повѣм' ти и не хоте свое
23. (хытр)ости. не могоу оубѡ скрыти

1. τί ποιεῖς ἐν τῇ ἐρήμῳ ταύτῃ πλανώμενος;
ὁ δὲ ἅγιος Μακάριος ἀπεκρίθη· θεὸν εὐρεῖν
θέλων, φεύγω τὴν πλάνην· σὺ δὲ τίς εἶ
ὦ πρεσβύτα γνώρισόν μοι· ξένον γάρ σου τὸ σχῆ-
μα τῆς ἀνθρώπων σωτηρίας, καὶ τί
τὰ περιέχοντά σε; ὁ δὲ ἄκων
ὡμολόγει λέγων· ὃν λέγετε σατανᾶν
καὶ διάβολον, ἐγὼ τυγχάνω· καὶ ταῦτά ἐστιν ἐν οἷς
τοὺς ἀνθρώπους ἔλκω πρὸς ἑμαυτὸν ἐν διαφόροις
10. τρόποις· καὶ ἐκάστῳ μέρει τὸ ἀρμόζον εἰς ἀπά-
της ἔργον, σπουδάζω τελέσαι· καὶ πτε-
ροῖς ἐπιθυμιῶν τοὺς ἀκούοντάς μου καταστρέ-
φω, εὐφραίνομαι ἐπὶ τῇ πτώσει τῶν ὑπ' ἐμοῦ ἡττωμένων·
ἀκούσας δὲ ὁ ἅγιος Μακάριος καὶ θαρσύνσας πρὸς
15. αὐτὸν εἶπεν· τοῦ Χριστοῦ σε εἰς παίγνιον παραδεδωκότος
τοῖς αὐτοῦ ἀγίοις· φράσον μοι κατ' εἶδος
ὧν ἔχεις φαρμάκων τὴν ἐρμηνείαν· εἰς τοῦτο γὰρ ἐφά-
νης, ἵνα ἴδωμέν σου τὰς πολυπλό-
κους μαγγανείας τῆς κακῆς τέχνης· καὶ μαθόν-
20. τες τὰ πολυμήχανά σου τῆς πλάνης
βέλη, μὴ συντιθέμεθά σου τῇ γνώμῃ·
ὁ δὲ ἔφη· λέγω σοι καὶ μὴ θέλων τὴν ἐμὴν
ἐπιστήμην· οὐ γὰρ δύναμαι κρύπτειν

19. M πολυπλόκας ; la forma "classica" dell'agg. (a due uscite) è
πολυπλόκους in Pa.

21. L'indic. συντιθέμεθα compare in luogo dell'atteso congiuntivo.

1. ꙗже зриши. разꙋмѣи же прочеи в'сакого
2. съсѣда виноу. аще ѡбращоу кого непрѣ-
3. станно поучающа се законоу бжїнемѹ.
4. възбранѣю него главоболинемь него по-
5. роусивь, ѿ съсоудѣ еже на главѣ моєи
6. помазавь. бдѣти же хоща на пѣсни
7. и мѣтвы. възьмь ѿ съсоудѣ еже на вѣ-
8. ждхъ моихъ ѿ. и перомь помазавь, на
9. снь вѣщи поноуѣю се, дръмание при-
10. носе немочу. а ꙗже на оушесахъ мойѣ види-
11. ши, на дѣло прѣслоушаниа соу оугото-
12. ван'на. и сими творочу не послоушати и-
13. стинное слово, хощѣиихъ спѣсти се.
14. а ꙗже о поꙋрехъ мойѣ, вонзми блгоууха-
15. нными юныи на блочдъ пѣвизаю.
16. а ꙗже о оустѣхъ моихъ растворенѣѣ ѡбѣва-
17. нѣѣ, тѣми постѣшихъ се, брашны прѣль-
18. шаю. ꙗже хощочу творити, прилагаю
19. имь сими. клеветание и скврѣносло-
20. вие. и в'сѣмь коупно свой дѣль сѣмен(а,)
21. множество плодѣ дѣиѣ дѣлають (мнѣ)
22. оугодници мои. грѣдынею же о(блѣк' се)
23. прѣвѣзнашаю высокоумнаго(. имыже)

1. ὃ βλέπεις· μάθανε οὖν τὴν αἰτίαν ἐκάστου
ἀγγείου· ἂν εὕρω τινὰ ἀδιαλείπ-
τως μελετῶντα τὸν νόμον τοῦ θεοῦ,
ἐμποδίζω αὐτὸν κεφαλαγίαν αὐτῷ ἐπιρρά-
 5. νας «ἐκ» τοῦ περὶ τῆς κεφαλῆς μου
ἀγγείου χρίσας· τὸν δὲ ἀγρυπνεῖν εἰς ὕμνους
καὶ εὐχὰς θέλοντα, λαβὼν ἐκ τοῦ περὶ τὰς ὀφρύας μου ἀγγείου,
καὶ πτερῷ προσχύσας εἰς
ὑπνον ἔλkein βιάζομαι νυσταγμὸν ἐπι-
 10. φέρων· τὰ δὲ περὶ τὰς ἀκοὰς ὀρώμε-
νά σοι, εἰς παρακοῆς ἔργον εἰσὶν εὐτρεπισμέ-
να· καὶ διὰ τούτων ποιῶ μὴ ἀκούειν τὸν τῆς ἀλη-
θείας λόγον τοὺς θέλοντας σωθῆναι·
τοῖς δὲ περὶ τὴν ὁσφρησίαν μου μύροις εὐωδί-
 15. ας τοὺς νέους εἰς πορνείαν κινῶ·
τοῖς δὲ περὶ τὸ στόμα σκευασθεῖσί μοι φαρμά-
κοις, δελεάζω τοὺς ἀσκοῦντας διὰ βρωμάτων·
ἃ θέλω ποιεῖν ἐπιπέμπω
αὐτοῖς διὰ τούτων· τὸ τῆς καταλαλιᾶς εἶδος καὶ τὸ τῆς αἰσχρολο-
 20. γίας· καὶ πάντων ὁμοῦ ἰδίων ἔργων, τὰ σπέρματα
εἰς πλήθος ἐμοὶ καρπῶν ἀξίων γεωργοῦντες
οἱ ἐμοὶ ἐρασταί· ὑπερηφανίαν δὲ περιβαλὼν,
περικλείω τὸν ὑψηλοφρονοῦντα διὰ τῶν

5. Sintatticamente sembra opportuno emendare introducendo
ἐκ contro la testimonianza di M Pa.

1. на выи моиѣи соутъ. ѿ сихъ ѿбѣмъ даю лю-
2. бецимъ дѣла моя въ мирѣ семь, славѣ
3. и богат'ство. и велика ина мнет' се быти
4. добра оудал'шиим' се ѿ бѣ. а ꙗже о прьсѣ
5. моихъ зриши, мой помысль соѹ приѣти-
6. лища. ѿ нихъ же напачаю сѣца на оупива-
7. ние злочьстиа, помрачаю бл҃гочьстивы-
8. е оумы хотѣиихъ въспоминати боудѣ
9. щаа. забвѣниемъ память ихъ погоу-
10. бляю. а ꙗже о чрѣвѣ моемъ съсоуды,
11. нечювьствиємъ плъни соутъ. имыже
12. несмысльмѣ, бесловеснѣхъ и скотнѣ
13. твороу. и звѣриными н'равы жити им'
14. подаю. а еже по чрѣвомъ моимъ съсѣ-
15. ди соутъ, ꙗже о съвькоуплени ск'врѣ-
16. ннымъ. блѣуды нечистые и мръскы-
17. е, сими твороу. а еже въ роукѣхъ мо-
18. ихъ зриши, на завистноую и оубииствь-
19. ноую слоужбоу соутъ оуготован'на.
20. ѿ нихъ же дѣла моихъ дѣланіи исходе.
21. (а еж)е ѿзѣмъ на хрыптѣ моемъ и плещѣ
22. (раст)воренна, помрачение іе моихъ по-
23. (коуш)еніи. имыже крѣпко повиза-

1. ἐν τῷ τραχήλῳ μου ὄπλων· ἐκ τούτων γὰρ ἔχω τοῖς
τὰ ἐμὰ φιλοῦσιν ἔργα ἐν τῷ βίῳ δόξαν
καὶ πλοῦτον. καὶ ὅσα ἄλλα ἔργα· ἃ δοκεῖ εἶναι
ἀγαθὰ τοῖς ἀπὸ θεοῦ μεμακρυσμένοις· τὰ δὲ περὶ τὸ στή-
5. θός μου βλέπεις; τῶν ἐμῶν ἐννοιῶν εἰσι δοχεῖ-
α, ἐξ ὧν ποτίζω τὰς καρδίας εἰς μέθην
ἀσεβείας· σκοτίζων τὰς εὐσε-
βεῖς γνώμας τῶν θελόντων ἐνθυμεῖσθαι τὰ μέλλον-
τα, λήθῃ τὴν μνήμην αὐτῶν ἀφανί-
10. ζων· τὰ δὲ περὶ τὴν κοιλίαν εἰσὶ μοι ἀγγεῖα,
ἀναισθησίας πεπληρωμένα, δι' ὧν
ἀλόγους καὶ κτην(ώδεις)
παρασκευάζω τοὺς ἀνοήτους, θηρίων τρόπῳ τὸ ζῆν αὐτοῖς
παρέχων· τὰ δὲ ὑπὸ γαστέρα μοι συνόντα
15. πέφυκεν εἶναι πρὸς μῖξιν ἀσελ-
γειῶν, ἀκολασίας αἰσχροῦς
διὰ τούτων ποιούμενος· τὰ δὲ ἐν χερσὶν
ὀργῆς, εἰς τὴν τῶν φθόνων καὶ φό-
νων ὑπηρεσίαν εἰσὶν εὐτρεπισμένα·
20. ἐξ ὧν αἱ πράξεις τῶν ἐμῶν ἔργων προχωροῦσι·
τὰ δὲ ὀπισθεν περὶ τὸν νῶτον καὶ τοὺς ὤμους
ἡρτημένα, ὁ γνώφος ἐστὶ τῶν ἐμῶν πειρα-
τηρίων, δι' ὧν ἰσχυρῶς ἀγωνίζο-

4-5. Pa ἃ δὲ περὶ τὸ στήθος μου βλέπεις,

10. Pa περὶ τὴν κοιλίαν μου

12. Sembra necessario emendare; M Pa κτηνωδῶς (M grafia τνο-).

17. L'articolo neutro plurale implicherebbe un interrogativo dopo ὀργῆς ;
altrimenti si potrebbe emendare introducendo il relativo ἃ (il rel. slavo può
corrispondere ad entrambi).

1. ю се, иже на ме опльчающих' се борити
2. покѣшающих' се. засѣданиа творе съзѣ,
3. и похыщаю иже на силѣ свою оутп'вляющѣ.
4. а еже по ледвиахъ и бедрѣ до ногъ зриши
5. слежаша, свѣти и прим'ками пльни
6. соуть. имыже прѣплитаю и сьмоуща-
7. ю поутѣ правѣ. и възбранѣю теши бла-
8. гочьствыми поутѣ. по моем' же поутѣ
9. ходити творю. посредѣ оубѣ поутѣ
10. тии сьмрѣти и живота сѣде, прѣпина-
11. ю по животномѣ пѣти ходещихъ. о-
12. брашане ихъ на поутѣ сьмрѣт'ны. по мо-
13. ем' же ѡрани, трънии и вльчѣ сѣю.
14. въ нем'же постѣваемѣ, ѡвращают' се
15. ѡ поутѣ истин'наго. ты же ни мало
16. не всхотѣ оуслышати ме понѣ единѣ
17. ю. како имѣти ми мало оутѣшениѣ.
18. имашѣ бѣ добра влѣкоу сѣ ѣдинослажни-
19. кы твоими. бесѣдоуща крот'ко и сѣ-
20. блюдающа како свое чедо. слышав' же (си)
21. искоусныи страдальць хвѣ, знам(ено-)
22. ва себѣ глѣ. блѣнь бѣ, прѣдавыи те(оупва-)
23. ющѣимъ на нѣ, въ постыжениѣ, (и мене)